"हत्या की राज करने वाली मालकिन।" टाइम

पी.डी. जेम्स

यूरोपीय टाइम्स के बेस्टसेलिंग लेखक

उसका चेहरा ढक दो

एडम डाल्गलिश का एक रहस्य

"THE REIGNING MISTRESS OF MURDER." —*Time*

P.D. JAMES

NEW YORK TIMES BESTSELLING AUTHOR

COVER HER FACE

An Adam Dalgliesh Mystery

Table of Contents

अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ

उसका चेहरा ढक दो

रहस्यमय अतीत वाली खूबसूरत नौकरानी की बिस्तर पर गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। स्टीफन मैक्सी, जो कि परिवार का वारिस था, से लेकर सम्मानित गृहस्वामी मार्था तक, मैक्सी परिवार के हर सदस्य के पास उससे नफरत करने का कारण था। स्कॉटलैंड यार्ड के सबसे कुशल जासूस, डिटेक्टिव चीफ-इंस्पेक्टर एडम डेलग्लेश को इस शातिर हत्यारे का पर्दाफाश करने के लिए अपनी तमाम क्षमताओं का इस्तेमाल करना पड़ा।

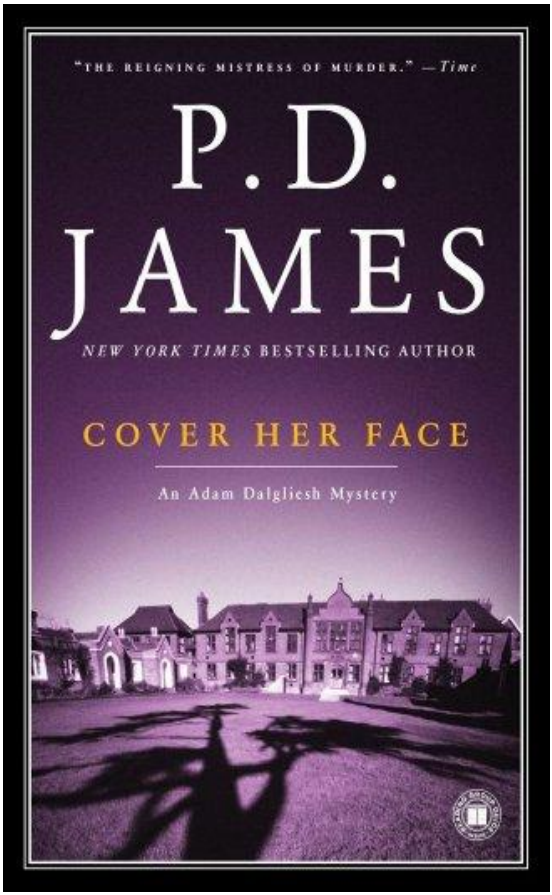

उसका चेहरा ढक दो

पी. डी. जेम्स

चिवर्स प्रेस
फेबर एंड फेबर लिमिटेड द्वारा पहली बार 1962 में प्रकाशित
यह लार्ज प्रिंट संस्करण चिवर्स प्रेस द्वारा फेबर एंड फेबर लिमिटेड के साथ समझौते के तहत 1988 में प्रकाशित किया गया था।

ISBN 0 86220 257 4
कॉपीराइट © 1962 पी. डी. जेम्स द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित। ब्रिटिश लाइब्रेरी कैटलॉगिंग इन पब्लिकेशन डेटा। जेम्स पी. डी. (फिलिस डोरोथी)। 1920
उसका चेहरा ढक दो।
ISBN 0-86220-257-4
यह फोटोसेट ग्रेट ब्रिटेन में रेडवुड बर्न लिमिटेड, ट्रोब्रिज, विल्टशायर द्वारा मुद्रित और बाउंड किया गया है।

अध्याय एक

मार्टिंगेल हत्याकांड से ठीक तीन महीने पहले श्रीमती मैक्सी ने एक रात्रिभोज दिया था। वर्षों बाद, जब मुकदमा एक लगभग भुला दिया गया घोटाला बन चुका था और अलमारियों के दराजों में लगे अखबारों की चादर पर सुर्खियाँ फीकी पड़ रही थीं, तब एलेनोर मैक्सी ने उस बसंत की शाम को त्रासदी के शुरुआती दृश्य के रूप में याद किया। चुनिंदा और विकृत स्मृति ने उस साधारण रात्रिभोज को अशुभ संकेत और बेचैनी के माहौल से भर दिया था। पीछे मुड़कर देखने पर, वह पीड़ित और संदिग्धों का एक ही छत के नीचे एक रस्मी जमावड़ा बन गया, हत्या की एक सुनियोजित भूमिका। वास्तव में, सभी संदिग्ध उपस्थित नहीं थे। उदाहरण के लिए, फेलिक्स हर्न उस सप्ताहांत मार्टिंगेल में नहीं था। फिर भी, उनकी स्मृति में, वह भी श्रीमती मैक्सी की मेज पर बैठा था, व्यंग्यपूर्ण और मनोरंजक निगाहों से किरदारों की शुरुआती हरकतों को देख रहा था।

उस समय, ज़ाहिर है, पार्टी साधारण और कुछ हद तक नीरस थी। तीन मेहमान - पादरी डॉ. एप्स और सेंट मैरी गर्ल्स रिफ्यूज की वार्डन मिस लिडेल - अक्सर साथ में खाना खा चुके थे, इसलिए उन्हें एक-दूसरे की संगति से किसी भी तरह की नवीनता या उत्साह की उम्मीद नहीं थी। कैथरीन बोवर्स असामान्य रूप से चुप थीं और स्टीफन मैक्सी और उनकी बहन डेबोरा रिस्को बड़ी मुश्किल से अपनी झुंझलाहट छिपा रहे थे कि स्टीफन को एक महीने से ज़्यादा समय बाद अस्पताल से मिली पहली छुट्टी एक डिनर पार्टी के साथ ही पड़ गई थी।

श्रीमती मैक्सी ने हाल ही में मिस लिडेल की अविवाहित माताओं में से एक को घर की नौकरानी के रूप में नियुक्त किया था और वह लड़की पहली बार भोजन परोसने का काम कर रही थी। लेकिन भोजन के दौरान व्याप्त औपचारिकता का कारण सैली जुप्प की कभी-कभार उपस्थिति मात्र नहीं हो सकती थी, जो श्रीमती मैक्सी के सामने व्यंजन रखती और बड़ी कुशलता से प्लेटें हटाती थी, जिसे मिस लिडेल ने संतुष्टि और प्रशंसा के साथ देखा।

संभवतः मेहमानों में से कम से कम एक पूरी तरह से खुश था। चैडफ्लीट के पादरी बर्नार्ड हिंक्स अविवाहित थे, और उनकी गृहणी बहन द्वारा तैयार किए गए पौष्टिक लेकिन बेस्वाद भोजन से कोई भी बदलाव उनके लिए राहत का स्रोत था। उनकी बहन स्वयं कभी पादरी के घर से बाहर भोजन करने के लिए नहीं जाती थी। इस राहत के कारण सामाजिक शिष्टाचार के लिए उनके पास बहुत कम समय बचता था। वे एक सौम्य, सौम्य चेहरे वाले व्यक्ति थे जो अपनी चौवन वर्ष की आयु से अधिक उम्र के प्रतीत होते थे और धार्मिक मामलों को छोड़कर अन्य विषयों पर अस्पष्टता और संकोच के लिए जाने जाते थे।

धर्मशास्त्र उनकी मुख्य, बल्कि लगभग एकमात्र, बौद्धिक रुचि थी और यदि उनके अनुयायी उनके उपदेशों को पूरी तरह से समझ नहीं पाते थे, तो भी वे इसे अपने पादरी की विद्वत्ता का पुख्ता प्रमाण मानकर संतुष्ट रहते थे। हालांकि, गांव में यह आम धारणा थी कि पादरी के निवास से सलाह और सहायता दोनों प्राप्त की जा सकती हैं और यदि सलाह कभी-कभी थोड़ी अस्पष्ट होती थी, तो आमतौर पर उस पर भरोसा किया जा सकता था।

डॉ. चार्ल्स एप्स के लिए रात्रिभोज का मतलब एक शानदार भोजन, बात करने के लिए कुछ आकर्षक महिलाएं और ग्रामीण चिकित्सा अभ्यास की तुच्छताओं से एक आरामदायक विराम था।

वह एक विधुर थे जो तीस वर्षों से चैडफ्लीट में रह रहे थे और अपने अधिकांश रोगियों को इतनी अच्छी तरह से जानते थे कि वे सटीकता से भविष्यवाणी कर सकते थे कि वे जीवित रहेंगे या मर जाएंगे।

उनका मानना था कि किसी भी डॉक्टर के लिए इस निर्णय को प्रभावित करना असंभव है, दूसरों को कम से कम असुविधा और स्वयं को कम से कम कष्ट पहुँचाते हुए मृत्यु का सही समय चुनना ही बुद्धिमानी है, और चिकित्सा जगत की अधिकांश प्रगति केवल रोगी के डॉक्टर की प्रसिद्धि के लिए कुछ असहज महीनों तक ही जीवन को बढ़ाती है। इन सबके बावजूद, उनमें स्टीफन मैक्सी के अनुमान से कहीं अधिक मूर्खता और कौशल था, और उनके कुछ मरीज़ों को समय से पहले ही मृत्यु का सामना करना पड़ा। उन्होंने श्रीमती मैक्सी के दोनों बच्चों के जन्म के समय उनकी देखभाल की थी और साइमन मैक्सी के भ्रमित मस्तिष्क के लिए मित्रता की समझ और महत्व को समझने की सीमा तक वे उनके पति के डॉक्टर और मित्र थे। अब वे मैक्सी की मेज पर बैठे थे और चिकन सूफ़ले को इस भाव से खा रहे थे जैसे उन्होंने अपना भोजन मेहनत से कमाया हो और दूसरों के मिजाज से प्रभावित होने का उनका कोई इरादा न हो।

"तो आप सैली जुप्प और उसकी बच्ची, एलेनोर को ले गए हैं?" डॉ. एप्स स्पष्ट बात कहने में कभी संकोच नहीं करते थे। "दोनों ही प्यारी बच्चियां हैं। घर में फिर से एक बच्ची का होना आपके लिए काफी खुशी की बात है।"

श्रीमती मैक्सी ने रूखेपन से कहा, "उम्मीद है मार्था आपसे सहमत होंगी। उन्हें मदद की सख्त जरूरत है, लेकिन वे बहुत रूढ़िवादी हैं। शायद वे स्थिति को जितना कहती हैं उससे कहीं ज्यादा महसूस करती हैं।"

"वो इससे उबर जाएगी। जब रसोई के सिंक पर किसी और के हाथ लगने की बात हो, तो नैतिक दुविधाएँ जल्द ही दूर हो जाती हैं।" डॉ. एप्स ने अपने मोटे हाथ को हिलाते हुए मार्था बुल्टिटाफ्ट की अंतरात्मा को खारिज कर दिया। "वैसे भी, वो जल्द ही बच्चे की मुट्ठी में होगी। जिमी एक प्यारा बच्चा है, चाहे उसका पिता कोई भी हो।"

इस बिंदु पर मिस लिडेल को लगा कि अनुभव की आवाज सुनी जानी चाहिए।

"डॉक्टर साहब, मुझे नहीं लगता कि हमें इन बच्चों की समस्या को हल्के में लेना चाहिए। स्वाभाविक रूप से हमें ईसाई धर्म के अनुसार दयालुता दिखानी चाहिए" - यहाँ मिस लिडेल ने पादरी की ओर आधा झुककर अभिवादन किया, मानो किसी अन्य विशेषज्ञ की उपस्थिति को स्वीकार कर रही हों और उनके क्षेत्र में दखल देने के लिए क्षमा मांग रही हों - "लेकिन मुझे यह महसूस होता है कि समाज इन लड़कियों के प्रति बहुत नरम होता जा रहा है। यदि इन बच्चों को विवाह से जन्मे बच्चों की तुलना में अधिक महत्व दिया जाता है, तो देश के नैतिक स्तर में गिरावट जारी रहेगी।"

और ये तो पहले से ही हो रहा है! कई गरीब, सम्मानित माताएँ ऐसी हैं जिन्हें इन लड़कियों पर

बरसाई जाने वाली दुलार और ध्यान का आधा भी नहीं मिलता। उसने मेज के चारों ओर देखा, उसका चेहरा लाल हो गया और वह फिर से तेज़ी से खाने लगी। खैर, अगर वे सब हैरान हो गए तो क्या हुआ? यह कहना ज़रूरी था। यह कहना उसका कर्तव्य था।

उसने पादरी की ओर एक नज़र डाली मानो उनका समर्थन मांग रही हो, लेकिन श्री हिंक्स ने पहले तो उसे हैरानी से देखा, फिर अपने भोजन पर ध्यान केंद्रित कर लिया। एक सहयोगी न मिलने से निराश होकर मिस लिडेल ने चिढ़कर सोचा कि क्या प्यारे पादरी सचमुच अपने भोजन को लेकर थोड़े लालची हैं! अचानक उसने स्टीफन मैक्सी को बोलते हुए सुना।

“ये बच्चियाँ बेशक बाकी बच्चियों से अलग नहीं हैं, बस फर्क इतना है कि हम पर इनका ज़्यादा एहसान है। मुझे इनकी माताओं में भी कोई खास बात नज़र नहीं आती। आखिर, कितने लोग उस नैतिक नियम को व्यवहार में अपनाते हैं जिसे ये लड़कियाँ तोड़ने के लिए कोसती हैं?” “बहुत सारे, डॉ. मैक्सी, मैं आपको यकीन दिलाती हूँ।” मिस लिडेल अपने काम की वजह से युवाओं के विरोध की आदी नहीं थीं। स्टीफन मैक्सी भले ही एक उभरते हुए युवा सर्जन हों, लेकिन इससे वो बिगड़ैल लड़कियों के मामलों के विशेषज्ञ नहीं बन जाते। “अगर मुझे लगता कि मेरे काम में मुझे जिन व्यवहारों के बारे में सुनना पड़ता है, उनमें से कुछ वाकई आज के युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो मैं बहुत दुखी होती।”

"खैर, आधुनिक युवाओं के प्रतिनिधि के तौर पर, आप मुझसे यह बात मान सकते हैं कि जो लोग पकड़े जाते हैं, उनसे नफरत करना हमारे लिए कोई असामान्य बात नहीं है। यह लड़की मुझे बिल्कुल सामान्य और सम्मानजनक लगती है।"

"उनका व्यवहार शांत और शालीन है।"

वह काफी पढ़ी-लिखी भी है। प्राथमिक विद्यालय की छात्रा! अगर वह सेंट मैरी स्कूल के लिए इतनी उत्तम दर्जे की छात्रा न होती, तो मैं कभी सपने में भी आपकी माँ को उसकी सिफारिश न करता। दरअसल, वह अनाथ है और उसकी मौसी ने उसका पालन-पोषण किया है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप इस बात को लेकर उसके प्रति सहानुभूति नहीं दिखाएंगे।

सैली का काम है कड़ी मेहनत करना और इस अवसर का भरपूर लाभ उठाना। अतीत बीत चुका है और उसे भूल जाना ही बेहतर है।

"जब किसी के पास अतीत की इतनी ठोस यादगार चीज हो तो उसे भूलना मुश्किल होता होगा," डेबोरा रिस्को ने कहा।

डॉ. एप्स, उस बातचीत से चिढ़ गए जिससे लोगों का गुस्सा भड़क रहा था और शायद पाचन क्रिया भी बिगड़ रही थी, इसलिए उन्होंने तुरंत अपना प्लेसीबो देने का फैसला किया। दुर्भाग्यवश, इसका नतीजा यह हुआ कि विवाद और बढ़ गया।

वह एक अच्छी मां और एक खूबसूरत लड़की है।

शायद वो किसी लड़के से मिल ले और शादी कर ले। और यही सबसे अच्छी बात होगी। मुझे अविवाहित माँ और बच्चे का ये रिश्ता पसंद नहीं है। वे एक-दूसरे में बहुत उलझ जाते हैं और कभी-कभी मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं। मुझे कभी-कभी लगता है - मुझे पता है मिस लिडेल, यह एक घोर नास्तिकता है - कि सबसे अच्छा यही होगा कि इन बच्चों को शुरू से ही

किसी अच्छे घर में गोद दे दिया जाए।
"बच्चे की जिम्मेदारी मां की होती है," मिस लिडेल ने कहा। "उसकी देखभाल करना और उसे पालना-पोसना उसका कर्तव्य है।"
सोलह साल तक और पिता की मदद के बिना?
"स्वाभाविक रूप से हमें एक संबद्धता आदेश प्राप्त होता है,"
डॉ. मैक्सी, जब भी संभव हो।
दुर्भाग्यवश, सैली बहुत जिद्दी है और हमें पिता का नाम नहीं बता रही है, इसलिए हम उसकी मदद नहीं कर पा रहे हैं।"
"आजकल कुछ शिलिंग से कुछ खास नहीं चलता।" स्टीफन मैक्सी इस विषय को ज़िंदा रखने के लिए सनकी रूप से दृढ़ संकल्पित लग रहे थे।
"और मुझे लगता है कि सैली को सरकारी बाल भत्ता भी नहीं मिलता है।"
"मेरे प्यारे भाई, यह एक ईसाई देश है, और पाप का दंड मृत्यु होना चाहिए, न कि करदाताओं के पैसे में से आठ शिलिंग।"
देबोरा ने दबी आवाज़ में कुछ कहा था, लेकिन मिस लिडेल ने सुन लिया था और उन्हें लगा कि जानबूझकर ऐसा किया गया था। श्रीमती मैक्सी को लगा कि अब दखल देने का समय आ गया है। उनके कम से कम दो मेहमानों का मानना था कि उन्हें पहले ही दखल दे देना चाहिए था। श्रीमती मैक्सी की आदत नहीं थी कि वे किसी बात को हाथ से निकलने देतीं। उन्होंने कहा, "चूंकि मुझे सैली को बुलाना है, तो शायद बेहतर होगा कि हम विषय बदल लें। चर्च के मेले के बारे में पूछकर मैं सबको बहुत अलोकप्रिय बना लूंगी। मुझे पता है कि ऐसा लग रहा है कि मैंने आप सबको झूठे बहाने से बुलाया है, लेकिन हमें वास्तव में संभावित तारीखों के बारे में सोचना चाहिए।" यह एक ऐसा विषय था जिस पर उनके सभी मेहमान बेझिझक खुलकर बात कर सकते थे। जब तक सैली अंदर आई, तब तक बातचीत इतनी नीरस, सौहार्दपूर्ण और शर्मिंदगी से मुक्त हो चुकी थी जितनी कैथरीन बोवर्स भी चाहतीं।
मिस लिडेल सैली जुप्प को मेज पर इधर-उधर घूमते हुए देखती रहीं। ऐसा लग रहा था मानो रात के खाने पर हुई बातचीत ने उन्हें पहली बार उस लड़की को स्पष्ट रूप से देखने के लिए प्रेरित किया हो।
सैली बहुत दुबली-पतली थी। उसके घने, लाल-सुनहरे बाल टोपी के नीचे गुंथे हुए थे, मानो उसकी पतली गर्दन पर बोझ हों। उसकी बचकानी भुजाएँ लंबी थीं, कोहनियाँ लाल त्वचा के नीचे उभरी हुई थीं। उसका चौड़ा मुँह अब संयमित था, उसकी हरी आँखें अपने काम पर शांत भाव से टिकी हुई थीं। अचानक मिस लिडेल को स्नेह का एक अकारण आवेग महसूस हुआ। सैली सचमुच बहुत अच्छा कर रही थी, बहुत ही अच्छा! उन्होंने ऊपर देखा, लड़की की आँखों में देखा और उसे प्रोत्साहन और प्रोत्साहन भरी मुस्कान दी।
अचानक उनकी नज़रें मिलीं। पूरे दो सेकंड तक वे एक-दूसरे को देखते रहे। फिर मिस लिडेल का चेहरा लाल हो गया और उन्होंने नज़रें झुका लीं। ज़रूर उनसे कोई गलती हुई होगी!
यकीनन सैली कभी भी उसे इस तरह देखने की हिम्मत नहीं करेगी! उलझन और भय से भरी वह

लड़की उस संक्षिप्त संपर्क के असाधारण प्रभाव का विश्लेषण करने की कोशिश कर रही थी। इससे पहले कि उसके चेहरे पर प्रशंसा का भाव आता, उसने लड़की की आँखों में सेंट मैरी रिफ्यूज की सैली जुप्प की तरह विनम्र कृतज्ञता नहीं, बल्कि व्यंग्यपूर्ण तिरस्कार, षड्यंत्र का संकेत और एक ऐसी घृणा देखी जो अपनी तीव्रता में लगभग भयावह थी।

फिर हरी आँखें फिर से झुक गईं और रहस्यमयी सैली एक बार फिर विनम्र, शांत और मिस लिडेल की सबसे प्यारी और लाडली छात्रा बन गई। लेकिन उस पल ने अपनी छाप छोड़ दी।

मिस लिडेल अचानक चिंता से घबरा गईं। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के सैली की सिफारिश की थी। देखने में तो सब कुछ बेहद संतोषजनक लग रहा था। वह लड़की बहुत ही प्रतिभाशाली थी। मार्टिंगेल में नौकरी के लिए वह वाकई बहुत काबिल थी। फैसला हो चुका था। अब इस फैसले पर शक करने का कोई मतलब नहीं था। ज़्यादा से ज़्यादा यही हो सकता था कि सैली को अपमानजनक तरीके से सेंट मैरी लौटना पड़े। मिस लिडेल को पहली बार एहसास हुआ कि उनकी पसंदीदा छात्रा को मार्टिंगेल में भेजने से कुछ जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती थी कि वे उन जटिलताओं की भयावहता का अनुमान लगा सकेंगी और न ही यह कि उनका अंत हिंसक मौत में होगा।

कैथरीन बोवर्स, जो सप्ताहांत के लिए मार्टिंगेल में ठहरी हुई थीं, ने रात के खाने के दौरान बहुत कम बात की। स्वभाव से ईमानदार होने के कारण, उन्हें यह जानकर थोड़ी हैरानी हुई कि उनकी सहानुभूति मिस लिडेल के साथ थी। बेशक, स्टीफन का सैली और उनके जैसे लोगों का इतनी ज़ोरदार वकालत करना बहुत उदारतापूर्ण और सराहनीय था, लेकिन कैथरीन को उतनी ही झुंझलाहट हुई जितनी तब होती थी जब उनकी गैर-नर्सिंग सहेलियाँ उनके पेशे की महानता की बातें करती थीं। रोमांटिक विचार रखना ठीक है, लेकिन वे उन लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखते जो बच्चों की देखभाल करते हैं या अपराधी बच्चों के बीच काम करते हैं। उनका मन तो यही कहने का हुआ, लेकिन मेज के दूसरी ओर बैठी देबोरा की मौजूदगी ने उन्हें चुप करा दिया। रात का खाना, बाकी सभी असफल सामाजिक समारोहों की तरह, अपने सामान्य समय से तीन गुना ज़्यादा लंबा खिंचा। कैथरीन ने सोचा कि किसी परिवार ने कभी कॉफी पर इतना समय नहीं बिताया था, न ही पुरुषों ने आने में इतनी देर की थी।

लेकिन आखिरकार यह सब खत्म हो गया। मिस लिडेल सेंट मैरी लौट गई थीं, और उन्होंने इशारा किया कि अगर मिस पोलैक को अकेले ज़िम्मेदारी ज़्यादा देर तक न सौंपी जाए तो उन्हें ज़्यादा खुशी होगी। मिस्टर हिंक्स कल के प्रवचन की आखिरी तैयारियों में मशगूल रहे और वसंत की हवा में एक पतले भूत की तरह गायब हो गए। मैक्सी परिवार और डॉ. एप्स ड्राइंग रूम में लकड़ी की आग का आनंद लेते हुए संगीत के बारे में बातें कर रहे थे। यह वह विषय नहीं था जिसे कैथरीन चुनती। टीवी भी बेहतर होता, लेकिन मार्टिंगेल में एकमात्र टीवी मार्था के बैठक कक्ष में था। अगर बात करनी ही थी तो कैथरीन चाहती थी कि वह सिर्फ़ चिकित्सा तक ही सीमित रहे। डॉ. एप्स शायद कहते, "बेशक आप एक नर्स हैं, मिस बोवर्स, स्टीफन के लिए कितना अच्छा है कि उसे कोई ऐसा मिला है जो उसकी रुचियों को साझा करता है।" फिर वे तीनों बातें करते रहते, जबकि देबोरा कुछ देर के लिए खामोशी से बैठी रहती और उसे एहसास होता कि पुरुष खूबसूरत,

बेकार महिलाओं से ऊब जाते हैं, चाहे वे कितनी भी सजी-धजी क्यों न हों, और स्टीफन को किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत थी जो उसके काम को समझे, जो उसके दोस्तों से समझदारी और ज्ञान से बात कर सके। यह एक सुखद सपना था और, अधिकांश सपनों की तरह, इसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं था।

कैथरीन लकड़ी की आग की पतली लपटों पर हाथ रखे बैठी थी और सहज दिखने की कोशिश कर रही थी, जबकि बाकी लोग पीटर वारलॉक नाम के एक संगीतकार के बारे में बात कर रहे थे, जिसके बारे में उसने पहले कभी नहीं सुना था, सिवाय किसी धुंधले और भूले हुए ऐतिहासिक संदर्भ में। बेशक, डेबोरा ने दावा किया कि वह उसे समझ नहीं पा रही है, लेकिन हमेशा की तरह उसने अपनी अज्ञानता को मनोरंजक बना दिया। श्रीमती बोवर्स के बारे में पूछकर कैथरीन को बातचीत में शामिल करने की उसकी कोशिश कैथरीन को शिष्टाचार की नहीं, बल्कि अहंकार की निशानी लगी। जब नई नौकरानी डॉक्टर एप्स के लिए एक संदेश लेकर आई तो कैथरीन को राहत मिली। दूर के एक खेत में उनकी एक मरीज को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी। डॉक्टर अनिच्छा से अपनी कुर्सी से उठे, एक आवारा कुत्ते की तरह खुद को झटका दिया और माफी मांगी।

कैथरीन ने आखिरी बार कोशिश की।

"दिलचस्प मामला है, डॉक्टर?" उसने उत्साह से पूछा।

"बिल्कुल नहीं, मिस बोवर्स।" डॉ. एप्स अपना बैग ढूंढते हुए इधर-उधर देख रहे थे। "मेरे पास पहले से ही तीन हैं।"

वैसे तो वो बहुत प्यारी महिला हैं, और उन्हें मेरा वहां होना अच्छा लगता है। पता नहीं क्यों!

वह बिना किसी झिझक के खुद को संभाल सकती थी। अच्छा, अलविदा, एलेनोर, और शानदार डिनर के लिए धन्यवाद। जाने से पहले मैं साइमन से मिलने जाना चाहती थी, लेकिन अगर अनुमति हो तो मैं कल आऊंगी। मुझे लगता है कि आपको सोम्मेइल के लिए नए प्रिस्क्रिप्शन की ज़रूरत पड़ेगी।

मैं इसे अपने साथ ले आऊंगा।" उन्होंने सहभागिता को सौहार्दपूर्ण ढंग से सिर हिलाकर अभिवादन किया और श्रीमती मैक्सी के साथ हॉल में चले गए। थोड़ी देर में उन्हें उनकी कार के ड्राइववे पर तेज़ी से दूर जाने की आवाज़ सुनाई दी।

वह एक उत्साही ड्राइवर था और उसे छोटी, तेज रफ्तार वाली कारें बहुत पसंद थीं, जिनसे वह बड़ी मुश्किल से खुद को बाहर निकाल पाता था और जिनमें वह मौज-मस्ती करने निकले एक दुष्ट बूढ़े भालू जैसा दिखता था।

जब इंजन के निकास की आवाज़ बंद हो गई, तो देबोरा ने कहा, "ठीक है, बात यहीं खत्म होती है।"

अब घोड़ों के बारे में बोकॉक से बात करने के लिए अस्तबल जाने के बारे में क्या ख्याल है? मतलब, अगर कैथरीन टहलना चाहे तो। कैथरीन टहलने के लिए बहुत बेताब थी, लेकिन देबोरा के साथ नहीं। सच में, उसने सोचा, यह कितना अजीब था कि देबोरा यह समझ ही नहीं पा रही थी या समझना नहीं चाहती थी कि वह और स्टीफन अकेले रहना चाहते हैं। लेकिन अगर स्टीफन

यह बात साफ-साफ न कहे तो वह भी ऐसा नहीं कर सकती थी। जितनी जल्दी उसकी शादी हो जाए और वह अपने सभी महिला रिश्तेदारों से दूर हो जाए, उतना ही उसके लिए अच्छा होगा। "वे उसका खून चूसती हैं," कैथरीन ने सोचा, जिसने आधुनिक उपन्यास पढ़ते हुए इस तरह की महिलाओं को देखा था। देबोरा, इन पिशाची प्रवृत्तियों से बेखबर, खुली खिड़की से होते हुए लॉन पार करते हुए आगे-आगे चली गई।

जो अस्तबल कभी मैक्सी का अस्तबल हुआ करता था और अब श्री सैमुअल बोकॉक की संपत्ति था, वह घर से मात्र दो सौ गज की दूरी पर और घर के घास के मैदान के दूसरी ओर था। बूढ़ा बोकॉक वहाँ था, तूफ़ानी लैंप की रोशनी में लगाम चमका रहा था और दाँतों से सीटी बजा रहा था। वह एक छोटा, भूरे रंग का आदमी था, जिसका चेहरा बौने जैसा था, आँखें तिरछी और मुँह चौड़ा था, और स्टीफन को देखकर उसकी खुशी स्पष्ट थी। वे सभी उन तीन घोड़ों को देखने गए जिनके साथ बोकॉक अपना छोटा सा व्यवसाय स्थापित करने की कोशिश कर रहा था। "सच में," कैथरीन ने सोचा, "यह कितना हास्यास्पद था कि देबोरा ने उन पर इतना ध्यान दिया, उनके चेहरों से प्यार से लिपटकर उन्हें ऐसे दुलार रही थी जैसे वे इंसान हों। निराश मातृत्व की भावना," उसने अप्रिय रूप से सोचा। "अच्छा होगा कि वह अपनी कुछ ऊर्जा बच्चों के वार्ड में खर्च करे। वैसे भी वह वहाँ किसी काम की नहीं है।" वह खुद चाहती थी कि वे वापस घर चले जाएँ। अस्तबल बेहद साफ-सुथरा था, लेकिन कसरत के बाद घोड़ों की तेज़ गंध को छिपाना नामुमकिन था, और किसी कारणवश कैथरीन को यह परेशान कर रही थी। एक पल, स्टीफन का पतला भूरा हाथ जानवर की गर्दन पर उसके हाथ के पास था। उस हाथ को छूने, सहलाने, यहाँ तक कि उसे अपने होठों तक ले जाने की तीव्र इच्छा क्षण भर के लिए इतनी प्रबल हुई कि उसे अपनी आँखें बंद करनी पड़ीं। और फिर, अँधेरे में, उसी हाथ की कुछ और यादें उभर आईं, शर्मनाक रूप से सुखद, जो उसके सीने के चारों ओर आधा लिपटा हुआ था, उसकी सफेदी के मुकाबले और भी भूरा, और धीरे-धीरे और प्यार से हिल रहा था, मानो आनंद का संकेत दे रहा हो। वह लड़खड़ाते हुए बसंत की धुंधली रोशनी में बाहर निकली और अपने पीछे बोकॉक की धीमी, झिझकती हुई आवाज़ और मैक्सि की उत्सुक आवाज़ें एक साथ सुनाई दीं। उस पल उसे फिर से घबराहट के उन विनाशकारी पलों का अनुभव हुआ जो स्टीफन से प्रेम करने के बाद से समय-समय पर उस पर छा जाते थे। वे अचानक आते थे और उसकी सारी समझदारी और इच्छाशक्ति उनके आगे बेबस हो जाती थी। वो पल ऐसे थे जब सब कुछ अवास्तविक लग रहा था और उसे ऐसा महसूस हो रहा था मानो उसकी उम्मीदों के नीचे से रेत खिसक रही हो। उसका सारा दुख और अनिश्चितता देबोरा पर केंद्रित हो गई थी। देबोरा ही उसकी दुश्मन थी। देबोरा, जिसकी शादी हो चुकी थी, जिसे कम से कम खुश रहने का मौका तो मिला था। देबोरा, जो खूबसूरत, स्वार्थी और निकम्मी थी। बढ़ते अंधेरे में अपने पीछे से आती आवाज़ों को सुनकर कैथरीन नफरत से बीमार पड़ गई।

जब तक वे मार्टिंगेल लौटे, तब तक वह खुद को संभाल चुकी थी और उदासी का साया छंट चुका था। उसका आत्मविश्वास और निश्चिंतता का भाव वापस लौट आया था। वह जल्दी सो गई और अपनी वर्तमान मनोदशा को देखते हुए उसे लगभग यकीन हो गया था कि वह उससे मिलने आ सकता है। उसने खुद को समझाया कि उसके पिता के घर में ऐसा होना असंभव होगा, यह

उसकी ओर से मूर्खता होगी और उसकी ओर से आतिथ्य सत्कार का घोर दुरुपयोग।
लेकिन वह अंधेरे में इंतजार करती रही। थोड़ी देर बाद उसे सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनाई दी - उसके और देबोरा के कदमों की आहट। भाई-बहन धीरे-धीरे एक साथ हंस रहे थे।
वे उसके दरवाजे के पास से गुजरते समय एक पल के लिए भी नहीं रुके।
ऊपर की मंजिल पर स्थित छोटे से सफेद रंग से रंगे बेडरूम में, जो बचपन से ही उसका था, स्टीफन अपने बिस्तर पर लेट गया।
उन्होंने कहा, "मैं थक गया हूँ।"
"मैं भी।" देबोरा ने जम्हाई ली और उसके बगल में बिस्तर पर बैठ गई। "खाने की पार्टी तो बहुत ही नीरस थी। काश मम्मी ऐसा न करती।"
वे सब बड़े पाखंडी हैं।
"वे इसमें कुछ नहीं कर सकते। उनकी परवरिश इसी तरह हुई है। इसके अलावा, मुझे नहीं लगता कि एप्पी और मिस्टर हिंक्स में कोई बड़ी खामी है।"
"मुझे लगता है मैंने खुद को काफी मूर्ख साबित कर दिया," स्टीफन ने कहा।
"खैर, आप तो काफी उग्र थे।"
यह कुछ-कुछ सर गैलाहद द्वारा पीड़ित युवती के बचाव में कूदने जैसा है, सिवाय इसके कि संभवतः वह पीड़िता से अधिक पापी थी।
"तुम्हें वो पसंद नहीं है, है ना?" स्टीफन ने पूछा।
"मेरी प्यारी, मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं है।"
वह बस यहाँ काम करती है। मुझे पता है कि यह आपकी प्रबुद्ध सोच के विपरीत प्रतिक्रिया लग सकती है, लेकिन ऐसा मेरा इरादा नहीं है। बात बस इतनी है कि मुझे उसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, और न ही, मुझे लगता है, उसे मुझमें कोई दिलचस्पी है।
"मुझे उसके लिए खेद है।" स्टीफन की आवाज में थोड़ी सी उग्रता झलक रही थी।
"रात के खाने के समय तो यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई थी," डेबोरा ने रूखेपन से कहा।
"उनकी घोर लापरवाही ने मुझे निराश किया। और उस लिडेल नाम की महिला ने भी।"
सेंट मैरी जैसे होम की जिम्मेदारी किसी अविवाहित महिला को सौंपना हास्यास्पद है।
मुझे इसमें कोई कारण नहीं दिखता। वह थोड़ी सीमित हो सकती है, लेकिन वह दयालु और कर्तव्यनिष्ठ है।
इसके अलावा, मुझे लगा था कि सेंट मैरी में पहले से ही यौन अनुभव की अधिकता होगी।"
"अरे, भगवान के लिए, मज़ाक मत करो, देबोरा!"
"अच्छा, आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं?"
हम एक दूसरे से पखवाड़े में केवल एक बार मिलते हैं।
मम्मी की तरफ से आयोजित किसी डिनर पार्टी में शामिल होना और कैथरीन और मिस लिडेल को एक साथ हंसते हुए देखना थोड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि उन्हें लगता था कि आप एक खूबसूरत नौकरानी के चक्कर में पागल हो गए हैं।
इस तरह की अश्लीलता में लिडेल को खास तौर पर मजा आता है। कल तक तो पूरे गांव में

इसकी चर्चा फैल जाएगी।
"अगर वे ऐसा सोचते हैं तो वे पागल होंगे।"
मैंने उस लड़की को मुश्किल से ही देखा है। मुझे नहीं लगता कि मैंने उससे अभी तक बात की है। यह विचार तो बिल्कुल बेतुका है!
"मेरा यही मतलब था। भगवान के लिए, प्रिय, घर पर रहते हुए अपनी उग्र प्रवृत्ति को काबू में रखो। मुझे लगा था कि तुम अस्पताल में ही अपनी सामाजिक चेतना को शांत कर सकती थी, उसे घर लाने की ज़रूरत नहीं थी। इसके साथ जीना मुश्किल है, खासकर हम जैसे लोगों के लिए जिनमें ऐसी कोई चेतना ही नहीं है।"
"आज मैं थोड़ा घबराया हुआ हूँ," स्टीफन ने कहा।
मुझे नहीं पता कि मुझे क्या करना चाहिए।
देबोरा की यह खासियत थी कि वह तुरंत समझ जाती थी कि उसका क्या मतलब है।
वह काफी नीरस है, है ना?
आप इस पूरे मामले को शालीनता से क्यों नहीं समाप्त कर देते? मेरा मानना है कि कोई मामला तो है जिसे समाप्त करना है।
"तुम अच्छी तरह जानते हो कि ऐसा है - या था। लेकिन कैसे?"
मुझे यह कभी भी विशेष रूप से कठिन नहीं लगा।
असली कला तो दूसरे व्यक्ति को यह विश्वास दिलाने में है कि उसने ही गेंद फेंकी है।
कुछ हफ्तों बाद तो मुझे खुद भी इस बात पर यकीन होने लगा।
और अगर वे नहीं खेलेंगे तो?
"फिर वे मर गए और कीड़े उन्हें खा गए, लेकिन प्यार के कारण नहीं।"
स्टीफन यह पूछना चाहता था कि फेलिक्स हर्न कब और कैसे इस बात के लिए राजी होगा कि उसने ही वह काम किया था।
उसने सोचा कि इस मामले में, और अन्य मामलों की तरह, देबोरा में वह निर्ममता थी जिसकी उसमें कमी थी।
उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं इन मामलों में डरपोक हूं। लोगों से पीछा छुड़ाना मेरे लिए कभी आसान नहीं होता, चाहे वो पार्टी में आने वाले उबाऊ लोग ही क्यों न हों।"
"नहीं," उसकी बहन ने जवाब दिया। "यही तुम्हारी समस्या है। तुम बहुत कमजोर और आसानी से प्रभावित होने वाले हो।"
तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए। मम्मी को तो बहुत अच्छा लगेगा। अगर हो सके तो किसी अमीर लड़की को ढूंढ लो। मतलब, बहुत ज्यादा अमीर नहीं, बस बहुत ही खूबसूरत और धनी।
"निस्संदेह। लेकिन कौन?"
"कौन वास्तव में।"
अचानक देबोरा की दिलचस्पी इस विषय में कम होती दिखी। वह बिस्तर से उठी और खिड़की के किनारे पर टिक गई। स्टीफन उसकी आकृति को देखता रहा, जो बिल्कुल उसकी अपनी आकृति जैसी थी, फिर भी रहस्यमय ढंग से अलग थी, रात के अंधेरे में उभरती हुई। ढलते दिन की नसें

और धमनियां क्षितिज पर फैली हुई थीं। नीचे बगीचे से उसे अंग्रेजी वसंत की रात की भरपूर, असीम मीठी सुगंध आ रही थी।

ठंडे अंधेरे में लेटे हुए उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और मार्टिंगेल की शांति में डूब गया। ऐसे क्षणों में वह पूरी तरह समझ जाता था कि उसकी माँ और देबोरा ने उसकी विरासत को सुरक्षित रखने के लिए क्यों साजिशें रचीं। वह मैक्सि परिवार का पहला सदस्य था जिसने चिकित्सा की पढ़ाई की। उसने वही किया जो वह चाहता था और परिवार ने इसे स्वीकार कर लिया था। वह शायद इससे भी कम लाभ वाला कोई क्षेत्र चुन सकता था, हालाँकि यह कल्पना करना मुश्किल था कि वह क्या होता। समय के साथ, अगर वह इस कठिन परिश्रम, खतरों और प्रतिस्पर्धा की चूहा दौड़ से बच जाता, तो वह एक सलाहकार बन सकता था।

हो सकता है कि वह इतना सफल हो जाए कि मार्टिंगेल का खर्च खुद उठा सके। इस बीच, वे जैसे-तैसे गुज़ारा करते रहेंगे, घर के खर्चों में थोड़ी-बहुत कटौती करते रहेंगे ताकि उनकी अपनी सुख-सुविधाओं में कोई कमी न आए, दान कम देते रहेंगे, बुज़ुर्ग पर्विस के तीन शिलिंग प्रति घंटे बचाने के लिए बागवानी का काम ज़्यादा करते रहेंगे, और मार्था की मदद के लिए अनुभवहीन लड़कियों को काम पर रखेंगे। इन सब बातों से उन्हें ज़्यादा असुविधा नहीं होगी, और यह सब इसलिए किया जा रहा था ताकि स्टीफन मैक्सि अपने पिता की तरह ही उनका उत्तराधिकारी बन सके, जैसे साइमन मैक्सि अपने पिता के उत्तराधिकारी बने थे। काश, वह मार्टिंगेल की सुंदरता और शांति का आनंद इस ज़िम्मेदारी और अपराधबोध के बंधन में बंधे बिना ले जा पाते!

सीढ़ियों पर धीमी, सावधानी भरी कदमों की आहट सुनाई दी और फिर दरवाजे पर दस्तक हुई। मार्था रात के गर्म पेय लेकर आई थी। बचपन में, बूढ़ी नानी ने तय किया था कि रात को सोने से पहले एक गर्म दूध का पेय पीने से उन भयानक और समझ से परे बुरे सपनों से छुटकारा मिल जाएगा, जिनसे वह और डेबोरा कुछ समय के लिए परेशान हुए थे। समय के साथ बुरे सपने किशोरावस्था के अधिक वास्तविक भय में तब्दील हो गए, लेकिन गर्म पेय पीना परिवार की आदत बन गई थी। मार्था, अपनी बहन की तरह, आश्वस्त थी कि ये रात के वास्तविक या काल्पनिक खतरों से बचाव का एकमात्र कारगर उपाय हैं। अब उसने अपनी छोटी ट्रे सावधानी से नीचे रखी। उसमें डेबोरा का इस्तेमाल किया जाने वाला नीला वेजवुड मग और दादा मैक्सि द्वारा स्टीफन के लिए खरीदा गया जॉर्ज पंचम का पुराना राज्याभिषेक मग था। "मैं आपके लिए ओवलटाइन भी लाई हूँ, मिस डेबोरा," मार्था ने कहा। (मुझे लगा था कि मैं तुम्हें यहीं पाऊंगी।) उसने धीमी आवाज़ में कहा, मानो वे किसी साज़िश में शामिल हों। स्टीफन सोच रहा था कि क्या उसे अंदाज़ा हो गया था कि वे कैथरीन के बारे में बात कर रहे थे। यह कुछ-कुछ उस पुरानी, सहज दाई की तरह था जो रात के लिए पेय लेकर आती थी और रुककर बातें करने को तैयार रहती थी। लेकिन फिर भी पूरी तरह से वैसा नहीं था। मार्था की भक्ति अधिक मुखर, अधिक आत्म-सचेत और कम स्वीकार्य थी। यह उस भावना का एक नकली रूप था जो उसके लिए सांस लेने जितनी ही सरल और आवश्यक थी। यह याद करते हुए उसने यह भी सोचा कि मार्था को कभी-कभार सांत्वना की ज़रूरत होती है।

"मार्था, यह बहुत ही शानदार डिनर था," उन्होंने कहा।

देबोरा खिड़की से मुड़ गई थी और अपने पतले, लाल नाखूनों वाले हाथों से गर्म मग को पकड़ रही थी।

"अफसोस की बात है कि बातचीत खाने के लायक नहीं थी। मिस लिडेल ने हमें नाजायज संतान के सामाजिक परिणामों पर एक लंबा व्याख्यान दिया। सैली के बारे में तुम्हारा क्या विचार है, मार्था?"

स्टीफन जानता था कि यह एक नासमझी भरा सवाल था। देबोरा का ऐसा सवाल पूछना उसके स्वभाव के विपरीत था।

"वह काफी शांत स्वभाव की लगती है," मार्था ने स्वीकार किया, "लेकिन, बेशक, अभी शुरुआती दिन हैं। मिस लिडेल ने उसकी बहुत प्रशंसा की थी।"

"मिस लिडेल के अनुसार, सैली सभी सद्गुणों की आदर्श है सिवाय एक के, और वह भी प्रकृति की एक चूक थी जो अंधेरे में एक हाई स्कूल की लड़की को पहचान नहीं सकी।"

स्टीफन अपनी बहन की आवाज में अचानक आई कड़वाहट से स्तब्ध रह गया। (मुझे नहीं लगता कि नौकरानी के लिए यह सारी शिक्षा अच्छी बात है, मिस डेबोरा।)

मार्था यह बताने में कामयाब रही कि वह इसके बिना भी बहुत अच्छे से काम चला रही थी। (मैं बस यही आशा करती हूँ कि उसे पता हो कि वह कितनी भाग्यशाली है।)

मैडम ने तो उसे हमारा पलंग भी उधार दे दिया है, वही पलंग जिसमें तुम दोनों सोए थे।"

"खैर, अब हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है।" स्टीफन ने अपनी आवाज़ में झुंझलाहट छिपाने की कोशिश की। सैली जुप्प के बारे में पहले ही बहुत बातें हो चुकी थीं! लेकिन मार्था को चेतावनी देने का कोई इरादा नहीं था। ऐसा लग रहा था मानो परिवार के पालने का ही नहीं, बल्कि खुद मार्था का अपमान हुआ हो। "डॉक्टर स्टीफन, हमने हमेशा उस पालने का ख्याल रखा है। उसे पोते-पोतियों के लिए रखा जाना था।"

"धत् तेरे की!" देबोरा ने कहा। उसने अपनी उंगलियों से गिरा हुआ पेय पोंछा और मग को ट्रे पर वापस रख दिया। "बच्चे पैदा होने से पहले ही पोते-पोतियों की गिनती नहीं करनी चाहिए। मुझे तो तुम बिल्कुल भी नहीं मान सकतीं और स्टीफन की तो सगाई भी नहीं हुई है - न ही वह इसके बारे में सोच रहा है। वह शायद अंत में किसी हष्ट-पुष्ट और कुशल नर्स से ही शादी कर लेगा, जो ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट से अपने लिए एक नया साफ-सुथरा पालना खरीदना पसंद करेगी। पेय के लिए धन्यवाद, प्यारी मार्था।" मुस्कुराहट के बावजूद, यह एक तरह से बात टालने जैसा था।

अंतिम "शुभ रात्रि" कहा गया और वही सावधानी भरे कदमों की आहट सीढ़ियों से नीचे उतर गई। जब उनकी आवाज धीमी हो गई तो स्टीफन ने कहा, "बेचारी बूढ़ी मार्था। हम उसे हल्के में लेते हैं और यह नौकरानी का काम उसके लिए बहुत बोझ बन गया है। मुझे लगता है कि हमें उसे पेंशन देने के बारे में सोचना चाहिए।"

"किस बात पर?" देबोरा फिर से खिड़की पर खड़ी हो गई।

"कम से कम अब उसे कुछ मदद तो मिल रही है," स्टीफन ने टालमटोल करते हुए कहा।

"बशर्ते सैली ज़रूरत से ज़्यादा परेशानी न खड़ी करे। मिस लिडेल ने तो बच्चे को असाधारण रूप से अच्छा बताया था। लेकिन जो बच्चा तीन में से दो रातें रोता नहीं है, उसे अच्छा ही माना जाता

है। और फिर कपड़े धोने का काम भी है। अगर सैली को आधी सुबह डायपर धोने में ही बितानी पड़े, तो वह मार्था की ज़्यादा मदद नहीं कर पाएगी।"

स्टीफन ने कहा, "शायद दूसरी माताएं भी डायपर धोती होंगी और फिर भी दूसरे कामों के लिए समय निकाल लेती होंगी। मुझे यह लड़की पसंद है और मुझे लगता है कि अगर उसे उचित मौका दिया जाए तो वह मार्था की मदद कर सकती है।"

"कम से कम स्टीफन, तुम उसके लिए एक बहुत ही सशक्त समर्थक साबित हुए। यह दुख की बात है कि जब मुसीबत शुरू होगी, तब तुम लगभग निश्चित रूप से अस्पताल में सुरक्षित होगे।"

"क्या मुसीबत है, भगवान के लिए? तुम सबको क्या हो गया है? आखिर तुम ऐसा क्यों मान रहे हो कि लड़की कोई गड़बड़ करेगी?"

देबोरा दरवाजे की ओर चली गई।

"क्योंकि," उसने कहा, "वो अभी से ही मुसीबत खड़ी कर रही है, है ना? शुभ रात्रि।"

अध्याय दो

इस अशुभ शुरुआत के बावजूद, सैली जुप्प के मार्टिंगेल में पहले कुछ सप्ताह सफल रहे। क्या वह स्वयं भी इस बात से सहमत थी, यह ज्ञात नहीं था। किसी ने उसकी राय नहीं पूछी। पूरे गाँव ने उसे बेहद भाग्यशाली लड़की घोषित कर दिया था।

अगर, जैसा कि अक्सर उपकार पाने वालों के साथ होता है, वह उतनी कृतज्ञ नहीं थी जितनी उसे होनी चाहिए थी, तो उसने अपनी भावनाओं को विनम्रता, आदर और सीखने की तत्परता के मुखौटे के पीछे छिपा लिया, जिसे अधिकांश लोग सहजता से स्वीकार कर लेते थे। इससे मार्था बुल्टिटाफ्ट धोखा नहीं खा सकीं और संभवतः मैक्सियों को भी धोखा नहीं होता अगर उन्होंने इस बारे में सोचा होता। लेकिन वे अपनी व्यक्तिगत चिंताओं में इतने मशगूल थे और घरेलू कामों के अचानक कम होने से इतने राहत महसूस कर रहे थे कि उन्होंने इस समस्या का समाधान करने की ज़हमत ही नहीं उठाई।

मार्था को यह स्वीकार करना पड़ा कि बच्चा शुरू में बिल्कुल भी परेशान नहीं करता था। उसने इसका श्रेय मिस लिडेल की उत्कृष्ट शिक्षा को दिया, क्योंकि उसकी समझ से परे था कि बुरी लड़कियाँ अच्छी माँ बन सकती हैं।

जेम्स एक शांत स्वभाव का बच्चा था, जो मार्टिंगेल में अपने पहले दो महीनों तक अपने तय समय पर खाना खाकर संतुष्ट रहता था, बिना अपनी भूख का ज़ोर-ज़ोर से ऐलान किए और दूध पीते-पीते चैन से सो जाता था। लेकिन यह ज़्यादा समय तक नहीं चल सकता था। सैली जिसे 'मिश्रित आहार' कहती थी, उसके आने से मार्था की शिकायतों की सूची में कई और बड़ी शिकायतें जुड़ गईं। ऐसा लगता था कि रसोई कभी भी सैली और उसकी मांगों से मुक्त नहीं हो पाएगी। जिमी बचपन के उस पड़ाव में तेज़ी से प्रवेश कर रहा था, जहाँ भोजन उसके लिए एक सुखद ज़रूरत से ज़्यादा अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने का अवसर बन जाता था। अपनी ऊँची कुर्सी पर आराम से बैठा हुआ वह प्रतिरोध के चरम पर अपनी मज़बूत पीठ को मोड़ लेता, अपने होंठों को सिकोड़कर दूध और अनाज को खुशी से बाहर निकाल देता, और फिर अचानक मनमोहक और विनम्र मासूमियत में बदल जाता। सैली उस पर ज़ोर से हँसती, उसे प्यार भरी बातों से गले लगा लेती, और मार्था की बुदबुदाती नाराज़गी की परवाह किए बिना उसे प्यार से सहलाती और दुलारती। अपने घने घुंघराले बालों के साथ, ऊँची चोंच जैसी छोटी नाक को सेब जैसे लाल और सख्त गोल-मटोल गालों के बीच लगभग छिपाए हुए, वह मार्था की रसोई में किसी सिंहासन पर बैठे छोटे से सम्राट की तरह राज करता हुआ प्रतीत होता था। सैली अपने बच्चे के साथ ज़्यादा समय बिताने लगी थी और मार्था अक्सर उसे सुबह के समय देखती थी, उसका चमकीला सिर प्रैम पर झुका होता था जहाँ अचानक से उसका गोल-मटोल पैर या हाथ दिखाई देता था, जिससे पता चलता था कि जिमी की लंबी नींद अब बीते दिनों की बात हो गई थी। निस्संदेह उसकी ज़रूरतें बढ़ेंगी। अब तक सैली अपने हिस्से के काम को बखूबी निभा रही थी और अपने बेटे की ज़रूरतों

और मार्था की ज़रूरतों के बीच सामंजस्य बिठा रही थी।
अगर तनाव के लक्षण दिखने लगे थे, तो केवल स्टीफन ही अपने पखवाड़े में एक बार घर आने पर इसे कुछ हद तक महसूस कर पाता था। श्रीमती
मैक्सी ने बीच-बीच में सैली से पूछा कि क्या उसे काम का बोझ ज़्यादा लग रहा है और उसे मिले जवाब से वह संतुष्ट हो गई। देबोरा ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया, या अगर दिया भी तो कुछ नहीं कहा। वैसे भी, यह जानना मुश्किल था कि सैली बहुत थकी हुई थी या नहीं। उसके घने बालों के नीचे उसका स्वाभाविक रूप से पीला चेहरा और उसकी पतली, नाज़ुक दिखने वाली भुजाएँ उसे एक नाज़ुकता का आभास देती थीं, जिसे मार्था बहुत भ्रामक मानती थी। मार्था की राय थी, "वह अखरोट की तरह मज़बूत और बंदरों से भरी गाड़ी की तरह चालाक है।"
वसंत ऋतु धीरे-धीरे ग्रीष्म ऋतु में परिवर्तित हो गई। बीच के वृक्षों की हरी-भरी शाखाएँ फूट पड़ीं और उन्होंने सड़क के किनारे छाया की एक चित्तीदार आकृति बना दी। पादरी ने ईस्टर को बड़ी खुशी से मनाया, लेकिन चर्च की सजावट को लेकर उनके अनुयायियों के बीच हमेशा की तरह कुछ कहा-सुनी और अनबन ही हुई। सेंट मैरी रिफ्यूज में मिस पोलैक को कुछ समय तक नींद न आने की समस्या रही, जिसके लिए डॉक्टर एप्स ने उन्हें विशेष गोलियाँ दीं। वहीं, होम की दो छात्राओं ने अपने बच्चों के साधारण दिखने वाले, लेकिन पश्चाताप करने वाले पिताओं से शादी कर ली। मिस लिडेल ने उनकी जगह दो और पापी माताओं को भर्ती कर लिया। सैम बोकॉक ने चैडफ्लीट न्यू टाउन में अपने अस्तबल का विज्ञापन दिया और यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए कि कितने युवक-लड़कियाँ नए, बेढंगे जॉधपुर्स और चमकीले पीले दस्ताने पहनकर, उनके मार्गदर्शन में गाँव में घूमने के लिए 7 शिलिंग 6 पेंस प्रति घंटा देने को तैयार थे।
साइमन मैक्सी अपने संकरे पलंग पर लेटा हुआ था और उसकी हालत न बेहतर थी, न बदतर। शामें लंबी होती जा रही थीं और गुलाब खिलने लगे थे। मार्टिंगेल का बगीचा उनकी सुगंध से महक रहा था। जब देबोरा उन्हें घर के लिए तोड़ रही थी, तो उसे ऐसा महसूस हुआ मानो बगीचा और मार्टिंगेल, दोनों ही किसी चीज़ का इंतज़ार कर रहे हों। घर गर्मियों में हमेशा सबसे खूबसूरत होता था, लेकिन इस साल उसे एक उम्मीद भरी, लगभग अनहोनी की आशंका का माहौल महसूस हुआ, जो इसकी सामान्य शांत अवस्था से बिल्कुल अलग था। गुलाबों को घर में लाते हुए, देबोरा ने इस विचार से खुद को झकझोरा कि मार्टिंगेल पर मंडरा रही सबसे अशुभ घटना वार्षिक चर्च उत्सव थी।
जब अचानक उसके मन में "मृत्यु की प्रतीक्षा" शब्द आए, तो उसने खुद को दृढ़ता से समझाया कि उसके पिता की हालत उससे बदतर नहीं थी, बल्कि शायद थोड़ी बेहतर ही थी, और घर को इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं हो सकता था। उसने महसूस किया कि मार्टिंगेल के लिए उसका प्यार पूरी तरह तर्कसंगत नहीं था। कभी-कभी वह उस प्यार को नियंत्रित करने की कोशिश करती, जब वह उस समय की बात करती जब हमें घर बेचना पड़ता है, मानो उन शब्दों की ध्वनि ही एक चेतावनी और एक ताबीज दोनों का काम कर सकती हो।
स्टीफन के परदादा के समय से ही हर साल जुलाई में मार्टिंगेल के मैदान में सेंट सेड चर्च का उत्सव आयोजित होता आ रहा था।

इसका आयोजन मेले की समिति द्वारा किया गया था, जिसमें पादरी, श्रीमती मैक्सी, डॉ. एप्स और मिस लिडेल शामिल थे।

उनके प्रशासनिक कर्तव्य कभी कठिन नहीं थे क्योंकि यह उत्सव, उस चर्च की तरह जिसे यह सहारा देता था, लगभग हर साल अपरिवर्तित रहता था, अराजकता के बीच स्थिरता का प्रतीक। लेकिन समिति ने अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लिया और जून और जुलाई की शुरुआत में मार्टिंगेल में अक्सर बगीचे में चाय पीने और पिछले वर्ष पारित प्रस्तावों को हूबहू शब्दों में और उसी सुखद वातावरण में पारित करने के लिए मिलते थे। समिति के एकमात्र सदस्य जो कभी-कभी उत्सव को लेकर वास्तव में असहज महसूस करते थे, वे थे पादरी। अपने सौम्य स्वभाव में वे हर किसी में अच्छाई देखना और जहाँ तक संभव हो, नेक इरादों को समझना पसंद करते थे। उन्होंने स्वयं को भी इस नियम में शामिल किया, क्योंकि उन्होंने अपने शुरुआती कार्यकाल में ही जान लिया था कि दान एक नीति होने के साथ-साथ एक सद्गुण भी है। लेकिन साल में एक बार श्री हिंक्स को अपने चर्च के बारे में कुछ अप्रिय तथ्यों का सामना करना पड़ता था। वे इसकी विशिष्टता, चैडफ्लीट न्यू टाउन के अशांत बाहरी इलाके पर इसके नकारात्मक प्रभाव और इस संदेह को लेकर चिंतित थे कि यह गाँव के जीवन में आध्यात्मिक शक्ति से अधिक एक सामाजिक शक्ति है।

एक बार उन्होंने सुझाव दिया था कि मेले का शुभारंभ और समापन दोनों ही प्रार्थना और भजन के साथ होना चाहिए, लेकिन इस चौंकाने वाले नवाचार का समर्थन करने वाली समिति की एकमात्र सदस्य श्रीमती मैक्सी थीं, जिनकी मेले से मुख्य शिकायत यह थी कि यह कभी समाप्त नहीं होता प्रतीत होता था।

इस वर्ष श्रीमती मैक्सी को लगा कि उन्हें सैली की स्वेच्छा से दी गई मदद से खुशी होगी।

मेले के आयोजन के लिए पर्याप्त कर्मचारी मौजूद थे, भले ही उनमें से कुछ कम से कम काम करके अधिकतम व्यक्तिगत आनंद लेना चाहते थे, लेकिन दिन के सफल आयोजन के साथ ही जिम्मेदारियां समाप्त नहीं हुईं। समिति के अधिकांश सदस्य मार्टिंगेल में रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किए जाने की उम्मीद कर रहे थे और कैथरीन बोवर्स ने पत्र लिखकर बताया था कि मेले का शनिवार उनका अवकाश दिवस था और क्या यह बहुत असुविधाजनक होगा यदि वह स्वयं को आमंत्रित कर लें, जिसे उन्होंने "इस भयानक शहर के शोर और गंदगी से दूर एक आदर्श सप्ताहांत" बताया था। यह पत्र अपनी तरह का पहला पत्र नहीं था।

कैथरीन बच्चों से मिलने के लिए बच्चों की तुलना में कहीं अधिक उत्सुक रहती थी। कुछ परिस्थितियों में यह बात अच्छी ही होती।

यह रिश्ता स्टीफन के लिए हर तरह से अनुपयुक्त था, भले ही बेचारी केटी अपने इकलौते बच्चे की शादी योग्य विवाह से करवाना चाहती हो। खुद उसने, जैसा कि लोग कहते हैं, अपने से कम दर्जे के व्यक्ति से शादी की थी। क्रिश्चियन बोवर्स एक कलाकार थे जिनके पास प्रतिभा तो भरपूर थी लेकिन धन-दौलत नहीं, और प्रतिभा के अलावा उनमें कोई दिखावा नहीं था। श्रीमती मैक्सी उनसे एक बार मिली थीं और उन्हें नापसंद करती थीं, लेकिन उनकी पत्नी के विपरीत, वह उन्हें एक कलाकार मानती थीं।

उन्होंने मार्टिंगेल के लिए उनकी शुरुआती पेंटिंग्स में से एक खरीदी थी, जिसमें एक लेटी हुई नग्न महिला का चित्र था। यह चित्र अब उनके बेडरूम में टंगा हुआ था और उन्हें एक ऐसा संतोष और आनंद देता था जिसकी भरपाई उनकी बेटी के प्रति उनकी कभी-कभार की मेहमाननवाजी भी नहीं कर सकती थी। श्रीमती मैक्सी के लिए यह एक नासमझ विवाह की मूर्खता का उदाहरण था। लेकिन चूंकि इससे मिलने वाला आनंद अभी भी ताजा और वास्तविक था, और चूंकि वह कभी केटी बोवर्स के साथ स्कूल में पढ़ चुकी थीं और पुराने और भावनात्मक संबंधों के दायित्वों को महत्व देती थीं, इसलिए उन्हें लगा कि कैथरीन का मार्टिंगेल में उनके अपने मेहमान के रूप में स्वागत होना चाहिए, भले ही वह उनके बच्चों की मेहमान न हों।

कुछ और बातें भी थीं जो थोड़ी चिंताजनक थीं। श्रीमती मैक्सी दूसरों द्वारा "माहौल" कहे जाने वाले मामलों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती थीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली मुश्किलों से निपटकर और बाकी को नजरअंदाज करके अपनी शांति बनाए रखी।

लेकिन मार्टिंगेल में कुछ ऐसी घटनाएँ घट रही थीं जिन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था। इनमें से कुछ तो अपेक्षित थीं, बेशक। श्रीमती मैक्सी, अपनी तमाम असंवेदनशीलता के बावजूद, यह समझ ही गई थीं कि मार्था और सैली रसोई में एक-दूसरे के अनुकूल नहीं थीं, और मार्था को कुछ समय के लिए स्थिति कठिन लगनी ही थी। लेकिन उन्होंने यह उम्मीद नहीं की थी कि सप्ताह बीतने के साथ-साथ यह स्थिति और भी कठिन होती जाएगी। कई अप्रशिक्षित और अशिक्षित नौकरानियों के बाद, जो घरेलू काम को ही अपना एकमात्र रोज़गार मानकर मार्टिंगेल आई थीं, सैली बुद्धिमत्ता, क्षमता और शिष्टाचार की मिसाल लग रही थी।

अब इस भरोसे के साथ आदेश दिए जा सकते थे कि उनका पालन किया जाएगा, जबकि पहले लगातार और सावधानीपूर्वक दोहराने के बावजूद अंततः यही समझ में आता था कि काम खुद करना ज्यादा आसान है।

अगर साइमन मैक्सी को अब अधिक देखभाल की ज़रूरत न होती, तो मार्टिंगेल में लगभग युद्ध-पूर्व जैसा आराम का माहौल लौट आता। डॉ. एप्स पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि यह सिलसिला ज़्यादा समय तक नहीं चल सकता। जल्द ही एक स्थायी नर्स की व्यवस्था करना या मरीज़ को अस्पताल में भर्ती कराना ज़रूरी हो जाएगा। श्रीमती मैक्सी ने दोनों ही विकल्पों को अस्वीकार कर दिया। यह खर्चीला होगा, और संभवतः अनिश्चित काल तक खिंच जाएगा! इसका मतलब यह होगा कि साइमन मैक्सी को वह आनंद नहीं मिलेगा जिसकी भरपाई उनकी बेटी के प्रति उनकी कभी-कभार की मेहमाननवाज़ी से भी नहीं हो सकती। श्रीमती मैक्सी के लिए यह एक नासमझ विवाह की मूर्खता का एक उदाहरण था। लेकिन चूंकि इससे मिलने वाला आनंद अभी भी ताज़ा और वास्तविक था, और चूंकि वह कभी केटी बोवर्स के साथ स्कूल में पढ़ चुकी थीं और पुराने और भावनात्मक संबंधों के दायित्वों को महत्व देती थीं, इसलिए उन्हें लगा कि कैथरीन का मार्टिंगेल में उनके अपने मेहमान के रूप में स्वागत होना चाहिए, भले ही वह उनके बच्चों की मेहमान न हों।

कुछ और बातें भी थीं जो थोड़ी चिंताजनक थीं। श्रीमती मैक्सी दूसरों द्वारा "माहौल" कहे जाने वाले मामलों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती थीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली मुश्किलों से

निपटकर और बाकी को नजरअंदाज करके अपनी शांति बनाए रखी।
लेकिन मार्टिंगेल में कुछ ऐसी घटनाएँ घट रही थीं जिन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था। इनमें से कुछ तो अपेक्षित थीं, बेशक। श्रीमती मैक्सी, अपनी तमाम असंवेदनशीलता के बावजूद, यह समझ ही गई थीं कि मार्था और सैली रसोई में एक-दूसरे के अनुकूल नहीं थीं, और मार्था को कुछ समय के लिए स्थिति कठिन लगनी ही थी। लेकिन उन्होंने यह उम्मीद नहीं की थी कि सप्ताह बीतने के साथ-साथ यह स्थिति और भी कठिन होती जाएगी। कई अप्रशिक्षित और अशिक्षित नौकरानियों के बाद, जो मार्टिंगेल में इसलिए आई थीं क्योंकि घरेलू काम ही उनके लिए रोज़गार का एकमात्र अवसर था, सैली बुद्धिमत्ता, क्षमता और शिष्टाचार की मिसाल लग रही थी।
अब इस भरोसे के साथ आदेश दिए जा सकते थे कि उनका पालन किया जाएगा, जबकि पहले लगातार और सावधानीपूर्वक दोहराने के बावजूद अंततः यही समझ में आता था कि काम खुद करना ज्यादा आसान है।
मुझे संदेह है कि यह उतना सुखद रहा होगा; उन्हें जिस सरल और सहज सहभागिता का आनंद मिला था, वह उसे अधिक पसंद थी।
वह दोबारा प्यार में नहीं पड़ना चाहती थी।
कई महीनों के घोर दुख और निराशा ने उसे उस खास मूर्खता से मुक्त कर दिया था। उसकी शादी कम उम्र में हुई थी और एडवर्ड रिस्को की एक साल से भी कम समय बाद पोलियो से मृत्यु हो गई थी। लेकिन सहभागिता, समान रुचियों और यौन सुख के संतोषजनक आदान-प्रदान पर आधारित विवाह उसे जीवन का एक तर्कसंगत आधार लगता था और ऐसा विवाह जिसे बिना किसी अधिक भावनात्मक उथल-पुथल के हासिल किया जा सकता था। उसे संदेह था कि फेलिक्स उससे इतना प्यार करता था कि वह उबाऊ हुए बिना दिलचस्प था और वह शादी के संभावित प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने के लिए केवल कभी-कभार ही उत्सुक होती थी। फिर भी, यह थोड़ा अजीब लगने लगा था कि प्रस्ताव नहीं दिया गया था। वह जानती थी कि ऐसा नहीं था कि उसे औरतें नापसंद थीं। निश्चित रूप से उनके अधिकांश मित्र उसे जन्मजात कुंवारा, सनकी, थोड़ा विद्वतापूर्ण और हमेशा मनोरंजक मानते थे। वे शायद थोड़े निर्दयी रहे हों, लेकिन उसके युद्ध इतिहास की एक अटल सच्चाई थी जिसे समझाना जरूरी था। जो व्यक्ति प्रतिरोध आंदोलन में अपनी भूमिका के लिए फ्रांसीसी और ब्रिटिश दोनों पदक प्राप्त करता है, वह न तो स्त्रैण हो सकता है और न ही मूर्ख। वह उन लोगों में से एक था जिनकी शारीरिक बहादुरी, जो कि सबसे सम्मानित और सबसे आकर्षक गुण है, गेस्टापो की दंड कोठरियों में परखी जा चुकी थी और जिसे फिर कभी चुनौती नहीं दी जा सकती थी। अब इन बातों के बारे में सोचना उतना प्रचलित नहीं था, लेकिन वे पूरी तरह भूली भी नहीं गई थीं। फ्रांस में बिताए उन महीनों ने फेलिक्स हर्न पर क्या असर डाला था, इसका कोई भी अनुमान लगा सकता था, लेकिन उसे अपनी सनक को निभाने की छूट थी और संभवतः वह उनका आनंद लेता था। देबोरा उसे पसंद करती थी क्योंकि वह बुद्धिमान और मनोरंजक था और सबसे मनोरंजक गपशप करने वाला व्यक्ति था जिसे वह जानती थी। जीवन की छोटी-छोटी बातों में उसकी एक स्त्री जैसी रुचि थी और मानवीय संबंधों की बारीकियों के प्रति उसकी सहज चिंता थी। उसके लिए कुछ भी तुच्छ

नहीं था और वह अब मार्टिंगेल पर देबोरा की रिपोर्ट को मनोरंजक सहानुभूति के साथ सुन रहा था।

"तो आप देख सकते हैं, कुछ खाली समय फिर से मिलना सुखद है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह लंबे समय तक चलेगा।"

मार्था उसे समय रहते बाहर निकाल लेगी। और मैं उसे दोष नहीं देती। उसे सैली पसंद नहीं है और मुझे भी नहीं।

"क्यों? क्या वह स्टीफन का पीछा कर रही है?"

"फेलिक्स, अभद्र भाषा का प्रयोग मत करो। शायद तुम मुझे इससे ज़्यादा सूक्ष्म कारण बता सकते हो। वैसे, लगता है उसने उसे प्रभावित किया है और मुझे लगता है यह जानबूझकर किया गया है। जब भी वह घर पर होता है, वह बच्चे के बारे में उससे सलाह लेती है, हालाँकि मैंने उसे समझाने की कोशिश की है कि वह सर्जन है, बाल रोग विशेषज्ञ नहीं। और बेचारी मार्था आलोचना का एक शब्द भी नहीं बोल सकती, क्योंकि वह तुरंत सैली का बचाव करने के लिए दौड़ पड़ता है। शनिवार को आकर तुम खुद देख लोगे।"

"इस दिलचस्प सैली जुप्प के अलावा और कौन वहां मौजूद होगा?"

"स्टीफन, बिल्कुल। और कैथरीन भी।"

बॉवर्स। पिछली बार जब आप मार्टिंगेल में थे तब आप उससे मिले थे।

"तो मैंने ऐसा ही किया। उसकी आंखें कुछ हद तक उबले अंडे जैसी थीं, लेकिन उसका व्यक्तित्व आकर्षक था और वह आपसे या स्टीफन से कहीं अधिक बुद्धिमान थी, जितना आप उसे मानने को तैयार नहीं थे।"

"अगर उसने तुम्हें इतना प्रभावित किया है," देबोरा ने सहजता से जवाब दिया, "तो तुम इस सप्ताहांत अपनी प्रशंसा दिखा सकते हो और स्टीफन को थोड़ी राहत दे सकते हो। एक समय वह उस पर बहुत मोहित था, लेकिन अब वह उससे चिपकी रहती है और उसे बुरी तरह से ऊबा देती है।"

"खूबसूरत औरतें सादी दिखने वाली औरतों के प्रति कितनी बेरहम होती हैं! और 'उस पर मोहित' होने से मेरा मतलब है कि स्टीफन ने उसे बहकाया। खैर, इससे अक्सर मुश्किलें खड़ी हो जाती हैं और उसे भी अपनी राह खुद ही ढूंढनी होगी, जैसे उससे पहले भी कई लोगों ने किया है। लेकिन मैं आऊंगी। मुझे मार्टिंगेल बहुत पसंद है और मुझे अच्छा खाना भी पसंद है। इसके अलावा, मुझे लगता है कि वीकेंड दिलचस्प होगा। एक घर में इतने सारे लोग हों जो एक-दूसरे को नापसंद करते हों, तो माहौल ज़रूर गरमागरम होगा।"

"अरे, यह उतना बुरा नहीं है!"

"लगभग। स्टीफन मुझे नापसंद करता है। उसने इसे कभी छुपाने की जहमत नहीं उठाई। आप कैथरीन बोवर्स को नापसंद करते हैं। वह आपको नापसंद करती है और शायद यही भावना मुझ पर भी थोपेगी।"

मार्था और आप सैली जुप्प को नापसंद करते हैं और बेचारी वह लड़की शायद आप सभी से नफरत करती है।

और वो बेचारी औरत, मिस लिडेल, भी वहाँ होगी, और तुम्हारी माँ उसे नापसंद करती है। यह दबी हुई भावनाओं का एक भयानक प्रदर्शन होगा।

"आपको आने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे लगता है कि अगर आप न आएं तो बेहतर होगा।"

"पर, देबोरा, तुम्हारी माँ ने मुझसे पहले ही पूछ लिया है और मैंने हाँ कर दी है। मैंने पिछले हफ्ते उन्हें अपने शालीन और औपचारिक तरीके से पत्र लिखा था, और अब मैं अपनी छोटी काली डायरी में इसे पक्का कर लूँगा।" उन्होंने अपना चिकना, गोरा सिर अपनी सगाई की डायरी पर झुकाया। उनका चेहरा, जिसकी पीली त्वचा के कारण बाल लगभग दिखाई नहीं दे रहे थे, देबोरा से दूर था। देबोरा ने देखा कि उनके पीले माथे पर भौहें कितनी कम थीं और उनकी आँखों के चारों ओर कितनी बारीक सिलवटें और झुर्रियाँ थीं। देबोरा ने सोचा कि गेस्टापो द्वारा उनके हाथों के साथ छेड़छाड़ करने से पहले उनके हाथ कभी कितने सुंदर रहे होंगे। नाखून फिर कभी पूरी तरह से नहीं बढ़े थे। उन्होंने उन हाथों को बंदूक चलाते हुए, पैराशूट की डोरियों में उलझे हुए, या चुनौती या सहनशीलता में मुट्ठी बांधे हुए कल्पना करने की कोशिश की। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। ऐसा प्रतीत होता था कि कभी किसी नेक उद्देश्य के लिए कष्ट सहने की हिम्मत रखने वाले फेलिक्स और हर्न एंड इलिंगवर्थ प्रकाशकों के सरल, परिष्कृत और व्यंग्यपूर्ण फेलिक्स हर्न के बीच कोई संबंध नहीं था, ठीक वैसे ही जैसे एडवर्ड रिस्को से शादी करने वाली लड़की और आज की महिला के बीच कोई संबंध नहीं था। अचानक देबोरा को फिर से पुरानी यादों और पछतावे की जानी-पहचानी उदासी महसूस हुई। इसी मनोदशा में उसने फेलिक्स को शनिवार की तारीख के नीचे अपनी तंग, सावधानीपूर्वक लिखावट में लिखते देखा, मानो वह मृत्यु से मुलाकात कर रहा हो।

चाय के बाद देबोरा ने मिलने जाने का फैसला किया।

स्टीफन, आंशिक रूप से भीड़भाड़ से बचने के लिए, लेकिन मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि वह सेंट में रुके बिना शायद ही कभी लंदन आती थी।

ल्यूक अस्पताल। उसने फेलिक्स को अपने साथ आने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन उसने यह कहकर मना कर दिया कि उसे कीटाणुनाशक की गंध से उल्टी आ रही है, और साथ के लिए औपचारिक धन्यवाद देते हुए उसे टैक्सी से विदा कर दिया। वह इन मामलों में बहुत ही सजग था। देबोरा ने इस अप्रिय संदेह से जूझते हुए कि वह उसकी बातों से ऊब गया होगा, उसे आराम से और जल्दी से जाते हुए देखकर राहत मिली और उसने स्टीफन से मिलने की खुशी पर ध्यान केंद्रित किया। यह जानकर और भी निराशा हुई कि वह अस्पताल में नहीं था। यह असामान्य भी था। हॉल पोर्टर कोली ने बताया कि मिस्टर मैक्सी को एक फोन आया था और वह किसी से मिलने के लिए बाहर गए थे, यह कहते हुए कि उन्हें ज्यादा देर नहीं लगेगी। मिस्टर डॉनवेल उनकी जगह ड्यूटी पर थे। लेकिन मिस्टर मैक्सी को अब ज्यादा देर नहीं लगेगी। उन्हें गए लगभग एक घंटा हो गया था। शायद मिसेज रिस्को रेजिडेंट के बैठक कक्ष में जाना चाहें? देबोरा कोली से कुछ मिनट बात करने के लिए रुकी, जिसे वह पसंद करती थी, और फिर चौथी मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट ली। शर्मीले और चेहरे पर हल्के धब्बे वाले युवा रजिस्ट्रार श्री डॉनवेल ने धीरे से

अभिवादन किया और वार्डों की ओर तेज़ी से निकल गए, देबोरा को चार गंदी कुर्सियों, चिकित्सा पत्रिकाओं के अव्यवस्थित ढेर और निवासियों की आधी बची चाय के साथ अकेला छोड़ दिया। ऐसा लग रहा था कि उन्होंने फिर से स्विस रोल खाया था और हमेशा की तरह, किसी ने उनकी तश्तरी को ऐशट्रे बना दिया था। देबोरा प्लेटों का ढेर लगाने लगी, लेकिन यह महसूस करते हुए कि यह एक व्यर्थ काम है क्योंकि उसे नहीं पता था कि उनका क्या करना है, उसने एक अखबार उठाया और खिड़की के पास चली गई जहाँ वह स्टीफन का इंतजार करने और चिकित्सा लेखों में से अधिक रोचक या समझने योग्य लेखों को पढ़ने के बीच अपना ध्यान बाँट सकती थी। खिड़की से सड़क के उस पार स्थित मुख्य अस्पताल का प्रवेश द्वार दिखाई देता था। दूर से वह नदी के चमकते घुमाव और वेस्टमिंस्टर की मीनारों को देख सकती थी। यातायात की निरंतर गड़गड़ाहट धीमी पड़ गई थी, जो अस्पताल के कभी-कभार सुनाई देने वाले शोर, लिफ्ट के दरवाजों की खड़खड़ाहट, टेलीफोन की घंटियों की आवाज और गलियारे में फुर्ती से चलते कदमों की आवाज के लिए एक अविचल पृष्ठभूमि का काम कर रही थी।

एक बूढ़ी औरत को घर के सामने एम्बुलेंस में बिठाया जा रहा था। चार मंज़िल की ऊंचाई से नीचे दिख रही आकृतियाँ अजीब तरह से छोटी लग रही थीं। एम्बुलेंस का दरवाज़ा बिना आवाज़ किए बंद हो गया और चुपचाप खिसक गया। अचानक उसने उन्हें देखा।

सबसे पहले उसकी नज़र स्टीफन पर पड़ी, लेकिन उसके कंधे के लगभग बराबर चमकता हुआ लाल-सुनहरा सिर आसानी से पहचाना जा सकता था। वे इमारत के कोने पर रुके। वे बातें करते हुए लग रहे थे। काले रंग का सिर सुनहरे रंग की ओर झुका हुआ था। कुछ देर बाद उसने देखा कि स्टीफन ने हाथ मिलाया और फिर सैली सूरज की रोशनी में तेज़ी से मुड़ी और पीछे मुड़े बिना ही तेज़ी से चली गई।

डेबोरा की नजरों में कोई कमी नहीं थी। सैली ने अपना ग्रे सूट पहना हुआ था। यह सूट बाजार में बना हुआ था और रेडीमेड खरीदा गया था, लेकिन यह उस पर खूब जंच रहा था और उसके लहराते बालों पर जंच रहा था, जो अब टोपी और पिन की जकड़न से मुक्त हो चुके थे।

देबोरा ने सोचा, वह चतुर थी।

यह समझदारी थी कि अगर आप अपने बाल खुले रखना चाहती हैं तो आपको सादे कपड़े पहनने होंगे। यह समझदारी थी कि आपने उन हरे रंगों से परहेज किया जो ज्यादातर लाल बालों वालों को पसंद होते हैं। अस्पताल के बाहर "अलविदा" कहना और अस्पताल के रात्रिभोज के निश्चित निमंत्रण को ठुकरा देना समझदारी थी, जिसमें शर्मिंदगी या पछतावे की संभावना हमेशा बनी रहती। बाद में देबोरा को आश्चर्य हुआ कि उसने सैली के पहनावे पर इतनी बारीकी से ध्यान कैसे दिया। ऐसा लगा जैसे उसने उसे पहली बार स्टीफन की नजरों से देखा हो, और उसे देखकर वह डर गई। काफी देर बाद उसे लिफ्ट की आवाज और गलियारे में उसके तेज कदमों की आहट सुनाई दी।

फिर वह उसके पास आ गया। वह खिड़की से हटी नहीं ताकि उसे तुरंत पता चल जाए कि उसने देख लिया है। उसे लगा कि अगर वह उसे नहीं बताएगा तो वह बर्दाश्त नहीं कर पाएगी और यही बेहतर था। उसे नहीं पता था कि वह क्या उम्मीद कर रही थी, लेकिन जब उसने बात की तो उसे

आश्चर्य हुआ।
"क्या आपने इन्हें पहले कभी देखा है?" उसने पूछा।
उसकी फैली हुई हथेली में एक खुरदुरा थैला था जो एक आदमी के रूमाल के कोनों को बांधकर बनाया गया था। उसने एक गांठ खोली, हल्का सा झटका दिया और उसमें से तीन-चार छोटी-छोटी गोलियां गिर पड़ीं। उनका भूरा-धूसर रंग स्पष्ट रूप से पहचाना जा सकता था।
"क्या ये पिताजी की कुछ पट्टियाँ नहीं हैं?"
ऐसा लग रहा था मानो वह उस पर किसी बात का आरोप लगा रहा हो। "ये तुम्हें कहाँ से मिले?"
"सैली ने उन्हें ढूंढकर मेरे पास लाया। मुझे लगता है कि आपने हमें खिड़की से देखा होगा।"
"उसने बच्चे का क्या किया?" यह बेतुका और अप्रासंगिक सवाल उसके मुंह से सोचने से पहले ही निकल गया।
"बच्चा? ओह, जिमी, मुझे नहीं पता।"
मुझे लगता है कि सैली ने उसे गांव में किसी के पास या मां या मार्था के पास छोड़ दिया था। वह मुझे ये चीजें देने आई थी और लिवरपूल स्ट्रीट से फोन करके मुझे मिलने के लिए बुलाया था। उसे ये चीजें पिताजी के बिस्तर में मिलीं।
"लेकिन कैसे, उसके बिस्तर पर?"
गद्दे के कवर और गद्दे के बीच, किनारे पर। उसकी चादर सिकुड़ी हुई थी और वह उसे सीधा कर रही थी और रेनकोट को कसकर खींच रही थी, तभी उसकी नज़र गद्दे के कोने में, कवर के नीचे, एक छोटे से उभार पर पड़ी। उसे यह मिला। पिताजी ने इन्हें कई हफ्तों, शायद महीनों से सहेज कर रखा होगा।
मैं इसका कारण समझ सकता हूँ।
"क्या उसे पता है कि उसने उन्हें ढूंढ लिया है?"
"सैली ऐसा नहीं सोचती। जब वह ड्रॉ-शीट संभाल रही थी, तब वह करवट लेकर लेटा हुआ था और उसका चेहरा उससे दूर था। उसने बस रूमाल और गोलियां अपनी जेब में रखीं और ऐसे व्यवहार करने लगी जैसे कुछ हुआ ही न हो। बेशक, वे वहां काफी समय से पड़ी हो सकती हैं - वह अठारह महीने या उससे अधिक समय से सोम्मेइल में है - और हो सकता है कि वह उनके बारे में भूल गया हो।"
हो सकता है कि उसने उन तक पहुँचने और उनका उपयोग करने की शक्ति खो दी हो। हम नहीं बता सकते कि उसके मन में क्या चल रहा है। दिक्कत यह है कि हमने कोशिश भी नहीं की। सिवाय सैली के।
"लेकिन स्टीफन, यह सच नहीं है। हम कोशिश करते हैं। हम उसके साथ बैठते हैं, उसकी देखभाल करते हैं और उसे यह महसूस कराने की कोशिश करते हैं कि हम उसके साथ हैं।"
लेकिन वो बस लेटा रहता है, न हिलता है, न बोलता है, यहाँ तक कि लोगों को भी नोटिस नहीं करता। वो अब पिता जैसा नहीं लगता। हमारा कोई संपर्क नहीं है। मैंने कोशिश की है, कसम से की है, लेकिन कोई फायदा नहीं। उसने जानबूझकर वो गोलियां नहीं खाई होंगी। मैं सोच भी नहीं सकती कि उसने उन्हें कैसे इकट्ठा किया होगा, ये सब कैसे प्लान किया होगा।

"जब उसे गोलियां देने की आपकी बारी आती है, तो क्या आप उसे गोलियां निगलते हुए देखते हैं?"

"नहीं, ऐसा नहीं है। आपको पता ही है कि पहले उसे हमारी ज़्यादा मदद करना कितना बुरा लगता था। अब मुझे नहीं लगता कि उसे कोई आपत्ति है, लेकिन फिर भी हम उसे गोलियां देते हैं और फिर पानी निकालकर उसके होठों तक ले जाते हैं, अगर उसे पीने की इच्छा होती है। उसने ये गोलियां महीनों पहले कहीं छिपाकर रखी होंगी। मुझे विश्वास नहीं होता कि वह अब ऐसा कर सकता है, मार्था को बिना बताए तो बिलकुल नहीं। ज़्यादातर सामान वही उठाती है और उसकी देखभाल का सारा काम भी वही करती है।"

"खैर, लगता है उसने मार्था को धोखा दे दिया। लेकिन, भगवान की कसम, देबोरा, मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। मैं खुद को डॉक्टर कहता हूँ। इस तरह की चीज़ें मुझे एक कुशल बढ़ई जैसा महसूस कराती हैं, जो मरीज़ों को चीर-फाड़ करने में माहिर है, बशर्ते मुझसे उन्हें इंसान के तौर पर समझने की उम्मीद न की जाए।"

कम से कम सैली ने उसके साथ एक इंसान की तरह व्यवहार तो किया।

देबोरा को एक पल के लिए यह कहने का मन हुआ कि वह, उसकी माँ और मार्था कम से कम साइमन मैक्सी को आराम से, साफ-सुथरा और खाना खिला पा रही थीं, और यह सब काफी खर्चे के बावजूद संभव हो पा रहा था, और यह समझना मुश्किल था कि सैली ने इससे ज्यादा क्या किया था। लेकिन अगर स्टीफन को पछतावा हो रहा था, तो उसे रोकने से कोई फायदा नहीं था। आमतौर पर बाद में उसे बेहतर महसूस होता था, भले ही दूसरों को बुरा लगता हो। देबोरा चुपचाप देखती रही जब उसने डेस्क के दराज में कुछ ढूंढा, एक छोटी बोतल मिली जिसमें शायद कभी एस्पिरिन रखी गई थी, उसने ध्यान से गोलियां गिनीं - दस गोलियां थीं - बोतल में डालीं और उस पर दवा का नाम और खुराक लिख दी। ये एक ऐसे व्यक्ति के लगभग स्वाभाविक कार्य थे जिसे दवाओं पर सही लेबल लगाने का प्रशिक्षण दिया गया था।

देबोरा का मन उन सवालों से भरा हुआ था जिन्हें पूछने की उसकी हिम्मत नहीं हो रही थी। "सैली आपके पास क्यों आई? माँ क्यों नहीं आई? क्या उसे सचमुच वो गोलियाँ मिल गईं या ये सिर्फ़ आपसे अकेले मिलने का एक बहाना था? लेकिन उसे ज़रूर मिली होंगी। कोई ऐसी कहानी तो बना नहीं सकता। बेचारे पिताजी।"

सैली क्या कह रही थी? मुझे इस बात की इतनी चिंता क्यों करनी चाहिए, सैली की?

मुझे उससे नफरत है क्योंकि उसका बच्चा है और मेरा नहीं। अब मैंने ये कह दिया है, लेकिन इसे स्वीकार करने से ये आसान नहीं हो जाता। वो रूमाल का थैला! उसे बांधने में उसे घंटों लगे होंगे। ऐसा लग रहा था जैसे किसी बच्चे ने बनाया हो। बेचारा पिता!

जब मैं बच्ची थी, तब वो बहुत लंबा था। क्या मैं सच में उससे डरती थी? हे भगवान, कृपया मुझे उस पर दया करने में मदद करो। मैं उसके लिए दुखी होना चाहती हूँ। सैली अब क्या सोच रही होगी? स्टीफन ने उससे क्या कहा?

वह डेस्क से पीछे मुड़ा और बोतल आगे बढ़ाते हुए बोला, "मुझे लगता है कि तुम्हें इसे घर ले जाना चाहिए।"

इसे उसके कमरे में दवाइयों की अलमारी में रख दो। अभी माँ या डॉक्टर एप्स को कुछ मत बताना। मुझे लगता है कि पिताजी को गोलियाँ देना बंद कर देना ही बेहतर होगा। आपके जाने से पहले मैं औषधालय से आपके लिए एक पर्ची बनवा दूँगी, उसी तरह की दवा, बस घोल के रूप में। उन्हें रात को एक चम्मच पानी में मिलाकर दे देना। आप खुद देख लेना। बस मार्था को बता देना कि मैंने गोलियाँ देना बंद कर दिया है। डॉक्टर एप्स उन्हें दोबारा कब देखेंगे?

"वह रात के खाने के बाद मिस लिडेल के साथ माँ से मिलने आ रहे हैं। मुझे लगता है कि वह शायद तब ऊपर चले जाएँगे, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि वह गोलियों के बारे में पूछेंगे। ये तो बहुत समय से चल रही हैं। हम बस इतना कहते हैं कि जब बोतल खाली होने वाली होती है, तो वह हमें नया प्रिस्क्रिप्शन दे देते हैं।"

"क्या आपको पता है कि घर में इस समय कितनी गोलियां हैं?"

"एक नई बोतल है जिसकी सील टूटी नहीं है। हमें इसे आज रात से शुरू करना था।"

"तो इसे अलमारी में रख दो और उसे दवा दे दो। शनिवार को जब मैं एप्पी से मिलूंगी तो उससे इस बारे में बात कर लूंगी। मैं कल रात देर से आऊंगी। बेहतर होगा कि तुम अभी मेरे साथ औषधालय चलो और सीधे घर लौट जाओ। मैं मार्था को फोन करके कहूंगी कि वह तुम्हारे लिए कुछ खाना तैयार रखे।"

"जी स्टीफन।" देबोरा को अपने भोजन के नुकसान का कोई अफसोस नहीं था। दिन भर का सारा आनंद गायब हो चुका था। अब घर जाने का समय हो गया था।

और मैं चाहूँगा कि तुम इस बारे में सैली को कुछ भी न बताओ। (मेरा ऐसा करने का ज़रा भी इरादा नहीं था। मुझे बस उम्मीद है कि वह भी इसी तरह का विवेक दिखाएगी। हम नहीं चाहते कि यह कहानी पूरे गाँव में फैल जाए।)

"ऐसा कहना अनुचित है।"

देबोरा, और तुम्हें इस पर विश्वास भी नहीं है।

सैली से ज्यादा सुरक्षित कोई नहीं हो सकता था। वह इस मामले में बहुत समझदार थी। और काफी प्यारी भी थी।

मुझे पूरा यकीन है कि वह थी।

वह स्वाभाविक रूप से इस बात को लेकर चिंतित थी।

वह पिता के प्रति बहुत समर्पित है।

"ऐसा लगता है कि वह अपनी भक्ति का विस्तार आपके प्रति कर रही है।"

"आखिर तुम्हारा मतलब क्या है?"

मुझे आश्चर्य हो रहा था कि उसने क्यों नहीं बताया

माँ को गोलियों के बारे में। या मुझे।

"आपने उसे अपने दिल की बात आप पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कुछ खास नहीं किया है, है ना?"

"तुम मुझसे क्या उम्मीद करते हो? उसका हाथ पकड़ने की? जब तक वह अपना काम कुशलता से करती है, मुझे उसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं है। मैं उसे पसंद नहीं करता और न ही उससे

मुझे पसंद करने की उम्मीद करता हूँ।"
"यह सच नहीं है कि तुम उसे पसंद नहीं करते," स्टीफन ने कहा। "तुम उससे नफरत करते हो।"
"क्या उसने अपने साथ हुए व्यवहार के बारे में शिकायत की?"
"बेशक उसने ऐसा नहीं किया। समझदारी से काम लो, डेब। यह तुम्हारे स्वभाव के विपरीत है।"
“है ना?” देबोरा ने सोचा। “तुम्हें कैसे पता कि मैं कैसी हूँ?” लेकिन उसने स्टीफन के आखिरी शब्दों में शांति की गुहार पहचानी और उसकी ओर हाथ बढ़ाते हुए कहा, “मुझे माफ़ करना। मुझे नहीं पता कि आजकल मुझमें क्या गड़बड़ है। मुझे यकीन है कि सैली ने वही किया जो उसे सही लगा। वैसे भी इस पर झगड़ा करने का कोई फ़ायदा नहीं है। क्या तुम चाहते हो कि मैं कल रात तुम्हारा इंतज़ार करूँ? फेलिक्स शनिवार सुबह तक नहीं आ पाएगा, लेकिन कैथरीन के रात के खाने पर आने की उम्मीद है।”
"परेशान मत होइए। मुझे शायद आखिरी बस पकड़नी पड़े। लेकिन अगर आप मुझे बुलाना चाहें तो मैं नाश्ते से पहले आपके साथ चलूंगा।"
पहले से चली आ रही सुखद दिनचर्या के स्थान पर इस औपचारिक प्रस्ताव का महत्व देबोरा को स्पष्ट रूप से समझ आ गया था। उनके बीच की खाई बड़ी मुश्किल से ही भरी थी। उसे लगा कि स्टीफन भी उनके पैरों तले बर्फ के खिसकने को लेकर बेचैन था। एडवर्ड रिस्को की मृत्यु के बाद से उसने कभी भी स्टीफन से इतना अलगाव महसूस नहीं किया था; तब से लेकर अब तक उसे स्टीफन की इतनी ज़रूरत कभी नहीं पड़ी थी।
लगभग साढ़े सात बज चुके थे जब मार्था को वह आवाज़ सुनाई दी जिसका वह इंतज़ार कर रही थी - ड्राइववे पर प्रैम के पहियों की चरमराहट। जिम्मी धीरे-धीरे रो रहा था और ज़ाहिर तौर पर प्रैम की आरामदायक गति और माँ के कोमल दिलासे से ही वह ज़ोर-ज़ोर से रोने से रुका था। थोड़ी देर में सैली का सिर रसोई की खिड़की से बाहर निकला, प्रैम को रसोईघर में ले जाया गया और लगभग तुरंत ही माँ और बच्ची रसोई के दरवाज़े से बाहर आ गईं। बच्ची के चेहरे पर दबी हुई भावनाओं का भाव था।
वह एक साथ घबराई हुई और फिर भी खुद से खुश लग रही थी। मार्था को नहीं लगता था कि जंगल में जिमी को घुमाने में बिताई गई दोपहर उसके चेहरे पर छिपी हुई और विजयी खुशी का कारण हो सकती है।
"तुम देर से आए हो," उसने कहा। "मुझे लगता है कि बेचारा बच्चा भूख से मर रहा होगा।"
"अच्छा, उसे अब ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, है ना मेरे प्यारे? मुझे लगता है कि उबला हुआ दूध नहीं है?"
"मैं यहाँ आपकी सेवा करने के लिए नहीं हूँ, सैली, कृपया याद रखें। अगर आपको दूध चाहिए तो आपको उसे खुद उबालना होगा। आप अच्छी तरह जानती हैं कि बच्चे को किस समय खाना खिलाना चाहिए।"
जब तक सैली ने एक हाथ में जिम्मी को पकड़े हुए दूध उबाला और उसे जल्दी ठंडा करने की कोशिश की, जो कि काफी हद तक नाकाम रही, तब तक वे दोनों चुप रहे। सैली जब अपने बच्चे को ऊपर ले जाने के लिए तैयार हुई, तभी मार्था बोली।

"सैली," उसने कहा, "क्या तुमने आज सुबह बिस्तर बनाते समय मालिक के बिस्तर से कुछ लिया था? उसकी कोई भी चीज़? मुझे अभी सच जानना है!"

"तुम्हारे लहजे से साफ पता चलता है कि तुम्हें पता है कि मैंने ऐसा किया। क्या तुम्हारा मतलब यह है कि तुम्हें पता था कि उसने वो गोलियां छिपा रखी थीं? और तुमने उनके बारे में कुछ नहीं कहा?"

"बेशक मुझे पता था। मैं पिछले पाँच सालों से उसकी देखभाल कर रही हूँ, है ना? उसके बारे में, उसके मन की बात, और कौन जान सकता है? मुझे लगता है कि आपने सोचा होगा कि वह उन्हें ले लेगा। खैर, इसकी आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। वैसे भी, इससे आपका क्या लेना-देना है? अगर आपको भी सालों-साल ऐसे ही पड़े रहना पड़े, तो शायद आप यह जानकर खुश होंगे कि आपके पास कुछ है, शायद कुछ छोटी-छोटी गोलियाँ, जो आपके सारे दर्द और थकान को खत्म कर देंगी।"

एक ऐसी बात जिसके बारे में किसी को पता नहीं था, जब तक कि एक बेवकूफ छोटी कुतिया, जो अपनी औकात से कहीं बेहतर नहीं थी, ने आकर उन्हें खोज निकाला। बड़ी चालाक थी ना? लेकिन वह उन्हें नहीं लेता! वह एक सज्जन व्यक्ति है। तुम यह भी नहीं समझोगी। लेकिन तुम मुझे वो गोलियां वापस दे दो। और अगर तुमने इस बारे में किसी से एक शब्द भी कहा या मालिक की किसी भी चीज़ को हाथ लगाया, तो मैं तुम्हें बाहर निकाल दूंगी। तुम्हें और उस बदमाश को। मैं कोई न कोई रास्ता निकाल लूंगी, चिंता मत करो!

उसने सैली की ओर हाथ बढ़ाया।

उसने कभी अपनी आवाज ऊंची नहीं की थी, लेकिन उसका शांत अधिकार क्रोध से कहीं अधिक भयावह था और जवाब देते समय लड़की की आवाज में हिस्टीरिया के भाव झलक रहे थे।

"मुझे अफसोस है कि आप बदकिस्मत हैं। मेरे पास गोलियां नहीं हैं। मैंने उन्हें आज दोपहर स्टीफन को दे दिया था। जी हां, स्टीफन! और अब जब मैंने आपकी ये बेवकूफी भरी बातें सुन ली हैं, तो मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। अगर मैं स्टीफन को बताऊं कि आपको सब पता था, तो मैं उसका चेहरा देखना चाहूंगी! प्यारी, वफादार बूढ़ी मार्था! परिवार के प्रति इतनी समर्पित! तुम उनमें से किसी की परवाह नहीं करती, बूढ़ी पाखंडी, सिवाय अपने प्यारे मालिक के! अफसोस है कि तुम खुद को नहीं देख सकती! उसे नहलाते हुए, उसका चेहरा सहलाते हुए, उससे ऐसे प्यार से बातें करते हुए जैसे वह तुम्हारा बच्चा हो। अगर यह इतना दयनीय न होता तो मैं कभी-कभी हंस सकती थी। यह अशोभनीय है! उसके लिए अच्छा है कि वह आधा पागल है! तुम्हारे हाथों इस तरह से परेशान होना किसी भी सामान्य आदमी को बीमार कर देगा!"

उसने बच्चे को अपनी कमर पर झुलाया और मार्था ने अपने पीछे दरवाजा बंद होने की आवाज सुनी।

मार्था लड़खड़ाते हुए सिंक के पास गई और कांपते हाथों से उसे पकड़ लिया। उसे इतनी घृणा हुई कि उल्टी आने लगी, लेकिन इस बीमारी से उसके शरीर को कोई राहत नहीं मिली। उसने निराशा के भाव से अपना हाथ माथे पर रख लिया। अपनी उंगलियों को देखकर उसने पाया कि वे पसीने से भीगी हुई थीं। जैसे ही उसने खुद पर काबू पाने की कोशिश की, उस ऊँची, बचकानी आवाज़

की गूँज उसके दिमाग में गूंज उठी। "तुम्हारे हाथों पिटने से कोई भी सामान्य आदमी बीमार पड़ जाएगा... तुम्हारे हाथों पिटने से... पिटने से।" जब उसका शरीर कांपना बंद हुआ, तो मतली नफरत में बदल गई। उसके मन ने बदले की मीठी कल्पनाओं से अपने दुख को शांत करने की कोशिश की। वह सैली के अपमानित होने, सैली और उसके बच्चे को मार्टिंगेल से निकाले जाने, सैली के झूठ, दुष्टता और बुराई के पराजय का पता चलने और, चूंकि सब कुछ संभव है, सैली की मौत की कल्पनाओं में खो गई।

अध्याय तीन

गर्मी का अस्थिर मौसम, जिसने पिछले कुछ हफ्तों से देश में बर्फबारी को छोड़कर हर तरह की जलवायु का अनुभव कराया था, अब साल के इस समय की सामान्य गर्म, धुंधली जलवायु में बदल गया था। संभवतः मेला धूप न भी निकले तो भी शुष्क मौसम में आयोजित हो जाएगा। स्टीफन के साथ सुबह की सवारी के लिए अपने जॉधपुर्स पहनते हुए देबोरा अपनी खिड़की से लाल और सफेद टेंट देख सकती थी, और लॉन में बिखरे हुए, लगभग एक दर्जन आधे-अधूरे बने स्टॉलों के ढांचे क्रेप पेपर और यूनियन जैक के अंतिम अलंकरण की प्रतीक्षा कर रहे थे। घर के मैदान में बच्चों के खेलों और नृत्य प्रदर्शन के लिए पहले से ही एक घेरा बना दिया गया था। लॉन के अंत में एक एल्म के पेड़ के नीचे एक लाउडस्पीकर लगी एक पुरानी कार खड़ी थी और रास्तों पर लिपटे और पेड़ों के बीच लटके कई तार स्थानीय वायरलेस उत्साही लोगों के संगीत और घोषणाओं के लिए लाउडस्पीकर प्रणाली प्रदान करने के प्रयासों के गवाह थे। अच्छी नींद लेने के बाद, देबोरा धैर्यपूर्वक इन तैयारियों का जायजा ले सकी। उसे अपने अनुभव से पता था कि उत्सव समाप्त होने तक उसे एक बिल्कुल अलग दृश्य देखने को मिलेगा। लोग चाहे कितने भी सावधान क्यों न हों - और उनमें से कई तो सिगरेट के पैकेटों और फलों के छिलकों के परिचित ढेर से घिरे होने पर ही आनंद लेना शुरू करते हैं - बगीचे की उजाड़ सुंदरता को वापस पाने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगता है। हरे-भरे रास्तों पर चारों ओर फैली झंडियों की कतारों ने पहले से ही छोटे बगीचे को एक बेमेल चंचलता का आभास दे दिया था और कौवे सामान्य से अधिक शोर मचाते हुए चौंक गए थे।

कैथरीन अपने पसंदीदा मार्टिंगेल मेले के दिवास्वप्न में दोपहर स्टीफन को घोड़ों की देखभाल में मदद करती हुई देखती थी। वह सीएम हैडफ्लीट गांव के उत्सुक, विनम्र और अटकलबाजी करने वाले समूह के बीच में थी। मैक्सी परिवार के अपने समुदाय में स्थान और महत्व के बारे में कैथरीन की कुछ सुंदर, हालांकि पुरानी, धारणाएँ थीं। श्रीमती मैक्सी के इस दृढ़ निश्चय के सामने यह सुखद कल्पना धूमिल हो गई कि उनके दोनों मेहमानों को वहीं मदद करनी चाहिए जहाँ उनकी सबसे अधिक आवश्यकता थी। कैथरीन के लिए, यह स्पष्ट रूप से डेबोरा के साथ सफेद हाथी के स्टॉल पर होना था। पहली निराशा दूर होने पर यह आश्चर्य की बात थी कि अनुभव कितना सुखद साबित हुआ। सुबह का समय उन विविध वस्तुओं को छाँटने, जाँचने और उनकी कीमत तय करने में बीता जिन्हें अभी भी निपटाना बाकी था। डेबोरा को अपने अधिकांश सामानों के स्रोत, प्रत्येक वस्तु की कीमत और उसे खरीदने वाले संभावित खरीदारों के बारे में अद्भुत ज्ञान था, जो उसके लंबे अनुभव से प्राप्त हुआ था। सर रेनॉल्ड प्राइस ने एक बड़ा, रोएँदार कोट दिया था जिसमें एक अलग करने योग्य जलरोधी अस्तर लगा था, जिसे तुरंत डॉ. एप्स के निजी विचार के लिए एक तरफ रख दिया गया। सर्दियों में अपनी खुली कार में घूमने के लिए यह बिल्कुल सही चीज़ थी, और वैसे भी, गाड़ी चलाते समय कोई ध्यान नहीं देता कि आपने क्या पहना है। वहाँ एक पुरानी फेल्ट की टोपी थी जो खुद डॉक्टर की थी और जिसे उनका रोज़ का नौकर हर साल फेंकने की

कोशिश करता था, लेकिन उसका नाराज़ मालिक उसे वापस ले आता था। उस पर छह पेंस का निशान लगा था और उसे प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। वहाँ आश्चर्यजनक शैली और रंग के हाथ से बुने हुए स्वेटर, गाँव के मेंटलपीस से पीतल और चीनी मिट्टी की छोटी-छोटी वस्तुएँ, किताबों और पत्रिकाओं के बंडल और भारी फ्रेम में लगी तस्वीरों का एक आकर्षक संग्रह था, जिन पर मकड़ी के जाले जैसी तांबे की प्लेट में उचित नाम लिखे थे। उनमें 'पहला प्रेम पत्र', 'डैडी की डार्लिंग', 'झगड़ा' और 'मेल-मिलाप' नामक अलंकृत जुड़वां चित्र और कई ऐसे चित्र थे जिनमें सैनिक अपनी पत्नियों को विदाई देते हुए चूमते हुए या पुनर्मिलन के पवित्र सुखों का आनंद लेते हुए दिखाए गए थे। देबोरा ने भविष्यवाणी की कि ग्राहकों को ये पसंद आएंगे और घोषणा की कि केवल फ्रेम ही आधे क्राउन के लायक हैं।

एक बजे तक तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और घरवालों को सैली द्वारा परोसे गए भोजन के साथ जल्दी से दोपहर का भोजन करने का समय मिल गया।

कैथरीन को याद आया कि उस सुबह मार्था के साथ कुछ परेशानी हुई थी क्योंकि वह देर तक सो गई थी। जाहिर तौर पर उसे छूटे हुए समय की भरपाई के लिए जल्दी करनी पड़ी थी क्योंकि उसका चेहरा लाल था और कैथरीन को लगा कि वह अपनी शांत और कुशल छवि के पीछे कुछ उत्तेजना छिपा रही थी। लेकिन भोजन सुखद ढंग से संपन्न हुआ क्योंकि सभी लोग उस समय एक ही काम में व्यस्त थे और एक साथ मिलकर कोई गतिविधि कर रहे थे। दो बजे तक बिशप और उनकी पत्नी आ गए, समिति के सदस्य ड्राइंग रूम की खिड़कियों से बाहर आकर प्रतीक्षा कुर्सियों के घेरे पर थोड़ा संकोच के साथ बैठ गए और समारोह का औपचारिक उद्घाटन हुआ। हालांकि बिशप बूढ़े और सेवानिवृत्त थे, लेकिन वे बुढ़ापे की वजह से कमजोर नहीं थे और उनका संक्षिप्त भाषण सादगी और गरिमा का उत्कृष्ट उदाहरण था। जैसे ही लॉन के पार से उनकी मधुर आवाज कैथरीन तक पहुंची, उसने पहली बार रुचि और स्नेह के साथ चर्च के बारे में सोचा। यहीं वह नॉर्मन कुंड था जहाँ वह और स्टीफन अपने बच्चों के बपतिस्मा के समय खड़े होंगे। इन गलियारों में उनके पूर्वजों की स्मृति में स्मारक बने हुए थे। यहां सोलहवीं शताब्दी के स्टीफन मैक्सी और उनकी पत्नी डेबोरा की घुटने टेकती हुई आकृतियाँ पत्थर में हमेशा के लिए स्थिर हो गई हैं, उनके पतले हाथ प्रार्थना में मुड़े हुए हैं।

यहां अठारहवीं शताब्दी के मैक्सियों की धर्मनिरपेक्ष और अलंकृत प्रतिमाएं थीं और सादी पट्टियां थीं जिन पर गैलीपोली और मार्ने में मारे गए बेटों के बारे में संक्षेप में बताया गया था।

कैथरीन अक्सर सोचती थी कि यह अच्छा ही हुआ कि परिवार के अंतिम संस्कार धीरे-धीरे कम खर्चीले होते जा रहे थे, क्योंकि चैडफ्लीट स्थित सेंट सेड विद सेंट मैरी द वर्जिन का चर्च अब सार्वजनिक पूजा स्थल से ज़्यादा मैक्सि की अस्थियों का निजी भंडार बन चुका था। लेकिन आज, आत्मविश्वास और उल्लास से भरी हुई, वह परिवार के सभी सदस्यों, जीवित और मृत, के बारे में बिना किसी आलोचना के सोच सकती थी और यहाँ तक कि एक भव्य वेदी और कोरिंथियन शैली की प्रतिमा भी उन्हें उचित ही लगती।

देबोरा कैथरीन के साथ अपने स्टॉल के पीछे खड़ी हो गई और ग्राहक धीरे-धीरे पास आने लगे और सस्ते सामान की तलाश करने लगे। यह निश्चित रूप से सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक

था और कारोबार खूब चल रहा था। डॉ. एप्स अपनी टोपी लेने जल्दी आ गए और सर रेनॉल्ड का कोट 1 डॉलर में खरीदने के लिए आसानी से मान गए। कपड़े और जूते झटपट बिक गए, आमतौर पर उन्हीं लोगों द्वारा जिन्हें देबोरा ने पहले ही बता दिया था कि वे उन्हें चाहेंगे, और कैथरीन खुले पैसे बांटने और काउंटर के नीचे रखे सामान के बड़े डिब्बे से स्टॉल में सामान भरने में व्यस्त रही। दोपहर भर प्रवेश द्वार पर लोगों के छोटे-छोटे समूह आते रहे, बच्चों के चेहरे एक फोटोग्राफर के लिए बनावटी मुस्कान से भरे हुए थे, जिसने दोपहर के दौरान बगीचे में प्रवेश करने वाले "सबसे खुश दिखने वाले बच्चे" को पुरस्कार देने का वादा किया था।

लाउडस्पीकर ने सबकी उम्मीदों से कहीं बढ़कर काम किया और सूसा मार्च और स्ट्रॉस वाल्ट्ज़ की धुनें, चाय पार्टियों और प्रतियोगिताओं की घोषणाएँ, और बीच-बीच में कूड़ेदान का इस्तेमाल करने और बगीचे को साफ-सुथरा रखने की नसीहतें बजने लगीं। मिस लिडेल और मिस पोलैक, अपनी सबसे सीधी-सादी, सबसे उम्रदराज और सबसे भरोसेमंद शरारती लड़कियों की मदद से, सेंट मैरी चर्च से मेले तक और फिर कर्तव्य की पुकार पर वापस आती-जाती रहीं। उनका स्टॉल सबसे महंगा था और हाथ से बने अंडरवियर का प्रदर्शन सुंदरता और शालीनता के बीच एक अजीब से संतुलन को बिगाड़ रहा था। पादरी, जिनके कोमल सफेद बाल परिश्रम से भीग गए थे, अपने अनुयायियों को देखकर प्रसन्न थे, जो पहली बार दुनिया और एक-दूसरे के साथ शांति में थे। सर रेनॉल्ड देर से पहुँचे, बातूनी, उपदेशात्मक और उदार। चाय के लॉन से गंभीर नसीहतों की आवाजें आ रही थीं क्योंकि श्रीमती कोप और श्रीमती नेल्सन, संडे स्कूल के लड़कों की कक्षा की मदद से, ब्रिज टेबल, गांव के हॉल से कुर्सियां और तरह-तरह के मेज़पोशों को इकट्ठा करने में व्यस्त थीं, जिन्हें अंततः उनके मालिकों तक वापस पहुंचाना था।

फेलिक्स हर्न एक स्वतंत्र व्यवसायी के रूप में काफी खुश नज़र आ रहे थे। वे एक-दो बार देबोरा या कैथरीन की मदद करने के लिए आए, लेकिन उन्होंने बताया कि उन्हें मिस लिडेल और मिस पोलैक के साथ ज़्यादा अच्छा समय बीत रहा है। एक बार स्टीफन व्यापार के बारे में पूछताछ करने आए। जो व्यक्ति मेले को अक्सर "मैक्सियों का अभिशाप" कहता था, उसके लिए वे काफी खुश लग रहे थे। चार बजे के कुछ ही देर बाद देबोरा घर के अंदर यह देखने गईं कि क्या उनके पिता को किसी देखभाल की ज़रूरत है और कैथरीन को घर की ज़िम्मेदारी सौंप दी गई। देबोरा लगभग आधे घंटे बाद लौटीं और सुझाव दिया कि वे चाय की तलाश में चलें। दो तंबुओं में से बड़े वाले में चाय परोसी जा रही थी और देबोरा ने चेतावनी दी कि देर से आने वालों को आमतौर पर कमज़ोर पेय और कम आकर्षक केक ही मिलते हैं। फेलिक्स हर्न, जो स्टॉल पर बातचीत करने और बचे हुए सामान पर अपनी राय देने के लिए रुके थे, उन्हें उनकी जगह लेने के लिए कहा गया और देबोरा और कैथरीन नहाने के लिए घर के अंदर चली गईं। आम तौर पर एक या दो लोग हॉल से गुज़रते हुए पाए जाते थे, या तो इसलिए कि वे इसे शॉर्टकट समझते थे या इसलिए कि वे गाँव के अजनबी थे और सोचते थे कि उनके प्रवेश शुल्क में घर का मुफ्त दौरा शामिल है। देबोरा को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था।

“हमारे इलाके के पुलिस कांस्टेबल बॉब गिटिंग्स ड्राइंग रूम में नज़र रख रहे हैं,” उसने इशारा करते हुए कहा। “और डाइनिंग रूम बंद है। ऐसा हमेशा होता है। आज तक किसी ने कुछ नहीं

चुराया है। हम अब दक्षिण वाले दरवाज़े से अंदर जाकर छोटा बाथरूम इस्तेमाल कर लेते हैं। जल्दी हो जाएगा।" फिर भी, उन दोनों को तब अजीब लगा जब एक आदमी पीछे की सीढ़ियों से उनके पास से गुज़रा और जल्दी से माफ़ी मांगी। वे रुक गईं और देबोरा ने उसे आवाज़ दी। "क्या आप किसी को ढूंढ रहे थे? यह एक निजी घर है।" वह मुड़ा और उनकी तरफ देखा, एक घबराया हुआ, दुबला-पतला आदमी जिसके बाल सफ़ेद हो रहे थे और ऊंचे माथे से पीछे की ओर कंघी किए हुए थे, और पतले होंठों पर उसने एक विनम्र मुस्कान बिखेरी। "ओह, मुझे माफ़ करना। मुझे पता नहीं चला। कृपया मुझे माफ़ करें। मैं शौचालय ढूंढ रहा था।" उसकी आवाज़ अच्छी नहीं थी। "अगर आपका मतलब शौचालय से है," देबोरा ने संक्षेप में कहा, "तो बगीचे में एक है। मुझे तो वहाँ का रास्ता ठीक से लिखा हुआ लगा।" उसका चेहरा लाल हो गया और उसने कुछ बुदबुदाते हुए जवाब दिया और फिर चला गया।

देबोरा ने कंधे उचकाते हुए कहा, "कितना डरा हुआ खरगोश है! मुझे नहीं लगता कि वह कोई नुकसान कर रहा था। लेकिन काश वे घर से बाहर ही रहते।" कैथरीन ने मन ही मन ठान लिया कि जब वह मार्टिंगेल की मालकिन बनेगी तो यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था करेगी कि वे घर से बाहर ही रहें।

चाय का तम्बू निश्चित रूप से खचाखच भरा हुआ था और बर्तनों की खड़खड़ाहट, लोगों की आवाज़ों का शोर और चायदानी की सरसराहट, कैनवास से छनकर आती धीमी होती संगीत की पृष्ठभूमि में सुनाई दे रही थी। मेजों को संडे स्कूल के बच्चों ने जंगली फूलों की सबसे अच्छी सजावट की प्रतियोगिता के हिस्से के रूप में सजाया था। प्रत्येक मेज पर लेबल लगा हुआ जैम का जार था और खसखस, कैंपियन, सोरेल और डॉग-रोज़ की फसल, गर्म हाथों में घंटों तक दबाए रहने के बाद ताज़ी हो उठी थी, जिसमें एक नाजुक और सहज सुंदरता थी, हालांकि फूलों की सुगंध कुचली हुई घास, गर्म कैनवास और भोजन की तेज़ गंध में खो गई थी। शोर इतना अधिक था कि आवाज़ों के शोर में अचानक विराम कैथरीन को ऐसा लगा जैसे पूरी तरह सन्नाटा छा गया हो। बाद में ही उसे एहसास हुआ कि सबने बात करना बंद नहीं किया था, सबकी निगाहें उस तरफ नहीं थीं जहाँ सैली विपरीत द्वार से तम्बू में आई थी। सैली ने सफेद रंग की पोशाक पहनी थी, जिसका गला नाव के आकार का था और स्कर्ट में घुमावदार प्लीट्स थीं, बिल्कुल वैसी ही जैसी डेबोरा ने पहनी थी। सैली ने हरे रंग का कमरबंद पहना था, जो डेबोरा की कमरबंद की हूबहू नकल था, और उसके गुलाबी गालों पर हरे रंग की बालियाँ चमक रही थीं। कैथरीन के गाल भी लाल हो गए और वह डेबोरा की तरफ एक जिज्ञासु नज़र डालने से खुद को रोक नहीं पाई। वह अकेली नहीं थी। ज़्यादा से ज़्यादा मेज़ों से चेहरे उनकी तरफ मुड़ रहे थे। तम्बू के दूसरे छोर से, जहाँ मिस लिडेल की कुछ लड़कियाँ मिस पोलैक की देखरेख में सुबह की चाय का आनंद ले रही थीं, वहाँ से दबी हुई हँसी की आवाज़ आई। किसी ने धीरे से कहा, लेकिन इतना भी धीरे नहीं कि सुनाई दे, "अच्छी सैली!"

केवल देबोरा ही उदासीन प्रतीत हुई।

सैली की तरफ एक नज़र भी डाले बिना वह तिपाई वाली मेजों के काउंटर तक गई और विनम्रता से दो लोगों के लिए चाय, एक प्लेट ब्रेड और मक्खन और एक प्लेट केक मंगवाया।

श्रीमती पार्टली ने शर्मिंदगी भरी जल्दबाजी में चायदानी से चाय के प्यालों में छलक कर डाल दी, और कैथरीन केक की प्लेट को पकड़े हुए, देबोरा के पीछे-पीछे खाली मेजों में से एक पर चली गई, और उसे इस बात का दुखद एहसास था कि मूर्ख दिखने वाली वह खुद थी।

"उसकी हिम्मत कैसे हुई?" उसने कप पर अपना गर्म चेहरा झुकाते हुए बुदबुदाया। "यह जानबूझकर किया गया अपमान है।" देबोरा ने हल्के से कंधे उचकाए। "ओह, मुझे नहीं पता। इससे क्या फर्क पड़ता है? शायद उस बेचारी बच्ची को उसके इस इशारे से मज़ा आ रहा होगा और इससे मुझे कोई नुकसान नहीं हो रहा है।" "उसे यह ड्रेस कहाँ से मिली?"

"मुझे लगता है कि वह भी उसी जगह पर होगा जहां मैं गया था।"

नाम अंदर लिखा है। यह कोई मॉडल या ऐसी कोई चीज़ नहीं है। इसे कोई भी खरीद सकता है जिसने इसे ढूंढने की मेहनत की हो। सैली ने इसे ढूंढने की मेहनत को सार्थक समझा होगा।

"उसे पता नहीं चल सकता था कि तुम इसे आज पहनने वाले हो।"

"मुझे लगता है कि कोई और अवसर भी उतना ही अच्छा होता। क्या आपको इसके बारे में बार-बार बात करना ज़रूरी है?"

"मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इसे इतनी शांति से क्यों ले रहे हैं। मैं तो ऐसा नहीं करता।"

"तुम मुझसे क्या उम्मीद करती हो? क्या मैं जाकर उसे फाड़ दूं? गांव वालों को मुफ्त मनोरंजन की भी एक सीमा होती है।" "मुझे आश्चर्य है कि स्टीफन क्या कहेगा," कैथरीन ने कहा। देबोरा हैरान दिखी। "मुझे शक है कि वह इस पर ध्यान भी देगा, सिवाय इसके कि वह सोचेगा कि यह उस पर कितना अच्छा लग रहा है। यह उससे ज़्यादा उसकी पोशाक है, मेरी नहीं। क्या ये केक तुम्हारे लिए ठीक हैं या तुम सैंडविच ढूंढना चाहोगी?" आगे की चर्चा से ऊबकर कैथरीन अपनी चाय पीने लगी।

दोपहर बीतती गई। चाय के टेंट में हुए दृश्य के बाद कैथरीन के लिए मेले का सारा मज़ा किरकिरा हो गया था और बाकी की जंबल सेल उसके लिए एक थकाऊ काम से ज़्यादा कुछ नहीं थी। जैसा कि देबोरा ने भविष्यवाणी की थी, पाँच बजे से पहले ही सारा सामान बिक गया और कैथरीन अब टट्टू की सवारी में मदद करने के लिए स्वतंत्र थी। वह घर के खेत में पहुँची तो देखा कि स्टीफन खुशी से चिल्लाते हुए जिमी को उसकी माँ के सामने घोड़े की काठी पर बिठा रहा है। दिन ढलते ही सूरज की किरणें बच्चे के बालों से छनकर आ रही थीं और उन्हें आग जैसा चमका रही थीं। जब सैली स्टीफन से कुछ फुसफुसाने के लिए झुकी तो उसके चमकते बाल आगे की ओर लहराए। कैथरीन ने उसकी हँसी सुनी। यह एक ऐसा पल था जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगी। वह वापस लॉन की ओर मुड़ी और उस आत्मविश्वास और खुशी को फिर से पाने की कोशिश की जिसके साथ उसने दिन की शुरुआत की थी। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अपने मन को व्यस्त रखने के लिए इधर-उधर भटकने के बाद, उसने रात के खाने से पहले अपने कमरे में जाकर लेट जाने का फैसला किया। घर से गुजरते समय उसे श्रीमती मैक्सी या मार्था नहीं दिखीं। शायद वे साइमन मैक्सी के साथ या दिन के अंत में परोसे जाने वाले ठंडे भोजन की तैयारियों में व्यस्त थीं। खिड़की से उसने देखा कि डॉ. एप्स अभी भी अपने डार्ट्स और ट्रेजर हंट के पास ऊंघ रहे थे, हालांकि दोपहर का सबसे व्यस्त समय बीत चुका था। प्रतियोगिताओं के

विजेताओं की घोषणा जल्द ही की जाएगी, उन्हें पुरस्कार दिए जाएंगे और उनका अभिनंदन किया जाएगा, और लोगों की एक पतली लेकिन निरंतर धारा पहले ही मैदान से बस टर्मिनल की ओर निकल रही थी।

घर के मैदान में उस पल के अलावा कैथरीन ने सैली को दोबारा नहीं देखा था, और जब वह नहा-धोकर कपड़े बदलकर भोजन कक्ष की ओर जा रही थी, तो सीढ़ियों पर उसकी मुलाकात मार्था से हुई और उसने बताया कि सैली और जिमी अभी तक नहीं आए हैं। भोजन कक्ष की मेज पर ठंडा मांस, सलाद और ताजे फलों के कटोरे सजे हुए थे, और स्टीफन को छोड़कर बाकी सभी लोग वहाँ इकट्ठा थे। डॉ. एप्स, हमेशा की तरह बातूनी और हंसमुख, साइडर की बोतलों को ठीक कर रहे थे। फेलिक्स हर्न गिलास लगा रहे थे। मिस लिडेल, डेबोरा को मेज सजाने में मदद कर रही थीं।

जब उसे अपनी मनचाही चीज़ नहीं मिली तो उसकी निराशा भरी हल्की चीखें और मेज़पोशों पर उसके बेअसर से किए गए धक्के सामान्य से कहीं अधिक बेचैनी के लक्षण थे। श्रीमती मैक्सी दूसरों की ओर पीठ करके खड़ी थीं और चिमनी के ऊपर लगे शीशे में देख रही थीं। जब वह मुड़ीं, तो कैथरीन उनके चेहरे की झुर्रियों और थकावट को देखकर स्तब्ध रह गईं।

"क्या स्टीफन तुम्हारे साथ नहीं है?" उसने पूछा।

"नहीं। जब से वह घोड़ों के साथ था, मैंने उसे नहीं देखा है। मैं अपने कमरे में ही थी।"

"शायद वह अस्तबल में मदद करने के लिए बोकॉक के साथ घर पैदल गया होगा। या शायद वह अपना स्वभाव बदल रहा है। मुझे नहीं लगता कि हम इंतजार करेंगे।"

"सैली कहाँ है?" देबोरा ने पूछा।

"लगता नहीं अंदर है। मार्था ने मुझे बताया कि जिमी अपने पालने में है, इसलिए वह अंदर आई होगी और फिर बाहर चली गई होगी।" श्रीमती मैक्सी ने शांत भाव से कहा। अगर यह कोई घरेलू संकट था, तो जाहिर तौर पर उन्होंने इसे अपेक्षाकृत मामूली समझा, जिस पर मेहमानों के सामने और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं थी। फेलिक्स हर्न ने उनकी तरफ देखा और उन्हें आशंका और आशंका की एक जानी-पहचानी सिहरन महसूस हुई, जिससे वह चौंक गए। इतने साधारण मौके पर यह प्रतिक्रिया कुछ ज़्यादा ही लग रही थी। कैथरीन बोवर्स की तरफ देखते हुए उन्हें लगा कि वह भी उनकी तरह ही बेचैन हैं। पूरा समूह थोड़ा थका हुआ सा लग रहा था। मिस लिडेल की बेमतलब और परेशान करने वाली बातों के अलावा, उनके पास कहने को कुछ खास नहीं था। लंबे समय से आयोजित होने वाले सामाजिक समारोहों के बाद जो निराशा छा जाती है, वैसी ही उदासी छाई हुई थी। कार्यक्रम खत्म हो चुका था, फिर भी इतना बोझ था कि आराम करने की जगह नहीं थी। दिन की तेज धूप की जगह उदासी छा गई थी। अब हवा बिल्कुल नहीं चल रही थी और गर्मी पहले से कहीं ज़्यादा थी।

जब सैली दरवाजे पर आई तो सब उसकी ओर मुड़ गए, मानो किसी आम बेचैनी से घिरे हों। वह लिनेन की तहों से बने पैनल पर पीछे झुक गई, उसकी पोशाक की सफेद सिलवटें उस गहरे अंधेरे में कबूतर के पंख की तरह फैली हुई थीं। इस अजीब और तूफानी रोशनी में उसके बाल लकड़ी पर चमक रहे थे। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन वह मुस्कुरा रही थी। स्टीफन उसके

बगल में खड़ा था।
श्रीमती मैक्सी ने एक विचित्र क्षण को महसूस किया, जिसमें उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को सैली का अलग-अलग एहसास हो रहा था, फिर भी वे चुपचाप एक साथ चल रहे थे मानो किसी साझा चुनौती का सामना करने के लिए तनावग्रस्त हों। स्थिति को सामान्य करने के प्रयास में उन्होंने सहजता से कहा, "मुझे खुशी है कि तुम आ गए हो, स्टीफन।"
सैली, बेहतर होगा कि तुम अपनी वर्दी वापस पहन लो और मार्था की मदद करो।"
लड़की की दबी हुई सी मुस्कान खिलखिलाकर खिल उठी। उसे जवाब देने के लिए खुद पर काबू पाने में एक पल लगा, और उसकी आवाज़ में व्यंग्यपूर्ण सम्मान का भाव लगभग विनम्रता भरा था।
"क्या यह उचित होगा, महोदया, उस लड़की के लिए जिससे आपके बेटे ने शादी का प्रस्ताव रखा है?"
साइमन मैक्सी की रात बाकी रातों से न तो बेहतर थी और न ही बदतर। यह कहना मुश्किल है कि उसके घर में कोई और इतना भाग्यशाली रहा होगा। उसकी पत्नी उसके ड्रेसिंग रूम में दिन के पलंग पर बैठी रही और घंटों की आवाज सुनती रही, जबकि उसके बिस्तर के बगल में रखी घड़ी की चमकदार सुई धीरे-धीरे दिन की ओर बढ़ रही थी।
ड्राइंग रूम का वह दृश्य उसने इतनी बार जिया था कि अब उसका एक भी पल ऐसा नहीं लगता था जो उसे स्पष्ट रूप से याद न हो, आवाज या भावना का कोई भी सूक्ष्म अंतर उसे याद न हो। उसे मिस लिडेल के उन्मादी हमले का हर शब्द याद था, वह क्रूर और अर्ध-पागलपन भरी गालियों की बौछार जिसने सैली को पलटवार करने के लिए उकसाया था।
"तुमने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके बारे में बात मत करो। तुम कामुक बूढ़े पाखंडी, तुमने कभी मेरी परवाह की है क्या? शुक्र मनाओ कि मुझे अपना मुंह बंद रखना आता है।"
मैं तुम्हारे बारे में गांव वालों को कुछ बातें बता सकता हूँ।
उसके बाद वह चली गई और बाकी लोग अपनी भूख मिटाने या दिखावा करने के लिए वहीं रह गए। मिस लिडेल ने ज्यादा कोशिश नहीं की। एक बार श्रीमती मैक्सी ने उनके गाल पर एक आंसू देखा और यह सोचकर भावुक हो गईं कि मिस लिडेल सचमुच दुखी थीं, उन्होंने सैली की अपनी पूरी देखभाल की थी और उसकी तरक्की और खुशी में उन्हें सचमुच आनंद आया था।
डॉ. एप्स ने असामान्य चुप्पी साधे हुए अपना भोजन किया, जो इस बात का स्पष्ट संकेत था कि वे अपने जबड़े और दिमाग दोनों पर काम कर रहे थे। स्टीफन सैली के पीछे कमरे से नहीं गया, बल्कि अपनी बहन के पास बैठ गया। अपनी माँ के शांत प्रश्न, "क्या यह सच है, स्टीफन?" के उत्तर में उसने बस इतना कहा, "बिल्कुल।" उसने इसके बारे में और कुछ नहीं कहा और भाई-बहन साथ बैठकर भोजन करते रहे, थोड़ा-थोड़ा खाते हुए भी उन्होंने मिस लिडेल की परेशानी और फेलिक्स हर्न की व्यंग्यात्मक निगाहों का डटकर सामना किया। श्रीमती मैक्सी ने सोचा कि वह समूह का एकमात्र सदस्य था जिसने अपने भोजन का आनंद लिया। उन्हें यकीन नहीं था कि शुरुआती तैयारियों ने उसकी भूख नहीं बढ़ाई थी। वह जानती थीं कि स्टीफन को कभी पसंद नहीं किया गया था और अगर यह सगाई जारी रही, तो इससे स्टीफन को मनोरंजन तो मिलेगा ही,

साथ ही देबोरा के साथ उसके संबंध बेहतर होने की संभावना भी बढ़ जाएगी। कोई यह नहीं सोच सकता था कि स्टीफन की शादी के बाद देबोरा मार्टिंगेल में रहेगी। श्रीमती मैक्सी को कैथरीन का उदास चेहरा, जो दुख या आक्रोश से बेसुध होकर लाल हो गया था, और फेलिक्स हर्न द्वारा उसे शांत भाव से अपने चेहरे को छुपाने का कम से कम एक उचित प्रयास करने के लिए प्रेरित करने का दृश्य असहज रूप से स्पष्ट रूप से याद आ रहा था। जब वह पूरी कोशिश करता था तो वह बहुत मनोरंजक हो सकता था, और पिछली रात उसने पूरी कोशिश की थी।

हैरानी की बात यह थी कि भोजन समाप्त होने तक वह लोगों को हंसाने में सफल हो गया था।

क्या वाकई यह सिर्फ सात घंटे पहले की बात है?

सन्नाटे में मिनटों की आवाज़ असामान्य रूप से तेज़ सुनाई दे रही थी। रात में पहले भारी बारिश हुई थी, लेकिन अब रुक गई थी। पाँच बजे उसे लगा कि उसके पति हिल रहे हैं और वह उनके पास गई, लेकिन वे अभी भी गहरी नींद में लेटे हुए थे। स्टीफन ने अपनी नींद की दवा बदल दी थी। उन्हें हमेशा की गोली की जगह दवा दी गई थी, लेकिन असर लगभग वैसा ही था।

वह वापस बिस्तर पर चली गई, लेकिन सोने के लिए नहीं। सुबह छह बजे वह उठी और अपना ड्रेसिंग गाउन पहना, फिर उसने अपनी सुबह की चाय के लिए इलेक्ट्रिक केतली में पानी भरा और उसे प्लग में लगा दिया।

आखिरकार वह दिन आ ही गया, अपनी समस्याओं के साथ।

जब दरवाजे पर दस्तक हुई और कैथरीन अपने पायजामे और ड्रेसिंग गाउन में ही अंदर आ गई तो उसे राहत मिली।

श्रीमती मैक्सी को एक पल के लिए तीव्र भय हुआ कि कैथरीन बात करने आई है, कि पिछली शाम की घटनाओं पर चर्चा, विश्लेषण, निंदा और पुनर्कथन करना पड़ेगा। उन्होंने लगभग पूरी रात योजनाएँ बनाने में बिताई थीं जिन्हें वे कैथरीन के साथ साझा नहीं कर सकती थीं और न ही करना चाहती थीं। लेकिन उन्हें किसी और इंसान को देखकर अजीब सी खुशी हुई। उन्होंने देखा कि लड़की का चेहरा पीला पड़ गया था। जाहिर है, किसी और को भी कम नींद आई थी। कैथरीन ने स्वीकार किया कि बारिश के कारण वह जागती रही और सिरदर्द के कारण सुबह जल्दी उठ गई। अब उसे सिरदर्द बहुत कम होता है, लेकिन जब होता है तो बहुत तेज होता है।

क्या श्रीमती मैक्सी के पास एस्पिरिन थी? उन्हें घुलने वाली एस्पिरिन पसंद थी, लेकिन कोई भी चलेगी। श्रीमती मैक्सी ने सोचा कि शायद सिरदर्द सैली-स्टीफन की स्थिति पर गोपनीय बातचीत का बहाना हो सकता है, लेकिन लड़की की भारी आँखों को ध्यान से देखने पर उन्हें लगा कि दर्द वाकई गंभीर है। कैथरीन स्पष्ट रूप से किसी भी तरह की योजना बनाने की स्थिति में नहीं थी।

मैक्सी ने उसे दवाइयों की अलमारी से एस्पिरिन लेने के लिए आमंत्रित किया और ट्रे में एक अतिरिक्त कप चाय रख दी।

कैथरीन वह साथी नहीं थी जिसे वह चुनती, लेकिन कम से कम वह लड़की चुपचाप अपनी चाय पीने के लिए तैयार लग रही थी।

वे दोनों बिजली के चूल्हे के सामने साथ बैठे थे जब मार्था वहाँ पहुँची। उसके हाव-भाव और लहजे में आक्रोश और चिंता का मिला-जुला भाव झलक रहा था। "मैडम, सैली है," उसने कहा। "लगता

है वो आज फिर देर से उठी है। मैंने उसे बुलाया तो उसने जवाब नहीं दिया और जब मैंने दरवाज़ा खोलने की कोशिश की तो देखा कि उसने कुंडी लगा रखी है। मैं अंदर नहीं जा पा रही। मुझे नहीं पता वो क्या कर रही है, मैडम।" श्रीमती मैक्सी ने अपना प्याला तश्तरी में वापस रखा और एक तरह के आश्चर्य के साथ गौर किया कि उनका हाथ काँप नहीं रहा था।

बुराई की आशंका ने उसे जकड़ लिया और उसे अपनी आवाज़ पर भरोसा करने से पहले एक पल के लिए रुकना पड़ा। लेकिन जब शब्द निकले, तो कैथरीन और मार्था दोनों को ही उसमें कोई बदलाव नज़र नहीं आया।

"क्या तुमने सच में जोर से दरवाजा खटखटाया है?" उसने पूछा।

मार्था हिचकिचाई। श्रीमती मैक्सी समझ गईं कि इसका क्या मतलब है। मार्था ने ज़ोर से दरवाज़ा नहीं खटखटाया था। सैली को देर तक सोने देना उसके लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद था। अपनी अधूरी रात के बाद, श्रीमती मैक्सी को यह छोटी-छोटी बातें बर्दाश्त करना लगभग नामुमकिन लग रहा था।

"तुम्हें दोबारा कोशिश करनी चाहिए," उसने संक्षेप में कहा। "कल सैली का दिन हम सब की तरह व्यस्त था। लोग बिना कारण के देर तक नहीं सोते।"

कैथरीन ने कुछ कहने के लिए अपना मुंह खोला, फिर अपना इरादा बदल दिया और चाय पर सिर झुका लिया। दो मिनट के भीतर मार्था वापस आ गई और इस बार इसमें कोई संदेह नहीं था। चिंता ने चिड़चिड़ाहट पर विजय प्राप्त कर ली थी और उसकी आवाज़ में घबराहट साफ झलक रही थी। "मैं उसे अपनी बात सुना नहीं पा रही हूँ। बच्चा जाग गया है। वह अंदर रो रहा है। मैं सैली को अपनी बात सुना नहीं पा रही हूँ!" श्रीमती मैक्सी को याद नहीं था कि वह सैली के कमरे के दरवाजे तक कैसे पहुंचीं। उन्हें इतना यकीन था, बिना किसी संदेह के, कि कमरा खुला ही होगा कि उन्होंने सच्चाई स्वीकार करने से पहले कई सेकंड तक दरवाजे को व्यर्थ में पीटा और खींचा। दरवाजा अंदर से बंद था।

दरवाजे पर दस्तक की आवाज से जिम्मी पूरी तरह जाग गया था और सुबह-सुबह उसका रोना अब डर के मारे चीखने में बदल रहा था। श्रीमती मैक्सी को उसके पलंग की सलाखों की खड़खड़ाहट सुनाई दे रही थी और वह उसे अपने ऊनी स्लीपिंग बैग में लिपटा हुआ, अपनी माँ को पुकारने के लिए चीखते हुए देख सकती थीं। उनके माथे पर ठंडा पसीना आने लगा था। वह बड़ी मुश्किल से खुद को उस कठोर लकड़ी पर गुस्से से पीटने से रोक पा रही थीं। मार्था भी अब कराह रही थी और कैथरीन ने श्रीमती मैक्सी के कंधे पर दिलासा देते हुए और शांत करते हुए हाथ रखा।

"ज़्यादा चिंता मत करो। मैं तुम्हारे बेटे को बुलाती हूँ।" "वह 'स्टीफन' क्यों नहीं कहती?" श्रीमती मैक्सी ने बेमतलब सोचा। "स्टीफन मेरा बेटा है।" पल भर में वह उनके साथ था। दरवाज़े पर दस्तक से वह ज़रूर जाग गया होगा, क्योंकि कैथरीन उसे इतनी जल्दी नहीं बुला सकती थी। स्टीफन शांत भाव से बोला।

हमें खिड़की से अंदर जाना होगा।

बाहरी शौचालय में जो सीढ़ी है, उससे काम चल जाएगा। मैं हर्न को बुलाता हूँ।" वह चला गया

और महिलाओं का छोटा समूह चुपचाप इंतज़ार करता रहा। पल धीरे-धीरे बीतते गए।
"थोड़ा समय तो लगेगा ही," कैथरीन ने दिलासा देते हुए कहा। "लेकिन ज्यादा देर नहीं लगेगी। मुझे यकीन है कि वह ठीक है। शायद वह अभी भी सो रही होगी।"
डेबोरा ने उसे देर तक घूरकर देखा। "जिमी के इतने शोर-शराबे के बीच? मुझे लगता है कि वह वहाँ नहीं होगी। वह चली गई है।"
"लेकिन उसे ऐसा क्यों करना चाहिए?" कैथरीन ने पूछा।
और उस बंद दरवाजे का क्या हुआ?
सैली को जानते हुए, मुझे लगता है कि वह इसे शानदार तरीके से करना चाहती थी और खिड़की से बाहर निकल गई। ऐसा लगता है कि उसे तमाशा करने का शौक है, भले ही वह खुद वहां मौजूद न हो।
हम यहाँ भय से कांप रहे हैं जबकि स्टीफन और फेलिक्स सीढ़ियाँ इधर-उधर ढो रहे हैं, और पूरा घर अस्त-व्यस्त है। उसकी कल्पना को बहुत संतुष्टि मिलती है।
"वह बच्चे को छोड़कर नहीं जाना चाहती थी,"
कैथरीन ने अचानक कहा, "कोई भी माँ ऐसा नहीं करेगी।"
"लगता है, यह वाली तो गई है," देबोरा ने रूखेपन से जवाब दिया। लेकिन उसकी माँ ने गौर किया कि उसने पार्टी छोड़ने की कोई कोशिश नहीं की।
जिमी की चीखें अब इतनी तेज़ हो गई थीं कि सीढ़ी से काम कर रहे आदमियों की आवाज़ या खिड़की से उनके अंदर आने की कोई भी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी। कमरे से सुनाई देने वाली अगली आवाज़ ताले के जल्दी से खुलने की थी।
फेलिक्स दरवाजे पर खड़ा था। उसका चेहरा देखते ही मार्था चीख पड़ी, डर के मारे जानवरों जैसी तीखी चीख। श्रीमती...
मैक्सी ने उसके पीछे हटते कदमों की आहट सुनी नहीं, बल्कि महसूस की, पर कोई उसके पीछे नहीं आया। बाकी औरतें फेलिक्स के रोकने वाले हाथ को धकेलकर चुपचाप, मानो किसी सामूहिक प्रेरणा से, उस जगह की ओर बढ़ीं जहाँ सैली लेटी थी। खिड़की खुली थी और पलंग का तकिया बारिश से भीगा हुआ था। तकिये पर सैली के बाल सुनहरे जाले की तरह फैले हुए थे। उसकी आँखें बंद थीं, पर वह सोई नहीं थी। उसके मुँह के कोने से खून की एक पतली धार सूखकर काले निशान की तरह लग रही थी। उसकी गर्दन के दोनों ओर चोट के निशान थे, जहाँ उसके हत्यारे के हाथों ने उसका गला घोंट दिया था।

चौथा अध्याय

"बड़ी जगह है, महोदय," पुलिस की गाड़ी मार्टिंगेल के सामने आकर रुकी तो डिटेक्टिव सार्जेंट मार्टिन ने कहा। "पिछली बार के मुकाबले यहाँ काफ़ी बदलाव है।" उन्होंने संतुष्टि से कहा, क्योंकि वे जन्म और स्वभाव से देहाती थे और अक्सर भीड़भाड़ वाले शहरों और गंदी झुग्गियों में हत्यारों की अपराध करने की प्रवृत्ति की शिकायत करते थे। उन्होंने हवा को सूंघा और स्थानीय मुख्य कांस्टेबल के यार्ड में आने के पीछे नीतिगत या दूरदर्शितापूर्ण कारणों को धन्यवाद दिया। ऐसी अफवाह थी कि मुख्य कांस्टेबल संबंधित लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानते थे और काउंटी के बाहरी इलाके में अभी तक अनसुलझे मामले को देखते हुए, उन्होंने इस मामले को बिना देरी किए उन्हें सौंपना उचित समझा था।

यह बात डिटेक्टिव-सार्जेंट मार्टिन को बिल्कुल ठीक लगी। काम तो काम ही होता है, चाहे कहीं भी किया जाए, लेकिन हर किसी को अपनी पसंद रखने का अधिकार है।

मुख्य जासूस एडम डेलग्लेश ने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि कार से बाहर निकलकर एक पल के लिए घर को देखने के लिए रुक गए। यह एक विशिष्ट एलिज़ाबेथन हवेली थी, सरल लेकिन डिज़ाइन में बेहद औपचारिक। चौकोर केंद्रीय बरामदे के दोनों ओर, दो मंजिला बड़ी-बड़ी खिड़कियाँ, जिनमें चौखट और खिड़कियाँ थीं, समरूप रूप से खड़ी थीं। ड्रिपस्टोन के ऊपर एक भारी नक्काशीदार राजचिह्न था। छत एक छोटी खुली पत्थर की रेलिंग की ओर ढलानदार थी, जिस पर उभरे हुए प्रतीकों की नक्काशी थी, और छह विशाल ट्यूडर चिमनियाँ गर्मियों के आसमान के सामने शान से खड़ी थीं। पश्चिम की ओर एक कमरे की दीवार मुड़ी हुई थी, जिसके बारे में डेलग्लेश ने अनुमान लगाया कि इसे बाद में जोड़ा गया होगा - शायद पिछली शताब्दी में। फ्रेंच खिड़कियाँ प्लेटेड ग्लास की थीं और बगीचे में खुलती थीं। एक पल के लिए उन्होंने उनमें से एक पर एक चेहरा देखा, लेकिन फिर वह मुड़ गया। कोई उनके आने का इंतज़ार कर रहा था। पश्चिम की ओर एक धूसर पत्थर की दीवार घर के कोने से द्वार की ओर चौड़ी रेखा में फैली हुई थी और झाड़ियों और ऊँचे बीच के पेड़ों के पीछे गायब हो जाती थी।

इस तरफ पेड़ घर के बहुत करीब आ गए थे। दीवार के ऊपर और पत्तों के ढेर के पीछे आधा छिपा हुआ, वह खिड़की के सहारे रखी सीढ़ी का ऊपरी सिरा मुश्किल से देख पा रहा था। संभवतः वह मृत लड़की का कमरा था। उसकी मालकिन ने अवैध प्रवेश के लिए इससे अधिक उपयुक्त जगह शायद ही चुनी होगी। बरामदे के पास दो वाहन खड़े थे, एक पुलिस कार जिसमें वर्दीधारी व्यक्ति बेपरवाह होकर बैठा था और एक शव वाहन। उसका चालक अपनी सीट पर पीछे की ओर झुका हुआ था और उसकी टोपी आगे की ओर झुकी हुई थी, उसने डेलग्लिश के आने पर कोई ध्यान नहीं दिया, जबकि उसका साथी केवल औपचारिकतावश ऊपर देखकर अपने रविवार के अखबार में वापस चला गया।

स्थानीय अधीक्षक हॉल में प्रतीक्षा कर रहे थे। एक ही पद पर आसीन दो व्यक्तियों से यही उम्मीद की जाती थी कि वे एक-दूसरे को थोड़ा-बहुत जानते होंगे, लेकिन दोनों में से किसी ने भी कभी

घनिष्ठ संबंध की इच्छा नहीं की थी।
यह आसान क्षण नहीं था। मैनिंग को यह समझाना आवश्यक लग रहा था कि उनके प्रमुख ने यार्ड को बुलाना उचित क्यों समझा। डाल्गलिश ने उपयुक्त उत्तर दिया।
दो पत्रकार दरवाजे के ठीक अंदर ऐसे बैठे थे मानो उन्हें अच्छे व्यवहार के बदले हड्डी देने का वादा किया गया हो और उन्होंने धैर्य बनाए रखने का निश्चय कर लिया हो।
घर में बहुत शांति थी और हल्की-हल्की गुलाबों की खुशबू आ रही थी। कार की भीषण गर्मी के बाद, हवा इतनी ठंडी थी कि डेलग्लिश अनजाने में ही कांप गया।
"परिवार ड्राइंग रूम में इकट्ठा है," मैनिंग ने कहा। "मैंने उनके साथ एक सार्जेंट को छोड़ा है। क्या आप अभी उनसे मिलना चाहते हैं?"
"नहीं, मैं पहले शव देखूंगा। जीवित लोग तो रहेंगे ही।"
सुपरिटेंडेंट मैनिंग विशाल चौकोर सीढ़ियों से ऊपर की ओर आगे बढ़ते हुए रास्ते में उनसे बात करते रहे।
"मुझे पता चलने से पहले ही मैंने कुछ काम निपटा लिया था कि वे सेंट्रल ऑफिस से फोन कर रहे हैं।"
उन्होंने शायद आपको मुख्य बात बता दी होगी।
पीड़िता यहाँ की नौकरानी है। बाईस साल की अविवाहित माँ। गला घोंटकर हत्या की गई। शव आज सुबह करीब 7:15 बजे परिवार को मिला। लड़की के शयनकक्ष का दरवाजा कुंडी से बंद था। बाहर निकलने और शायद अंदर आने का रास्ता भी खिड़की से ही था। इसके निशान आपको चिमनी और दीवार पर मिलेंगे। ऐसा लगता है जैसे वह आखिरी पांच फीट की ऊंचाई से गिर गई हो। उसे आखिरी बार कल रात 10:30 बजे अपनी रात की ड्रिंक बिस्तर पर ले जाते हुए देखा गया था। उसने उसे खत्म नहीं किया। मग बेडसाइड टेबल पर रखा है। पहले तो मुझे लगा कि यह लगभग निश्चित रूप से किसी बाहरी व्यक्ति का काम है। कल यहाँ एक मेला था और कोई भी परिसर में घुस सकता था। घर में भी। लेकिन कुछ अजीब बातें भी हैं।
"उदाहरण के लिए, पेय पदार्थ?" डेलग्लिश ने पूछा।
वे अब प्रवेश द्वार पर पहुँच चुके थे और घर के पश्चिमी हिस्से की ओर बढ़ रहे थे। मैनिंग ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
"हाँ। कोको। इसमें मिलावट हो सकती है। कुछ चीज़ें गायब हैं। श्री साइमन मैक्सी एक बीमार व्यक्ति हैं। उनकी दवाइयों की अलमारी से नींद की दवा की एक बोतल गायब है।"
"क्या शरीर पर डोपिंग के कोई सबूत मिले हैं?"
"पुलिस सर्जन अभी उसके साथ है। हालांकि मुझे इस पर संदेह है। मुझे तो यह गला घोंटने का सीधा मामला लग रहा है। प्रधानमंत्री के पास शायद इसका जवाब होगा।"
डेलग्लिश ने कहा, "वह खुद भी सामान ले जा सकती थी। क्या इसके पीछे कोई स्पष्ट मकसद है?"
मैनिंग रुक गया।
"हो सकता है। मेरे पास कोई विस्तृत जानकारी नहीं है, लेकिन मैंने कुछ अफवाहें सुनी हैं।"

आह। गपशप।

"आज सुबह मिस लिडेल नाम की एक महिला लड़की के बच्चे को ले जाने आई थी। वह कल रात यहाँ खाने पर आई थी। उसके हिसाब से खाना काफी अच्छा रहा होगा। लगता है स्टीफन मैक्सी ने सैली जुप्प को शादी का प्रस्ताव दिया था। शायद इसे परिवार के लिए एक मकसद माना जा सकता है।"

"इन परिस्थितियों में मुझे लगता है कि मैं ऐसा कर सकता हूँ," डेलग्लिश ने कहा।

बेडरूम की दीवारें सफेद थीं और वह रोशनी से जगमगा रहा था। ओक की लकड़ी के पैनल से घिरे हॉल और गलियारों की धुंधली रोशनी के बाद, यह कमरा किसी रंगमंच की कृत्रिम चमक से जगमगा रहा था। लाश सबसे अवास्तविक लग रही थी, मानो कोई घटिया अभिनेत्री मौत का नाटक कर रही हो, लेकिन यकीन दिलाने में नाकाम। उसकी आँखें लगभग बंद थीं, लेकिन उसके चेहरे पर वही हल्की हैरानी का भाव था जो उसने अक्सर मृतकों के चेहरों पर देखा था। उसके दो छोटे और बेहद सफेद सामने के दांत निचले होंठ से सटे हुए थे, जिससे चेहरा खरगोश जैसा लग रहा था। उसे लगता था कि जीते जी उसका चेहरा बेहद खूबसूरत रहा होगा, शायद सुंदर भी। तकिए के ऊपर बालों का एक घेरा मौत को चुनौती देते हुए लहरा रहा था। हाथ लगाने पर वह थोड़ा नम महसूस हुआ। उसे लगभग आश्चर्य हुआ कि कहीं उसकी चमक उसके शरीर के साथ ही खत्म क्यों नहीं हो गई। वह एकदम स्थिर खड़ा उसे देखता रहा। ऐसे क्षणों में उसे कभी दया नहीं आती थी, न ही गुस्सा, हालाँकि गुस्सा बाद में आ सकता था और उसे रोकना पड़ता।

उसे मृत शरीर के दृश्य को अपने दिमाग में मजबूती से बिठाना अच्छा लगता था। सात साल पहले अपने पहले बड़े मामले के बाद से यह उसकी आदत बन गई थी, जब उसने सोहो की एक वेश्या के क्षत-विक्षत शव को चुपचाप दृढ़ निश्चय के साथ देखा था और सोचा था, "बस यही है। यही मेरा काम है।"

पुलिस सर्जन द्वारा शव की जांच शुरू करने से पहले ही फोटोग्राफर ने शव के साथ अपना काम पूरा कर लिया था। अब वह अपना सामान समेटने से पहले कमरे और खिड़की की तस्वीरें ले रहा था।

प्रिंटिंग का काम भी सैली से खत्म करके, घुमावदार आकृतियों और संयोजनों की अपनी निजी दुनिया में मग्न होकर, बड़ी कुशलता से दरवाजे के हैंडल से ताले तक, कोको के जग से दराजों की अलमारी तक, बिस्तर से खिड़की की चौखट तक, और फिर सीढ़ी पर चढ़कर चिमनी और खुद सीढ़ी पर काम करने लगा। पुलिस सर्जन डॉ. फेल्टमैन, जो गंजे, गोल-मटोल और जानबूझकर हंसमुख दिखते थे, मानो मृत्यु के सामने भी अपनी पेशेवर अविचलता प्रदर्शित करने के लिए हमेशा बाध्य हों, अपने औजारों को एक काले डिब्बे में रख रहे थे।

डेलग्लिश उससे पहले भी मिल चुका था और उसे एक ऐसे कुशल डॉक्टर के रूप में जानता था जिसने कभी यह नहीं समझा था कि उसका काम कहाँ खत्म होता है और जासूस का काम कहाँ से शुरू होता है। डेलग्लिश के शव से मुँह मोड़ लेने के बाद ही उसने बोलना शुरू किया।

"अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो हम उसे अभी ले जाने के लिए तैयार हैं। चिकित्सकीय दृष्टि से मामला काफी सरल लगता है। उसके सामने खड़े एक दाहिने हाथ वाले व्यक्ति ने उसका गला

घोंट दिया। उसकी मृत्यु तुरंत हो गई, संभवतः वेगस तंत्रिका के अवरोध के कारण। मैं आपको दोपहर बाद और अधिक जानकारी दे पाऊंगा। यौन उत्पीड़न का कोई संकेत नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यौन संबंध मकसद नहीं था। मुझे लगता है कि किसी मृत शरीर को अपने हाथों में लेने से यौन इच्छा को दबाने जैसा कुछ नहीं है। जब आप उसे बुलाएंगे तो वही पुरानी कहानी सुनने को मिलेगी, 'मैंने उसे डराने के लिए उसके गले में हाथ डाला और वह एकदम बेजान हो गई'। ऐसा लगता है कि वह खिड़की से अंदर आया था। आपको उस पाइप पर उंगलियों के निशान मिल सकते हैं, लेकिन मुझे संदेह है कि जमीन से ज्यादा मदद मिलेगी। नीचे एक तरह का आंगन है। कोई मुलायम मिट्टी नहीं है जिस पर जूतों के कुछ निशान आसानी से मिल जाएं।"

खैर, कल रात बहुत तेज बारिश हुई जिससे हालात और बिगड़ गए। अगर आपका आदमी काम खत्म कर चुका है तो मैं जाकर स्ट्रेचर वालों को बुला लाता हूँ। रविवार की सुबह के लिए यह बहुत ही मुश्किल काम है।

वह गया और डेलग्लिश ने कमरे का निरीक्षण किया। कमरा बड़ा और कम साज-सज्जा वाला था, लेकिन कुल मिलाकर उसमें धूप और आराम का एहसास होता था। उसने सोचा कि यह शायद पहले परिवार का डे नर्सरी रहा होगा। उत्तरी दीवार पर बनी पुरानी शैली की चिमनी के चारों ओर भारी जालीदार फायरगार्ड लगा था, जिसके पीछे एक इलेक्ट्रिक हीटर लगाया गया था। चिमनी के दोनों ओर गहरे खांचे बने थे जिनमें किताबों की अलमारियां और छोटी अलमारियां थीं।

वहाँ दो खिड़कियाँ थीं। सीढ़ी जिस छोटी खिड़की के सहारे खड़ी थी, वह पश्चिमी दीवार पर थी और आँगन से होते हुए पुराने अस्तबल की ओर खुलती थी। बड़ी खिड़की दक्षिणी दीवार की लगभग पूरी लंबाई में फैली हुई थी, जिससे लॉन और बगीचों का मनोरम दृश्य दिखाई देता था। यहाँ का शीशा पुराना था और उस पर जगह-जगह छोटे-छोटे पदक जड़े हुए थे। केवल ऊपर की जालीदार खिड़कियाँ ही खोली जा सकती थीं।

क्रीम रंग से रंगा हुआ सिंगल बेड छोटी खिड़की के समकोण पर रखा था, जिसके एक तरफ कुर्सी और दूसरी तरफ लैंप के साथ एक टेबल थी। बच्चे का पालना विपरीत कोने में एक स्क्रीन से आधा छिपा हुआ था। यह वैसी ही स्क्रीन थी जैसी डेलग्लिश को अपने बचपन से याद थी, जिसमें दर्जनों रंगीन तस्वीरें और पोस्टकार्ड एक पैटर्न में चिपकाए गए थे और उन पर पॉलिश की गई थी। चिमनी के सामने एक गलीचा और एक छोटी सी नर्सिंग कुर्सी थी। दीवार के सहारे एक सादी अलमारी और दराजों वाली एक पेटी रखी थी।

कमरे में एक अजीब सी गुमनामी छाई हुई थी। उसमें लगभग हर नर्सरी जैसा अंतरंग और जीवंत वातावरण था, जिसमें टैल्कम पाउडर, बेबी सोप और हवादार कपड़ों की हल्की सी खुशबू फैली हुई थी। लेकिन लड़की ने अपने व्यक्तित्व की छाप अपने परिवेश पर बहुत कम छोड़ी थी। वहाँ वह स्त्री-सुलभ अव्यवस्था नहीं थी जिसकी उसे थोड़ी बहुत उम्मीद थी। उसका थोड़ा-बहुत निजी सामान करीने से रखा हुआ था, लेकिन वह कुछ बयां नहीं कर रहा था। मूल रूप से, यह बस एक बच्चे का कमरा था जिसमें उसकी माँ के लिए एक सादा बिस्तर था। अलमारियों पर रखी कुछ किताबें शिशु देखभाल पर लोकप्रिय पुस्तकें थीं। आधा दर्जन पत्रिकाएँ कामकाजी युवा महिलाओं

की अधिक रोमांटिक और विविध चिंताओं के बजाय माताओं और गृहिणियों की रुचियों को समर्पित थीं।
उसने शेल्फ से एक किताब उठाई और उसके पन्ने पलटे। उसके पन्नों से एक लिफाफा गिरा जिस पर वेनेजुएला का टिकट लगा था। उस पर पता लिखा था:

डी. पुलेन, एस्क्वायर,

रोज कॉटेज, नेसिंगफोर्ड रोड,

लिटिल चैडफ्लीट, एसेक्स, इंग्लैंड।

दूसरी तरफ पेंसिल से तीन तारीखें लिखी हुई थीं - बुधवार 18, सोमवार 23, सोमवार 30।
किताबों की अलमारी से लेकर दराजों तक, डेलग्लिश ने हर दराज को खोलकर अपनी निपुण उंगलियों से एक-एक करके उसके अंदर रखी चीज़ों को पलटा। सब कुछ एकदम व्यवस्थित था। सबसे ऊपर वाली दराज में सिर्फ़ बच्चों के कपड़े थे। उनमें से ज़्यादातर हाथ से बुने हुए थे, सभी अच्छी तरह से धुले और सलीके से रखे हुए थे। दूसरी दराज लड़की के अपने अंदरूनी कपड़ों से भरी थी, जो करीने से ढेरों में रखे हुए थे। असली आश्चर्य तीसरी और सबसे नीचे वाली दराज में छिपा था।
"इस बारे में आपकी क्या राय है?" उसने मार्टिन को पुकार कर पूछा।
सार्जेंट खामोशी से इतनी फुर्ती से अपने चीफ के पास पहुंचा कि उसके कद-काठी के हिसाब से वह फुर्तीला लग रहा था। उसने अपने विशाल मुट्ठी में एक वस्त्र उठाया।
"देखने से तो ऐसा लगता है कि यह हाथ से बनाया गया है, महोदय।"
मुझे लगता है कि उसने इसे खुद ही कढ़ाई किया होगा। लगभग एक दराज भरा हुआ है। ये तो दहेज जैसा लग रहा है। "मुझे लगता है कि ये दहेज ही है। और सिर्फ कपड़े ही नहीं। मेज़पोश, हाथ पोंछने वाले तौलिए, तकिए के कवर।" बोलते हुए उसने उन्हें पलटकर देखा। "ये तो एक दयनीय सा दहेज है, मार्टिन। महीनों की मेहनत लैवेंडर के थैलों और टिशू पेपर में लपेटकर रख दी गई है। बेचारा। क्या तुम्हें लगता है कि ये स्टीफन मैक्सी को खुश करने के लिए था? मुझे तो ये नज़ाकत से मेज़पोश मार्टिंगेल में इस्तेमाल होते हुए देखना मुश्किल लग रहा है।"
मार्टिन ने उनमें से एक को उठाया और प्रशंसापूर्वक उसकी जांच की।
“यह करते समय उसने उसके बारे में नहीं सोचा होगा। सुपरवाइज़र के अनुसार उसने कल ही शादी का प्रस्ताव रखा है और वह इस पर महीनों से काम कर रही होगी। मेरी माँ इस तरह का काम करती थीं। पैटर्न के चारों ओर बटनहोल बनाते हैं और फिर बीच के गड्ढे काटते हैं। इसे रिचेल्यू या कुछ ऐसा ही कहते हैं। इससे सुंदर प्रभाव पड़ता है - अगर आपको इस तरह की चीज़ें पसंद हैं,” उन्होंने अपने बॉस की स्पष्ट अरुचि को देखते हुए कहा। उन्होंने कढ़ाई को पुरानी यादों में खोकर कुछ देर तक देखा और फिर उसे दराज में वापस रख दिया।

डेलग्लिश खिड़की के पास चली गई। चौड़ी खिड़की की चौखट लगभग तीन फीट ऊंची थी। उस पर छोटे-छोटे जानवरों के चमकीले कांच के टुकड़े बिखरे पड़े थे। एक पेंगुइन पंखहीन होकर एक तरफ पड़ा था और एक कमजोर डैकशंड दो टुकड़ों में टूट गया था। नीली आंखों वाली एक सियामी बिल्ली, इस चकनाचूर तबाही में अकेली बची थी।

खिड़की के दो सबसे बड़े और मध्य भाग कुंडी से बाहर की ओर खुलते थे और चिमनी का पाइप, जो लगभग छह फीट नीचे इसी तरह की खिड़की के किनारे से होकर गुजरता था, सीधे नीचे बने पक्के चबूतरे तक जाता था। फुर्तीले व्यक्ति के लिए नीचे उतरना मुश्किल नहीं होता। ऊपर चढ़ना भी संभव था। उसने फिर गौर किया कि इस तरह से अंदर आना या बाहर जाना अवांछित निगरानी से कितना सुरक्षित होगा। उसके दाहिनी ओर, बीच के पेड़ों की लटकती शाखाओं से आधी छिपी हुई बड़ी ईंट की दीवार, सड़क की ओर मुड़ती हुई जा रही थी। खिड़की के ठीक सामने और लगभग तीस गज की दूरी पर पुराने अस्तबल थे, जिनमें एक आकर्षक घड़ी वाला बुर्ज बना हुआ था।

उनकी खुली छत से खिड़की को देखा जा सकता था, लेकिन कहीं और से नहीं। बाईं ओर लॉन का केवल एक छोटा सा हिस्सा दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने उसमें छेड़छाड़ की हो। घास के एक छोटे से हिस्से के चारों ओर रस्सी बंधी हुई थी जहाँ घास को काटा गया था। खिड़की से भी डेलग्लिश उखड़ी हुई घास की पत्तियों और नीचे फैली भूरी मिट्टी को देख सकता था।

सुपरिटेंडेंट मैनिंग उनके पीछे आए और उनके अनकहे सवाल का जवाब दे दिया।

"यह डॉक्टर एप्स का खजाना ढूंढने का अभियान है।"

उन्होंने इसे पिछले बीस वर्षों से उसी स्थान पर रखा हुआ है। कल यहाँ चर्च का मेला था। अधिकांश झंडे हटा दिए गए हैं - पादरी रविवार से पहले जगह को साफ करना पसंद करते हैं - लेकिन सभी सबूत मिटाने में एक या दो दिन लगते हैं।

डेलग्लिश को याद आया कि सुपर लगभग एक स्थानीय व्यक्ति जैसा था। "क्या आप यहाँ थे?" उसने पूछा।

"इस साल नहीं। मैं पिछले एक हफ्ते से लगभग लगातार ड्यूटी पर हूं।"

काउंटी सीमा पर हुई उस हत्या का मामला अभी सुलझाना बाकी है। अब ज्यादा समय नहीं लगेगा, लेकिन मैं इसमें काफी व्यस्त रहा हूँ। मैं और मेरी पत्नी साल में एक बार मेले के लिए यहाँ आते थे, लेकिन यह युद्ध से पहले की बात है। तब हालात अलग थे। मुझे नहीं लगता कि अब हम आने की जहमत उठाएँगे। फिर भी, मेले में अच्छी खासी भीड़ तो आती ही है। कोई उस लड़की से मिला होगा और उससे पता लगा लिया होगा कि वह कहाँ सोई थी। कल दोपहर और शाम के दौरान उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। उनके लहजे से लग रहा था कि उन्हें खुशी है कि यह काम उनका नहीं है।

डेलग्लिश ने तथ्यों के आधार पर कोई पूर्व-कल्पना नहीं की थी। लेकिन अब तक जुटाए गए तथ्य किसी अज्ञात घुसपैठिए की इस सहज धारणा का समर्थन नहीं करते थे। यौन उत्पीड़न के प्रयास का कोई संकेत नहीं था, न ही चोरी का कोई सबूत था। उस कुंडी लगे दरवाजे के बारे में उनका

दृष्टिकोण बहुत खुला था।
यह सच है कि उस सुबह 7 बजे मैक्सी परिवार के सभी सदस्य सही तरफ थे, लेकिन वे संभवतः किसी और की तरह ही चिमनी से नीचे उतरने या सीढ़ियों से उतरने में सक्षम थे।
शव को ले जाया जा चुका था, सफेद चादर से ढका हुआ एक बेढंगा सा शरीर स्ट्रेचर पर अकड़ा हुआ पड़ा था, जिसे पैथोलॉजिस्ट के चाकू और विश्लेषक की बोतल के हवाले किया जाना था। मैनिंग उन्हें वहीं छोड़कर अपने कार्यालय में फोन करने चला गया था।
डेलग्लिश और मार्टिन धैर्यपूर्वक घर का निरीक्षण करते रहे। सैली के कमरे के बगल में एक पुराने ज़माने का बाथरूम था, जिसमें गहरे बाथटब के चारों ओर महोगनी की लकड़ी लगी थी और एक पूरी दीवार पर एक विशाल अलमारी थी, जिसमें जालीदार शेल्फ लगे थे। बाकी तीन दीवारों पर सुंदर फूलों के डिज़ाइन वाला वॉलपेपर लगा था जो समय के साथ फीका पड़ गया था और फर्श पर एक पुराना, लेकिन अभी तक घिसा हुआ नहीं, कालीन बिछा था। कमरे में छिपने की कोई जगह नहीं थी। बाहर की लैंडिंग से, कालीन से ढकी सीढ़ियाँ नीचे पैनल वाले गलियारे तक जाती थीं, जो एक तरफ रसोई और दूसरी तरफ मुख्य हॉल की ओर खुलता था। इन सीढ़ियों के ठीक नीचे भारी दक्षिणी दरवाज़ा था। वह थोड़ा खुला हुआ था, और डेलग्लिश और मार्टिन मार्टिंगेल की ठंडक से निकलकर दिन की तेज़ गर्मी में आ गए।
कहीं किसी गिरजाघर की घंटियाँ रविवार की सुबह की प्रार्थना के लिए बज रही थीं। पेड़ों के बीच से आती हुई आवाज़ साफ़ और मधुर थी, जिससे मार्टिन को बचपन के ग्रामीण रविवारों की याद आ गई और डेलग्लिश को याद आया कि अभी बहुत काम बाकी है और सुबह का समय बहुत कम बचा है।
"हम उस पुराने अस्तबल और उसकी खिड़की के नीचे की पश्चिमी दीवार की जाँच करेंगे। उसके बाद मुझे रसोई में ज़्यादा दिलचस्पी है। और फिर हम पूछताछ जारी रखेंगे। मुझे लगता है कि जिस व्यक्ति की हम तलाश कर रहे हैं, वह कल रात इसी छत के नीचे सोया था।"
ड्राइंग रूम में मैक्सी परिवार अपने दो मेहमानों और मार्था बुल्टिटाफ्ट के साथ पूछताछ के लिए इंतज़ार कर रहा था। दरवाज़े के पास एक छोटी सी कुर्सी पर बैठा एक जासूस सार्जेंट चुपचाप उन पर नज़र रख रहा था। वह देखने में बिल्कुल उदासीन लग रहा था और घर के मालिकों से कहीं ज़्यादा सहज प्रतीत हो रहा था। उसके अधीन आए लोगों के मन में यह जानने की उत्सुकता थी कि उन्हें कितनी देर तक इंतज़ार करना पड़ेगा, लेकिन किसी ने भी अपनी चिंता ज़ाहिर करने के लिए पूछना नहीं चाहा।
उन्हें बताया गया था कि स्कॉटलैंड यार्ड के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर डेलग्लिश आ चुके हैं और जल्द ही उनके पास पहुँच जाएँगे। कितनी जल्दी, यह पूछने की हिम्मत किसी को नहीं थी। फेलिक्स और डेबोरा अभी भी अपने घुड़सवारी के कपड़ों में थे। बाकी सबने जल्दी से कपड़े पहने थे। सबने थोड़ा-थोड़ा खाया था और अब वे बैठकर इंतज़ार कर रहे थे। चूंकि पढ़ना निर्दयतापूर्ण, पियानो बजाना चौंकाने वाला, हत्या के बारे में बात करना नासमझी भरा और किसी और बात के बारे में बात करना अस्वाभाविक लगता, इसलिए वे लगभग पूरी तरह से खामोशी में बैठे रहे। फेलिक्स हर्न और डेबोरा सोफे पर साथ-साथ बैठे थे, लेकिन थोड़ा अलग-अलग और कभी-कभी

वह झुककर उसके कान में कुछ फुसफुसाता था। स्टीफन मैक्सी एक खिड़की के पास खड़ा था और कमरे की ओर पीठ करके खड़ा था। फेलिक्स हर्न ने व्यंग्यपूर्वक देखा कि इस मुद्रा से वह अपना चेहरा छिपा सकता था और झुके हुए सिर के पिछले हिस्से से एक अनकहा दुख दिखा सकता था। कम से कम चार देखने वाले यह जानना चाहते थे कि क्या उसका दुख सच्चा था। एलेनोर मैक्सी एक अलग कुर्सी पर शांति से बैठी थी। वह या तो शोक से स्तब्ध थी या फिर गहन चिंतन में डूबी हुई थी।

उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन सैली के दरवाजे पर जो थोड़ी देर के लिए घबराहट हुई थी, वह अब शांत हो चुकी थी। उसकी बेटी ने गौर किया कि कम से कम उसने अपने पहनावे पर ध्यान दिया था और परिवार व मेहमानों के सामने लगभग सामान्य दिख रही थी।

मार्था बुल्टिटाफ्ट भी थोड़ी अलग बैठी थीं, कुर्सी के किनारे पर असहज महसूस कर रही थीं और बीच-बीच में सार्जेंट को गुस्से भरी निगाहों से देख रही थीं, जिसे वह स्पष्ट रूप से अपने इस अपमान के लिए जिम्मेदार मान रही थीं कि उन्हें परिवार के साथ और ड्राइंग रूम में बैठना पड़ रहा है जबकि काम करना बाकी है। सुबह की घटना से सबसे ज्यादा परेशान और भयभीत होने वाली मार्था अब इसे व्यक्तिगत अपमान समझ रही थीं और गुस्से में बैठी थीं। कैथरीन बोवर्स ने सहजता का दिखावा किया। उन्होंने अपने पर्स से एक छोटी नोटबुक निकाली थी और उसमें बीच-बीच में लिख रही थीं, मानो सुबह की घटनाओं को याद कर रही हों। उनकी इस सहजता और कुशलता को देखकर कोई धोखा नहीं खा सका, लेकिन सभी को इस बात से ईर्ष्या हो रही थी कि उन्हें इतना अच्छा दिखावा करने का मौका मिला। सभी लगभग एकांत में बैठी थीं और अपने-अपने विचारों में डूबी हुई थीं। श्रीमती मैक्सी की निगाहें अपनी गोद में मुड़े हुए मजबूत हाथों पर टिकी थीं, लेकिन उनका मन अपने बेटे पर था।

"वह इससे उबर जाएगा, युवा लोग हमेशा उबर जाते हैं। भगवान का शुक्र है कि साइमन को कभी पता नहीं चलेगा।"

सैली के बिना स्तनपान कराना मुश्किल होगा। वैसे तो इस बारे में सोचना भी नहीं चाहिए। बेचारी बच्ची।

उस ताले पर उंगलियों के निशान हो सकते हैं।

पुलिस ने इस बारे में जरूर सोचा होगा।

जब तक कि उसने दस्ताने न पहने हों। आजकल हम सभी दस्तानों के बारे में जानते हैं। मुझे आश्चर्य है कि उस खिड़की से कितने लोग उसके पास पहुँच पाए होंगे। मुझे लगता है कि मुझे इसके बारे में सोचना चाहिए था, लेकिन मैं कैसे सोच सकता था? आखिर बच्चा उसके साथ था। जिमी का क्या होगा?

एक माँ जिसकी हत्या कर दी गई और एक पिता जिसे वो कभी जान नहीं पाएगा। ये एक राज़ था जो उसने छुपा रखा था। शायद कई राज़ों में से एक। इंसान लोगों को पूरी तरह नहीं जान पाता। मैं फेलिक्स के बारे में क्या जानती हूँ? वो खतरनाक हो सकता है। ये चीफ इंस्पेक्टर भी खतरनाक हो सकता है। मार्था को दोपहर के खाने का इंतज़ाम करना चाहिए। मतलब, अगर कोई दोपहर का खाना खाना चाहे तो। पुलिस कहाँ खाना खाएगी? शायद आज वे सिर्फ हमारे कमरे ही

इस्तेमाल करना चाहेंगे। नर्स बारह बजे आएगी, इसलिए मुझे साइमन के पास जाना होगा। अगर मैं पूछ लूँ तो शायद अभी जा सकती हूँ।

डेबोरा बहुत परेशान है। हम सब परेशान हैं। काश हम अपना धैर्य बनाए रख सकें।

देबोरा ने सोचा, "अब जब वह मर चुकी है, तो मुझे उससे कम नफरत करनी चाहिए, पर मैं नहीं कर सकती। वह हमेशा मुसीबत खड़ी करती थी। हमें इस हालत में पसीना बहाते हुए देखना उसे अच्छा लगता। शायद वह देख सकती है। मुझे उदास नहीं होना चाहिए। काश हम इस बारे में बात कर पाते। अगर एप्पी और मिस लिडेल डिनर पर न होते, तो हम स्टीफन और सैली के बारे में चुप ही रहते। और कैथरीन भी, ज़ाहिर है।"

कैथरीन तो हमेशा है ही। उसे तो इसमें खूब मजा आएगा। फेलिक्स जानता है कि सैली को नशा दिया गया था। खैर, अगर दिया भी गया था, तो मेरे पीने के मग में ही दिया गया था। उन्हें इसका जो मतलब निकालना है निकालने दो।

फेलिक्स हर्न ने सोचा, "अब ज़्यादा देर नहीं लगेगी। बात ये है कि मुझे अपना आपा नहीं खोना है। ये अंग्रेज़ पुलिसवाले होंगे, बेहद विनम्र अंग्रेज़ पुलिसवाले जो जजों के नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए सवाल पूछेंगे। डर छुपाना शैतान के बस की बात नहीं। मैं डेलग्लिश का चेहरा सोच सकता हूँ अगर मैंने समझाने की कोशिश की। माफ़ कीजिए इंस्पेक्टर साहब, अगर मैं आपसे डरा हुआ लग रहा हूँ। ये प्रतिक्रिया पूरी तरह से स्वाभाविक है, तंत्रिका तंत्र की एक चाल है। मुझे औपचारिक पूछताछ पसंद नहीं है, और उससे भी ज़्यादा सुनियोजित अनौपचारिक सत्र। फ्रांस में मुझे इसका कुछ अनुभव हुआ था। आप समझ रहे हैं, मैं इसके प्रभावों से पूरी तरह उबर चुका हूँ, सिवाय इस एक छोटी सी बात के। मुझे गुस्सा आ जाता है। ये बस मेरा डर है। मुझे यकीन है कि आप समझेंगे, इंस्पेक्टर साहब। आपके सवाल बहुत ही वाजिब हैं। ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुझे वाजिब सवालों पर भरोसा नहीं है। हमें इस बात को ज़रूरत से ज़्यादा नहीं बढ़ाना चाहिए। ये एक छोटी सी कमी है। किसी के जीवन का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा पुलिस द्वारा पूछताछ में बीतता है। मैं तो हल्के में बच गया। उन्होंने तो मुझे मेरी कुछ चीज़ें भी दे दीं।" नाखूनों की बात कर रहा हूँ। मैं बस यह समझाने की कोशिश कर रहा हूँ कि हो सकता है कि मैं आपको आपके मनचाहे जवाब न दे पाऊँ।

स्टीफन मुड़ गया।

"वकील के बारे में क्या ख्याल है?" उसने अचानक पूछा। "क्या हमें जेफसन को नहीं बुलाना चाहिए?"

उसकी मां ने अपने जुड़े हुए हाथों को चुपचाप निहारते हुए ऊपर देखा।

"मैथ्यू जेफसन महाद्वीप में कहीं गाड़ी चला रहे हैं। लियोनेल लंदन में हैं।"

अगर आपको जरूरी लगे तो हम उसे ला सकते हैं।

उसकी आवाज में पूछताछ का भाव था।

देबोरा ने अचानक कहा, "ओह, मम्मी!"

लियोनेल जेफसन नहीं। वो दुनिया का सबसे घमंडी और उबाऊ आदमी है। जब तक हम गिरफ्तार नहीं हो जाते, तब तक उसे नीचे आने के लिए उकसाना ठीक नहीं होगा। वैसे भी, वो कोई

आपराधिक वकील नहीं है। उसे तो सिर्फ ट्रस्ट, हलफनामे और दस्तावेजों की ही जानकारी है। ये सब सुनकर उसकी इज्जत को गहरा सदमा लगेगा।
वह मदद नहीं कर सका।
"हर्न, तुम्हारा क्या कहना है?"
स्टीफन।
"मैं बिना किसी मदद के ही काम चला लूंगा, धन्यवाद।"
“आपको इसमें शामिल करने के लिए हमें क्षमा मांगनी चाहिए,” स्टीफन ने कड़े लहजे में कहा। “यह आपके लिए अप्रिय है और शायद असुविधाजनक भी। मुझे नहीं पता कि आप लंदन कब लौटेंगे।” फेलिक्स को लगा कि यह क्षमा याचना कैथरीन बोवर्स से करना अधिक उचित होगा। स्टीफन स्पष्ट रूप से उस लड़की को नज़रअंदाज़ करने पर तुला हुआ था। क्या वह घमंडी नौजवान सचमुच मानता था कि यह मृत्यु महज़ अप्रियता और असुविधा का मामला है? जवाब देते हुए उसने श्रीमती मैक्सी की ओर देखा।
"यदि मैं उपयोगी साबित हो सकूं तो मुझे स्वेच्छा से या अनैच्छिक रूप से यहां रहने में बहुत खुशी होगी।"
कैथरीन भी उसी तरह का आश्वासन दे रही थी कि तभी चुपचाप खड़ा सार्जेंट अचानक हरकत में आ उठा और एक ही झटके में सावधान मुद्रा में खड़ा हो गया। दरवाजा खुला और सादे कपड़ों में तीन पुलिसकर्मी अंदर आए। वे सुपरिंटेंडेंट मैनिंग को पहले से जानते थे। उन्होंने संक्षेप में अपने साथियों का परिचय देते हुए बताया कि वे डिटेक्टिव चीफ-इंस्पेक्टर एडम डेलग्लिश और डिटेक्टिव-सार्जेंट जॉर्ज मार्टिन हैं। पांचों निगाहें एक साथ उस लंबे अजनबी पर टिक गईं, शायद डर से, शायद आकलन से या फिर जिज्ञासा से।
कैथरीन बोवर्स ने सोचा, "लंबा, सांवला और सुंदर। मैंने ऐसा सोचा भी नहीं था।"
सच में काफी दिलचस्प चेहरा है।
स्टीफन मैक्सी ने सोचा, "बड़ा घमंडी शैतान है। आने में उसे बहुत देर लग गई।"
मुझे लगता है कि उनका मकसद हमें शांत करना है। या फिर वो घर में इधर-उधर जासूसी कर रहा है।
यह निजता का अंत है।"
फेलिक्स हर्न ने सोचा, "अच्छा, अब तो वो आ ही गया। एडम डेलग्लिश, मैंने उसके बारे में सुना है। निर्दयी, अपरंपरागत, हमेशा समय के विपरीत काम करने वाला। मुझे लगता है उसकी अपनी कुछ निजी मजबूरियाँ होंगी। कम से कम उन्होंने हम जैसे विरोधियों को सर्वश्रेष्ठ के योग्य तो समझा है।"
एलेनर मैक्सी ने सोचा, "मैंने यह चेहरा पहले कहाँ देखा है? बिल्कुल। वही ड्यूरर। क्या यह म्यूनिख में था? एक अज्ञात व्यक्ति का चित्र। पुलिस अधिकारियों को हमेशा बॉलर हैट और रेनकोट पहने हुए ही क्यों देखा जाता है?"
परिचय और शिष्टाचार के आदान-प्रदान के दौरान, डेबोरा रिस्को उसे इस तरह घूर रही थी मानो वह उसे लाल-सुनहरे बालों के जाल के बीच से देख रही हो।

जब उन्होंने बात की तो उनकी आवाज आश्चर्यजनक रूप से गहरी, शांत और बिना किसी जोर के थी। (मुझे अधीक्षक मैनिंग से पता चला है कि बगल वाला छोटा व्यावसायिक कमरा मेरे उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है।)

मुझे उम्मीद है कि बहुत लंबे समय तक न तो इस पर और न ही आप पर एकाधिकार करने की आवश्यकता होगी। कृपया आप दोनों से अलग-अलग और इसी क्रम में मिलना चाहेंगे।

"मुझे नौ बजे, नौ बजकर पांच मिनट पर, नौ बजकर दस मिनट पर मेरे स्टडी रूम में मिल लेना..." फेलिक्स ने देबोरा से फुसफुसाते हुए कहा।

उसे यकीन नहीं था कि वह अपने लिए राहत चाहता था या उसके लिए, लेकिन बदले में कोई मुस्कान नहीं मिली।

डेलग्लिश ने एक पल के लिए समूह पर अपनी नज़र डाली। "श्री स्टीफन मैक्सी, मिस बोवर्स, श्रीमती मैक्सी, श्रीमती रिस्को, श्रीमान..."

हर्न और श्रीमती बुल्टिटाफ्ट। जो लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं, कृपया यहीं रुकें। यदि आप में से किसी को इस कमरे से बाहर जाना हो, तो हॉल में बाहर एक महिला पुलिस अधिकारी और एक कांस्टेबल मौजूद हैं, जो आपके साथ जा सकते हैं। सभी से पूछताछ पूरी होते ही निगरानी कम कर दी जाएगी। क्या आप मेरे साथ चलेंगे, श्री मैक्सि?

स्टीफन मैक्सी ने पहल की।

"मुझे लगता है कि सबसे पहले आपको यह बता देना बेहतर होगा कि मिस जुप्प और मेरी सगाई हो चुकी है। मैंने कल शाम उन्हें शादी का प्रस्ताव दिया था। इसमें कोई राज़ नहीं है। इसका उनकी मृत्यु से कोई संबंध नहीं हो सकता और शायद मैं इसका ज़िक्र भी न करता, सिवाय इसके कि उन्होंने गाँव की सबसे बड़ी गपशप करने वाली के सामने यह खबर फैला दी, इसलिए आपको शायद जल्द ही पता चल जाता।"

डेलग्लिश, जिसे पहले ही पता चल चुका था और जो इस बात से बिल्कुल भी आश्वस्त नहीं था कि प्रस्ताव का हत्या से कोई लेना-देना नहीं है, ने श्री मैक्सी को उनकी स्पष्टवादिता के लिए गंभीरता से धन्यवाद दिया और अपनी मंगेतर की मृत्यु पर औपचारिक संवेदना व्यक्त की।

लड़के ने अचानक सीधी निगाह से उसकी ओर देखा।

"मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी की संवेदना स्वीकार करने का कोई अधिकार है। मैं शोक का अनुभव भी नहीं कर पा रहा हूँ। शायद जब इस सदमे का असर थोड़ा कम हो जाएगा, तब मैं शोक का अनुभव कर पाऊँगा। हमारी सगाई तो कल ही हुई थी और अब वो मर चुकी है। अब भी यकीन नहीं हो रहा।"

"क्या आपकी मां को इस सगाई के बारे में पता था?"

"हां। मेरे पिता को छोड़कर परिवार के सभी लोग थे।"

"क्या श्रीमती मैक्सी ने इसे मंजूरी दी?"

"क्या बेहतर नहीं होगा कि आप उससे यह सवाल खुद ही पूछ लें?"

"शायद मैंने किया था। कल शाम से पहले मिस जुप्प के साथ आपके क्या संबंध थे, डॉ. मैक्सी?"

"अगर आप यह पूछ रहे हैं कि क्या हम प्रेमी थे, तो इसका जवाब है 'नहीं। मुझे उसके लिए दुख

था, मैं उसकी प्रशंसा करता था और मैं उसकी ओर आकर्षित था। मुझे नहीं पता कि वह मेरे बारे में क्या सोचती थी।"

"फिर भी उसने आपके विवाह के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया?"

"स्पष्ट रूप से नहीं। उसने मेरी माँ और अपने मेहमानों को बताया कि मैंने उसे शादी का प्रस्ताव दिया है, इसलिए मैंने स्वाभाविक रूप से मान लिया कि वह मुझे स्वीकार करने का इरादा रखती है। अन्यथा, यह खबर देने का कोई मतलब नहीं होता।"

डेलग्लिश के मन में कई कारण आ सकते थे कि लड़की को यह खबर क्यों देनी चाहिए थी, लेकिन वह उन पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं थे।

इसके बजाय उन्होंने अपने गवाह को उस समय से लेकर हाल की घटनाओं का अपना विवरण देने के लिए आमंत्रित किया जब लापता सोम्मेइल टैबलेट पहली बार घर में लाए गए थे।

"तो आपको लगता है कि उसे नशा दिया गया था, इंस्पेक्टर साहब? मैंने अधीक्षक के आने पर उन्हें गोलियों के बारे में बताया था। वे आज सुबह मेरे पिताजी की दवाइयों की पेटी में ज़रूर थीं। मिस बोवर्स ने एस्पिरिन लेने के लिए अलमारी में जाते समय उन्हें देखा था। अब वे वहाँ नहीं हैं। अलमारी में अब केवल सोममेल की एक सीलबंद पैकेट में गोली है। बोतल गायब है।"

"हमें यह अवश्य मिल जाएगा, डॉ. मैक्सी।"

पोस्टमार्टम से पता चलेगा कि मिस जुप्प को नशीली दवा दी गई थी या नहीं, और अगर दी गई थी, तो कितनी मात्रा में। बिस्तर के पास रखे उस मग में कोको के अलावा कुछ और भी जरूर है। हो सकता है कि उन्होंने खुद ही उसमें कुछ डाला हो।

"अगर उसने नहीं किया, इंस्पेक्टर साहब, तो किसने किया? हो सकता है कि वो चीज़ सैली के लिए थी ही न। वो तो मेरी बहन का पीने का मग था जो बिस्तर के पास रखा था। हम सबके अपने-अपने मग होते हैं और सब अलग-अलग होते हैं। अगर सोम्मेइल सैली के लिए था तो उसे उसके कमरे में ले जाने के बाद ही पेय में मिलाया गया होगा।"

"अगर पीने के मग इतने विशिष्ट हैं तो यह अजीब बात है कि मिस जुप्प ने गलती से गलत मग ले लिया। यह एक असंभावित गलती थी, है ना?"

"हो सकता है कि यह कोई गलती न हो," स्टीफन ने संक्षेप में कहा।

डेलग्लिश ने उससे स्पष्टीकरण नहीं मांगा, बल्कि चुपचाप उसकी बातें सुनीं। गवाह ने पिछले गुरुवार को सैली के सेंट ल्यूक चर्च जाने, चर्च के उत्सव की घटनाओं, अचानक आए उस आवेग के कारण शादी का प्रस्ताव रखने और अपनी मंगेतर का शव मिलने की घटना का वर्णन किया। उसका विवरण तथ्यात्मक, संक्षिप्त और लगभग भावहीन था। जब उसने सैली के शयनकक्ष के दृश्य का वर्णन करना शुरू किया, तो उसकी आवाज़ लगभग भावहीन और उदासीन हो गई। या तो उसने ज़रूरत से ज़्यादा संयम बरता था, या उसने इस साक्षात्कार का पूर्वाभास कर लिया था और भय या पश्चाताप की किसी भी अभिव्यक्ति से बचने के लिए खुद को पहले से ही तैयार कर लिया था।

"मैं फेलिक्स हर्न के साथ सीढ़ी लेने गया था। वह तो कपड़े पहने हुए था, लेकिन मैं अभी भी अपने ड्रेसिंग गाउन में था। सैली की खिड़की के सामने वाले शौचालयों की ओर जाते समय मेरी

एक बेडरूम की चप्पल गिर गई, इसलिए वह पहले वहाँ पहुँचा और सीढ़ी को पकड़ लिया।"
यह हमेशा वहीं रखा रहता था। जब तक मैं उसके पास पहुँचा, तब तक हर्न इसे खींचकर बाहर निकाल चुका था और मैं उससे पूछ रहा था कि इसे किस तरफ ले जाना है। मैंने सैली की खिड़की की तरफ इशारा किया। सीढ़ी हम दोनों ने मिलकर उठाई, हालाँकि वह काफी हल्की थी। एक व्यक्ति उसे संभाल सकता था, हालाँकि मुझे नहीं लगता कि कोई महिला संभाल पाएगी। हमने उसे दीवार के सहारे लगाया और हर्न पहले ऊपर चढ़ गया जबकि मैंने उसे सहारा दिया। मैं तुरंत उसके पीछे गया। खिड़की खुली थी लेकिन पर्दे लगे हुए थे। जैसा कि आपने देखा, पलंग खिड़की से समकोण पर है और उसका सिर खिड़की की तरफ है। खिड़की के सामने एक चौड़ा चौखट है जहाँ से खिड़की बाहर निकली हुई है और सैली वहाँ छोटे-छोटे काँच के जानवरों का संग्रह रखती थी। मैंने देखा कि वे बिखरे पड़े थे और उनमें से ज़्यादातर टूटे हुए थे। हर्न दरवाजे के पास गया और ताला खोल दिया। मैं सैली को देखता रहा। चादर उसकी ठुड्डी तक खींची हुई थी लेकिन मैं तुरंत समझ गया कि वह मर चुकी है।
तब तक परिवार के बाकी सदस्य बिस्तर के पास आ चुके थे, और जब मैंने कपड़े हटाए तो हमें पता चल गया कि क्या हुआ था। वह पीठ के बल लेटी हुई थी - हमने उसे परेशान नहीं किया - और वह काफी शांत दिख रही थी। लेकिन आप जानते हैं कि वह कैसी दिख रही थी। आपने उसे देखा था।
"मुझे पता है मैंने क्या देखा," डेलग्लिश ने कहा।
"मैं अब आपसे पूछ रहा हूँ कि आपने क्या देखा।"
लड़के ने उसे उत्सुकता से देखा और फिर जवाब देने से पहले एक पल के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। उसने सपाट, भावहीन स्वर में बात की, मानो वह रटा हुआ पाठ दोहरा रहा हो। "उसके मुँह के कोने पर खून की एक बूंद गिरी हुई थी। उसकी आँखें लगभग बंद थीं। दाहिने निचले जबड़े के नीचे थायरॉइड के ऊपरी भाग पर अंगूठे का एक स्पष्ट निशान था और गर्दन के बाईं ओर थायरॉइड उपास्थि पर उंगलियों के निशान कम स्पष्ट थे। यह दाहिने हाथ से सामने से गला घोंटने का स्पष्ट मामला था। काफी बल का प्रयोग किया गया होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मृत्यु संभवतः वेगस तंत्रिका के अवरोध के कारण हुई होगी और बहुत अचानक हुई होगी। दम घुटने के कुछ ही विशिष्ट लक्षण थे। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपको पोस्टमार्टम से सही तथ्य पता चल जाएँगे।"
मुझे उम्मीद है कि वे आपके विचारों से मेल खाएंगे। क्या आपने मृत्यु के समय के बारे में कोई अनुमान लगाया था?
"जबड़े और गर्दन की मांसपेशियों में अकड़न के कुछ लक्षण थे। मुझे नहीं पता कि यह और आगे फैली थी या नहीं। मैं लगभग अचेतन रूप से देखे गए लक्षणों का वर्णन कर रहा हूँ। इन परिस्थितियों में आप मुझसे पूर्ण पोस्टमार्टम विवरण की अपेक्षा नहीं करेंगे।"
सार्जेंट मार्टिन, जिसका सिर नोटबुक पर झुका हुआ था, ने लगभग उन्माद के पहले संकेत को अचूक रूप से पहचान लिया और सोचा "बेचारा।"
बूढ़ा आदमी काफी क्रूर हो सकता है। हालांकि, अब तक तो उसने सब कुछ ठीक से सहन कर

लिया है। अपनी प्रेमिका का शव मिलने के बाद उसने कुछ ज्यादा ही अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर वह उसकी प्रेमिका थी तो। "मुझे उचित समय पर पूरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिल जाएगी," डेलग्लिश ने शांत भाव से कहा। "मुझे मृत्यु के समय के बारे में आपके आकलन में दिलचस्पी थी।"

"बारिश के बावजूद रात काफी गर्म थी। मैं कहूंगा कि कम से कम पांच घंटे और अधिकतम आठ घंटे ही मौसम गर्म रहा।"

"क्या आपने सैली जुप्प की हत्या की, डॉक्टर?"

"नहीं।"

"क्या आपको पता है कि यह किसने किया?"

"नहीं।"

"शनिवार रात को खाना खत्म करने के बाद से लेकर आज सुबह मिस बोवर्स द्वारा आपको यह खबर देने के लिए फोन करने तक कि सैली जुप्प के दरवाजे पर कुंडी लगी हुई है, आपकी गतिविधियां क्या थीं?"

"हमने ड्राइंग रूम में कॉफी पी। लगभग नौ बजे मेरी माँ ने सुझाव दिया कि हमें पैसे गिनना शुरू कर देना चाहिए। पैसे यहाँ बिजनेस रूम में तिजोरी में रखे थे। मुझे लगा कि वे मेरे बिना ज़्यादा खुश रहेंगे और मुझे बेचैनी हो रही थी, इसलिए मैं टहलने निकल गई। मैंने माँ से कहा कि मुझे देर हो सकती है और उनसे मेरे लिए दक्षिण का दरवाज़ा खुला छोड़ने को कहा। मेरे मन में कोई खास इरादा नहीं था, लेकिन घर से निकलते ही मुझे सैम बोकॉक से मिलने का मन हुआ। वह घर के घास के मैदान के आखिरी छोर पर बनी कुटिया में अकेले रहते हैं। मैं बगीचे से होते हुए घास के मैदान को पार करके उनकी कुटिया तक गई और वहाँ उनके साथ काफी देर तक रही। मुझे ठीक से याद नहीं कि मैं कब निकली, लेकिन शायद वह मदद कर सकें। मुझे लगता है कि ग्यारह बजने के कुछ देर बाद का समय था। मैं अकेले वापस आई, दक्षिण के दरवाज़े से कुटिया में दाखिल हुई, दरवाज़ा बंद किया और सो गई। बस इतना ही।"

"क्या तुम सीधे घर चले गए?"

डेलग्लिश ने उस लगभग न के बराबर हिचकिचाहट को नजरअंदाज नहीं किया।

"हाँ।"

"इसका मतलब है कि आप कब तक घर वापस आ गए होंगे?"

"बोकॉक की कुटिया से यह केवल पाँच मिनट की पैदल दूरी पर है, लेकिन मैंने जल्दी नहीं की। मुझे लगता है कि मैं ग्यारह बजकर साढ़े ग्यारह बजे तक घर के अंदर और बिस्तर पर था।"

"डॉक्टर मैक्सी, यह अफ़सोस की बात है कि आप समय के बारे में सटीक जानकारी नहीं रख सकते। यह बात वाकई आश्चर्यजनक है, क्योंकि आपके बिस्तर के पास वाली मेज़ पर एक चमकदार डायल वाली छोटी घड़ी रखी है।" "हो सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हमेशा अपने सोने और उठने के समय का ध्यान रखता हूँ।"

आपने श्रीमान के साथ लगभग दो घंटे बिताए।

बोकॉक। आपने किस बारे में बात की?

"मुख्य रूप से घोड़े और संगीत। उनके पास एक बढ़िया रिकॉर्ड प्लेयर है। हमने उनका नया रिकॉर्ड सुना - सटीक रूप से कहें तो क्लेम्परर द्वारा संचालित एरोइका।"
क्या आपको श्रीमान से मिलने की आदत है?
बोकॉक के साथ शाम बिताना?
"आदत? बोकॉक मेरे दादाजी का दूल्हा था। वो मेरा दोस्त है। इंस्पेक्टर, क्या आप अपने दोस्तों से तब नहीं मिलते जब आपका मन करता है, या आपके कोई दोस्त ही नहीं हैं?"
यह गुस्से का पहला प्रकोप था।
डेलग्लिश के चेहरे पर कोई भाव नहीं था, संतुष्टि का भी नहीं। उसने मेज पर कागज का एक छोटा सा चौकोर टुकड़ा सरकाया। उस पर कांच के तीन छोटे-छोटे टुकड़े बिखरे हुए थे।
ये मिस जुप्प के कमरे के सामने वाले शौचालय में मिले, जहाँ आपने कहा था कि सीढ़ी आमतौर पर रखी जाती है। क्या आप जानते हैं कि ये क्या हैं?
स्टीफन मैक्सी आगे की ओर झुके और बिना किसी स्पष्ट रुचि के इस प्रदर्शनी का अध्ययन करने लगे।
"ये कांच के टुकड़े हैं, जाहिर है। मैं इनके बारे में और कुछ नहीं बता सकता। शायद ये किसी टूटी हुई घड़ी के शीशे के हिस्से हों।"
"या फिर मिस जुप्प के कमरे में टूटे हुए कांच के जानवरों में से किसी एक का हिस्सा।"
"संभवतः।"
"मैंने देखा कि आपने अपनी दाहिनी उंगली के जोड़ पर प्लास्टर का एक छोटा सा टुकड़ा लगाया हुआ है। क्या हुआ है?"
"कल रात घर आते समय मुझे हल्की सी चोट लग गई। मेरा हाथ पेड़ की छाल से छू गया। कम से कम, यही सबसे संभावित कारण है। मुझे याद नहीं कि यह कब हुआ और कमरे में पहुँचने पर ही मुझे खून दिखाई दिया।"
मैंने सोने से पहले ये प्लास्टर लगाया था, जबकि आम तौर पर मैं इसे अब तक हटा चुका होता। खरोंच इतनी गंभीर नहीं थी कि उसकी चिंता की जाए, लेकिन मुझे अपने हाथों का ख्याल रखना पड़ता है।
"क्या मैं देख सकता हूँ?"
मैक्सी आगे बढ़ा और उसने अपना हाथ हथेली नीचे की ओर करके मेज पर रख दिया। डेलग्लिश ने गौर किया कि उसका हाथ बिल्कुल नहीं काँपा। उसने प्लास्टर के कोने को पकड़ा और उसे फाड़ कर निकाल दिया।
दोनों ने मिलकर उंगली के नीचे सफेद पड़ चुके जोड़ का निरीक्षण किया। मैक्सी में अब भी चिंता का कोई लक्षण नहीं दिख रहा था, लेकिन वह अपने हाथ को ऐसे बारीकी से देख रहा था मानो कोई कला पारखी किसी ऐसी प्रदर्शनी का तिरस्कार कर रहा हो जो उसके ध्यान देने योग्य ही न हो।
उसने फेंके हुए प्लास्टर को उठाया, उसे बड़े करीने से मोड़ा और सटीकता से कूड़ेदान में फेंक दिया।

"मुझे तो यह एक कट जैसा लग रहा है," डेलग्लिश ने कहा। "या फिर, यह नाखून से लगी खरोंच भी हो सकती है।"

“बिल्कुल हो सकता है,” उसके संदिग्ध ने आसानी से सहमति जताई। “लेकिन अगर ऐसा होता तो क्या आपको खरोंच के निशान वाले नाखून के नीचे खून और चमड़ी नहीं मिलती? मुझे माफ़ करना, मुझे याद नहीं आ रहा कि यह कैसे हुआ।” उसने उसे फिर से देखा और कहा, “यह देखने में तो छोटा सा कट लग रहा है, लेकिन यह बहुत ही छोटा है। दो दिन में यह दिखेगा ही नहीं। क्या आप इसकी तस्वीर नहीं लेना चाहते?”

"नहीं, धन्यवाद," डेलग्लिश ने कहा। "हमें ऊपर कुछ और ही गंभीर काम की तस्वीरें लेनी हैं।"

अपने शब्दों का असर देखकर उसे काफी संतोष मिलता था। जब तक वह इस मामले का प्रभारी था, उसके किसी भी संदिग्ध को यह सोचने की ज़रूरत नहीं थी कि वे ऊपर वाले कमरे में बिस्तर पर पड़े भयानक दृश्य से खुद को अलग-थलग या संशयवादी बनाकर निजी दुनिया में लौट सकते हैं। वह एक पल रुका और फिर निर्दयता से बोला, "मैं इस दक्षिणी दरवाजे के बारे में पूरी तरह स्पष्ट होना चाहता हूँ। यह सीधे सीढ़ियों की ओर जाता है जो पुराने बच्चों के कमरे तक जाती हैं।"

इस लिहाज से मिस जुप्प घर के उस हिस्से में सोती थीं जिसका अपना अलग प्रवेश द्वार था। लगभग एक तरह से वह एक अलग फ्लैट ही थीं। रसोई के कमरे रात के लिए बंद हो जाने पर वह उस दरवाजे से किसी आगंतुक को अंदर आने दे सकती थीं, पकड़े जाने का खतरा बहुत कम था। अगर दरवाजा खुला छोड़ दिया जाता तो कोई भी आगंतुक आसानी से उनके दरवाजे तक पहुँच सकता था। अब आप कहती हैं कि आपके लिए दक्षिणी दरवाजा रात नौ बजे से, जब आपने खाना खा लिया था, तब से लेकर रात 11 बजे के कुछ देर बाद तक, जब आप मिस्टर बोकॉक की कुटिया से लौटीं, खुला रखा गया था।

क्या उस समय यह कहना सही होगा कि कोई भी दक्षिणी दरवाजे से घर में प्रवेश कर सकता था?

"हां। मुझे लगता है ऐसा ही है।"

"श्रीमान मैक्सी, आपको निश्चित रूप से पता होगा कि वे ऐसा कर सकते थे या नहीं?"

"हाँ, वे आ सकते हैं। जैसा कि आपने शायद देखा होगा, दरवाजे में अंदर की तरफ दो भारी बोल्ट और एक मोर्टिस लॉक लगा है। हमने सालों से लॉक का इस्तेमाल नहीं किया है। चाबियाँ कहीं होंगी, मुझे लगता है। मेरी माँ को शायद पता हो। हम आम तौर पर दिन में दरवाजा बंद रखते हैं और रात में बोल्ट लगा देते हैं। सर्दियों में तो यह लगभग हर समय बोल्ट से बंद रहता है और इसका इस्तेमाल बहुत कम होता है। रसोई में जाने के लिए एक और दरवाजा है। हम ताला लगाने में थोड़ी लापरवाही करते हैं, लेकिन यहाँ कभी कोई परेशानी नहीं हुई। अगर हम दरवाजों को अच्छे से भी बंद कर दें तो भी घर चोरों से सुरक्षित नहीं रहेगा। ड्राइंग रूम की फ्रेंच खिड़कियों से कोई भी अंदर आ सकता है। हम उन्हें बंद तो करते हैं, लेकिन शीशा आसानी से तोड़ा जा सकता है। सुरक्षा को लेकर कभी ज्यादा चिंता करना हमें ज़रूरी नहीं लगा।"

"और, इस हमेशा खुले रहने वाले दरवाजे के अलावा, पुराने अस्तबल में एक सुविधाजनक सीढ़ी भी थी?"

स्टीफन मैक्सी ने हल्के से कंधे उचकाए।
"इसे कहीं तो रखना ही होगा। हम सीढ़ियों को ताला लगाकर नहीं रखते, कहीं ऐसा न हो कि कोई खिड़कियों से अंदर घुसने के लिए इनका इस्तेमाल करने का सोच ले।"
"हमारे पास अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं है कि किसी ने ऐसा किया हो। मुझे अभी भी उस दरवाजे में दिलचस्पी है।"
क्या आप इस बात की शपथ लेने को तैयार हैं कि जब आप मिस्टर बोकॉक की कुटिया से लौटे थे तो वह खुली हुई थी?
"बिल्कुल। नहीं तो मुझे प्रवेश नहीं मिल पाता।"
डेलग्लिश ने तुरंत कहा, "क्या आपको इस बात का एहसास है कि आपने आखिरकार उस दरवाजे को किस समय बंद किया था, यह निर्धारित करना कितना महत्वपूर्ण है?"
"बिल्कुल।"
मैं आपसे एक बार फिर पूछ रहा हूं कि आपने इसे किस समय बंद किया था और मैं आपको सलाह देता हूं कि जवाब देने से पहले बहुत सोच-समझ लें।
स्टीफन मैक्सी ने सीधे उसकी आंखों में देखा और लगभग लापरवाही से कहा।
मेरी घड़ी में बारह बजकर तैंतीस मिनट हो रहे थे। मुझे नींद नहीं आ रही थी और साढ़े बारह बजे अचानक मुझे याद आया कि मैंने दरवाजा बंद नहीं किया है। इसलिए मैं बिस्तर से उठा और दरवाजा बंद किया। मुझे न तो कोई दिखा और न ही कुछ सुनाई दिया और मैं सीधे अपने कमरे में वापस चला गया। यह मेरी बहुत बड़ी लापरवाही थी, लेकिन अगर दरवाजा बंद करना भूलने के खिलाफ कोई कानून है तो मैं उसके बारे में जानना चाहूंगा।
"तो क्या तुमने बारह बजकर तैंतीस मिनट पर दक्षिणी दरवाजा बंद कर दिया था?"
"हां," स्टीफन मैक्सी ने सहजता से उत्तर दिया।
"आधी रात के 33 मिनट बाद।"
कैथरीन बोवर्स के रूप में डेलग्लिश को एक ऐसी गवाह मिली जो हर पुलिसवाले के दिल के करीब थी - शांत, सतर्क और आत्मविश्वासी। वह बड़े ही सहजता से अंदर आई थी, उसमें घबराहट या दुख का कोई संकेत नहीं था। डेलग्लिश उसे पसंद नहीं करता था। वह जानता था कि वह इस तरह की व्यक्तिगत नापसंदगी से ग्रस्त है और उसने बहुत पहले ही इन्हें छिपाना और इनका आकलन करना सीख लिया था। लेकिन उसे एक सटीक पर्यवेक्षक मानना सही था। वह लोगों की प्रतिक्रियाओं को देखने में उतनी ही तेज थी जितनी घटनाओं के क्रम को नोट करने में। कैथरीन बोवर्स से ही डेलग्लिश को पता चला कि सैली की घोषणा से मैक्सिस कितने सदमे में थे, लड़की ने अपनी खबर को कितनी विजयी हंसी के साथ सुनाया था और मिस लिडेल से उसकी बातों का उस महिला पर कितना असामान्य प्रभाव पड़ा था। मिस बोवर्स अपनी भावनाओं पर चर्चा करने के लिए भी पूरी तरह तैयार थीं।
"स्वाभाविक रूप से, जब सैली ने हमें यह खबर दी तो यह एक भयानक सदमा था, लेकिन मैं समझ सकती हूँ कि ऐसा क्यों हुआ। डॉ. मैक्सी से ज़्यादा दयालु कोई नहीं है। जैसा कि मैं हमेशा उनसे कहती हूँ, उनमें सामाजिक चेतना बहुत ज़्यादा है और उस लड़की ने बस इसका फ़ायदा

उठाया। मुझे पता है कि वह उससे सच्चा प्यार नहीं कर सकते थे। उन्होंने कभी मुझसे इस बारे में बात नहीं की और अगर वह किसी और से पहले मुझे बता देते, तो ज़रूर बताते। अगर वे सच में एक-दूसरे से प्यार करते, तो वह मुझ पर भरोसा कर सकते थे कि मैं उनकी बात समझूँगी और उन्हें जाने दूँगी।"

"क्या आपका मतलब यह है कि आप दोनों के बीच सगाई हुई थी?"

डेलग्लिश के लिए अपनी आवाज में हैरानी छिपाना मुश्किल हो रहा था। इस मामले को और भी सनसनीखेज बनाने के लिए बस एक और मंगेतर की जरूरत थी।

"यह कोई सगाई नहीं है, इंस्पेक्टर।"

कोई अंगूठी वगैरह नहीं। लेकिन हम इतने लंबे समय से घनिष्ठ मित्र हैं कि यह स्वाभाविक ही था... शायद आप कह सकते हैं कि हमारे बीच एक समझ थी। लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी। डॉ. मैक्सी को शादी के बारे में सोचने से पहले अभी लंबा रास्ता तय करना है। और उनके पिता की बीमारी भी एक मुद्दा है।

"तो क्या वास्तव में आपकी उससे शादी तय नहीं हुई थी?"

इस कठिन प्रश्न का सामना करते हुए कैथरीन ने इस बात को स्वीकार कर लिया, लेकिन एक छोटी सी आत्मसंतुष्ट मुस्कान के साथ, जिससे यह पता चलता था कि यह तो बस समय की बात है।

"जब आप इस सप्ताहांत के लिए मार्टिंगेल पहुंचे, तो क्या आपको कुछ असामान्य लगा?"

"खैर, शुक्रवार शाम को मुझे थोड़ी देर हो गई थी। मैं रात के खाने से ठीक पहले ही पहुंची। डॉक्टर मैक्सी भी उस रात देर से आए और श्री हर्न शनिवार सुबह ही आए, इसलिए रात के खाने पर केवल श्रीमती मैक्सी, डेबोरा और मैं ही मौजूद थे। मुझे लगा कि वे सब चिंतित लग रहे थे। मुझे यह कहना अच्छा नहीं लगता, लेकिन मुझे डर है कि सैली जुप्प एक शातिर लड़की थी। उसने हमारी सेवा की और मुझे उसका रवैया बिल्कुल पसंद नहीं आया।"

डेलग्लिश ने उससे और पूछताछ की, लेकिन जहाँ तक वह समझ पाया, कैथरीन का "रवैया" देबोरा के बोलने पर सिर हिलाने और श्रीमती मैक्सी को "मैडम" न कहने से अधिक कुछ नहीं था। लेकिन उसने कैथरीन के साक्ष्य को पूरी तरह से नकार नहीं दिया। यह संभव था कि श्रीमती मैक्सी और उनकी बेटी दोनों ही अपने बीच मौजूद खतरे से पूरी तरह अनजान थीं।

उसने अपना तरीका बदला और रविवार सुबह की घटनाओं के बारे में उससे विस्तार से पूछा। उसने बताया कि कैसे रात को नींद ठीक से न आने के कारण वह सिरदर्द के साथ उठी और एस्पिरिन की तलाश में गई। श्रीमती मैक्सी ने उसे खुद लेने के लिए कहा। तभी उसकी नज़र सोम्मेल की छोटी बोतल पर पड़ी। पहले तो उसने गोलियों को एस्पिरिन समझ लिया, लेकिन जल्दी ही उसे एहसास हुआ कि वे बहुत छोटी थीं और उनका रंग भी अलग था। इसके अलावा, बोतल पर लेबल लगा हुआ था। उसने यह तो नहीं देखा कि बोतल में सोम्मेल की कितनी गोलियां थीं, लेकिन उसे पूरा यकीन था कि बोतल उस सुबह सात बजे दवाइयों की अलमारी में थी और उसे यह भी पूरा यकीन था कि सैली जुप्प का शव मिलने के बाद जब उसने और स्टीफन मैक्सी ने उसे ढूंढा, तो वह वहां नहीं थी।

उस समय अलमारी में केवल एक ही सोम्मेल (एक प्रकार की शराब) का पैकेट था, जो बंद और सीलबंद था।

डेलग्लिश ने उससे शव मिलने की घटना का वर्णन करने को कहा और उसके द्वारा दिए गए सजीव वर्णन को देखकर आश्चर्यचकित रह गया।

जब मार्था श्रीमती मैक्सी को यह बताने आई कि सैली नहीं उठी, तो हमने पहले सोचा कि वह फिर से ज्यादा सो गई होगी। फिर मार्था वापस आकर बोली कि उसका दरवाजा बंद है और जिमी रो रहा है, इसलिए हम देखने गए कि क्या हुआ है। इसमें कोई शक नहीं कि दरवाजा कुंडी से बंद था। जैसा कि आप जानते हैं, डॉ. मैक्सी और श्री हर्न खिड़की से अंदर आए और मैंने उनमें से किसी एक को कुंडी खोलते हुए सुना। मुझे लगता है कि यह श्री हर्न ही होंगे क्योंकि उन्होंने ही दरवाजा खोला था। स्टीफन बिस्तर के पास खड़ा सैली को देख रहा था। श्री हर्न ने कहा, 'मुझे डर है कि वह मर गई है।' किसी ने चीख मारी। मुझे लगता है कि वह मार्था थी, लेकिन मैंने मुड़कर नहीं देखा। मैंने कहा, 'ऐसा नहीं हो सकता! वह कल रात बिल्कुल ठीक थी!' तब तक हम बिस्तर के पास जा चुके थे और स्टीफन ने उसके चेहरे से चादर हटा दी थी।

इससे पहले वह उसके ठुड्डी तक था और बड़े करीने से तह किया हुआ था। मुझे लगा जैसे किसी ने उसे रात के लिए आराम से सुलाया हो। जैसे ही हमने उसकी गर्दन पर निशान देखे, हम समझ गए कि क्या हुआ है। श्रीमती मैक्सी ने एक पल के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। मुझे लगा कि वह बेहोश होने वाली हैं, इसलिए मैं उनके पास गया। लेकिन वह किसी तरह अपने पैरों पर खड़ी रहीं और रेलिंग को पकड़कर बिस्तर के नीचे खड़ी हो गईं। वह बुरी तरह कांप रही थीं, इतना कि पूरा बिस्तर हिल रहा था। जैसा कि आपने देखा होगा, यह एक हल्का सिंगल बेड है, और हिलने से उनका शरीर बहुत धीरे-धीरे ऊपर-नीचे उछल रहा था। स्टीफन ने बहुत जोर से कहा, 'उसका चेहरा ढक दो', लेकिन श्रीमान...

हर्न ने उसे याद दिलाया कि पुलिस के आने तक हमें किसी और चीज़ को हाथ नहीं लगाना चाहिए। मुझे लगा कि मिस्टर हर्न हम सब में सबसे शांत थे, लेकिन शायद उन्हें हिंसक मौत की आदत हो गई थी। वह सदमे से ज़्यादा दिलचस्पी दिखा रहे थे। वह सैली के ऊपर झुके और उसकी एक पलक उठाई। स्टीफन ने रूखेपन से कहा, (मुझे चिंता नहीं करनी चाहिए, हर्न।)

'वह मर चुकी है, ठीक है।' श्री हर्न ने उत्तर दिया, 'यह बात नहीं है। मैं सोच रहा हूँ कि उसने संघर्ष क्यों नहीं किया।' फिर उन्होंने अपनी छोटी उंगली बेडसाइड टेबल पर रखे कोको के मग में डुबोई। मग आधे से थोड़ा ज़्यादा भरा हुआ था और ऊपर एक परत जम गई थी। वह परत उनकी उंगली से चिपक गई और उन्होंने उसे मग के किनारे से खुरच कर हटाया, फिर उंगली को अपने मुंह में डाल लिया। हम सब उन्हें ऐसे देख रहे थे मानो वह हमें कुछ अद्भुत दिखाने वाले हों। मुझे लगा कि श्रीमती मैक्सी - खैर, काफी आशावान लग रही थीं। बिल्कुल किसी पार्टी में बच्चे की तरह। स्टीफन ने कहा, "तो, क्या बात है?"

श्री हर्न ने कंधे उचकाते हुए कहा, "यह तो विश्लेषक ही बता सकते हैं। मुझे लगता है कि उसे नशीली दवा दी गई है।" तभी देबोरा ने गहरी साँस ली और लड़खड़ाते हुए दरवाजे की ओर बढ़ी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह साफ तौर पर उल्टी करने वाली थी। मैंने उसके पास

जाने की कोशिश की, लेकिन श्री हर्न ने कड़े स्वर में कहा, "ठीक है। उसे मेरे भरोसे छोड़ दो।" उन्होंने उसे कमरे से बाहर निकाला और मुझे लगता है कि वे बगल वाले नौकरानियों के बाथरूम में चले गए।

मुझे हैरानी नहीं हुई। मुझे उम्मीद थी कि देबोरा इस तरह टूट जाएगी। इससे कमरे में मेरे साथ मिसेज़ मैक्सी और स्टीफन रह गए। मैंने मिसेज़ मैक्सी को सुझाव दिया कि उन्हें चाबी ढूंढनी चाहिए ताकि कमरे को बंद किया जा सके, और उन्होंने जवाब दिया, 'ज़रूर। मुझे लगता है कि यह आम बात है। और क्या हमें पुलिस को फोन नहीं करना चाहिए? ड्रेसिंग रूम का एक्सटेंशन सबसे अच्छा रहेगा।' मेरा मानना है कि उनका मतलब था कि वह सबसे निजी जगह होगी। मुझे याद है कि मैंने सोचा था, 'अगर हम ड्रेसिंग रूम से फोन करेंगे तो नौकरानियां नहीं सुन पाएंगी', यह भूलकर कि 'नौकरानियों' का मतलब सैली था और सैली अब कुछ भी नहीं सुन पाएगी।

"क्या आपका मतलब यह है कि मिस जुप्प को दूसरों की बातें सुनने की आदत थी?" इंस्पेक्टर ने बीच में ही टोकते हुए कहा। "इंस्पेक्टर, मुझे तो हमेशा से यही लगता था। लेकिन मुझे हमेशा से लगता था कि वह चालाक थी। परिवार ने उसके लिए जो कुछ भी किया, उसके लिए वह कभी भी कृतज्ञ नहीं दिखी। ज़ाहिर है, वह मिसेज़ रिस्को से नफ़रत करती थी। यह तो कोई भी देख सकता था। मुझे उम्मीद है कि आपको नकली पोशाक के मामले के बारे में बताया गया होगा।"

डेलग्लिश ने इस रोचक शीर्षक में रुचि व्यक्त की और उन्हें घटना और उससे उत्पन्न प्रतिक्रियाओं का एक सजीव वर्णन प्राप्त हुआ।

"तो आप समझ सकते हैं कि वह किस तरह की लड़की थी। श्रीमती रिस्को ने शांत रहने का नाटक किया, लेकिन मैं समझ सकती थी कि वह क्या महसूस कर रही थीं। वह सैली को जान से मार सकती थीं।" कैथरीन बोवर्स ने बनावटी विनम्रता दिखाते हुए अपनी स्कर्ट घुटनों तक नीचे खींच ली। या तो वह बहुत अच्छी अभिनेत्री थीं या उन्हें अपनी गलती का एहसास ही नहीं था। डेलग्लिश ने पूछताछ जारी रखी, उन्हें लग रहा था कि शायद वह एक ऐसे व्यक्तित्व का सामना कर रहे हैं जो उनकी सोच से कहीं अधिक जटिल है।

"क्या आप मुझे बताएँगे कि जब श्रीमती मैक्सी, उनका बेटा और आप ड्रेसिंग रूम में पहुँचे तो क्या हुआ?" इंस्पेक्टर, मैं बस यही बताने जा रहा था। मैंने जिम्मी को उसके पालने से उठाया था और अभी भी उसे अपनी बाहों में पकड़े हुए था। मुझे यह सोचकर बहुत बुरा लग रहा था कि वह उस कमरे में अपनी मृत माँ के साथ अकेला था। जब हम सब अंदर घुसे तो वह रोना बंद कर दिया और मुझे नहीं लगता कि हममें से किसी ने कुछ देर तक उसके बारे में सोचा भी। फिर अचानक मेरी नज़र उस पर पड़ी। उसने अपने पालने की सलाखों को पकड़ लिया था और वहाँ संतुलन बनाए हुए था, उसकी गीली नैपी उसके टखनों के आसपास लटक रही थी और उसके चेहरे पर एक अजीब सी जिज्ञासा थी। शुक्र है, वह अभी इतना छोटा है कि समझ नहीं सकता, और मुझे लगता है कि वह बस सोच रहा था कि हम सब उसकी माँ के बिस्तर के आसपास क्या कर रहे हैं। वह एकदम शांत हो गया था और बड़ी आसानी से मेरे पास आ गया। मैं उसे अपने साथ ड्रेसिंग रूम में ले गया। जब हम वहाँ पहुँचे तो डॉ. मैक्सी सीधे दवाइयों की अलमारी के पास गए। उन्होंने कहा, 'वह गायब है!' मैंने उनसे पूछा कि उनका क्या मतलब है और उन्होंने मुझे

गायब सोम्मेल के बारे में बताया। मुझे इसके बारे में पहली बार पता चला। मैं उन्हें बता पाई कि जब मैं उस सुबह एस्पिरिन लेने के लिए अलमारी में गई थी, तो बोतल वहीं थी। जब हम श्रीमती से बात कर रहे थे...

मैक्सी अपने पति के कमरे में गई थी। वह वहाँ बस एक मिनट के लिए रुकी और वापस आकर बोली, 'वह ठीक हैं। सो रहे हैं। क्या आपने पुलिस को बुलाया है?' स्टीफन टेलीफोन के पास गया और मैंने कहा कि मैं कपड़े पहनते समय जिम्मी को अपने साथ ले जाऊंगी और फिर उसे नाश्ता दूंगी। किसी ने जवाब नहीं दिया, इसलिए मैं दरवाजे पर गई। बाहर जाने से ठीक पहले मैं मुड़ी। स्टीफन का हाथ रिसीवर पर था और अचानक उसकी माँ ने अपना हाथ उसके हाथ पर रख दिया और मैंने उन्हें कहते सुना, 'रुको। मुझे एक बात जाननी है।' स्टीफन ने जवाब दिया, 'आपको पूछने की ज़रूरत नहीं है। मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। मैं कसम खाता हूँ।' श्रीमती मैक्सी ने एक छोटी सी आह भरी और अपनी आँखों पर हाथ रख लिया। फिर स्टीफन ने रिसीवर उठाया और मैं कमरे से बाहर निकल गई।

वह रुकी और डेलग्लिश की ओर देखने लगी, मानो वह उसकी टिप्पणी की अपेक्षा कर रही हो या उसे आमंत्रित कर रही हो।

उन्होंने गंभीरता से कहा, "धन्यवाद। कृपया जारी रखें।"

इंस्पेक्टर साहब, आपको बताने के लिए इससे ज़्यादा कुछ नहीं है। मैं जिम्मी को अपने कमरे में ले गया और रास्ते में छोटे से बाथरूम से एक साफ़ डायपर ले आया। श्रीमती रिस्को और श्री हर्न अभी भी वहीं थे। श्रीमती बीमार थीं और श्री हर्न उनका चेहरा धोने में मदद कर रहे थे।

मुझे देखकर वे ज़्यादा खुश नहीं लग रहे थे। मैंने कहा, 'जब आप ठीक हो जाएँ, तो मुझे लगता है कि आपकी माँ को थोड़ी देखभाल की ज़रूरत होगी। मैं जिमी का ध्यान रख रही हूँ।' दोनों में से किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने अलमारी में डायपर ढूँढे और अपने कमरे में जाकर जिमी के डायपर बदले। फिर मैंने उसे अपने बिस्तर पर खेलने दिया और खुद कपड़े पहने। इसमें लगभग दस मिनट लगे। मैं उसे रसोई में ले गई और उसे हल्का उबला अंडा, ब्रेड और बटर फिंगर्स और थोड़ा गर्म दूध दिया। वह पूरे समय बिल्कुल ठीक था। मार्था रसोई में नाश्ता बना रही थी, लेकिन हमारी कोई बात नहीं हुई। मुझे यह देखकर हैरानी हुई कि मिस्टर हर्न भी वहाँ थे। वे कॉफ़ी बना रहे थे। मुझे लगता है कि मिसेज़ रिस्को अपनी माँ के साथ थीं। मिस्टर हर्न भी बात करने के इच्छुक नहीं लग रहे थे।

मुझे लगता है कि मैंने श्रीमती रिस्को से जो कहा, उससे वह मुझसे नाराज़ थे। जैसा कि आपने शायद समझ लिया होगा, उनकी नज़र में श्रीमती रिस्को कोई गलती नहीं कर सकतीं। खैर, चूंकि वे आगे क्या करना है, इस पर चर्चा करने के इच्छुक नहीं लग रहे थे, इसलिए मैंने खुद ही मामला अपने हाथ में लेने का फैसला किया और जिम्मी के साथ हॉल में जाकर मिस लिडेल को फोन किया।

मैंने उसे सारी घटना बताई और उससे कहा कि जब तक मामला सुलझ न जाए, तब तक वह बच्चे को वापस ले जाए। वह लगभग पंद्रह मिनट में टैक्सी से आ गई और तब तक डॉ. एप्स और पुलिस भी पहुँच चुके थे। बाकी तो आप जानते ही हैं।

"मिस बोवर्स, आपका विवरण बहुत स्पष्ट और उपयोगी रहा। आप एक प्रशिक्षित पर्यवेक्षक हैं, यह आपके लिए एक अच्छा लाभ है, लेकिन सभी प्रशिक्षित पर्यवेक्षक तथ्यों को तार्किक क्रम में प्रस्तुत नहीं कर पाते। मैं आपको ज़्यादा देर नहीं रोकूंगा। मैं बस रात के पहले भाग पर वापस जाना चाहता हूं। आपने कल शाम और आज सुबह की घटनाओं का बहुत स्पष्ट वर्णन किया है। अब मैं रात दस बजे के बाद की घटनाओं का क्रम जानना चाहता हूं। मुझे लगता है कि उस समय आप श्रीमती मैक्सी, डॉ. एप्स और मिस लिडेल के साथ कार्यालय में थीं। क्या आप कृपया आगे का विवरण दे सकती हैं?"

पहली बार डेलग्लिश ने अपनी संदिग्ध के जवाब में थोड़ी झिझक देखी। अब तक उसने उसके सवालों का इतनी सहजता से जवाब दिया था कि उसे लगा कि यह बनावटीपन से परे है। उसे विश्वास हो रहा था कि अब तक कैथरीन बोवर्स को साक्षात्कार अप्रिय नहीं लगा होगा। लेकिन इस तरह के निडर भाव-भंगिमा को दोषी अंतरात्मा से जोड़ना मुश्किल था।

लेकिन अब, उसे अचानक आत्मविश्वास में कमी और अप्रत्याशित बदलाव के कारण उत्पन्न तनाव का आभास हुआ। उसने पुष्टि की कि मिस लिडेल और डॉ. एप्स लगभग साढ़े दस बजे बिजनेस रूम से घर चले गए थे। श्रीमती मैक्सी ने उन्हें विदा किया और फिर कैथरीन के पास लौट आईं। दोनों ने मिलकर कागजात समेटे और तिजोरी में पैसे बंद कर दिए। श्रीमती मैक्सी ने सैली को देखने का जिक्र नहीं किया। दोनों में से किसी ने भी उसके बारे में बात नहीं की। पैसे बंद करने के बाद वे रसोई में चली गईं।

मार्था रात को सोने चली गई थी, लेकिन उसने चूल्हे पर दूध का बर्तन और रसोई की मेज पर चांदी की ट्रे में रखे प्याले वहीं छोड़ दिए थे। कैथरीन को याद आया कि उसने देखा था कि श्रीमती रिस्को का वेजवुड प्याला वहाँ नहीं था और उसे यह अजीब लगा कि श्री हर्न और श्रीमती रिस्को बगीचे से बिना किसी को पता चले अंदर कैसे आ गए। उसे कभी यह ख्याल नहीं आया कि सैली ने प्याला ले लिया होगा, हालाँकि, ज़ाहिर है, यह उसकी हरकत हो सकती थी।

डॉक्टर मैक्सी का मग वहाँ रखा था, साथ ही श्रीमती मैक्सी का एक कांच का मग भी था जो एक होल्डर में रखा था, और मेहमानों के लिए दो बड़े कप और तश्तरियाँ रखी थीं। मेज पर चीनी का एक कटोरा और दो तरह के दूध के पेय के डिब्बे रखे थे। कोको नहीं था। श्रीमती मैक्सी और कैथरीन ने अपने पेय लिए और उन्हें श्री मैक्सी के ड्रेसिंग रूम में ले गईं जहाँ उनकी पत्नी को रात बितानी थी। कैथरीन ने बीमार महिला का बिस्तर लगाने में उनकी मदद की और फिर ड्रेसिंग रूम की आग के सामने बैठकर अपना ओवलटाइन पिया। उसने श्रीमती मैक्सी के साथ कुछ देर जागने की पेशकश की, लेकिन उनकी पेशकश स्वीकार नहीं की गई। लगभग एक घंटे बाद कैथरीन अपने कमरे में चली गई। वह सैली से घर के दूसरी तरफ सो रही थी। अपने कमरे में जाते समय उसे रास्ते में कोई नहीं मिला।

कपड़े उतारने के बाद वह ड्रेसिंग गाउन में ही बाथरूम गई और लगभग सवा ग्यारह बजे अपने कमरे में लौट आई। दरवाजा बंद करते समय उसे लगा कि उसने श्रीमती रिस्को और श्री हर्न को सीढ़ियों से ऊपर आते सुना है, लेकिन वह निश्चित नहीं थी। उस समय तक उसने सैली को न देखा था और न ही उसके बारे में कुछ सुना था। यहाँ कैथरीन रुक गई और डेलग्लिश धैर्यपूर्वक,

लेकिन बढ़ती दिलचस्पी के साथ, प्रतीक्षा करता रहा। कोने में सार्जेंट मार्टिन ने अभ्यास की हुई खामोशी से अपनी नोटबुक का एक पन्ना पलटा और अपने बॉस पर एक तिरछी नज़र डाली। अगर वह गलत नहीं था, तो बूढ़े आदमी के अंगूठे अब फड़क रहे थे। "जी हाँ, मिस बोवर्स," डेलग्लिश ने दृढ़ता से पूछा। उसकी गवाह ने साहसपूर्वक बोलना जारी रखा। मुझे डर है कि यह हिस्सा आपको थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन उस समय सब कुछ बिल्कुल स्वाभाविक लग रहा था। जैसा कि आप समझ सकते हैं, रात के खाने से पहले का दृश्य मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा था। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि स्टीफन और वह लड़की सगाई कर चुके हैं। आखिरकार, खबर देने वाला वह नहीं था, और मुझे एक पल के लिए भी नहीं लगता कि उसने सच में उसे शादी का प्रस्ताव दिया था। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, रात का खाना बहुत ही खराब था और उसके बाद, सबने ऐसे व्यवहार किया जैसे कुछ हुआ ही न हो। बेशक, मैक्सी परिवार कभी भी अपनी भावनाओं को ज़ाहिर नहीं करता, लेकिन श्रीमती रिस्को श्री हर्न के साथ चली गईं और मुझे पूरा यकीन है कि उन्होंने इस बारे में और क्या किया जा सकता है, इस पर अच्छी बातचीत की होगी। लेकिन किसी ने भी मुझसे कुछ नहीं कहा, हालाँकि, एक तरह से, मैं ही सबसे ज़्यादा चिंतित थी। मुझे लगा कि बाकी दो मेहमानों के जाने के बाद श्रीमती मैक्सी मुझसे इस बारे में बात करेंगी, लेकिन मैं समझ गई कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था। जब मैं अपने कमरे में पहुँची तो मुझे एहसास हुआ कि अगर मैंने कुछ नहीं किया तो कोई नहीं करेगा। मैं पूरी रात बिना सबसे बुरे की जानकारी के वहाँ लेटे रहने का दर्द सहन नहीं कर सकती थी। मुझे लगा कि मैं बस मुझे सच जानना ही था। सबसे स्वाभाविक तरीका सैली से पूछना ही लगा। मैंने सोचा कि अगर हम दोनों अकेले में बात कर लें तो शायद सब कुछ सुलझ जाए। मुझे पता था कि काफी देर हो चुकी है, लेकिन यही एकमात्र मौका लग रहा था। मैं कुछ देर से अंधेरे में लेटी हुई थी, लेकिन जब मैंने मन बना लिया तो मैंने बिस्तर के पास वाला लैंप जलाया और अपनी घड़ी देखी। उसमें आधी रात होने में तीन मिनट बाकी थे। उस समय मेरी मनोदशा को देखते हुए यह ज्यादा देर नहीं लग रही थी। मैंने अपना ड्रेसिंग गाउन पहना, अपनी टॉर्च ली और सैली के कमरे में चली गई।

उसका दरवाज़ा बंद था, लेकिन मुझे चाबी के छेद से रोशनी आती हुई दिखाई दी। मैंने दरवाज़े पर दस्तक दी और धीरे से उसे पुकारा। जैसा कि आप जानते हैं, दरवाज़ा बहुत मज़बूत है, लेकिन उसने मेरी आवाज़ ज़रूर सुनी होगी क्योंकि अगली ही पल मुझे कुंडी लगने की आवाज़ सुनाई दी और जैसे ही वह दरवाज़े के सामने खड़ी हुई, चाबी के छेद से आती रोशनी अचानक गायब हो गई। मैंने एक बार फिर दस्तक दी और पुकारा, लेकिन यह साफ़ था कि वह मुझे अंदर नहीं आने देगी, इसलिए मैं मुड़कर अपने कमरे में वापस चला गया। रास्ते में अचानक मुझे लगा कि मुझे स्टीफन से मिलना चाहिए। मैं उसी अनिश्चितता में वापस बिस्तर पर नहीं जाना चाहता था। मैंने सोचा कि शायद वह मुझसे कुछ कहना चाहता हो, लेकिन मुझसे मिलने आना नहीं चाहता हो। इसलिए मैं अपने कमरे के दरवाज़े से वापस मुड़ा और उसके कमरे की ओर चल दिया।

बत्ती नहीं जल रही थी इसलिए मैंने धीरे से दरवाजा खटखटाया और अंदर चली गई। मुझे लगा कि अगर मैं उसे देख लूं तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।

"और क्या ऐसा था?" डेलग्लिश ने पूछा।
इस बार हंसमुख और सक्षम होने का भाव गायब हो गया था। उन बदसूरत आँखों में अचानक झलक रहे दर्द को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता था।
"वह वहां नहीं थे, इंस्पेक्टर साहब। बिस्तर रात के लिए तैयार था, लेकिन वह वहां नहीं थे।" उन्होंने अचानक अपने पुराने अंदाज़ में लौटने की कोशिश की और उन्हें एक ऐसी मुस्कान दी जो बनावटीपन में लगभग दयनीय थी। "बेशक, अब मुझे पता है कि स्टीफन बोकॉक से मिलने गए थे, लेकिन उस समय यह बहुत निराशाजनक था।"
"ऐसा ही हुआ होगा," डेलग्लिश ने गंभीरता से सहमति जताई।
श्रीमती मैक्सी शांतिपूर्वक और संयम से बैठ गईं, उन्हें जो भी सुविधाएँ चाहिए थीं, वे उपलब्ध कराईं और बस यही आशा करती रहीं कि जाँच उनके पति को परेशान किए बिना की जा सके, जो गंभीर रूप से बीमार थे और जो कुछ भी हुआ था उसे समझने में असमर्थ थे। मेज के उस पार उन्हें देखते हुए डेलग्लिश को अपनी बेटी की छवि तीस साल बाद की झलक दिखाई दी। उनके मजबूत, सक्षम, गहनों से सजे हाथ उनकी गोद में निष्क्रिय पड़े थे। इतनी दूरी से भी वह देख सकते थे कि वे उनके बेटे के हाथों से कितने मिलते-जुलते थे। उन्होंने और भी उत्सुकता से देखा कि उनके नाखून, सर्जन की उंगलियों के नाखूनों की तरह, बहुत छोटे कटे हुए थे। उन्हें घबराहट का कोई संकेत नहीं मिला। ऐसा लग रहा था मानो वह अपरिहार्य परीक्षा को शांतिपूर्वक स्वीकार करने का साक्षात उदाहरण हों। उन्हें लगा कि यह ऐसा नहीं था कि उन्होंने स्वयं को सहनशीलता का अभ्यास कराया था। यह एक सच्ची शांति थी जो किसी प्रकार की आंतरिक स्थिरता पर आधारित थी, जिसे भंग करने के लिए हत्या की जाँच से कहीं अधिक की आवश्यकता होगी। उन्होंने उनके प्रश्नों का उत्तर सोच-समझकर दिया।
ऐसा लग रहा था मानो वह हर शब्द का अपना मूल्य निर्धारित कर रही हो। लेकिन उसके पास बताने के लिए कुछ भी नया नहीं था। उसने शव मिलने के संबंध में कैथरीन बोवर्स के साक्ष्य की पुष्टि की और पिछले दिन का उसका विवरण पहले दिए गए विवरणों से मेल खाता था। लगभग साढ़े दस बजे मिस लिडेल और डॉ. एप्स के जाने के बाद, उसने ड्राइंग रूम की खिड़की और पिछले दरवाजे को छोड़कर घर को ताला लगा दिया था। मिस बोवर्स उसके साथ थीं। दोनों ने रसोई से अपने दूध के मग लिए - ट्रे में केवल उसके बेटे का मग बचा था - और दोनों साथ में बिस्तर पर चली गईं। उसने पूरी रात आधी नींद में और आधी अपने पति की निगरानी में बिताई। उसने कुछ भी असामान्य न सुना और न देखा। मिस बोवर्स के जल्दी आने और उससे एस्पिरिन मांगने तक कोई भी उसके पास नहीं आया था। उसे अपने पति के बिस्तर में मिली गोलियों के बारे में कुछ भी पता नहीं था और उसे यह कहानी अविश्वसनीय लग रही थी। उसकी राय में, श्रीमती बुल्टिटाफ्ट के पता चले बिना उसके लिए गद्दे में कुछ भी छिपाना असंभव था। उसके बेटे ने उसे घटना के बारे में कुछ नहीं बताया था, लेकिन उसने ज़िक्र किया था कि उसने गोलियों की जगह कोई दूसरी दवा ले ली थी। उसे इस पर कोई हैरानी नहीं हुई। उसने सोचा कि वह अस्पताल से मिली कोई नई दवा आज़मा रहा होगा और उसे पूरा भरोसा था कि वह डॉ. एप्स की मंज़ूरी के बिना कोई दवा नहीं लिखता।

अपने बेटे की सगाई के बारे में धैर्यपूर्वक पूछे गए सवालों से पहले तक उसका संयम नहीं डगमगाया था। तब भी उसकी आवाज़ में डर की बजाय झुंझलाहट झलक रही थी। डेलग्लिश को आभास हुआ कि शर्मिंदगी भरे सवालों से पहले वह जिस सहज माफी से आमतौर पर बात करता था, वह यहाँ बेमानी होगी, और सवालों से भी ज़्यादा नाराज़गी का कारण बनेगी। उसने सीधे-सीधे पूछा:

"मैडम, मिस जुप्प और आपके बेटे की इस सगाई के बारे में आपका क्या रुख था?"

"यह नाम पाने लायक भी नहीं था। और मुझे आश्चर्य है कि आप यह सवाल पूछ रहे हैं, इंस्पेक्टर। आपको पता होना चाहिए कि मैं इसका कड़ा विरोध करता।"

"खैर, यह तो काफी स्पष्ट था," डेलग्लिश ने सोचा। "लेकिन वह और क्या कह सकती थी? हमें तो शायद ही यकीन होता कि उसे यह पसंद आया होगा।"

"भले ही आपके बेटे के प्रति उसका स्नेह वास्तविक रहा हो?"

"मैं उसे यह मानकर सम्मान दे रही हूँ कि ऐसा ही था। इससे क्या फर्क पड़ता है? मैं फिर भी इस रिश्ते को नामंजूर करती। उनमें कोई समानता नहीं थी। उसे किसी और के बच्चे का पालन-पोषण करना पड़ता। इससे उसके करियर में बाधा आती और एक साल के अंदर ही वे एक-दूसरे को नापसंद करने लगते। ये राजा कोफेतुआ जैसी शादियाँ शायद ही कभी सफल होती हैं। भला कैसे हो सकती हैं? कोई भी साहसी लड़की यह सोचना पसंद नहीं करती कि उसके साथ ऐसा व्यवहार किया गया है और सैली में बहुत साहस था, भले ही वह इसे दिखाना न चाहती हो। इसके अलावा, मुझे समझ नहीं आता कि उनकी शादी किस आधार पर हुई होगी। स्टीफन के पास खुद का बहुत कम पैसा है। बेशक मैं इस तथाकथित सगाई को नामंजूर करती। क्या आप अपने बेटे के लिए ऐसी शादी चाहेंगे?"

एक अविश्वसनीय क्षण के लिए डेलग्लिश को लगा कि वह जानती है। यह एक सामान्य, लगभग साधारण तर्क था जिसे उसकी परिस्थितियों का सामना कर रही कोई भी माँ सहजता से इस्तेमाल कर सकती थी।

वह इसकी गंभीरता को शायद ही समझ पाई होगी। वह सोच रहा था कि अगर वह जवाब दे, "मेरा कोई बेटा नहीं है। मेरा बच्चा और उसकी माँ उसके जन्म के तीन घंटे बाद ही मर गए। मेरा कोई बेटा नहीं है जिससे मैं किसी से भी शादी कर सकूँ - चाहे वह योग्य हो या अयोग्य।" तो वह क्या कहेगी। वह कल्पना कर सकता था कि इतने पुराने, इतने निजी और इस मामले से बिल्कुल अलग निजी दुख को इस समय उसके सामने ज़ाहिर करने पर उसकी शिष्टतापूर्ण नापसंदगी से वह भौंहें चढ़ा लेगी।

उन्होंने संक्षेप में उत्तर दिया:

"नहीं। मैं भी ऐसा नहीं चाहूँगा। मुझे खेद है कि मैंने आपका इतना समय ऐसी बात में लगाया जो शायद सिर्फ आपका ही मामला हो। लेकिन आपको इसकी अहमियत समझनी ही होगी।"

"स्वाभाविक रूप से। आपके दृष्टिकोण से, यह कई लोगों को, विशेष रूप से मुझे, एक मकसद प्रदान करता है। लेकिन सामाजिक असुविधा से बचने के लिए कोई हत्या नहीं करता। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैंने उनकी शादी रोकने के लिए हर संभव प्रयास करने का इरादा किया था। मैं

अगले दिन स्टीफन से बात करने वाला था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम सैली को परिवार में शामिल किए बिना भी उसके लिए कुछ कर सकते थे। इन लोगों की अपेक्षाओं की भी एक सीमा होनी चाहिए।"* उसके अंतिम वाक्य की अचानक कड़वाहट ने सार्जेंट मार्टिन को भी अपने नोट लेने की नियमित क्रिया से जगा दिया।

लेकिन अगर श्रीमती मैक्सी को एहसास हुआ कि उन्होंने कुछ ज़्यादा बोल दिया है, तो उन्होंने और कुछ बोलकर अपनी गलती को और नहीं बढ़ाया। उन्हें देखते हुए डेलग्लिश ने सोचा कि वह किसी तस्वीर जैसी लग रही थीं, मानो किसी टॉयलेट वॉटर या साबुन के विज्ञापन में बनी कोई पेंटिंग हो। यहाँ तक कि उनके बीच मेज पर रखा फूलों का छोटा सा कटोरा भी उनकी शांत शालीनता को और निखार रहा था, मानो किसी कुशल फोटोग्राफर ने उसे वहाँ रखा हो। "घर में बैठी एक अंग्रेज़ महिला की तस्वीर," उन्होंने सोचा और सोचने लगे कि चीफ सुपरिटेंडेंट उनके बारे में क्या सोचेंगे और अगर कभी ऐसी नौबत आई तो जूरी उनके बारे में क्या राय देगी।

यहां तक कि उनका दिमाग, जो ऊंचे और अजीब स्थानों में भी बुराई खोजने का आदी था, श्रीमती के इस कृत्य को आसानी से स्वीकार नहीं कर सका।

मैक्सी पर हत्या का आरोप था। लेकिन उसके आखिरी शब्द बहुत कुछ बयां कर रहे थे।

उन्होंने फिलहाल शादी के मुद्दे को छोड़ देने और जांच के अन्य पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। उन्होंने रात के समय परोसे जाने वाले गर्म पेय पदार्थों की तैयारी के विवरण की फिर से समीक्षा की।

विभिन्न मगों के स्वामित्व को लेकर कोई भ्रम नहीं हो सकता था। सैली के पास मिला वेजवुड नीले रंग का मग डेबोरा रिस्को का था। पेय पदार्थों के लिए दूध चूल्हे के ऊपर रखा गया था।

यह एक ठोस ईंधन वाला चूल्हा था, जिसके प्रत्येक तख़्ते पर भारी ढक्कन लगे थे। दूध से भरा बर्तन इन्हीं ढक्कनों में से एक के ऊपर रखा जाता था, ताकि उसके उबलकर बाहर गिरने का कोई खतरा न रहे। परिवार का कोई भी सदस्य अगर दूध उबालना चाहता, तो वह बर्तन को तख़्ते पर रख देता और फिर उसे ढक्कन के ऊपर वापस रख देता। ट्रे पर केवल परिवार के सदस्यों के मग और मेहमानों के लिए कप रखे जाते थे। वह यह तो नहीं कह सकती थी कि सैली या श्रीमती बुल्टिटाफ्ट रात में क्या पीती थीं, लेकिन यह निश्चित था कि परिवार में से कोई भी कोको नहीं पीता था। उन्हें चॉकलेट पसंद नहीं थी।

“बात यहीं आकर रुकती है, है ना?” डेलग्लिश ने कहा। “अगर, जैसा कि मैं अब मान रहा हूँ, पोस्टमार्टम से पता चलता है कि मिस जुप्प को नशा दिया गया था और कोको के विश्लेषण से पता चलता है कि नशा उनकी आखिरी रात के पेय में था, तो हमारे सामने दो संभावनाएं हैं। हो सकता है उन्होंने खुद नशा लिया हो, शायद दिन भर की भागदौड़ के बाद अच्छी नींद लेने के लिए। या फिर किसी और ने उन्हें नशा दिया हो, जिसका कारण हमें पता लगाना होगा, लेकिन जिसका अनुमान लगाना इतना मुश्किल नहीं है। जहाँ तक जानकारी है, मिस जुप्प एक स्वस्थ युवती थीं। अगर यह अपराध सोची-समझी साजिश थी, तो उनके हत्यारे ने जरूर सोचा होगा कि वह उस कमरे में कैसे घुस सकता है और कम से कम गड़बड़ी के साथ लड़की की हत्या कर सकता है। उन्हें नशा देना एक स्पष्ट जवाब है। इसका मतलब यह है कि हत्यारा मार्टिंगेल में शाम

के पेय के माहौल से परिचित था और जानता था कि नशा कहाँ रखा जाता है। मुझे लगता है कि आपके घर का कोई सदस्य या मेहमान आपके घर के माहौल से परिचित होगा?"

"तब तो उसे पता ही होगा कि वेजवुड का बीकर मेरी बेटी का था। इंस्पेक्टर साहब, क्या आप इस बात से संतुष्ट हैं कि दवा सैली के लिए थी?"

"पूरी तरह नहीं। लेकिन मुझे यकीन है कि हत्यारे ने मिस जुप्प की गर्दन को श्रीमती रिस्को की गर्दन समझने की गलती नहीं की। फिलहाल मान लेते हैं कि दवा मिस जुप्प के लिए थी। इसे दूध के बर्तन में, वेजवुड बीकर में पेय बनाने से पहले या बाद में, कोको के डिब्बे में, या चीनी में मिलाया जा सकता था। आपने और मिस बोवर्स ने उसी बर्तन में दूध से अपने पेय बनाए और मेज पर रखे कटोरे से चीनी डाली, और आपको कोई नुकसान नहीं हुआ। मुझे नहीं लगता कि दवा खाली बीकर में डाली गई थी। उसका रंग भूरा था और नीले चीनी मिट्टी के बर्तनों पर आसानी से दिख जाता। इससे हमारे पास दो संभावनाएं बचती हैं। या तो इसे सूखे कोको में मसलकर मिलाया गया था या मिस जुप्प के पेय बनाने के कुछ समय बाद, लेकिन पीने से पहले, इसे गर्म पेय में घोल दिया गया था।" (मुझे नहीं लगता कि बाद वाली संभावना संभव है, इंस्पेक्टर। श्रीमती बुल्टिटाफ्ट हमेशा दस बजे गर्म दूध गैस पर रखती हैं। लगभग पच्चीस मिनट बाद हमने सैली को अपना मग अपने कमरे में ले जाते देखा था।)

"आप 'हम' से किसका तात्पर्य है, श्रीमती?"

मैक्सी?"

"डॉक्टर एप्स, मिस लिडेल और मैंने खुद उसे देखा था। मैं मिस लिडेल के साथ उनका कोट लेने ऊपर गई थी। जब हम वापस हॉल में आए तो डॉक्टर एप्स बिजनेस रूम से हमारे साथ आ गए। जब हम सब वहाँ खड़े थे, सैली रसोई वाले हिस्से से आई और मुख्य रास्ते से ऊपर चली गई। वह आपके साथ थी?"

"नहीं। हम दोनों में से किसी ने भी ऐसा नहीं किया। मेरे बेटे ने अपने पिता को पहले कुछ दिया था जिससे उन्हें नींद आ गई थी और वे ऊंघते हुए प्रतीत हो रहे थे।"

उनके लिए बिस्तर को यथासंभव आरामदायक बनाने के अलावा और कुछ नहीं किया जा सकता था। मुझे मिस बोवर्स की मदद से बहुत खुशी हुई। वह एक प्रशिक्षित नर्स हैं और हम दोनों ने मिलकर उन्हें परेशान किए बिना बिस्तर को ठीक कर दिया।

"डॉक्टर मैक्सी के साथ मिस बोवर्स के क्या संबंध थे?"

"जहां तक मुझे पता है, मिस बोवर्स मेरे दोनों बच्चों की दोस्त हैं। इस तरह का सवाल उनसे और उनके बच्चों से पूछना बेहतर होगा।"

"जहां तक आपको पता है, वह और आपका बेटा शादी के लिए सगाई नहीं कर चुके हैं?"

"मुझे उनके निजी मामलों के बारे में कुछ नहीं पता। मुझे लगा था कि ऐसा होना असंभव है।"

"धन्यवाद," डेलग्लिश ने कहा। "अगर आप कृपा करके श्रीमती रिस्को को अंदर भेज दें, तो मैं अभी उनसे मिलूंगा।"

वह श्रीमती मैक्सी के लिए दरवाजा खोलने के लिए उठा, लेकिन वह हिली नहीं। उन्होंने कहा, "मुझे अब भी विश्वास है कि सैली ने खुद ही वह दवा ली थी। इसका कोई और तर्कसंगत विकल्प

नहीं है।"
लेकिन अगर किसी और ने इसे मिलाया है तो मैं आपसे सहमत हूँ कि इसे सूखे कोको में मिलाया गया होगा। मुझे माफ़ करना - लेकिन क्या आप डिब्बे और उसके अंदर की सामग्री की जाँच करके यह नहीं बता सकते?
"हो सकता है," डेलग्लिश ने गंभीरता से उत्तर दिया। "लेकिन खाली डिब्बा कूड़ेदान में मिला था। उसे धोया गया था। अंदर का कागज़ का अस्तर नहीं था। शायद उसे रसोई के चूल्हे में जला दिया गया था।"
कोई व्यक्ति आश्वासन को और भी पक्का कर रहा था।"
श्रीमती मैक्सी के चले जाने के बाद सार्जेंट मार्टिन ने कहा, "बहुत ही शानदार महिला हैं, महोदय।" उन्होंने अप्रत्याशित हास्य के साथ कहा, "वह वहां एक लिबरल उम्मीदवार की तरह बैठी थी जो वोटों की दोबारा गिनती का इंतजार कर रही हो।"
"जी हां," डेलग्लिश ने रूखेपन से सहमति जताई। "लेकिन मुझे उनकी पार्टी के संगठन पर पूरा भरोसा है। चलिए, बाकी लोग क्या कहते हैं, सुनते हैं।"
फेलिक्स ने सोचा, यह कमरा पिछली बार से बिल्कुल अलग था, लेकिन वह कमरा भी शांत और सुकून भरा था। वहाँ तस्वीरें थीं और एक भारी महोगनी की मेज थी, जो डेलग्लिश की मेज से मिलती-जुलती थी। फूल भी थे, एक छोटा सा गुलदस्ता एक छोटे से कटोरे में सजा था जो चाय के कप से थोड़ा ही बड़ा था। उस कमरे की हर चीज़ घरेलू और आरामदायक थी, यहाँ तक कि मेज के पीछे बैठा वह आदमी भी, जिसके मोटे सफेद हाथ थे और मोटे चश्मे के पीछे मुस्कुराती आँखें थीं। कमरे का वही रूप बरकरार था। यह आश्चर्य की बात थी कि सच्चाई जानने के कितने तरीके हैं जिनमें खून नहीं बहाया जाता, जो सुनियोजित और साफ-सुथरे होते हैं, और जिनमें बहुत ज्यादा उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती। उसने अपनी याददाश्त को वापस खींचा और मेज पर बैठे उस व्यक्ति को देखा। उसके मुड़े हुए हाथ पहले से पतले थे, आँखें गहरी और कम दयालु थीं। कमरे में केवल एक और व्यक्ति था और वह भी एक अंग्रेज पुलिसवाला था। यह मार्टिंगेल था। यह इंग्लैंड था।
अब तक तो स्थिति कुछ खास खराब नहीं थी।
देबोरा आधे घंटे से अनुपस्थित थी। जब वह लौटी तो उसने उसकी ओर देखे बिना अपनी सीट पर जाकर बैठ गई और वह भी उतनी ही खामोशी से उठा और वर्दीधारी पुलिसकर्मी के पीछे-पीछे बिजनेस रूम में चला गया। उसे इस बात की खुशी थी कि पूछताछ से पहले उसने शराब पीने की इच्छा को रोक लिया था और डेलग्लिश द्वारा दी गई सिगरेट को ठुकरा दिया था। वह तो पुरानी सिगरेट थी! वे उसे इस तरह पकड़ नहीं सकते थे! वह अपनी घबराहट उन्हें तोहफे में नहीं देने वाला था। अगर वह अपने गुस्से पर काबू रख पाता तो सब ठीक हो जाता।
काउंटर के पीछे बैठा धैर्यवान व्यक्ति अपने नोट्स देखने लगा।
"धन्यवाद। अभी तक तो सब स्पष्ट है। अब क्या हम थोड़ा पीछे जा सकते हैं? कॉफी के बाद आप श्रीमती रिस्को के साथ खाने के बर्तन धोने में मदद करने गए थे। लगभग साढ़े नौ बजे आप दोनों इस कमरे में वापस आए जहाँ श्रीमती मैक्सी, मिस लिडेल, मिस बोवर्स और डॉ. एप्स मेले में

जमा हुए पैसे गिन रहे थे। आपने उन्हें बताया कि आप और श्रीमती रिस्को बाहर जा रहे हैं और आपने मिस लिडेल और डॉ. एप्स को 'शुभ रात्रि' कहा, जो शायद आपके लौटने तक मार्टिंगेल से जा चुके होंगे।"

श्रीमती मैक्सी ने कहा कि वह ड्राइंग रूम की एक फ्रेंच खिड़की आपके लिए खुली छोड़ देंगी और आपसे अनुरोध किया कि अंदर आने पर उसे बंद कर दें। उस समय कमरे में मौजूद सभी लोगों ने यह बात सुन ली थी।

"जहाँ तक मुझे पता है, ऐसा ही था। किसी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की और, क्योंकि वे पैसे गिनने में व्यस्त थे, मुझे संदेह है कि उन्होंने इसे अंदर लिया होगा।" मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि जब पिछला दरवाजा भी खुला था, तब भी ड्राइंग रूम की खिड़की आपके लिए खुली छोड़ दी गई थी। क्या आपके पीछे दीवार पर स्टब्स का लोगो नहीं है?

इस घर में कई बेहतरीन चीजें हैं जिन्हें आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है।"

फेलिक्स ने अपना सिर नहीं घुमाया।

"संस्कारी पुलिसवाला! मुझे लगा था कि वे सिर्फ जासूसी उपन्यासों में ही पाए जाते हैं।"

बधाई हो! लेकिन मैक्सी परिवार अपनी संपत्ति का प्रचार नहीं करता। गाँव से कोई खतरा नहीं है। पिछले तीन सौ वर्षों से लोग इस घर में बड़ी आसानी से आते-जाते रहे हैं।

यहां ताला लगाने का तरीका काफी अव्यवस्थित है, सिवाय सामने के दरवाजे के। उसे हर रात स्टीफन मैक्सी या उसकी बहन द्वारा रस्म के तौर पर कुंडी लगाकर बंद कर दिया जाता है, मानो उसका कोई गूढ़ महत्व हो। इसके अलावा, वे पूरी तरह से निगरानी नहीं करते। इस मामले में, और अन्य मामलों की तरह, वे हमारी शानदार पुलिस पर निर्भर प्रतीत होते हैं।

"ठीक है! आप श्रीमती रिस्को के साथ रात लगभग साढ़े नौ बजे बगीचे में गए थे और साथ में टहल रहे थे। श्री हर्न, आपने किस बारे में बात की?"

"मैंने श्रीमती रिस्को को शादी का प्रस्ताव दिया। मैं दो महीने बाद अपने कनाडाई घर जा रहा हूँ और मैंने सोचा कि व्यापार और हनीमून को एक साथ मनाना सुखद रहेगा।"

"और श्रीमती रिस्को ने स्वीकार कर लिया?"

"आपकी रुचि देखकर अच्छा लगा, इंस्पेक्टर, लेकिन मुझे खेद है कि मुझे आपको निराश करना पड़ेगा। यह आपके लिए समझ से परे लग सकता है, लेकिन श्रीमती रिस्को उत्साहित नहीं थीं।"

स्मृतियाँ भावनाओं की लहर बनकर लौट आईं: अंधकार, गुलाबों की मदहोश कर देने वाली सुगंध, वे कठोर और तीव्र चुंबन जो उसकी किसी प्रबल आवश्यकता की अभिव्यक्ति थे, लेकिन उसे लगा कि वे जुनून नहीं थे। और उसके बाद उसकी आवाज़ में आई उदासी और थकावट।

"शादी, फेलिक्स? क्या इस परिवार में शादी को लेकर काफी चर्चा नहीं हो चुकी है?"

हे भगवान! काश वो मर जाती!" तब उसे एहसास हुआ कि उसने जल्दबाजी में बोलकर गलती कर दी थी। समय और स्थान दोनों ही गलत थे। क्या उसके शब्द भी बिल्कुल गलत थे? आखिर वो चाहती क्या थी? डेलग्लिश की आवाज़ ने उसे वर्तमान में वापस ला दिया।

"आप बगीचे में कितनी देर तक रहे, महोदय?"

"यह कहना तो सरासर मूर्खता होगी कि समय का अस्तित्व ही समाप्त हो गया था। लेकिन आपकी जांच के हित में, मैं यह स्वीकार करता हूँ कि हम रात दस बजकर पैंतालीस मिनट पर ड्राइंग रूम की खिड़की से अंदर आए थे। जैसे ही मैंने खिड़की बंद की और कुंडी लगाई, मेंटलपीस पर रखी घड़ी ने पौने तीन बजने की आवाज़ की।"

"वह घड़ी पांच मिनट आगे चल रही है, महोदय। क्या आप कृपया आगे बोलेंगे?"

फिर हम रात के दस बजकर चालीस मिनट पर लौटे। मैंने अपनी घड़ी नहीं देखी। श्रीमती रिस्को ने मुझे व्हिस्की पीने के लिए दी, जिसे मैंने मना कर दिया। मैंने दूध का पेय भी लेने से मना कर दिया और वह अपना पेय लेने रसोई में चली गईं। कुछ मिनटों में वापस आकर उन्होंने कहा कि उनका मन बदल गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनका भाई अभी भी बाहर है। हमने थोड़ी देर बात की और अगली सुबह सात बजे साथ में घुड़सवारी करने के लिए मिलने का तय किया। फिर हम सो गए। मेरी रात अच्छी गुज़री। जहाँ तक मुझे याद है, श्रीमती रिस्को की भी। मैं कपड़े पहनकर हॉल में उनका इंतज़ार कर रहा था, तभी मैंने स्टीफन मैक्सी को मुझे पुकारते हुए सुना। उन्हें सीढ़ी लगाने में मेरी मदद चाहिए थी। बाकी तो आप जानते ही हैं।

"क्या आपने सैली जुप्प की हत्या की, मिस्टर हर्न?"

"जहां तक मुझे जानकारी है, ऐसा नहीं है।"

"तुम्हारा इससे क्या मतलब है?"

"बस इतना ही कि मुझे लगता है कि मैं स्मृतिभ्रंश की अवस्था में भी ऐसा कर सकता था, लेकिन यह कोई व्यावहारिक अनुमान नहीं है।"

मुझे लगता है कि हम उस संभावना को खारिज कर सकते हैं।

मिस जुप्प की हत्या किसी ऐसे व्यक्ति ने की है जो जानता था कि वह क्या कर रहा है। क्या आपको कोई अंदाजा है कि वह कौन है?

"क्या आप मुझसे यह उम्मीद करते हैं कि मैं उस प्रश्न को गंभीरता से लूं?"

"मैं आपसे उम्मीद करता हूं कि आप मेरे सभी सवालों को गंभीरता से लेंगे। इस युवा मां की हत्या कर दी गई है। मैं बिना अपना या किसी और का समय बर्बाद किए, हत्यारा ढूंढने का इरादा रखता हूं और आपसे सहयोग की उम्मीद करता हूं।"

मुझे नहीं पता कि उसकी हत्या किसने की और मुझे संदेह है कि अगर मुझे पता भी होता तो क्या मुझे आपको बताना चाहिए था।

मुझे न्याय के प्रति आपकी तरह अमूर्त दृष्टिकोण रखने का जुनून नहीं है। हालांकि, मैं कुछ ऐसे तथ्यों को उजागर करने में सहयोग करने के लिए तैयार हूं, जिन्हें आपने अपने संदिग्धों से लंबी पूछताछ के उत्साह में शायद नजरअंदाज कर दिया हो।

कोई उस लड़की की खिड़की से अंदर घुस आया था। उसने खिड़की के चौखट पर कांच के खिलौने रखे हुए थे, जो इधर-उधर बिखरे पड़े थे। खिड़की खुली थी और उसके बाल गीले थे।

कल रात साढ़े बारह बजे से तीन बजे तक बारिश हुई। मेरा अनुमान है कि वह साढ़े बारह बजे से पहले ही मर चुकी थी, वरना वह खिड़की बंद कर देती। बच्चा अपने सामान्य समय पर ही जागा। शायद इसीलिए आगंतुक ने ज्यादा शोर नहीं किया। यह संभव नहीं है कि कोई हिंसक झगड़ा

हुआ हो। मुझे लगता है कि सैली ने खुद ही अपने आगंतुक को खिड़की से अंदर आने दिया होगा। उसने शायद सीढ़ी का इस्तेमाल किया होगा। उसे पता होगा कि सीढ़ी कहाँ रखी है। वह शायद पहले से तय समय पर आया होगा।

आप भी मेरी तरह ही अंदाज़ा लगा सकते हैं कि ऐसा क्यों हुआ। मैं उसे जानती नहीं थी, लेकिन किसी तरह से वह मुझे कभी भी बहुत कामुक या अय्याश नहीं लगी। वह आदमी शायद उससे प्यार करता था और जब उसने उसे स्टीफन मैक्सी से शादी करने के अपने इरादे के बारे में बताया, तो उसने ईर्ष्या या गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि यह 10 पाउंड का मामला सोची-समझी साजिश थी। सैली ने उनकी निजता बनाए रखने के लिए दरवाजा बंद कर दिया था और वह आदमी बिना ताला खोले खिड़की से बाहर निकल गया। शायद उसे पता ही नहीं था कि दरवाजा कुंडी से बंद है। अगर उसे पता होता तो वह शायद कुंडी खोलकर ज़्यादा सावधानी से बाहर निकलता। इंस्पेक्टर साहब, वह कुंडी वाला दरवाजा आपके लिए बहुत निराशाजनक रहा होगा। आप भी शायद ही कल्पना कर सकते हैं कि परिवार का कोई सदस्य अपने ही घर में आने-जाने के लिए सीढ़ी पर चढ़-उतर रहा हो। मुझे पता है कि आप मैक्सी-जुप्प की सगाई को लेकर कितने उत्साहित होंगे, लेकिन आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि अगर हमें किसी अवांछित सगाई से बचने के लिए हत्या करनी पड़े, तो महिलाओं में मृत्यु दर बहुत ज़्यादा होगी।

बोलते-बोलते ही फेलिक्स को एहसास हो गया था कि यह एक गलती है। डर ने उसे बड़बड़ाहट और गुस्से दोनों में जकड़ लिया था। पुलिस सार्जेंट उसे उस हताश और थोड़ी दया भरी नज़र से देख रहा था, जैसे उसने बहुत से लोगों को खुद को मूर्ख बनाते देखा हो, इसलिए उसे आश्चर्य तो नहीं हो रहा था, लेकिन फिर भी वह यही चाहता था कि वे ऐसा न करें।

डेलग्लिश ने नरमी से कहा, "मुझे लगा कि आपकी रात अच्छी गुज़री।"

लेकिन आपने ध्यान दिया कि साढ़े बारह बजे से तीन बजे तक बारिश हुई।

"मेरे लिए वह एक अच्छी रात थी।"

"तो आपको अनिद्रा की समस्या है? आप इसके लिए क्या दवा लेते हैं?"

"व्हिस्की। लेकिन दूसरों के घरों में शायद ही कभी।"

"आपने पहले बताया था कि शव कैसे मिला और आप श्रीमती रिस्को के साथ बगल के बाथरूम में कैसे गए जबकि डॉ. मैक्सी ने पुलिस को फोन किया।"

कुछ समय बाद श्रीमती रिस्को आपको छोड़कर अपनी माँ के पास चली गईं। उसके बाद आपने क्या किया? (मैंने सोचा कि मुझे देखना चाहिए कि श्रीमती...)

बुल्टिटाफ्ट ठीक थी। मुझे नहीं लगा था कि किसी को नाश्ता करने की इच्छा होगी, लेकिन यह स्पष्ट था कि हमें ढेर सारी गर्म कॉफी की ज़रूरत होगी, और सैंडविच भी ठीक रहेंगे। वह स्तब्ध लग रही थी और बार-बार कह रही थी कि सैली ने आत्महत्या कर ली होगी। मैंने जितना हो सके नरमी से समझाया कि शारीरिक रूप से यह असंभव है, और इससे वह और भी परेशान हो गई। उसने मुझे एक अजीब नज़र से देखा जैसे मैं कोई अजनबी हूँ, और फिर ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। जब तक मैं उसे शांत कर पाती, तब तक

मिस बोवर्स बच्चे के साथ आ चुकी थीं और नाश्ता बनाने में काफी कुशल लग रही थीं। मार्था ने खुद को संभाला और हम कॉफी और मिस्टर मैक्सी के नाश्ते में जुट गए। तब तक पुलिस आ चुकी थी और हमें ड्राइंग रूम में इंतजार करने को कहा गया।

"कब

श्रीमती बुल्टिटाफ्ट फूट-फूटकर रोने लगीं, क्या यह उनके द्वारा दिखाया गया शोक का पहला संकेत था?

"शोक?" सन्नाटा लगभग न के बराबर था। "वह स्पष्ट रूप से बहुत सदमे में थी, जैसे हम सब थे।"

"धन्यवाद महोदय। इससे बहुत मदद मिली। मैं आपका बयान टाइप करवा लूंगा और बाद में आपसे इसे पढ़ने और सहमत होने पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध करूंगा। यदि आप इसमें कुछ और कहना चाहें तो आपको पर्याप्त अवसर मिलेगा। मैं यहीं आसपास रहूंगा। यदि आप ड्राइंग रूम में वापस जा रहे हैं तो क्या आप श्रीमती बुल्टिटाफ्ट से पूछेंगे कि क्या वह अगली बार अंदर आएंगी?"

यह एक आदेश था, अनुरोध नहीं। जैसे ही वह दरवाजे पर पहुँचा, फेलिक्स ने फिर से धीमी आवाज़ सुनी।

आपको यह जानकर शायद ही आश्चर्य होगा कि आपकी बताई बातें श्रीमती रिस्को की बातों से लगभग पूरी तरह मेल खाती हैं। बस एक अपवाद है। श्रीमती रिस्को कहती हैं कि आपने पिछली रात का लगभग पूरा समय उनके कमरे में बिताया, अपने कमरे में नहीं। दरअसल, उनका कहना है कि आप दोनों साथ सोए थे।

फेलिक्स एक पल के लिए दरवाजे की ओर मुंह करके खड़ा रहा और फिर मुड़कर डेस्क के पीछे बैठे व्यक्ति की ओर देखने लगा।

"श्रीमती रिस्को का यह कदम बहुत अच्छा था, लेकिन इससे मेरे लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं, है ना? मुझे डर है कि इंस्पेक्टर साहब, आपको खुद ही फैसला करना होगा कि हम दोनों में से कौन झूठ बोल रहा है।"

"धन्यवाद," डेलग्लिश ने कहा। "मैंने पहले ही ऐसा कर दिया है।"

डैगलेश अपने जीवन में कई मार्थाओं से मिल चुका था और उसने कभी उन्हें जटिल स्वभाव का नहीं समझा था। वे शरीर की सुख-सुविधाओं, खाना पकाने और उन अंतहीन छोटे-मोटे कामों में लगी रहती थीं, जो बौद्धिक जीवन को कोई वास्तविक अर्थ देने से पहले करने ही पड़ते हैं। उनकी अपनी सरल भावनात्मक ज़रूरतें सेवा में ही पूरी हो जाती थीं। वे वफादार, मेहनती और सच्ची थीं और अच्छी गवाह साबित होती थीं क्योंकि उनमें झूठ बोलने के लिए ज़रूरी कल्पना और अभ्यास दोनों की कमी थी। अगर वे अपनी वफादारी हासिल करने वालों को बचाने का फैसला कर लें तो वे परेशानी खड़ी कर सकती थीं, लेकिन यह एक ऐसा खुला खतरा था जिसका अनुमान लगाया जा सकता था। उसे मार्था से कोई कठिनाई की उम्मीद नहीं थी। डैगलेश को झुंझलाहट के साथ एहसास हुआ कि कोई उससे बात कर रहा था। वह सही होगी, वह सम्मानजनक होगी, लेकिन जो भी जानकारी वह हासिल करेगा, वह बड़ी मुश्किल से मिलेगी। मार्था को सिखाया-पढ़ाया गया था और यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं था कि किसने सिखाया था। उसने धैर्यपूर्वक अपनी

बात जारी रखी।
"तो आप खाना बनाती हैं और मिस्टर मैक्सी की देखभाल में मदद करती हैं। यह तो बहुत बड़ा काम होगा। क्या आपने मिसेज़ को सुझाव दिया था?"
मैक्सी को क्या उसे मिस जुप्प को काम पर रखना चाहिए?
"नहीं।"
"क्या आपको पता है कि यह किसने किया?"
मार्था कुछ सेकंड के लिए चुप रही, मानो सोच रही हो कि क्या उसे कोई अनपेक्षित बात करने का जोखिम उठाना चाहिए।
"हो सकता है कि वह मिस लिडेल रही हों।"
हो सकता है कि मैडम ने खुद ही इसके बारे में सोचा हो। मुझे नहीं पता।
"लेकिन मुझे लगता है कि श्रीमती मैक्सी ने लड़की को काम पर रखने से पहले आपसे इस बारे में बात की होगी।"
"उसने मुझे सैली के बारे में बताया। यह इसके लिए था।
मैडम को निर्णय लेना है।
डेलग्लिश को यह चाटुकारिता चिढ़ने लगी, लेकिन उसकी आवाज़ में कोई बदलाव नहीं आया। गवाहों पर अपना आपा खोने का उसका पुराना रिवाज था।
"क्या श्रीमती मैक्सी ने इससे पहले कभी किसी अविवाहित माँ को काम पर रखा था?"
"पुराने ज़माने में तो ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता था। हमारी सभी लड़कियाँ बेहतरीन सिफ़ारिशों के साथ आती थीं।" "तो यह एक नया प्रयास था। क्या आपको लगता है कि यह सफल रहा? मिस जुप्प के साथ आपका सबसे ज़्यादा योगदान था। वह किस तरह की लड़की थीं?"
मार्था ने कोई जवाब नहीं दिया।
"क्या आप उसके काम से संतुष्ट थे?"
"मैं काफी संतुष्ट था। कम से कम शुरुआत में तो था ही।"
"किस बात ने आपका मन बदल दिया? क्या यह उसका देर से उठना था?" भारी पलकों वाली, हठी आँखें अचानक इधर-उधर घूमने लगीं।
बिस्तर पर लेटे रहने से भी बुरी चीजें होती हैं।
"जैसे कि?"
वह नखरे दिखाने लगी।
"यह आपके लिए काफी मुश्किल रहा होगा। मुझे आश्चर्य है कि मिस जुप्प ने ऐसा व्यवहार क्यों किया?"
"लड़कियां ऐसी ही होती हैं। वे शुरुआत में तो चुपचाप रहती हैं और फिर घर की मालकिन की तरह व्यवहार करने लगती हैं।"
"मान लीजिए कि सैली जुप्प यह सोचने लगे कि वह एक दिन यहाँ की मालकिन बन सकती है?"
"तब वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठी थी।"

"लेकिन डॉ. मैक्सी ने शनिवार शाम को उसे शादी का प्रस्ताव दिया।"
मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। डॉ. मैक्सी ने सैली जुप्प से शादी नहीं की होगी।
"ऐसा लगता है कि किसी ने यह सुनिश्चित किया है, है ना? क्या आपको पता है कि किसने किया है?"
मार्था ने कोई जवाब नहीं दिया। सच में, कहने को कुछ था ही नहीं। अगर सैली जुप्प की हत्या वाकई इसी वजह से हुई थी, तो संदिग्धों का दायरा बहुत बड़ा नहीं था।
डेलग्लिश ने शनिवार दोपहर और शाम की घटनाओं के बारे में उससे उबाऊ ढंग से विस्तार से पूछना शुरू किया। मेले के बारे में वह ज़्यादा कुछ नहीं कह पाई। ऐसा लगता था कि उसने उसमें कोई हिस्सा नहीं लिया था, सिवाय इसके कि मिस्टर मैक्सी को शाम का खाना देने और उन्हें रात के लिए आराम दिलाने से पहले एक बार बगीचे का चक्कर लगाया था। जब वह रसोई में लौटी, तो सैली ने स्पष्ट रूप से जिमी को चाय पिला दी थी और उसे नहलाने के लिए ऊपर ले गई थी, क्योंकि प्रैम रसोईघर में था और बच्चे की प्लेट और मग सिंक में थे। लड़की नहीं आई और मार्था ने उसे ढूंढने में ज़रा भी देर नहीं की। परिवार ने रात का खाना खुद परोसा, जो ठंडा था और श्रीमती...
मैक्सी ने उसे नहीं बुलाया था। बाद में श्रीमती रिस्को और श्री हर्न रसोई में बर्तन धोने में मदद करने आए। उन्होंने यह नहीं पूछा कि सैली वापस आई है या नहीं। किसी ने भी उसका ज़िक्र नहीं किया था। उन्होंने ज़्यादातर मेले के बारे में बात की। बर्तन धोते समय श्री हर्न श्रीमती रिस्को के साथ हँसते-हँसते मज़ाक करते रहे। वे बहुत ही मज़ेदार सज्जन थे। उन्होंने गर्म पेय तैयार करने में मदद नहीं की। वह काम बाद में किया गया।
कोको का डिब्बा अन्य सूखे खाद्य पदार्थों के साथ अलमारी में रखा था और न तो श्रीमती रिस्को और न ही श्री हर्न उस अलमारी के पास गए थे। जब तक वे वहाँ थे, श्रीमती रिस्को पूरे समय रसोई में ही रहीं।
उनके जाने के बाद उसने आधे घंटे के लिए टेलीविजन चालू कर दिया। नहीं, उसे सैली की चिंता नहीं थी। वह लड़की जब चाहेगी तब आएगी। रात के दस बजने में लगभग पाँच मिनट पहले मार्था ने चूल्हे के किनारे दूध का एक बर्तन धीमी आँच पर गर्म होने के लिए रख दिया। मार्टिंगेल में वह लगभग हर रात ऐसा ही करती थी ताकि जल्दी सो सके। उसने मग एक ट्रे में रख दिए थे।
रात में गर्म पेय पसंद करने वाले किसी भी मेहमान के लिए बड़े-बड़े प्याले और तश्तरियाँ रखी हुई थीं। सैली अच्छी तरह जानती थी कि नीले रंग का प्याला श्रीमती रिस्को का था। मार्टिंगेल में हर कोई यह जानता था। गर्म दूध का इंतजाम करने के बाद मार्था सोने चली गई। वह साढ़े दस बजे से पहले ही बिस्तर पर पहुँच गई थी और पूरी रात उसने कुछ भी असामान्य नहीं सुना था। सुबह जब वह सैली को जगाने गई तो उसने दरवाजा बंद पाया। वह मैडम को बताने गई। बाकी सब तो वह जानता ही था।
इस मामूली जानकारी को निकालने में चालीस मिनट से अधिक समय लगा, लेकिन डेलग्लिश ने जरा भी अधीरता नहीं दिखाई। अब वे शव की वास्तविक खोज पर पहुंचे। यह पता लगाना महत्वपूर्ण था कि मार्था का विवरण कैथरीन बोवर्स के विवरण से कितना मेल खाता है। यदि यह

मेल खाता है, तो कम से कम उनके अस्थायी सिद्धांतों में से एक सही साबित हो सकता है। विवरण मेल खाता था।

धैर्यपूर्वक उसने लापता सोम्मेइल के बारे में पूछताछ जारी रखी। लेकिन यहाँ उसे कम सफलता मिली। मार्था बुल्टिटाफ्ट को विश्वास नहीं था कि सैली को अपने मालिक के बिस्तर में कोई गोलियाँ मिली थीं।

"सैली को यह जताना अच्छा लगता था कि वह मालिक की देखभाल करती है। शायद अगर मालकिन ज़्यादा थकी होतीं तो वह रात में उनकी देखभाल कर लेती। लेकिन उन्हें मेरे अलावा कोई और पसंद नहीं था। सारी मेहनत और देखभाल तो मैं ही करती हूँ। अगर बिस्तर में कुछ छिपा होता तो मैं उसे ढूंढ लेती।"

यह उनका अब तक का सबसे लंबा भाषण था।

डेलग्लिश को लगा कि इसमें ठोस तर्क निहित है।

अंत में उसने उससे खाली कोको के डिब्बे के बारे में पूछा। यहाँ भी, उसने धीमी आवाज़ में, लेकिन दृढ़ता से जवाब दिया। सुबह की चाय बनाने के लिए नीचे आते समय उसे रसोई की मेज पर खाली डिब्बा मिला था। उसने अंदर का कागज़ जला दिया, डिब्बे को धोया और कूड़ेदान में डाल दिया। उसने पहले उसे क्यों धोया था?

क्योंकि मैडम को चिपचिपे या चिकने डिब्बों को कूड़ेदान में डालना पसंद नहीं था। बेशक, कोको का डिब्बा चिकना नहीं था, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं था। मार्टिंगेल में सभी इस्तेमाल किए गए डिब्बों को धोया जाता था। और उन्होंने अंदर का रैपर क्यों जलाया? भला, कागज़ की परत लगे होने पर डिब्बे के अंदर से कैसे धो सकती थीं? डिब्बा खाली था, इसलिए उन्होंने उसे धोकर फेंक दिया। उनके लहजे से लग रहा था कि कोई भी समझदार व्यक्ति इसके अलावा कुछ और नहीं कर सकता था।

डेलग्लिश को लाख कोशिश करने पर भी समझ नहीं आ रहा था कि मार्था की कहानी का प्रभावी ढंग से खंडन कैसे किया जा सकता है। परिवार के इस्तेमाल किए हुए डिब्बों को ठिकाने लगाने के सामान्य तरीके के बारे में श्रीमती मैक्सी से पूछताछ करने के ख्याल से ही उसका दिल बैठ गया। लेकिन, एक बार फिर उसे शक हुआ कि मार्था को सिखाया-पढ़ाया गया है। उसे एक पैटर्न की शुरुआत दिख रही थी। पिछले एक घंटे का असीम धैर्य वाकई सार्थक रहा।

अध्याय पाँच

सेंट मैरीज़ रिफ्यूज गांव के मुख्य भाग से लगभग एक मील दूर था। यह एक बदसूरत लाल ईंटों का मकान था, जिसमें कई छज्जे और बुर्ज बने हुए थे। यह मुख्य सड़क से थोड़ा पीछे, लॉरेल की झाड़ियों की घनी छाया के पीछे स्थित था। बजरी से बनी पक्की सड़क एक ऐसे दरवाजे तक जाती थी, जिसका घिसा हुआ दरवाज़ा खटखटाने का यंत्र पॉलिश करने से चमक रहा था। खिड़कियों पर लगे जालीदार पर्दे बर्फ जैसे सफेद थे। मकान के किनारे बनी पत्थर की सीढ़ियाँ नीचे एक चौकोर लॉन की ओर जाती थीं, जहाँ कई बच्चों की गाड़ियाँ एक साथ रखी थीं। टोपी और एप्रन पहने एक नौकरानी ने उन्हें अंदर आने दिया, डेलग्लिश को लगा कि शायद वह बच्चों की माताओं में से एक थी, और उन्हें हॉल के बाईं ओर एक छोटे से कमरे में ले गई। वह असमंजस में लग रही थी कि क्या करे और डेलग्लिश का नाम भी नहीं सुन पाई, हालाँकि उसने दो बार दोहराया था। स्टील के फ्रेम वाले चश्मे से उसकी बड़ी-बड़ी आँखें उसे समझ न पाने की भावना से घूर रही थीं, और वह दरवाजे पर उदास खड़ी थी। "कोई बात नहीं," डेलग्लिश ने विनम्रता से कहा, "बस मिस लिडेल को बता दीजिए कि मार्टिंगेल से दो पुलिसकर्मी उनसे मिलने आ रहे हैं। उन्हें हमारे बारे में सब पता होगा।"

"कृपया, मुझे यह नाम लेना ही होगा। मुझे घर की नौकरानी बनने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।"

वह बेताब होकर इधर-उधर भटकती रही, मिस लिडेल की फटकार के डर और दो अजनबी आदमियों के साथ एक ही कमरे में होने की शर्मिंदगी के बीच फंसी हुई थी, और वो भी दोनों पुलिसवाले थे। डेलग्लिश ने उसे अपना कार्ड दिया। "बस इसे दे दो। यह और भी उचित और सही रहेगा। और चिंता मत करो। तुम एक बहुत अच्छी घरेलू नौकरानी बनोगी। आजकल नौकरानियों की कीमत माणिक से भी अधिक होती है, तुम्हें पता है।"

"उन पर किसी नाजायज बच्चे का बोझ नहीं है," सार्जेंट मार्टिन ने कहा, और दुबली-पतली आकृति फुसफुसाते हुए "धन्यवाद" कहते हुए दरवाजे से बाहर निकल गई।

"मज़ाक कर रही हूँ कि इतनी साधारण सी दिखने वाली लड़की यहाँ है, महोदय। उसके हाव-भाव में कुछ कमी सी लग रही है। लगता है किसी ने उसका फायदा उठाया है।"

"वह उस तरह की इंसान है जिसका जन्म से ही फायदा उठाया जाता है।"

"काफी डरी हुई भी थी, है ना? मुझे लगता है कि मिस लिडेल लड़कियों के साथ ठीक से पेश आती हैं, महोदय?"

"मुझे लगता है, उनके अपने नज़रिए से तो ठीक ही है। उनके काम को लेकर भावुक होना स्वाभाविक है, लेकिन उन्हें कई तरह के लोगों से निपटना पड़ता है। यहाँ तो असीम आशा, आस्था और परोपकार की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में, एक संत जैसी शख्सियत चाहिए और हम मिस लिडेल से उस स्तर तक पहुँचने की उम्मीद नहीं कर सकते।"

"जी सर," सार्जेंट मार्टिन ने कहा। बाद में उन्हें लगा कि "नहीं सर" कहना ज़्यादा उचित होता।

किसी भी तरह की गैर-परंपरागत बात कहने से बेखबर डेलग्लिश धीरे-धीरे कमरे में घूम रहा था।

कमरा आरामदायक था, लेकिन दिखावटी नहीं था, और उसके विचार में, मिस लिडेल की कई निजी वस्तुओं से सजा हुआ था। सारी लकड़ी पॉलिश से चमक रही थी। स्पिनेट और रोज़वुड की मेज दोनों ऐसी लग रही थीं मानो उन्हें छूने पर गर्माहट महसूस हो रही हो, क्योंकि उन्हें बनाने में बहुत मेहनत और ऊर्जा खर्च हुई थी। लॉन की ओर खुलने वाली एकमात्र बड़ी खिड़की पर फूलों के पैटर्न वाले क्रेटन के पर्दे लगे थे, जो अब धूप से बचने के लिए खींचे हुए थे। कालीन, हालांकि पुराना लग रहा था, लेकिन वह सरकारी संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराया गया कालीन नहीं था, चाहे वे कितनी भी स्वैच्छिक और जनहितकारी क्यों न हों। यह कमरा उतना ही मिस लिडेल का था, मानो वह घर की मालकिन रही हों। दीवारों पर शिशुओं की तस्वीरें लगी थीं। कालीन पर नग्न लेटे शिशु, असहाय और हास्यास्पद स्थिति में कैमरे की ओर सिर उठाए हुए। प्रैम और पालने से बिना दांतों वाली मुस्कुराती हुई शिशु। अपनी माताओं की बाहों में ऊनी कपड़े पहने शिशु। एक-दो तो शर्मिंदा आदमी की बाहों में बेजान से पड़े थे। शायद यही वे भाग्यशाली थे, जिन्हें आखिरकार आधिकारिक तौर पर पिता बनने का सुख प्राप्त हुआ था। एक छोटी सी महोगनी की मेज के ऊपर चरखे पर बैठी एक महिला की तस्वीर फ्रेम में लगी थी, जिसके फ्रेम के निचले हिस्से में एक पट्टिका लगी हुई थी।

"सेंट मैरी रिफ्यूज की वार्डन के रूप में बीस वर्षों की समर्पित सेवा के उपलक्ष्य में चैडफ्लीट और जिला नैतिक कल्याण समिति द्वारा मिस एलिस लिडेल को भेंट किया गया।" डेलग्लिश और मार्टिन ने एक साथ इसे देखा। सार्जेंट ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैं इस जगह को ठीक से शरणस्थल कहूँगा।" डेलग्लिश ने फिर से फर्नीचर को देखा, जो मिस लिडेल के बचपन की सावधानीपूर्वक सहेजी गई विरासतें थीं।

"यह मिस लिडेल की उम्र की एक अकेली महिला के लिए बिल्कुल उपयुक्त हो सकता है। उन्होंने बीस साल से अधिक समय से इस जगह को अपना घर बना रखा है। वह खुद को इससे बेदखल होने से बचाने के लिए बहुत कुछ कर सकती हैं।"

महिला के प्रवेश के कारण सार्जेंट मार्टिन जवाब देने से चूक गए। मिस लिडेल हमेशा अपने घर में सहज महसूस करती थीं। उन्होंने शांत भाव से हाथ मिलाया और उन्हें इंतजार कराने के लिए माफी मांगी।

उसे देखकर डेलग्लिश ने अनुमान लगाया कि उसने अपना समय चेहरे पर पाउडर लगाने और मन में दृढ़ संकल्प जगाने में बिताया था।

वह इसे यथासंभव एक सामाजिक मुलाकात की तरह ही लेना चाहती थी और उसने एक अनुभवहीन मेज़बान की तरह बड़ी चतुराई से उन्हें बैठने के लिए आमंत्रित किया। डेलग्लिश ने चाय का प्रस्ताव ठुकरा दिया और अपने सार्जेंट की तिरस्कार भरी नज़रों से बचते हुए सावधानी से आगे बढ़ा। मार्टिन को खूब पसीना आ रहा था। उसका मानना था कि किसी संदिग्ध के प्रति अत्यधिक सावधानी बरतना ठीक नहीं है और गर्मी के दिनों में एक कप चाय पीने से आज तक न्याय में कोई बाधा नहीं आई है।

"हम आपको ज्यादा देर तक नहीं रोकेंगे, मिस लिडेल। जैसा कि आप समझ ही गई होंगी, मैं सैली जुप्प की मौत की जांच कर रहा हूं। मुझे पता चला है कि आपने कल शाम मार्टिंगेल में

भोजन किया था। आप दोपहर में मेले में भी थीं और आप निश्चित रूप से मिस जुप्प को जानती थीं जब वह सेंट मैरी में आपके साथ थीं।"

"एक-दो बातें हैं जिनके बारे में मुझे उम्मीद है कि आप समझा पाएंगी।" उनके आखिरी शब्द पर मिस लिडेल चौंक गईं। जैसे ही सार्जेंट मार्टिन ने लगभग हताशा भरे भाव से अपनी नोटबुक निकाली, डेलग्लिश ने उनके होठों को जल्दी से गीला होते और हाथों में लगभग न के बराबर तनाव आते देखा और समझ गईं कि वह सतर्क हो गई हैं।

"इंस्पेक्टर साहब, आप जो भी पूछना चाहें, पूछ सकते हैं। आप इंस्पेक्टर हैं, है ना? मैं सैली को बहुत अच्छी तरह जानती थी और यह सब मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा है। हम सबके लिए है। लेकिन मुझे डर है कि मैं आपकी ज़्यादा मदद नहीं कर पाऊँगी। आप जानते हैं, मैं चीज़ों को पहचानने और याद रखने में उतनी माहिर नहीं हूँ। कभी-कभी यह एक कमी होती है, लेकिन हम सब जासूस तो नहीं हो सकते, है ना?" घबराहट भरी हंसी कुछ ज़्यादा ही तेज़ थी, स्वाभाविक नहीं लग रही थी। "हमने उसे डरा दिया है," सार्जेंट मार्टिन ने सोचा। "शायद यहाँ कुछ तो बात है।"

"शायद हम सैली जुप्प से ही शुरुआत कर सकते हैं," डेलग्लिश ने नरमी से कहा। "मुझे पता चला है कि वह अपनी गर्भावस्था के आखिरी पांच महीनों के दौरान यहीं रहीं और बच्चे के जन्म के बाद अस्पताल से छुट्टी मिलने पर आपके पास वापस आ गईं। वह तब तक यहीं रहीं जब तक उन्होंने मार्टिंगेल में नौकरी शुरू नहीं कर दी, जो उन्होंने तब की जब उनका बच्चा चार महीने का था। उस समय तक वह घर के कामों में मदद करती रहीं। इस दौरान आप उन्हें अच्छी तरह जान गई होंगी। क्या आप उन्हें पसंद करती थीं, मिस लिडेल?"

"क्या उसकी तरह?" महिला घबराकर हंस पड़ी। "इंस्पेक्टर जी, यह तो बड़ा अजीब सवाल है!"

"क्या ऐसा है? किस अर्थ में?"

उसने अपनी शर्मिंदगी छिपाने की कोशिश की और सवाल को सोच-समझकर जवाब देने का दिखावा किया। “मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ। अगर आपने मुझसे यह सवाल एक हफ़्ते पहले पूछा होता, तो मैं बिना किसी झिझक के कह देती कि सैली एक बेहतरीन छोटी कामगार और बेहद योग्य लड़की है जो अपनी गलती का प्रायश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही है। लेकिन अब, ज़ाहिर है, मैं सोचने पर मजबूर हूँ कि क्या मैं उसके बारे में गलत थी, क्या वह सच में ईमानदार थी।” उसने एक ऐसे पारखी के दुख के साथ कहा जिसका पहले का अचूक निर्णय आखिरकार गलत साबित हो गया था। (मुझे लगता है कि अब हम कभी नहीं जान पाएंगे कि वह ईमानदार थी या नहीं।)

"वास्तविक से मेरा तात्पर्य यह है कि क्या वह श्री स्टीफन मैक्सी के प्रति अपने स्नेह में सच्ची थी।"

मिस लिडेल ने दुख से सिर हिलाया। "हालात इसके विपरीत थे। इंस्पेक्टर साहब, मैं अपने जीवन में इससे ज़्यादा कभी सदमे में नहीं आई थी, कभी नहीं। बेशक, चाहे उसके मन में उसके लिए जो भी भावनाएँ हों, उसे स्वीकार करने का उसे कोई अधिकार नहीं था। जब वह खिड़की पर खड़ी होकर हमें यह बात बता रही थी, तो वह मानो विजयी भाव से भरी हुई थी। ज़ाहिर है, वह बहुत

शर्मिंदा हुआ और उसका चेहरा पीला पड़ गया। बेचारी श्रीमती मैक्सी के लिए वह बहुत ही भयानक क्षण था। मुझे डर है कि जो कुछ हुआ उसके लिए मैं हमेशा खुद को ही दोषी मानूँगी। आपको पता है, मैंने ही सैली को मार्टिंगेल के लिए सिफारिश की थी। हर तरह से यह उसके लिए एक शानदार मौका लग रहा था।"

और अब यह।"

तो क्या आप मानते हैं कि सैली जुप्प की मौत मिस्टर मैक्सी से उसकी सगाई का सीधा परिणाम है?

"हाँ, यह बिल्कुल वैसा ही दिखता है, है ना?"

"मैं इस बात से सहमत हूं कि उसकी मौत उन सभी लोगों के लिए बेहद सुविधाजनक साबित हुई, जिन्हें प्रस्तावित विवाह नापसंद करने का कोई कारण था। उदाहरण के लिए, मैक्सी परिवार।"

मिस लिडेल का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। "लेकिन इंस्पेक्टर साहब, यह तो सरासर बेतुकी बात है। ऐसा कहना बहुत ही भयानक है। सच में। बेशक, आप परिवार को उतना नहीं जानते जितना हम जानते हैं, लेकिन मेरी बात मानिए कि यह सारा सुझाव बिल्कुल निराधार है। आपने सोचा भी नहीं होगा कि मेरा मतलब यही था! मुझे तो साफ-साफ पता है कि क्या हुआ था। सैली किसी अनजान आदमी के साथ बेवफाई कर रही थी और जब उसे सगाई के बारे में पता चला - तो उसने अपना आपा खो दिया। वह खिड़की से अंदर घुस गया, है ना? मिस बोवर्स ने मुझे यही बताया था। खैर, इससे साबित होता है कि यह परिवार का काम नहीं था।"

"हत्यारा संभवतः खिड़की के रास्ते कमरे से बाहर निकला। हमें अभी तक यह जानकारी नहीं है कि वह अंदर कैसे आया।"

"आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि श्रीमती मैक्सी उस दीवार से नीचे उतरेंगी। वह ऐसा कर ही नहीं सकतीं!" "मैं कुछ भी कल्पना नहीं कर सकता। वहाँ हमेशा की तरह सीढ़ी रखी हुई थी, जिसका इस्तेमाल कोई भी कर सकता था। अगर हत्यारा दरवाजे से अंदर आ भी जाता, तो भी सीढ़ी तैयार रखी जा सकती थी।"

"लेकिन सैली को ज़रूर सुनाई देता! भले ही सीढ़ी को वहाँ बहुत धीरे से रखा गया होता।"

या फिर हो सकता है कि वह अपनी खिड़की से बाहर देखे और उसे देख ले!

"शायद। अगर वह जाग रही होती।" (इंस्पेक्टर, मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही है।

आप परिवार पर शक करने पर तुले हुए लगते हैं। काश आपको पता होता कि उन्होंने उस लड़की के लिए क्या किया है। "मुझे यह जानना अच्छा लगेगा। और आप मुझे गलत न समझें। मुझे उन सभी पर शक है जो मिस जुप्प को जानते थे और जिनके पास उनकी हत्या के समय का कोई पुख्ता सबूत नहीं है।"

इसीलिए मैं अभी यहां हूं।"

"खैर, आप मेरी गतिविधियों के बारे में शायद जानते ही होंगे। मैं उन्हें छुपाना नहीं चाहती। डॉ. एप्स मुझे अपनी कार में यहाँ वापस लाए। हम मार्टिंगेल से लगभग साढ़े दस बजे निकले। मैंने इस कमरे में थोड़ी देर लिखा और फिर बगीचे में टहलने चली गई। मैं लगभग ग्यारह बजे सो गई, जो मेरे लिए काफी देर है। नाश्ता खत्म करते समय मुझे इस भयानक घटना के बारे में पता चला।

मिस बोवर्स ने फोन किया और पूछा कि क्या मैं जिमी को कुछ समय के लिए अपने पास रख सकती हूँ, जब तक कि उन्हें पता न चल जाए कि उसके साथ क्या होने वाला है। स्वाभाविक रूप से मैंने अपनी डिप्टी, मिस पोलैक को लड़कियों की देखभाल का जिम्मा सौंप दिया और तुरंत वहाँ चली गई। मैंने जॉर्ज हॉपगुड को फोन किया और उनसे अपनी टैक्सी लाने को कहा।"

"आपने थोड़ी देर पहले कहा था कि आपको लगता है कि मिस जुप्प की मिस्टर मैक्सी से सगाई की खबर ही उनकी मृत्यु का कारण थी। क्या यह खबर घर के बाहर भी सबको पता थी? मुझे बताया गया है कि मिस्टर मैक्सी ने शनिवार रात को ही शादी का प्रस्ताव रखा था, इसलिए जो लोग उस समय के बाद मार्टिंगेल में नहीं थे, उन्हें इसके बारे में पता नहीं चल सका।"

"डॉ. मैक्सी ने शनिवार को शादी का प्रस्ताव रखा होगा, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि लड़की ने उससे पहले ही उसे पाने का मन बना लिया था।"

मुझे पूरा यकीन है कि कुछ तो हुआ था। मैंने उसे मेले में देखा था और वह दोपहर भर उत्साह से लाल-पीली हुई थी।

और क्या आपको बताया गया था कि उसने मिसेज रिस्को की ड्रेस की नकल कैसे की थी?

"आप यह सुझाव बिल्कुल नहीं दे रहे हैं कि यह कोई अन्य मकसद था।"

"इससे पता चलता है कि उसका दिमाग किस तरह काम कर रहा था। इसमें कोई शक नहीं कि सैली ने खुद ही यह सब चाहा था। मुझे बस इस बात का बेहद अफसोस है कि मैक्सियों को उसकी वजह से इस सारी मुसीबत में फंसना पड़ा।"

आपने मुझे बताया था कि बगीचे में टहलने के बाद आप लगभग ग्यारह बजे सो गए थे। क्या आपके पास इस कथन की पुष्टि करने वाला कोई व्यक्ति है?

"जहां तक मुझे याद है, इंस्पेक्टर साहब, मुझे किसी ने नहीं देखा। मिस पोलैक और लड़कियाँ दस बजे तक सो जाती हैं। मेरे पास अपनी चाबी है। इस तरह दोबारा बाहर जाना मेरे लिए असामान्य था, लेकिन मैं परेशान थी। मैं सैली और मिस्टर मैक्सी के बारे में सोचे बिना नहीं रह सकी और मुझे पता था कि अगर मैं जल्दी सो गई तो मुझे नींद नहीं आएगी।"

"धन्यवाद। बस दो और सवाल हैं। आप अपने निजी कागजात घर में कहाँ रखते हैं? मेरा मतलब है, इस गृह के प्रशासन से संबंधित दस्तावेज। उदाहरण के लिए, समिति के पत्र।"

मिस लिडेल रोज़वुड की मेज की ओर चली गईं।

"इंस्पेक्टर, ये सब इस दराज में रखे हैं। स्वाभाविक रूप से मैं इसे ताला लगाकर रखती हूँ, हालाँकि इस कमरे की देखभाल करने की अनुमति केवल सबसे भरोसेमंद लड़कियों को ही है। चाबी ऊपर वाले इस छोटे से डिब्बे में रखी है।"

बोलते हुए उसने मेज का ढक्कन उठाया और उस जगह की ओर इशारा किया। डेलग्लिश ने सोचा कि अगर नौकरानी में देखने की हिम्मत होती, तो वह छिपी हुई चाबी को शायद ही किसी सुस्त या कम जिज्ञासु नौकरानी से चूक पाती। मिस लिडेल जाहिर तौर पर ऐसी लड़कियों से निपटने की आदी थीं, जो कागजों और सरकारी दस्तावेजों का इतना सम्मान करती थीं कि स्वेच्छा से उनसे छेड़छाड़ नहीं करती थीं। लेकिन सैली जुप्प न तो सुस्त थी और न ही, जैसा कि उसे शक था, जिज्ञासाहीन थी। उसने मिस लिडेल को यही बात बताई और, जैसा कि उम्मीद थी,

सैली की उंगलियों से कागज चुनने की कला और व्यंग्य भरी मुस्कान ने उन्हें मैक्सियों के बारे में उसके पहले के सवालों से भी कहीं अधिक आक्रोशित कर दिया।

"तुम्हारा मतलब है कि सैली ने मेरी चीज़ों में ताक-झांक की होगी? मुझे तो पहले कभी इस बात पर यकीन नहीं होता था, लेकिन तुम सही हो सकती हो। ओह, हाँ। अब समझ में आ गया। इसीलिए तो उसे यहाँ काम करना अच्छा लगता था। वो सारी विनम्रता, वो शिष्टता तो बस दिखावा थी! और ये सोचकर कि मैंने उस पर भरोसा किया! मुझे सच में लगा था कि वो मेरी परवाह करती है, कि मैं उसकी मदद कर रहा हूँ। उसने मुझसे अपने दिल की बातें शेयर की थीं, तुम्हें पता है। लेकिन मुझे लगता है कि उसकी ये सारी बातें झूठी थीं। वो तो हर समय मुझ पर हँसती रहती होगी। मुझे लगता है कि तुम भी मुझे बेवकूफ समझती हो।"

हाँ, शायद मैं ऐसा हूँ, लेकिन मुझे शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है। बिलकुल भी नहीं! मैक्सि के डाइनिंग रूम में जो कुछ हुआ था, उसके बारे में उन्होंने आपको ज़रूर बताया होगा। वो मुझे डरा नहीं सकती। हो सकता है कि पहले यहाँ कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें रही हों। मैं हिसाब-किताब में बहुत माहिर नहीं हूँ। मैंने कभी ऐसा होने का दिखावा भी नहीं किया।

लेकिन मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। आप समिति के किसी भी सदस्य से पूछ सकते हैं। सैली जुप्प जितना चाहे उतना छानबीन कर सकती थी। लेकिन इससे उसे कोई फायदा नहीं हुआ।

वह गुस्से से कांप रही थी और अपने आखिरी शब्दों में छिपी कड़वी संतुष्टि को छुपाने की उसने कोई कोशिश नहीं की। लेकिन डेलग्लिश अपने आखिरी सवाल के असर के लिए तैयार नहीं था।

"मेरे एक अधिकारी ने सैली जुप्प के निकटतम संबंधी प्रॉक्टर परिवार से मुलाकात की है।"

स्वाभाविक रूप से हमें उम्मीद थी कि वे हमें उनके जीवन के बारे में कुछ जानकारी दे सकेंगे जिससे हमें मदद मिल सके। उनकी छोटी बेटी वहाँ मौजूद थी और उसने स्वेच्छा से कुछ जानकारी दी। क्या आप मुझे बता सकती हैं, मिस लिडेल, कि आपने श्रीमान को फ़ोन क्यों किया था?

प्रॉक्टर ने शनिवार की सुबह-सुबह - मेले की सुबह? बच्ची ने कहा कि उसने टेलीफोन का जवाब दिया था। भयंकर आक्रोश से पूर्ण आश्चर्य में परिवर्तन लगभग हास्यास्पद था।

मिस लिडेल उन्हें देखकर सचमुच अवाक रह गईं।

"मैं? मिस्टर प्रॉक्टर को फ़ोन करूँ? मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं! सैली के मार्टिंगेल जाने के बाद से मेरा प्रॉक्टर परिवार से कोई संपर्क नहीं रहा है। उन्होंने कभी उसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। भला मैं मिस्टर प्रॉक्टर को किस बारे में फ़ोन करूँगी?"

डेलग्लिश ने कहा, "यही तो मैं सोच रहा था।"

"लेकिन यह तो हास्यास्पद है! अगर मैंने मिस्टर प्रॉक्टर को फोन किया होता तो मुझे इसे स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन मैंने नहीं किया। बच्चा जरूर झूठ बोल रहा होगा।"

"कोई न कोई झूठ जरूर बोल रहा है।"

"खैर, यह मैं नहीं हूँ," मिस ने बताया।

लिडेल ने दृढ़ता से कहा, हालांकि व्याकरणिक रूप से गलत तरीके से।

कम से कम इस मामले में तो डेलग्लिश उसकी बात पर विश्वास करने को तैयार था। जब वह उसे

दरवाजे तक छोड़ने गई तो उसने अनायास ही पूछा:
"क्या आपने घर लौटने पर मार्टिंगेल में हुई घटनाओं के बारे में किसी को बताया, मिस लिडेल? अगर आपकी डिप्टी अभी भी जाग रही होती तो निस्संदेह सैली की सगाई का जिक्र करना स्वाभाविक होता।"
मिस लिडेल हिचकिचाईं और फिर बचाव करते हुए बोलीं, "खैर, खबर तो फैलनी ही थी, है ना? मेरा मतलब है, मैक्सियों से इसे गुप्त रखने की उम्मीद तो की ही नहीं जा सकती थी।"
दरअसल, मैंने मिस पोलैक से इस बारे में बात की थी।
श्रीमती पुलेन भी यहाँ थीं। वे रोज़ कॉटेज से मेले की चाय के लिए उधार ली गई कुछ छोटी चम्मचें लौटाने आई थीं। जब मैं मार्टिंगेल से वापस लौटी, तब भी वे मिस पोलैक से यहाँ बातचीत कर रही थीं।
तो श्रीमती पुलेन को पता था और आप निश्चित रूप से यह सुझाव नहीं दे रहे हैं कि उन्हें बताने का सैली की मौत से कोई संबंध था।"
डेलग्लिश ने टालमटोल भरा जवाब दिया। वह पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे।
रात के खाने के समय तक मार्टिंगेल में दिन भर की गतिविधियाँ धीमी पड़ने लगी थीं।
डेलग्लिश और सार्जेंट अभी भी बिजनेस रूम में काम कर रहे थे, जहाँ से सार्जेंट कभी-कभी दरवाजे पर तैनात व्यक्ति से बात करने के लिए बाहर आते थे। पुलिस की गाड़ियाँ अब भी रहस्यमय तरीके से प्रकट होती थीं, वर्दीधारी या रेनकोट पहने यात्रियों को उतारती थीं और थोड़ी देर इंतजार के बाद उन्हें वापस ले जाती थीं। मैक्सी परिवार और उनके मेहमान खिड़कियों से इन आने-जाने को देख रहे थे, लेकिन दोपहर बाद से किसी को भी बुलाया नहीं गया था और ऐसा लग रहा था कि दिन भर की पूछताछ समाप्त हो गई है और अब सभी लोग बिना किसी बाधा के भोजन करने के बारे में सोच सकते हैं। घर अचानक बहुत शांत हो गया था और जब मार्था ने घबराहट और बेमन से साढ़े सात बजे घंटा बजाया, तो वह शोक की खामोशी में एक भद्दी घुसपैठ की तरह गूंजा, जो परिवार के तनावग्रस्त लोगों के लिए असामान्य रूप से तेज़ था।
भोजन लगभग खामोशी में ही बीता।
सैली का भूत दरवाजे से लेकर साइडबोर्ड तक घूमता रहा, और जब श्रीमती मैक्सी ने घंटी बजाई और मार्था को अंदर आने के लिए दरवाजा खुला, तो किसी ने ऊपर नहीं देखा। भोजन की सादगी में मार्था की अपनी चिंताओं की झलक थी। किसी को भूख नहीं थी और भूख जगाने वाली कोई चीज भी नहीं थी। बाद में वे सब मानो बिना कहे ही ड्राइंग रूम में चले गए। जब उन्होंने मिस्टर हिंक्स को खिड़की से गुजरते देखा तो उन्हें राहत मिली और स्टीफन उनका स्वागत करने के लिए बाहर गया। कम से कम यहाँ तो बाहरी दुनिया का एक प्रतिनिधि मौजूद था। कोई भी पादरी पर सैली जुप्प की हत्या का आरोप नहीं लगा सकता था।
संभवतः वह आध्यात्मिक मार्गदर्शन और सांत्वना देने आया था। मैक्सियों के लिए एकमात्र सांत्वना जो सुखद हो सकती थी, वह यह आश्वासन था कि सैली वास्तव में मरी नहीं थी, कि वे एक संक्षिप्त दुःस्वप्न से गुज़रे थे जिससे वे अब जाग सकते थे, नींद की कमी से थोड़ा थके और परेशान थे, लेकिन इस शानदार अहसास से आनंदित थे कि यह सब सच नहीं था। लेकिन अगर

ऐसा नहीं हो सकता था, तो कम से कम किसी ऐसे व्यक्ति से बात करना आश्वस्त करने वाला था जो संदेह के साये से बाहर था और जो इस भयानक दिन को सामान्यता का आभास दे सकता था। उन्होंने पाया कि वे फुसफुसाकर बात कर रहे थे और पादरी को स्टीफन की पुकार एक चीख की तरह सुनाई दी।

जल्द ही वह उनके साथ था और जैसे ही वह स्टीफन के साथ अंदर आया, चारों जोड़ी आँखें जिज्ञासा से ऊपर देखने लगीं, मानो वे बाहर की दुनिया के बारे में उनके फैसले को जानने के लिए उत्सुक हों।

"बेचारी बच्ची," उसने कहा। "बेचारी नन्ही बच्ची।"

और वह कल शाम बहुत खुश थी।

"तो मेले के बाद तुमने उससे बात की थी?" स्टीफन अपनी आवाज में व्याप्त घबराहट को छिपाने में सफल नहीं हो सका।

नहीं, मेले के बाद नहीं। मैं समय को लेकर बहुत उलझन में पड़ जाती हूँ। मेरी बेवकूफी है। अब जब आपने इसका ज़िक्र किया है, तो मुझे याद है कि मैंने कल उससे बिल्कुल बात नहीं की थी, हालाँकि, हाँ, मैंने उसे बगीचों में देखा था। उसने कितनी सुंदर सफेद पोशाक पहनी हुई थी। नहीं, मैंने उससे गुरुवार शाम को बात की थी। हम साथ में सड़क पर चले थे और मैंने जिमी के बारे में पूछा था। मुझे लगता है कि यह गुरुवार था।

हाँ, ऐसा इसलिए हुआ होगा क्योंकि मैं शुक्रवार की शाम पूरी तरह घर पर थी। गुरुवार शाम हमारी आखिरी बातचीत हुई थी। वह बहुत खुश थी। उसने मुझे अपनी शादी के बारे में बताया और यह भी कि जिमी को पिता मिलने वाला है। लेकिन मुझे लगता है कि आप इसके बारे में सब जानते ही होंगे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात थी, लेकिन ज़ाहिर है, मुझे उसकी खुशी थी। और अब यह सब।

क्या पुलिस को अभी तक कोई खबर मिली है?

उन्होंने सौम्य भाव से चारों ओर देखा, मानो उन्हें अपने शब्दों के प्रभाव का कोई आशय न हो। कुछ क्षण तक कोई नहीं बोला और फिर स्टीफन ने कहा, "आप बेहतर जान लें, पादरी जी, कि मैंने सैली को शादी का प्रस्ताव दिया था। लेकिन वह गुरुवार को आपको इसके बारे में नहीं बता सकती थी। उसे तब पता ही नहीं था। मैंने शनिवार शाम सात बजकर चालीस मिनट तक उससे शादी का ज़िक्र तक नहीं किया था।"

कैथरीन बोवर्स थोड़ी देर हंसी और फिर शर्म से मुंह फेर लिया जब डेबोरा ने मुड़कर उसकी तरफ देखा।

हिंक्स ने चिंता से अपनी भौंहें सिकोड़ीं, लेकिन उनकी सौम्य बूढ़ी आवाज दृढ़ थी।

मुझे पता है कि मैं समय को लेकर थोड़ा भ्रमित हो जाता हूँ, लेकिन निश्चित रूप से हमारी मुलाकात गुरुवार को हुई थी। मैं प्रार्थना सभा के बाद चर्च से बाहर आ रहा था और सैली जिमी को उसकी कुर्सी में बिठाकर वहाँ से गुज़र रही थी। लेकिन बातचीत के बारे में मैं गलत नहीं हो सकता। मुझे शब्द तो ठीक से याद नहीं हैं, लेकिन उसका सार मुझे याद है। सैली ने कहा कि जिमी को जल्द ही एक पिता मिलने वाला है। उसने मुझसे कहा कि मैं किसी को न बताऊँ और

मैंने कहा कि मैं नहीं बताऊँगा, लेकिन मुझे उसके लिए बहुत खुशी है।
मैंने पूछा कि क्या मैं दूल्हे को जानती हूँ, लेकिन वह बस हँस पड़ी और बोली कि वह इसे सरप्राइज रखना चाहती है। वह बहुत उत्साहित और खुश थी। जब मैंने उसे पादरी के घर पर छोड़ा तो हम थोड़ी दूर ही साथ चले और मुझे लगता है कि वह यहाँ आ गई। मुझे अफसोस है कि मैंने मान लिया था कि आपको इसके बारे में सब पता है। क्या यह ज़रूरी है?
"इंस्पेक्टर डेलग्लिश शायद यही सोचेंगे," देबोरा ने थकी हुई आवाज़ में कहा। "मुझे लगता है कि आपको जाकर उन्हें बता देना चाहिए। सच में कोई और विकल्प नहीं है। वह आदमी असहज सच्चाइयों को निकलवाने में माहिर है।"
श्री हिंक्स परेशान दिख रहे थे, लेकिन दरवाजे पर हुई एक तेज दस्तक और डेलग्लिश के प्रकट होने से उन्हें जवाब देने की आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने स्टीफन की ओर हाथ बढ़ाया। एक आदमी के सफेद रूमाल में ढीले ढंग से लिपटी हुई एक छोटी सी मिट्टी से सनी बोतल थी।
"क्या आप इसे पहचानते हैं?" उसने पूछा।
स्टीफन उसके पास गया और कुछ देर तक उसे देखता रहा, लेकिन उसने उसे छूने की कोशिश नहीं की।
"हां। यह पिताजी की दवाइयों की अलमारी में रखी सोम्मेल की बोतल है।"
"तीन अनाज की सात गोलियां बची हैं।"
क्या आप इस बात की पुष्टि करते हैं कि इस बोतल में डालने के बाद से तीन गोलियां गायब हैं?
"बिल्कुल, मैं करता हूँ। मैंने तुम्हें बताया था। दस तीन अनाज की गोलियाँ थीं।"
"धन्यवाद," डेलग्लिश ने कहा और फिर दरवाजे की ओर मुड़ गया।
जैसे ही उसका हाथ दरवाजे के हैंडल तक पहुंचा, देबोरा ने बोलना शुरू किया:
"क्या हमें यह पूछने की अनुमति है कि वह बोतल कहाँ मिली थी?" उसने पूछा।
डेलग्लिश ने उसकी ओर ऐसे देखा मानो इस प्रश्न पर वास्तव में गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता हो।
"क्यों नहीं? संभव है कि आप में से कम से कम एक व्यक्ति सचमुच जानना चाहेगा।"
मेरे साथ काम करने वाले एक आदमी को यह मिला, लॉन के उस हिस्से में दबा हुआ था जहाँ खजाना ढूंढने का खेल चलता था। जैसा कि आप जानते हैं, वहाँ घास काफी तेज़ी से काटी गई है, शायद प्रतियोगिता में भाग लेने की चाह रखने वालों ने। सतह पर अभी भी घास के कई टुकड़े पड़े हैं। बोतल को एक गड्ढे में रखा गया था और उसके ऊपर घास दबा दी गई थी। जिसने भी यह किया था, उसने इतनी समझदारी दिखाई थी कि वहाँ पड़ी लकड़ी की कीलों में से एक से उस जगह को चिह्नित भी कर दिया था। मज़े की बात यह है कि वह कील आपकी थी, श्रीमती रिस्को। आपका मग जिसमें नशीला कोको था; आपकी वह कील जहाँ छिपी हुई बोतल को चिह्नित किया गया था।
"लेकिन क्यों? क्यों?" देबोरा ने कहा। "अगर आप में से कोई इस सवाल का जवाब दे सकता है तो मैं अभी एक-दो घंटे बिजनेस रूम में रहूंगी।" वह विनम्रतापूर्वक श्री हिंक्स की ओर मुड़ा। "मुझे लगता है आप श्री हिंक्स ही होंगे, महोदय। मैं आपसे मिलने की उम्मीद कर रहा था। अगर समय

मिले तो क्या आप मुझे अभी कुछ मिनट दे सकते हैं?"
पादरी ने मैक्सियों की ओर असमंजस और दया भाव से देखा। वह रुका और कुछ बोलने ही वाला था। फिर, बिना कुछ कहे, वह डेलग्लिश के पीछे कमरे से बाहर चला गया।
दस बजने तक ऐसा नहीं हुआ था कि
डेलग्लिश ने डॉक्टर का साक्षात्कार लेने का निर्णय लिया।
एप्स। डॉक्टर लगभग पूरे दिन ऐसे मामलों को देखने में व्यस्त थे जो रविवार को आने लायक ज़रूरी थे या नहीं, लेकिन जिनसे उन्हें पूछताछ टालने का बहाना ज़रूर मिल गया था। अगर उनके पास छिपाने के लिए कुछ था तो उन्होंने अब तक अपनी रणनीति तय कर ली होगी। वह कोई स्पष्ट संदिग्ध नहीं थे। एक तो उनके मकसद की कल्पना करना मुश्किल था। लेकिन वह मैक्सी परिवार के डॉक्टर और करीबी पारिवारिक मित्र थे। वह जानबूझकर न्याय में बाधा नहीं डालते, लेकिन न्याय के बारे में उनके विचार अपरंपरागत हो सकते थे और असुविधाजनक सवालों से बचने के लिए उनके पास पेशेवर विवेक का सहारा ज़रूर होता।
डेलग्लिश को पहले भी इस तरह के गवाहों से परेशानी हो चुकी थी। लेकिन उन्हें चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। डॉ. एप्स ने, मानो इस मुलाक़ात को कुछ हद तक चिकित्सीय मान्यता देते हुए, उन्हें बड़ी सहर्ष अपने लाल ईंटों से बने उस शल्यचिकित्सा कक्ष में आमंत्रित किया, जिसे उनके सुंदर जॉर्जियाई शैली के घर में गलती से जोड़ दिया गया था, और खुद अपनी मेज पर एक घूमने वाली कुर्सी पर बैठ गए। डेलग्लिश को मरीज़ों की कुर्सी की ओर इशारा किया गया, जो एक बड़ी विंडसर कुर्सी थी, जिसकी नीची बनावट असहज करने वाली थी, जिस पर सहज दिखना या पहल करना मुश्किल था। उन्हें लगभग उम्मीद थी कि डॉक्टर व्यक्तिगत और शर्मनाक सवालों की झड़ी लगा देंगे। और वास्तव में, डॉ. एप्स ने स्पष्ट रूप से ज़्यादातर बात करने का फैसला कर लिया था। यह डेलग्लिश को रास आया, जो अच्छी तरह जानते थे कि मौन रहकर ही सबसे ज़्यादा सीखा जा सकता है। डॉक्टर ने एक बड़ा और विचित्र आकार का पाइप जलाया।
"मैं तुम्हें सिगरेट नहीं दूंगा। न ही पीने के लिए कुछ। मुझे पता है कि तुम आमतौर पर संदिग्धों के साथ शराब नहीं पीते।" उसने डेलग्लिश की प्रतिक्रिया जानने के लिए उस पर तीखी नज़र डाली, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर उसने पाइप को कुछ ज़ोरदार कश लगाकर खड़ा किया और बात करना शुरू कर दिया।
"मैं आपका समय यह बताने में बर्बाद नहीं करूँगा कि यह कितना भयानक कृत्य है। इस पर विश्वास करना वाकई मुश्किल है। फिर भी, किसी ने उसकी हत्या कर दी। उसके गले में हाथ डालकर उसका गला घोंट दिया..."
श्रीमती मैक्सी के लिए बहुत दुखद घटना थी। उस बच्ची के लिए भी, बेशक, लेकिन स्वाभाविक रूप से मैं जीवित लोगों के बारे में सोचती हूँ। स्टीफन ने मुझे लगभग साढ़े सात बजे बुलाया। इसमें कोई शक नहीं कि बच्ची मर चुकी थी। जहाँ तक मुझे पता था, सात घंटे पहले ही उसकी मौत हो गई थी। पुलिस सर्जन को इस बारे में मुझसे ज़्यादा जानकारी है। बच्ची गर्भवती नहीं थी। मैंने उसकी थोड़ी-बहुत परेशानी का इलाज किया था और मुझे यह बात पता है।
लेकिन इससे गांव वालों को बहुत बुरा लगेगा। उन्हें तो बुरी बातें सुनना ही पसंद है।

और मुझे लगता है कि यह किसी के लिए एक मकसद रहा होगा।"
डेलग्लिश ने जवाब दिया, "अगर हम मकसद के बारे में सोच रहे हैं, तो हम मिस्टर स्टीफन मैक्सी के साथ हुई इस सगाई से शुरुआत कर सकते हैं।"
डॉक्टर अपनी कुर्सी पर असहज होकर हिलने-डुलने लगे।
"बहुत बकवास है। लड़का बेवकूफ है। उसके पास कमाई के सिवा कुछ नहीं है, और भगवान ही जानता है कि वह भी बहुत कम है। बेशक, उसके पिता की मृत्यु के बाद कुछ तो होगा, लेकिन ये पुराने परिवार, जो पूंजी पर जीते और संपत्ति संभालते हैं, उन्हें बेचना नहीं पड़ा, यह तो चमत्कार ही है। सरकार उन्हें करों से खत्म करने की पूरी कोशिश कर रही है। और वह प्राइस नाम का आदमी अपने चारों ओर लेखाकारों का झुंड रखता है और बिना कर वाले खर्चों पर मौज करता है! यह देखकर लगता है कि हम सब पागल हो गए हैं! खैर, यह आपकी समस्या नहीं है। लेकिन आप मेरी बात मान लीजिए, मैक्सि अभी किसी से शादी करने की स्थिति में नहीं है। और उसने क्या सोचा था कि सैली कहाँ रहेगी? क्या वह अपनी सास के साथ मार्टिंगेल में ही रहेगी?"
यह मूर्ख अपना मानसिक परीक्षण करवाना चाहता है।
डेलग्लिश ने कहा, "इन सब बातों से यह स्पष्ट हो जाता है कि यह प्रस्तावित मैच मैक्सिस के लिए विनाशकारी साबित होता। और इसी वजह से कई लोगों को यह देखने में दिलचस्पी है कि यह मैच नहीं हुआ।"
डॉक्टर ने चुनौती भरे लहजे में डेस्क के उस पार झुककर उसकी ओर देखा।
"क्या उस लड़की को मारकर? उस बच्ची को मां-बाप दोनों से वंचित करके? आप हमें किस तरह का इंसान समझते हैं?"
डेलग्लिश ने कोई जवाब नहीं दिया। तथ्य अकाट्य थे। किसी ने सैली जुप्प की हत्या कर दी थी। कोई ऐसा व्यक्ति जो उसके सोते हुए बच्चे की मौजूदगी से भी नहीं डरा था। लेकिन उसने गौर किया कि डॉक्टर की चीख ने उसे मैक्सियों से जोड़ दिया। "आप हमें किस तरह के लोग समझते हैं?"
इसमें कोई संदेह नहीं था कि डॉ. एप्स* की निष्ठा किसके प्रति थी।
उस छोटे से कमरे में अंधेरा छाने लगा था।
थोड़ी सी मशक्कत करते हुए डॉक्टर ने कराहते हुए खुद को डेस्क के पार उठाया और एक लैंप जलाया। लैंप जोड़ों वाला और कोणीय था, जिसे उन्होंने सावधानी से समायोजित किया ताकि रोशनी उनके हाथों पर पड़े लेकिन उनका चेहरा छाया में रहे। डेलग्लिश थका हुआ महसूस करने लगा था, लेकिन उसका कार्यदिवस समाप्त होने से पहले बहुत कुछ करना बाकी था। उसने अपनी यात्रा का मुख्य उद्देश्य बताया।
"मुझे लगता है कि श्री साइमन मैक्सी आपके मरीज हैं?"
"बिल्कुल। हमेशा से ऐसा ही रहा है। अब उसके लिए ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता, बेशक।"
बस समय और अच्छी देखभाल की बात है।
मार्था ज्यादातर यही काम संभालती है। लेकिन हां, वो मेरा मरीज है। बिलकुल बेबस। उसे गंभीर धमनीकाठिन्य है और कई तरह की जटिलताएं भी हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि वो नौकरानी को

मारने के लिए रेंगते हुए ऊपर गया होगा, तो आप गलत हैं। मुझे शक है कि उसे पता भी होगा कि वो मौजूद है।
"मुझे लगता है कि आप पिछले एक साल से उसे कुछ खास नींद की गोलियां दे रहे हैं?"
"काश तुम बार-बार ये कहना बंद कर देते कि तुम ये सब मानते हो। तुम्हें अच्छी तरह पता है कि मैं मानता हूँ। इनमें कोई राज़ नहीं है। लेकिन समझ नहीं आता कि इनका इस धंधे से क्या लेना-देना है।" वह अचानक अकड़ गया। "कहीं ये तो नहीं कि उसे पहले ड्रग्स दिए गए थे?"
"हमारे पास अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन ऐसा ही लग रहा है।"
डॉक्टर ने यह दिखावा नहीं किया कि उन्हें कुछ समझ नहीं आया।
"यह बुरी बात है।"
"इससे विकल्पों की संख्या काफी कम हो जाती है।"
और भी कई चिंताजनक पहलू हैं।"
इसके बाद डेलग्लिश ने डॉक्टर को लापता सोम्मेल के बारे में बताया, कि सैली ने उसे कहाँ पाया था, स्टीफन ने दस गोलियों का क्या किया और खजाने की खोज में बोतल कैसे मिली। जब उसने अपनी बात खत्म की तो एक पल के लिए सन्नाटा छा गया। डॉक्टर कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए, जो पहले तो उनके हंसमुख और आरामदायक गोल-मटोल शरीर के लिए छोटी लग रही थी। जब उन्होंने बोलना शुरू किया तो उनकी गहरी, भारी आवाज़ अचानक एक बूढ़ी और थकी हुई आवाज़ में बदल गई।
"स्टीफन ने मुझे कभी नहीं बताया। वैसे भी मेले के चलते इसकी कोई संभावना नहीं थी। हो सकता है उसने अपना मन बदल लिया हो। शायद उसे लगा होगा कि मैं ज्यादा मदद नहीं कर पाऊंगी। मुझे पता होना चाहिए था, आप देखिए। वह ऐसी लापरवाही को नज़रअंदाज़ नहीं करता। उसके पिता... मेरे मरीज़। मैं साइमन मैक्सी को तीस साल से जानती हूँ। मैंने ही उसके बच्चों को जन्म दिया है। आपको अपने मरीज़ों को जानना चाहिए, यह जानना चाहिए कि उन्हें कब मदद की ज़रूरत है। मैं तो बस हफ़्ते दर हफ़्ते प्रिस्क्रिप्शन छोड़ जाती थी।"
हाल ही में मैं उससे ज्यादा मिलने भी नहीं गया। मुझे इसमें कोई खास फायदा नहीं लगा।
समझ नहीं आ रहा कि मार्था क्या कर रही थी। उसने उसकी देखभाल की, सब कुछ किया।
उसे उन गोलियों के बारे में जरूर पता होगा।
यानी, अगर सैली सच कह रही थी।
"यह मानना मुश्किल है कि उसने यह सब मनगढ़ंत कहानी बनाई होगी। इसके अलावा, उसके पास गोलियां थीं। मेरा अनुमान है कि वे केवल डॉक्टर के पर्चे से ही मिल सकती हैं।"
"हाँ। इन्हें यूँ ही किसी केमिस्ट की दुकान में जाकर नहीं खरीदा जा सकता। ओह, यह बिल्कुल सच है।"
मुझे इस पर कभी शक नहीं था। मैं खुद को दोषी मानता हूँ।
मार्टिंगेल में जो हो रहा था, वह देखना चाहिए था। सिर्फ साइमन मैक्सी के साथ ही नहीं, बल्कि उन सभी के साथ।
"तो उसे लगता है कि उनमें से किसी एक ने यह किया है," डेलग्लिश ने सोचा। "वह अच्छी तरह

से समझ सकता है कि चीजें किस दिशा में जा रही हैं और उसे यह पसंद नहीं है। इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। वह अच्छी तरह जानता है कि यह मार्टिंगेल अपराध है।"

असल बात तो यह है कि क्या उसे निश्चित रूप से पता है?

और अगर हां, तो कौन सा?

उन्होंने मार्टिंगेल में शनिवार शाम के बारे में पूछा। डॉ. एप्स द्वारा रात के खाने से पहले सैली के आने और स्टीफन के प्रस्ताव के खुलासे का वर्णन कैथरीन बोवर्स या मिस लिडेल के वर्णन की तुलना में काफी कम नाटकीय था, लेकिन दोनों के विवरण मूल रूप से एक जैसे थे। उन्होंने पुष्टि की कि न तो वे और न ही मिस लिडेल पैसों की गिनती के दौरान बिजनेस रूम से बाहर गए थे और उन्होंने सैली जुप्प को मुख्य सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था जब वे और उनकी मेज़बान हॉल से होते हुए सामने के दरवाजे की ओर जा रहे थे।

उसे लगा कि सैली ने ड्रेसिंग गाउन पहना हुआ था और उसके हाथ में कुछ था, लेकिन उसे याद नहीं आ रहा था कि क्या था। शायद एक कप और तश्तरी या शायद एक बीकर। उसने उससे बात नहीं की थी। यही आखिरी बार था जब उसने उसे जीवित देखा था।

डेलग्लिश ने पूछा कि गांव में और किसे सोम्मेइल दवा दी गई थी।

"अगर आपको सटीक जानकारी चाहिए तो मुझे अपने रिकॉर्ड देखने पड़ेंगे। इसमें आधा घंटा लग सकता है। यह कोई आम दवा नहीं थी। मुझे एक-दो मरीज़ याद हैं जिन्हें यह दवा दी गई थी। बेशक, और भी हो सकते हैं। मुझे पता है कि सेंट मैरी अस्पताल में सर रेनॉल्ड प्राइस और मिस पोलैक को यह दवा दी गई थी। श्री मैक्सी को भी। वैसे, अब उनकी दवा का क्या हो रहा है?"

"हमारे पास सोम्मेइल है। मुझे पता चला है कि डॉ. मैक्सी ने इसके समकक्ष दवा लिखी है। और अब, डॉक्टर साहब, शायद जाने से पहले मैं आपकी हाउसकीपर से थोड़ी बात कर लूँ।"

डॉक्टर को सुनने में पूरा एक मिनट लग गया। फिर उन्होंने धीरे से माफी मांगते हुए अपनी कुर्सी से उठकर क्लिनिक से होते हुए घर की ओर चल दिए।

वहाँ डेलग्लिश ने चतुराई से पुष्टि की कि डॉक्टर पिछली शाम 10.45 बजे घर पहुँचे थे और उन्हें 11.10 बजे प्रसव के लिए बुलाया गया था। उन्हें इसके विपरीत कुछ भी सुनने की उम्मीद नहीं थी। उन्हें मरीज़ के परिवार से बात करनी होगी, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं था कि वे डॉक्टर के सुबह 3.30 बजे तक के अस्तित्व का पुख्ता सबूत दे देंगे, जब उन्होंने आखिरकार नेसिंगफोर्ड की श्रीमती बैंस को उनके पहले जन्मे बेटे की गोद में सौंप दिया था। डॉ. एप्स शनिवार की रात का अधिकांश समय सैली जुप्प को जन्म देने में व्यस्त थे, न कि उनका दम घोंटने में।

डॉक्टर ने देर से आने के बारे में कुछ बुदबुदाया और डेलग्लिश के साथ गेट तक चले गए, पहले उन्होंने शाम की ठंडी हवा से खुद को बचाने के लिए एक आलीशान और भारी-भरकम कोट पहना, जो उनके साइज से कम से कम एक साइज बड़ा था।

जब वे द्वार पर पहुँचे, तो डॉक्टर, जिसने अपने हाथ जेब में डाल रखे थे, थोड़ा चौंक गया और अपना दाहिना हाथ खोलकर एक छोटी बोतल दिखाई। वह लगभग छोटी भूरी गोलियों से भरी हुई थी। दोनों आदमी कुछ पल चुपचाप उसे देखते रहे। फिर डॉ. एप्स ने कहा, "सोम्मिल।"

डेलग्लिश ने एक रुमाल लिया, बोतल को उसमें लपेटा और अपनी जेब में रख लिया। उन्होंने

डॉक्टर के प्रतिरोध के पहले सहज हावभाव को दिलचस्पी से देखा।
"यह सर रेनॉल्ड का मामला है, इंस्पेक्टर साहब। इसका परिवार से कोई लेना-देना नहीं है।"
यह प्राइस का कोट था।" उनका लहजा रक्षात्मक था।
"डॉक्टर साहब, यह कोट आपके पास कब आया?" डेलग्लिश ने पूछा।
फिर एक लंबा विराम आया। फिर डॉक्टर को याद आया कि कुछ तथ्य ऐसे होते हैं जिन्हें छिपाने की कोशिश करना व्यर्थ होता है।
"मैंने इसे शनिवार को खरीदा था। चर्च के मेले में। मैंने इसे अपने और दुकानदार के बीच एक मजाक के तौर पर खरीदा था।"
"और वो कौन था...?"
डेलग्लिश अविभाज्य रूप से।
डॉ. एप्स ने उनकी आंखों में देखे बिना नीरस स्वर में उत्तर दिया, "श्रीमती रिस्को।"
रविवार को धर्मनिरपेक्ष और कालातीत बना दिया गया था, इसकी विरासत एक ऐसा सप्ताह था जो इतना अव्यवस्थित था कि सोमवार बिना किसी रंग या व्यक्तित्व के, एक मात्र अनिश्चित स्थिति में बीतता था।
डाक सामान्य से अधिक भारी थी, जो सर्वव्यापी टेलीफोन और ग्रामीण संचार के उन सूक्ष्म और कम वैज्ञानिक तरीकों की दक्षता का प्रमाण थी। संभवतः कल की डाक और भी भारी होगी जब मार्टिंगेल हत्याकांड की खबर उन लोगों तक पहुंचेगी जो सूचना के लिए मुद्रित सामग्री पर निर्भर हैं। देबोरा ने आधा दर्जन अखबार मंगवाए थे। उसकी माँ सोच रही थी कि यह फिजूलखर्ची किसी रियायत के प्रति अवज्ञा का संकेत थी या सचमुच जिज्ञासा।
पुलिस अब भी बिजनेस रूम का इस्तेमाल कर रही थी, हालांकि उन्होंने बाद में दिन में मूनरेकर्स आर्म्स में जाने का इरादा बता दिया था। श्रीमती मैक्सी ने मन ही मन उन्हें खाना पकाने की खुशी की शुभकामनाएं दीं।
सैली का कमरा हमेशा बंद रहता था। चाबी सिर्फ डेलग्लिश के पास थी और उसने वहां बार-बार जाने का कोई कारण नहीं बताया, न ही यह बताया कि उसे वहां क्या मिला या वह क्या ढूंढने की उम्मीद कर रहा था।
लियोनेल जेफसन सुबह-सुबह ही आ गया था, वह चिड़चिड़ा, शर्मिंदा और बेअसर लग रहा था। परिवार को बस यही उम्मीद थी कि वह पुलिस के लिए भी उतना ही परेशानी का सबब बन रहा होगा जितना कि उनके लिए। जैसा कि देबोरा ने अनुमान लगाया था, वह ऐसी स्थिति में पूरी तरह से असहाय था जो उसकी सामान्य चिंताओं और अनुभवों से बिलकुल अलग थी।
उनकी स्पष्ट चिंता और बार-बार दी गई चेतावनियों से पता चलता है कि या तो उन्हें अपने मुवक्किलों की निर्दोषता पर गंभीर संदेह था या पुलिस की कार्यकुशलता पर उनका बहुत कम भरोसा था।
जब वह दोपहर के भोजन से पहले एक सहकर्मी से सलाह लेने के लिए जल्दी से शहर वापस चला गया, तो पूरे घर को राहत मिली।
बारह बजे बीसवीं बार टेलीफोन की घंटी बजी।

सर रेनॉल्ड प्राइस की आवाज तार के पार श्रीमती मैक्सी तक गूंज उठी।
"लेकिन यह शर्मनाक है, मेरी प्रिय महिला।"
पुलिस क्या कर रही है? मुझे लगता है कि फिलहाल वे बच्चे के पिता का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।
"हे भगवान! किसलिए? मुझे लगता है कि उन्हें हत्यारा ढूंढने पर ध्यान देना चाहिए।"
"ऐसा लगता है कि वे सोचते हैं कि दोनों के बीच कोई संबंध हो सकता है।"
"वे कितने बेवकूफी भरे विचार सोचते थे।"
आपको पता है, वे यहाँ आए थे। वे उन गोलियों के बारे में जानना चाहते थे जो एप्स ने मुझे दी थीं। महीनों पहले की बात होगी। सोचिए, इतने समय बाद भी उन्हें याद है। अब आपको क्या लगता है कि उन्हें उन गोलियों की चिंता क्यों थी? यह तो बहुत ही अजीब बात है। इंस्पेक्टर साहब, आप मुझे अभी गिरफ्तार नहीं करने वाले हैं, मैंने कहा। आप देख सकते थे कि उन्हें हंसी आ रही थी। सर रेनॉल्ड की ज़ोरदार हंसी श्रीमती मैक्सी के कानों में अप्रिय रूप से गूंजी।
श्रीमती ने कहा, "यह आपके लिए कितना थकाऊ है।"
मैक्सी। मुझे डर है कि इस दुखद घटना से सभी को बहुत परेशानी हो रही है।
क्या आपने उन्हें खुश होकर विदा किया?
"पुलिस? मेरी प्रिय महोदया, पुलिस कभी खुश नहीं होती। मैंने उन्हें साफ-साफ कह दिया कि इस घर में कुछ भी मिलने की उम्मीद करना बेकार है। नौकरानियां उन सभी चीजों को साफ कर देती हैं जो वास्तव में ताला लगाकर नहीं रखी जातीं।"
कुछ महीने पहले ली गई गोलियों की बोतल ढूंढना कितना बेवकूफी भरा काम है! इंस्पेक्टर को लगा कि मुझे याद होना चाहिए कि मैंने कितनी गोलियां ली थीं और बाकी का क्या हुआ। खैर, मैं आपसे पूछता हूँ! मैंने उसे बताया कि मैं व्यस्त हूँ और मेरे पास करने के लिए और भी काम हैं। वे मुझसे लगभग दो साल पहले सेंट मैरी में हुई उस छोटी सी परेशानी के बारे में भी पूछ रहे थे। इंस्पेक्टर को उसमें बहुत दिलचस्पी थी। वे जानना चाहते थे कि आपने समिति से इस्तीफा क्यों दिया था, वगैरह। मुझे आश्चर्य है कि उन्हें उस बात का पता कैसे चला?
"कोई मूर्ख कुछ ज्यादा ही बोल रहा है।"
मुझे लगता है। अजीब बात है कि लोग चुप नहीं रह सकते, खासकर पुलिस के सामने।
डेलग्लिश नाम के उस व्यक्ति ने मुझसे कहा कि यह अजीब बात है कि आप सेंट मैरी समिति में नहीं हैं, जबकि आप गांव में लगभग हर चीज का संचालन करते हैं।
मैंने उसे बताया कि आपने दो साल पहले इस्तीफा दे दिया था जब हमें थोड़ी परेशानी हुई थी, और स्वाभाविक रूप से, वह जानना चाहता था कि कौन सी परेशानी थी। उसने पूछा कि हमने उस समय लिडेल को क्यों नहीं हटाया। मैंने उससे कहा, 'मेरे प्यारे, आप पच्चीस साल की सेवा के बाद किसी महिला को यूं ही नहीं निकाल सकते। ऐसा नहीं है कि कोई बेईमानी हुई हो।' मैं इस बात पर अडिग हूं, आप जानते हैं। हमेशा से रहा है। हमेशा रहूंगा। लापरवाही और खातों में गड़बड़ी हो सकती है, लेकिन यह जानबूझकर की गई बेईमानी से बहुत अलग है। मैंने उस आदमी को बताया कि हमने उसे समिति के सामने पेश किया था - सब कुछ बहुत ही गुप्त और चतुराई

से - और उसे नए वित्तीय समझौतों की पुष्टि करते हुए एक पत्र भेजा था ताकि कोई गलतफहमी न रहे। देखा जाए तो वह काफी सख्त पत्र था। मुझे पता है कि उस समय आपने सोचा था कि हमें इस गृह को निजी धर्मार्थ संस्था के रूप में रखने के बजाय इसे डायोसेसन कल्याण समिति या अविवाहित माताओं के लिए राष्ट्रीय संघों में से किसी एक को सौंप देना चाहिए था, और इसलिए मैंने निरीक्षक को यही बताया था।"

"मुझे लगा कि अब समय आ गया है कि हम इस कठिन कार्य को प्रशिक्षित और अनुभवी लोगों को सौंप दें, सर रेनॉल्ड।" बोलते हुए भी श्रीमती मैक्सी अपनी उस असावधानी को कोस रही थीं जिसने उन्हें इतिहास की इस पुनरावृत्ति के जाल में फंसा दिया था।

"मेरा यही मतलब है। मैंने डेलग्लिश से कहा, 'श्रीमती मैक्सी शायद सही थीं। मैं यह नहीं कह रही कि वह गलत थीं। लेकिन लेडी प्राइस इस गृह के लिए बहुत उत्सुक थीं - वास्तव में उन्होंने ही इसकी स्थापना की थी - और स्वाभाविक रूप से मैं इसे सौंपने के लिए उत्सुक नहीं थी। अब इस तरह के छोटे-छोटे व्यक्तिगत स्थान पर्याप्त संख्या में नहीं बचे हैं।"

व्यक्तिगत संपर्क ही मायने रखता है। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं कि मिस लिडेल ने हिसाब-किताब में गड़बड़ी कर दी थी। उनके लिए यह बहुत ज्यादा चिंता का विषय था। हिसाब-किताब करना महिलाओं का काम नहीं है।' वह इस बात से सहमत थे। और इस पर खूब हंसे।

श्रीमती मैक्सी को इस बात पर पूरा यकीन हो सकता था। हालात अच्छे नहीं थे। इसमें कोई शक नहीं कि हर किसी को खुश करने की यह काबिलियत एक जासूस के तौर पर सफलता की कुंजी थी। जब पुरुषों के बीच की हंसी-मजाक खत्म हुई, तो श्रीमती मैक्सी को पूरा यकीन था कि डेलग्लिश के दिमाग में कोई नई थ्योरी चल रही होगी। लेकिन यह कैसे मुमकिन था? पिछली रात के पेय के लिए मग और कप दस बजे तक तैयार रखे गए थे। उसके बाद से मिस लिडेल अपनी मेज़बान की नज़रों से ओझल नहीं हुई थीं।

वे दोनों हॉल में खड़े होकर उस विजयी भाव से चमकती हुई आकृति को देख रहे थे जो देबोरा का प्याला बिस्तर तक ले जा रही थी। अगर सैली के ताने में कोई सच्चाई थी, तो मिस लिडेल के पास शायद कोई मकसद हो सकता था, लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं था कि उनके पास साधन थे, और निश्चित रूप से यह भी नहीं कि उन्हें ऐसा करने का मौका मिला था। श्रीमती मैक्सी, जिन्हें मिस लिडेल कभी पसंद नहीं थीं, अब भी उम्मीद कर सकती थीं कि दो साल पहले हुए आधे-अधूरे अपमान इस बात में छिपे रहेंगे कि ऐलिस लिडेल, जो बहुत कुशल नहीं थीं, बहुत बुद्धिमान नहीं थीं, लेकिन मूल रूप से दयालु और नेक थीं, उन्हें शांति से रहने दिया जाएगा।

लेकिन सर रेनॉल्ड अभी भी बोल रहे थे।

और वैसे, गांव में फैल रही इन बेतुकी अफवाहों पर मुझे कोई ध्यान नहीं देना चाहिए। लोग बातें तो करेंगे ही, लेकिन जैसे ही पुलिस अपने आरोपी को पकड़ लेगी, सब कुछ शांत हो जाएगा।

उम्मीद है वे जल्दी करेंगे। अब याद रखना, अगर मैं कुछ कर सकूँ तो मुझे बताना। और रात को ध्यान से ताला लगाना। अगला नंबर देबोरा का या तुम्हारा हो सकता है। और एक बात और है।"

सर रेनॉल्ड की आवाज़ कर्कश और रहस्यमयी हो गई और श्रीमती मैक्सी को ध्यान से सुनना पड़ा। "बात उस लड़के की है। जहाँ तक मैंने देखा, वह प्यारा सा बच्चा है। मेले में उसे उसकी

गाड़ी में देख रहा था। आज सुबह सोचा कि कुछ कर लूँ। माँ को खोना अच्छा नहीं लगता। कोई घर नहीं। किसी को तो उस पर नज़र रखनी चाहिए। वह अब कहाँ है? तुम्हारे साथ है?"

"जिमी सेंट मैरी अस्पताल में वापस आ गया है। यही सबसे अच्छा लगा। मुझे नहीं पता कि उसके लिए क्या व्यवस्था की जाएगी। अभी तो बहुत जल्दी है, और मुझे नहीं पता कि किसी ने इस बारे में ज्यादा सोचा भी है या नहीं।"

"अब समय आ गया है, प्रिय महोदया। अब समय आ गया है। शायद वे उसे गोद लेने के लिए दे दें। बेहतर होगा कि आप भी अपना नाम लिखवा लें, है ना? मुझे लगता है कि मिस लिडेल से पूछना सही रहेगा।"

श्रीमती मैक्सी के पास कोई जवाब नहीं था।

वह गोद लेने के नियमों से सर रेनॉल्ड से कहीं अधिक परिचित थीं और उन्हें संदेह था कि क्या उन्हें बच्चे की देखभाल के लिए सबसे उपयुक्त आवेदक माना जा सकता है। यदि जिमी को गोद लिया जाता, तो उसकी स्थिति यह सुनिश्चित करती कि गोद लेने के कई प्रस्ताव आते। उन्होंने स्वयं बच्चे के भविष्य के बारे में सोच लिया था। हालाँकि, उन्होंने इसका ज़िक्र नहीं किया, बल्कि यह कहकर संतुष्ट हो गईं कि सैली के रिश्तेदार शायद अभी भी लड़के को स्वीकार कर लें और जब तक उनकी राय पता नहीं चलती, तब तक कुछ नहीं किया जा सकता। यह भी संभव था कि पिता का पता चल जाए। सर रेनॉल्ड ने उपहास भरी हंसी के साथ इस संभावना को खारिज कर दिया, लेकिन जल्दबाजी न करने का वादा किया। हत्यारों के प्रति फिर से चेतावनी देते हुए उन्होंने फोन रख दिया। श्रीमती मैक्सी सोच रही थीं कि क्या कोई सर रेनॉल्ड जितना मूर्ख हो सकता है और जिमी के लिए उनकी अचानक चिंता का कारण क्या हो सकता है।

उसने आह भरकर रिसीवर रखा और दिन के पत्रों की ओर मुड़ी। लगभग आधा दर्जन पत्र मित्रों के थे, जो स्पष्ट रूप से किसी सामाजिक शर्मिंदगी में थे और उन्होंने मैक्सि के परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए उन्हें भोजन पर आमंत्रित किया था और उनकी निर्दोषता पर विश्वास जताया था। श्रीमती मैक्सि को समर्थन का यह प्रदर्शन आश्वस्त करने के बजाय अधिक मनोरंजक लगा। अगले तीन लिफाफों पर अपरिचित लिखावट थी और उसने अनिच्छा से उन्हें खोला। शायद उन्हें बिना पढ़े नष्ट कर देना बेहतर होता, लेकिन कौन जानता है। इस तरह कुछ महत्वपूर्ण जानकारी खो सकती थी। इसके अलावा, अप्रियता का सामना करना अधिक साहस का काम था और एलेनोर मैक्सि में साहस की कभी कमी नहीं थी। लेकिन पहले दो पत्र उतने आपत्तिजनक नहीं थे जितना उसने आशंका जताई थी। एक पत्र वास्तव में हौसला बढ़ाने वाला था। उसमें रॉबिन पक्षी और गुलाब के फूलों के साथ तीन छोटे-छोटे मुद्रित संदेश थे और यह आश्वासन था कि जो भी अंत तक सहन करेगा, उसे मुक्ति मिलेगी। इसमें इस अच्छी खबर को फैलाने के लिए योगदान मांगा गया था और सुझाव दिया गया था कि इन संदेशों की प्रतियां उन मित्रों को वितरित की जानी चाहिए जो संकट में थे। श्रीमती मैक्सी की अधिकांश सहेलियाँ अपनी परेशानियों के बारे में चुप रहती थीं, फिर भी, जब उन्होंने संदेशों को कूड़ेदान में डाला तो उन्हें थोड़ी सी अपराधबोध महसूस हुई। अगला पत्र एक बैंगनी रंग के सुगंधित लिफाफे में था, जो एक ऐसी महिला का था जिसने तांत्रिक शक्तियों का दावा किया था और शुल्क लेकर एक प्रेतात्माओं से

संपर्क करने का आयोजन करने को तैयार थी, जिसमें सैली जुप्प के उपस्थित होकर अपने हत्यारे का नाम बताने की उम्मीद की जा सकती थी। यह मानकर कि सैली के खुलासे मैक्सी परिवार को पूरी तरह से स्वीकार्य होंगे, कम से कम यह संकेत तो मिला कि पत्र लिखने वाली ने उन पर भरोसा किया था। अंतिम पत्र पर स्थानीय डाक टिकट लगा था और उसमें केवल इतना पूछा गया था, "तुम उसे काम करते-करते मर क्यों नहीं गई, तुम घिनौनी हत्यारिन?" श्रीमती मैक्सी ने लिखावट को ध्यान से देखा, लेकिन उन्हें याद नहीं आया कि उन्होंने इसे पहले कभी देखा था। लेकिन डाक टिकट स्पष्ट था और उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में पहचाना। उन्होंने गाँव जाकर कुछ खरीदारी करने का फैसला किया।

गांव की छोटी सी दुकान में सामान्य से कहीं ज्यादा चहल-पहल थी और उसके आते ही बातचीत की जो आवाजें बंद हो गईं, उससे उसे बातचीत के विषय के बारे में कोई संदेह नहीं रहा।

वहाँ श्रीमती नेल्सन, मिस पोलैक, वीयर कॉटेज के बूढ़े साइमन मौजूद थे, जिन्हें सबसे बुजुर्ग निवासी बताया जाता था और ऐसा लगता था कि वे सोचते थे कि इस वजह से उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता के किसी भी प्रयास से मुक्ति मिल गई है। साथ ही, नए कृषि कॉटेज की एक-दो महिलाएँ भी थीं, जिनके चेहरे और व्यक्तित्व, यदि कोई थे भी, तो उनके लिए अभी भी अपरिचित थे। उनके अभिवादन के जवाब में सबने धीरे से "सुप्रभात" कहा और मिस पोलैक ने यहाँ तक कह दिया, "आज का दिन फिर से कितना प्यारा है, है ना?" और फिर जल्दी से अपनी खरीदारी की सूची देखी और नाश्ते के अनाज के ढेर के पीछे अपना लाल चेहरा छिपाने की कोशिश की।

श्री विल्सन ने अपने संबंधित बिलिंग का काम पर्दे के पीछे ही छोड़ दिया और हमेशा की तरह शांत और विनम्र भाव से श्रीमती मैक्सी की सेवा करने के लिए आगे आए। वे लंबे, दुबले-पतले और दुबले-पतले से दिखने वाले व्यक्ति थे, जिनके चेहरे पर इतनी गहरी उदासी झलकती थी कि यह विश्वास करना मुश्किल था कि वे किसी फलते-फूलते छोटे व्यवसाय के मालिक होने के बजाय दिवालियापन के कगार पर नहीं हैं। गाँव में लगभग हर किसी से ज़्यादा गपशप वे ही सुनते थे, लेकिन अपनी राय इतनी कम ही व्यक्त करते थे कि उनकी बातों को बड़े सम्मान से सुना जाता था और आमतौर पर याद रखा जाता था। अब तक वे सैली जुप्प के विषय पर पूरी तरह चुप रहे थे, लेकिन इसका यह मतलब नहीं था कि वे इसे टिप्पणी के लिए अनुपयुक्त विषय मानते थे या अचानक मृत्यु के प्रति किसी आदर से विवश थे।

ऐसा महसूस किया जा रहा था कि देर-सवेर श्री विल्सन फैसला सुनाएंगे, और यदि बाद में अधिक औपचारिकता के साथ सुनाया जाने वाला विधि का फैसला मूलतः वही न हो तो गाँव को बहुत आश्चर्य होगा। उन्होंने श्रीमती विल्सन की बात स्वीकार कर ली।

मैक्सी ने चुपचाप ऑर्डर लिया और अपने सबसे सम्मानित ग्राहक की सेवा में खुद को व्यस्त कर लिया, जबकि महिलाओं का छोटा समूह एक-एक करके अलविदा कहते हुए चुपके से या तेजी से उसकी दुकान से बाहर निकल गया।

उनके चले जाने के बाद मिस्टर विल्सन ने चारों ओर एक रहस्यमयी नजर डाली, अपनी नम आंखों को ऊपर की ओर उठाया मानो मार्गदर्शन की तलाश कर रहे हों और फिर काउंटर के उस

पार श्रीमती मैक्सी की ओर झुक गए।
"डेरेक पुलेन," उसने कहा। "वही है।"
"मुझे खेद है कि मैं आपकी बात नहीं समझ पा रही हूँ, श्रीमान विल्सन।" श्रीमती मैक्सी ने सच कहा था। वह यह भी कह सकती थीं कि उन्हें जानने की कोई विशेष इच्छा नहीं है।
"मैं कुछ नहीं कह रहा, महोदया। पुलिस को अपना काम करने दीजिए। लेकिन अगर वे आपको मार्टिंगेल में परेशान करें, तो उनसे पूछिए कि डेरेक पुलेन पिछली शनिवार रात कहाँ जा रहा था। उनसे यही पूछिए। वह लगभग बारह बजे यहाँ से गुजरा था। मैंने उसे खुद बेडरूम की खिड़की से देखा था।"
मिस्टर विल्सन ने एक ऐसे व्यक्ति की तरह आत्मसंतुष्ट मुद्रा में खुद को समेटा जिसने अंतिम, अकाट्य तर्क दे दिया हो और पूरी तरह से बदले हुए मूड के साथ श्रीमती मैक्सी के बिल का हिसाब लगाने के काम में वापस लौट आए। उन्हें लगा कि उन्हें कहना चाहिए कि उनके पास जो भी सबूत हैं या उन्हें लगता है कि उनके पास हैं, उन्हें पुलिस को सूचित कर देना चाहिए, लेकिन वह ऐसा कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाईं। उन्हें डेरेक पुलेन याद आया जैसा उन्होंने उसे आखिरी बार देखा था - एक छोटा, कुछ दाग-धब्बों वाला युवक जो ओवरकट सिटी सूट और सस्ते जूते पहनता था। उसकी माँ महिला संस्थान की सदस्य थीं और उसके पिता सर रेनॉल्ड के दो खेतों में से बड़े वाले पर काम करते थे। यह बहुत ही मूर्खतापूर्ण और अन्यायपूर्ण था। अगर विल्सन चुप नहीं रह सकते थे तो रात होने से पहले ही पुलिस पुलेन के कॉटेज पर पहुँच जाएगी और यह कोई नहीं बता सकता कि वे क्या पता लगाएंगे। लड़का डरपोक लग रहा था और शायद डर के मारे उसकी बची-खुची अक्ल भी खत्म हो जाएगी। फिर श्रीमती...
मैक्सी को याद आया कि उस रात सैली के कमरे में कोई आया था। हो सकता है वह डेरेक पुलेन हो। अगर मार्टिंगेल को और कष्टों से बचाना था तो उसे अपनी वफादारी स्पष्ट रखनी होगी। "अगर आपके पास कोई जानकारी है, मिस्टर विल्सन," उसने कहा, "तो मुझे लगता है कि आपको इसे इंस्पेक्टर डेलग्लिश को देना चाहिए। इस बीच, इस तरह के आरोप लगाकर आप कई निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।"
श्री विल्सन ने इस हल्की फटकार को अत्यंत संतुष्टि के साथ स्वीकार किया, मानो यही उनके सिद्धांतों की एकमात्र पुष्टि हो। उन्होंने स्पष्ट रूप से अपनी सारी बात कह दी थी और अब यह विषय समाप्त हो चुका था। "चार, पाँच, दस, नौ और एक पाउंड एक शिलिंग, कुल मिलाकर एक पाउंड सोलह शिलिंग होता है, महोदया," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। श्रीमती मैक्सी ने भुगतान कर दिया।
इसी बीच, बारह साल का दुबला-पतला और कमज़ोर सा दिखने वाला जॉनी विलकॉक्स, डेलग्लिश के साथ व्यावसायिक कक्ष में साक्षात्कार दे रहा था। वह मार्टिंगेल में यह घोषणा लेकर आया था कि पादरी ने उसे निरीक्षक से मिलने भेजा है और यह बहुत ज़रूरी है। डेलग्लिश ने उसका गंभीर शिष्टाचार से स्वागत किया और उसे आराम से बैठने और अपनी कहानी सुनाने के लिए आमंत्रित किया। उसने अपनी कहानी स्पष्ट और अच्छे ढंग से सुनाई और यह डेलग्लिश द्वारा कुछ समय से सुनी गई सबसे दिलचस्प गवाही थी।

ऐसा लगता है कि जॉनी को उसके संडे स्कूल के अन्य बच्चों के साथ चाय बनाने और बर्तन धोने के काम में लगाया गया था। इस व्यवस्था को लेकर कुछ नाराज़गी थी, क्योंकि लड़कों को यह घरेलू, अपमानजनक और सच कहूँ तो बिल्कुल भी मज़ेदार नहीं लग रही थी। यह सच है कि बाद में बचे हुए खाने से दावत का वादा किया गया था, लेकिन चाय हमेशा लोकप्रिय होती थी और पिछले साल कई मददगार देर से मदद करने और दिन भर की गर्मी झेलने वालों के साथ थोड़ा-बहुत खाना बाँटने के लिए आए थे। जॉनी विलकॉक्स को ज़रूरत से ज़्यादा देर रुकने में कोई फ़ायदा नहीं लगा और जैसे ही काफ़ी बच्चे आ गए जिससे उसकी गैरमौजूदगी कम ध्यान देने लायक हो गई, उसने दो फिश सैंडविच, तीन चॉकलेट बन और दो जैम टार्ट लिए और उन्हें बोकॉक के अस्तबल के ऊपर ले गया, इस भरोसे के साथ कि बोकॉक सुरक्षित रूप से टट्टू की सवारी कराने में व्यस्त होगा।

जॉनी कुछ देर से मचान पर शांति से बैठकर कुछ चबा रहा था और अपनी कॉमिक पढ़ रहा था - यह अनुमान लगाना बेकार था कि वह कितनी देर से बैठा था, क्योंकि अब उसके पास सिर्फ एक बन बचा था - तभी उसे कदमों की आहट और आवाज़ें सुनाई दीं। वह अकेला नहीं था जिसे एकांत चाहिए था, दो और लोग अस्तबल में आ रहे थे। उसने यह देखने का इंतज़ार नहीं किया कि कहीं वे भी मचान पर चढ़ने का इरादा तो नहीं रखते, बल्कि समझदारी दिखाते हुए खुद को और अपने बन को एक कोने में ले गया और भूसे के एक बड़े गट्ठे के पीछे छिप गया।

यह हरकत बेवजह डरपोक नहीं लग रही थी। जॉनी की दुनिया में, थप्पड़ खाने से लेकर जल्दी सोने तक, बहुत सी अप्रिय बातों से बचने का आसान तरीका यही था कि कब नज़रों से ओझल रहना है। इस बार भी उसकी सावधानी सही साबित हुई। कदमों की आहट भूसे के गोदाम तक आई और उसने दरवाज़े के बंद होने की हल्की सी आवाज़ सुनी। उसके बाद उसे चुपचाप और कुछ ऊब के साथ बैठना पड़ा, वह धीरे-धीरे अपने बन को कुतरता रहा और कोशिश करता रहा कि मेहमानों के जाने तक वह चलता रहे। उसे यकीन था कि वे सिर्फ़ दो ही लोग थे - और उनमें से एक सैली जुप्प थी। जब वह दरवाज़े से अंदर आई थी, तो उसने उसके बालों की एक झलक देखी थी, लेकिन पूरी तरह से दिखाई देने से पहले ही उसे पीछे हटना पड़ा था। लेकिन इसमें कोई शक नहीं था। जॉनी सैली को अच्छी तरह जानता था और उसे पूरा यकीन था कि उसने शनिवार दोपहर को भूसे के गोदाम में उसे देखा और सुना था। लेकिन उसने उसके साथ मौजूद आदमी को न तो देखा था और न ही पहचाना था। सैली के अटारी में प्रवेश करने के बाद, भूसे के गट्ठे के चारों ओर झाँकना जोखिम भरा होता, क्योंकि ज़रा सी भी हलचल से अचानक तेज़ सरसराहट होती थी। जॉनी ने पूरी ताकत लगाकर एकदम शांत और अस्वाभाविक रूप से स्थिर रहने की कोशिश की। एक तो भूसे के भारी गट्ठे ने आवाज़ों को दबा दिया था और दूसरा, बड़ों की बातचीत को उबाऊ और समझ से परे समझने की आदत होने के कारण, उसने यह समझने की कोशिश नहीं की कि क्या कहा जा रहा है। डेलग्लिश को बस इतना ही पता था कि दोनों आगंतुक धीमी आवाज़ में बहस कर रहे थे, चालीस पाउंड का ज़िक्र हुआ था, और सैली जुप्प ने अंत में कहा था कि अगर वह अपना सिर बचाकर रोशनी का इंतज़ार करे तो कोई खतरा नहीं है। जॉनी ने कहा कि बहुत सारी बातें हुईं, लेकिन ज़्यादातर धीमी और जल्दी-जल्दी बोली गईं। बस वही कुछ वाक्य

उसे याद रह गए। वह यह नहीं बता सकता था कि वे तीनों अटारी में कितनी देर तक रहे। ऐसा लग रहा था जैसे बहुत लंबा समय बीत गया हो और वह पूरी तरह से ऊब चुका था, तभी उसे ट्रैप-डोर के बंद होने की आवाज़ सुनाई दी और लड़की और उसका साथी लॉफ्ट से बाहर निकल आए। सैली पहले गई और वह आदमी उसके पीछे-पीछे आया। जॉनी को अपने छिपने की जगह से झाँकने में तब तक सुरक्षित महसूस नहीं हुआ जब तक कि उनके कदमों की आवाज़ सीढ़ियों से नीचे जाते हुए सुनाई नहीं दी। तभी उसने देखा कि भूरे दस्ताने पहने एक हाथ ने ट्रैप-डोर को वापस लगा दिया। उसने खुद भी कुछ मिनट इंतज़ार किया और फिर मेले में वापस भाग गया जहाँ उसकी अनुपस्थिति ने किसी का ध्यान आकर्षित नहीं किया। वास्तव में, यही जॉनी विलकॉक्स के शनिवार दोपहर के रोमांच का सार था और यह सोचना परेशान करने वाला था कि परिस्थितियों में कुछ बदलाव इसे कितना रोमांचक बना सकते थे। अगर जॉनी थोड़ा और साहसी होता तो शायद वह उस आदमी को देख लेता।

अगर वह कुछ साल बड़ा होता या किसी दूसरे लिंग का होता, तो वह इस गुप्त मुलाकात को दावत में हुई मामूली रुकावट से कहीं ज़्यादा दिलचस्प नज़रिए से देखता और बातचीत को जितना हो सके ध्यान से सुनता और याद रखता। अब जो कुछ उसने सुना था, उसका कोई मतलब निकालना मुश्किल था। वह एक ईमानदार और भरोसेमंद छोटा लड़का लग रहा था, लेकिन यह मानने को भी तैयार था कि उससे कोई गलती हो सकती है। उसे लगा कि सैली ने "रोशनी" के बारे में बात की थी, लेकिन हो सकता है कि उसने ऐसा सोचा हो। वह सच में सुन नहीं रहा था और वे धीरे-धीरे बात कर रहे थे। दूसरी तरफ, उसे इस बात में कोई शक नहीं था कि उसने सैली को ही देखा था और उसे यह भी पक्का यकीन था कि यह कोई दोस्ताना मुलाकात नहीं थी। उसे ठीक से याद नहीं था कि वह अस्तबल से कब निकला था।

लगभग साढ़े तीन बजे चाय शुरू हुई और जब तक लोग चाहते रहे और खाना खत्म नहीं हुआ, तब तक चलती रही। जॉनी को लगा कि लगभग साढ़े चार बजे होंगे जब वह श्रीमती कोप से भाग निकला था। उसे याद नहीं था कि वह अस्तबल में कितनी देर छिपा रहा। ऐसा लगा जैसे बहुत लंबा समय बीत गया हो। डेलग्लिश को इससे संतुष्ट होना पड़ा। पूरा मामला संदिग्ध रूप से ब्लैकमेल जैसा लग रहा था और ऐसा लग रहा था कि कोई और साजिश रची गई थी। लेकिन जॉनी द्वारा उस आदमी की आवाज़ न पहचान पाने से यह बात पक्के तौर पर साबित हो गई कि वह न तो स्टीफन मैक्सि हो सकता था और न ही कोई स्थानीय आदमी, जिनमें से ज़्यादातर लोग उसे अच्छी तरह जानते होंगे। कम से कम इससे इस बात को बल मिला कि कोई और भी व्यक्ति हो सकता है।

अगर सैली उस अजनबी को ब्लैकमेल कर रही थी और वह सचमुच चर्च के मेले में मौजूद था, तो मैक्सियों के लिए हालात बेहतर लग रहे थे। युवा जॉनी को धन्यवाद देते हुए, उसे अपने अनुभव के बारे में किसी और से बात न करने की चेतावनी देते हुए और उसे पादरी को सब कुछ बताने के सुखद अनुभव के लिए विदा करते हुए, डेलग्लिश का दिमाग पहले से ही नए सबूतों में उलझा हुआ था।

अध्याय छह

मंगलवार को दोपहर तीन बजे पूछताछ का समय निर्धारित किया गया था और मैक्सी परिवार को लगभग इसका इंतजार था क्योंकि यह कम से कम एक ज्ञात दायित्व था जो धीमी, असुविधाजनक घंटों को तेजी से गुजारने में मदद कर सकता था।

एक निरंतर बेचैनी का एहसास था, ठीक वैसे ही जैसे तूफानी दिन में तनाव होता है जब तूफान आना तय होता है लेकिन फिर भी थमने का नाम नहीं लेता।

यह मौन धारणा कि मार्टिंगेल में कोई भी हत्यारा नहीं हो सकता, सैली की मौत पर किसी भी यथार्थवादी चर्चा को रोकती है।

वे सभी बहुत ज्यादा बोलने या गलत व्यक्ति से बोलने से डरते थे।

कभी-कभी देबोरा चाहती थी कि घर के सभी लोग एक साथ मिलकर कम से कम रणनीति का कोई ठोस आधार तो तय कर लें।

लेकिन जब स्टीफन ने हिचकिचाते हुए उसी इच्छा को व्यक्त किया तो वह अचानक घबराकर पीछे हट गई।

स्टीफन द्वारा सैली के बारे में बात करना असहनीय था।

फेलिक्स हर्न अलग थे। उनके साथ लगभग किसी भी विषय पर चर्चा करना संभव था।

उन्हें स्वयं मृत्यु का भय नहीं था और न ही वे इससे घबराते थे, और जाहिर तौर पर उन्हें सैली जुप्प की मृत्यु पर तटस्थ और हल्के-फुल्के ढंग से चर्चा करने में कोई बुराई नहीं दिखती थी। पहले तो देबोरा इन चर्चाओं में साहस के भाव से भाग लेती थी। बाद में उसे एहसास हुआ कि हास्य केवल भय को कम करने का एक कमजोर प्रयास था। अब, मंगलवार के दोपहर के भोजन से पहले, वह फेलिक्स के बगल में गुलाबों के बीच टहल रही थी, जबकि वह अपनी बेतुकी बातों का सिलसिला जारी रखे हुए था, जिससे वह भी उतनी ही तटस्थ और मनोरंजक ढंग से अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित हो रही थी।

"सच कहूँ तो, डेबोरा। अगर मैं कोई किताब लिख रहा होता तो उसे किसी गाँव के लड़के के बारे में लिखता। उदाहरण के लिए, डेरेक पुलेन।"

"लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। वैसे भी, उसके पास कोई मकसद नहीं है।"

"मकसद की तलाश करना सबसे आखिरी चीज है।"

कोई न कोई मकसद तो हमेशा मिल ही जाता है। शायद लाश उसे ब्लैकमेल कर रही थी। शायद वह उस पर शादी का दबाव डाल रही थी और वह मना कर रहा था। हो सकता है उसने उसे बताया हो कि एक और बच्चा आने वाला है। बेशक, यह सच नहीं है, लेकिन उसे यह पता नहीं चलना था।

देखो, उनके बीच हमेशा की तरह एक जोशीला प्रेम प्रसंग चल रहा था। मुझे उसे शांत और गंभीर स्वभाव का बनाना चाहिए। वे कुछ भी कर सकते हैं। कम से कम काल्पनिक कहानियों में तो ऐसा ही है।

लेकिन वह नहीं चाहती थी कि वह उससे शादी करे।
उसे स्टीफन से शादी करनी थी। अगर उसे स्टीफन मिल सकता था, तो वह डेरेक पुलेन से शादी नहीं करना चाहती थी।
"अगर मैं कहूँ तो, आप एक बहन की तरह अंधाधुंध पक्षपात से बोल रही हैं। लेकिन आपकी मर्जी। आप किसे सुझाती हैं?"
"मान लीजिए हम इसे पिता बना देते हैं।"
"आपका मतलब उस बुजुर्ग सज्जन से है, जो अपने बिस्तर से बंधे हुए हैं?"
"हाँ। सिवाय इसके कि वह ऐसा नहीं था। यह ग्रैंड गुइग्नोल की कहानियों में से एक हो सकती है। उस बुजुर्ग सज्जन ने अपने बेटे की शादी उस शातिर औरत से नहीं करवाना चाहा, इसलिए वह धीरे-धीरे सीढ़ियों से ऊपर गया और अपनी पुरानी स्कूल टाई से उसका गला घोंट दिया।"
फेलिक्स ने इस प्रयास पर विचार किया और इसे अस्वीकार कर दिया।
"क्यों न इसे सिनेमा की बिल्ली जैसे नाम वाला रहस्यमय आगंतुक बना दिया जाए? वह कौन है?"
वह कहाँ से आया है? क्या वह उसके बच्चे का पिता हो सकता है?
"ओह, मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"हाँ, वह था। उसकी मुलाकात उस शव से तब हुई थी जब वह एक मासूम लड़की थी और अपनी पहली नौकरी कर रही थी। मैं उस दर्दनाक घटना पर पर्दा डाल दूँगा, लेकिन आप उसकी हैरानी और दहशत की कल्पना कर सकते हैं जब वह अपनी मंगेतर के घर में उस लड़की से दोबारा मिलता है, जिसके साथ उसने अन्याय किया था। और वह भी अपने बच्चे के साथ!"
"क्या उसकी कोई मंगेतर है?"
"बेशक। एक बेहद आकर्षक विधवा जिसे वह अपने जाल में फंसाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।"
खैर, बेचारी पीड़ित लड़की सब कुछ बता देने की धमकी देती है, इसलिए उसे चुप कराना पड़ता है। मुझे उसे एक ऐसे सनकी, नापसंद किए जाने वाले किरदार में ढाल देना चाहिए ताकि जब वह पकड़ा जाए तो किसी को चिंता न हो।
"क्या आपको नहीं लगता कि यह कुछ घिनौना होगा? सेंट मैरी के वार्डन को क्यों न बना दिया जाए? यह उन मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में से एक हो सकता है जिसमें अध्यायों की शुरुआत में उच्च कोटि के उद्धरण हों और फ्रायड का भरपूर उपयोग हो।"
"अगर आपको फ्रायड पसंद है तो मैं लाश के चाचा पर दांव लगाऊंगा। अब कुछ गहन मनोवैज्ञानिक चर्चाओं के लिए एक बढ़िया बहाना मिल जाएगा। दरअसल, वह एक कठोर, संकीर्ण मानसिकता वाला आदमी था जिसने बच्चे के बारे में सुनकर उसे घर से निकाल दिया था।"
लेकिन काल्पनिक पात्रों की तरह, वह स्वयं भी उतना ही बुरा था। वह एक भोली-भाली लड़की के साथ संबंध बना रहा था, जिससे उसकी मुलाकात गायन मंडली में गाते हुए हुई थी, और वह उसी गृहस्थी में थी जहाँ मृत शरीर वाली लड़की अपने बच्चे को जन्म दे रही थी।
तो सारा भयानक सच सामने आ गया और, ज़ाहिर है, सैली उससे हर हफ्ते तीस शिलिंग की

ब्लैकमेल कर रही थी और इस बारे में कुछ नहीं कहा गया।
जाहिर है, वह जोखिम नहीं उठा सकते थे। वे इसके लिए बहुत ही सम्मानित व्यक्ति थे।
"सैली ने तीस शिलिंग का क्या किया?"
"बच्चे के नाम पर बचत खाता खोला है। समय आने पर सब कुछ सामने आ जाएगा।"
"अगर ऐसा होता तो अच्छा होता। लेकिन क्या आप लाश की होने वाली भाभी के बारे में भूल रहे हैं? उस मामले में मकसद को लेकर कोई दिक्कत नहीं है।"
फेलिक्स ने सहजता से कहा, "लेकिन वह हत्यारी नहीं थी।"
"अरे, फेलिक्स! क्या तुम्हें इतना दिखावटी तौर पर विनम्र होना ज़रूरी है?"
"चूंकि मैं अच्छी तरह जानती हूं कि तुमने सैली जुप्प की हत्या नहीं की, तो क्या तुम मुझसे उम्मीद करते हो कि मैं सिर्फ मजे के लिए शर्मिंदगी और संदेह जताऊं!" "मैं उससे नफरत करती थी, फेलिक्स। मैं सचमुच उससे नफरत करती थी।"
"ठीक है, मेरी प्यारी। तो तुम उससे सचमुच नफरत करती थी। इससे तुम्हें खुद पर बुरा असर पड़ना तय है। लेकिन पुलिस को अपने दिल की बात बताने में ज्यादा झिझकना मत। वे बेशक नेक लोग हैं और उनका व्यवहार भी बहुत अच्छा है। लेकिन हो सकता है उनकी कल्पना शक्ति सीमित हो।"
आखिरकार, उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी व्यावहारिक बुद्धि है। यही तो हर तरह की कारगर जासूसी का आधार है। उनके पास तरीका और साधन दोनों हैं, इसलिए उन्हें मकसद मत बताइए। उन्हें करदाताओं के पैसे से कुछ काम करने दीजिए।
थोड़ी देर रुकने के बाद देबोरा ने पूछा, "क्या आपको लगता है कि डेलग्लिश को पता चल जाएगा कि यह किसने किया?"
"मुझे लगता है कि अब उसे पता चल गया होगा," फेलिक्स ने शांत भाव से जवाब दिया। "आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत जुटाना एक अलग बात है। आज दोपहर तक हमें पता चल सकता है कि पुलिस ने कितनी छानबीन की है और वे कितना बताने को तैयार हैं। डेलग्लिश को हमें सस्पेंस में रखना भले ही मजेदार लगे, लेकिन वो देर-सवेर अपना राज़ खोल ही देगा।"
लेकिन जांच से राहत और निराशा दोनों मिलीं। जांचकर्ता बिना जूरी के बैठा। वह मृदुभाषी व्यक्ति था, जिसका चेहरा किसी उदास सेंट बर्नार्ड कुत्ते जैसा था, मानो वह गलती से कार्यवाही में आ गया हो। फिर भी, वह जानता था कि उसे क्या चाहिए और उसने जरा भी समय बर्बाद नहीं किया। मैक्सियों की अपेक्षा से कम ग्रामीण उपस्थित थे।
शायद वे अंतिम संस्कार के बेहतर मनोरंजन के लिए समय और ऊर्जा बचा रहे थे। निश्चित रूप से, वहाँ मौजूद लोग पहले की तुलना में कुछ खास समझदार नहीं हुए थे। कोरोनर ने सब कुछ धोखे से सरल बना दिया।
एक घबराई हुई, मामूली सी दिखने वाली महिला ने पहचान के सबूत दिए, जो सैली की चाची निकली। स्टीफन मैक्सी ने गवाही दी और शव मिलने के तथ्यात्मक विवरण संक्षेप में बताए गए। चिकित्सकीय साक्ष्यों से पता चला कि गला घोंटने के दौरान वेगस तंत्रिका के अवरोध के कारण मृत्यु हुई थी और यह बहुत अचानक हुई थी।

पेट में लगभग डेढ़ ग्रेन बार्बिट्यूरेट एसिड डेरिवेटिव पाया गया।
कोरोनर ने इन तथ्यों को स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रश्नों के अलावा कोई अन्य प्रश्न नहीं पूछा।
पुलिस ने कार्यवाही स्थगित करने का अनुरोध किया और इसे स्वीकार कर लिया गया। सब कुछ बहुत अनौपचारिक, लगभग मैत्रीपूर्ण था। गवाह रविवार स्कूल के बच्चों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नीची कुर्सियों पर बैठे थे, जबकि कोरोनर अधीक्षक के मंच से कार्यवाही पर नजर रखे हुए थे। खिड़कियों पर गर्मियों के फूलों से भरे जार रखे थे और एक दीवार पर लगे फलालैन के ग्राफ में क्रेयॉन से बनी तस्वीरों के माध्यम से ईसाई महिला के बपतिस्मा से लेकर अंत्येष्टि तक के सफर को दर्शाया गया था। इस सरल और असंगत परिवेश में, कानून ने औपचारिक रूप से, लेकिन बिना किसी तामझाम के, यह दर्ज किया कि सारा लिलियन जुप्प की हत्या एक जघन्य अपराध था।
अब अंत्येष्टि समारोह का सामना करना था।
यहां, पूछताछ के विपरीत, उपस्थिति अनिवार्य नहीं थी और उपस्थित होने या न होने का निर्णय श्रीमती मैक्सी के अलावा किसी के लिए भी आसान नहीं था। उन्हें कोई कठिनाई नहीं हुई और उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उनकी उपस्थिति की पूरी इच्छा है। हालांकि उन्होंने इस विषय पर कोई चर्चा नहीं की, लेकिन उनका दृष्टिकोण स्पष्ट था। सैली जुप्प की मृत्यु उनके घर में और उनके यहां काम करते हुए हुई थी। उनके इकलौते रिश्तेदारों का उन्हें मृत्यु के बाद भी उतना ही शर्मनाक और अपरंपरागत व्यवहार करने के लिए क्षमा करने का कोई इरादा नहीं था जितना कि वे जीवन में थीं। वे अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे और यह सेंट मैरी अस्पताल से होगा और उसी संस्था के खर्चे पर होगा। लेकिन, किसी की उपस्थिति की आवश्यकता के अलावा, मैक्सी परिवार की एक जिम्मेदारी भी थी। यदि आपके घर में किसी की मृत्यु होती है, तो कम से कम आप अंतिम संस्कार में शामिल हो सकते हैं। श्रीमती मैक्सी ने इन शब्दों में अपनी भावना व्यक्त नहीं की, लेकिन उनके बेटे और बेटी को यह स्पष्ट रूप से समझाया गया था कि ऐसी उपस्थिति केवल शिष्टाचार है और जो लोग दूसरों को अपने घर में आतिथ्य प्रदान करते हैं, उन्हें दुर्भाग्यवश आवश्यक होने पर, उन्हें उनकी कब्र तक सुरक्षित पहुंचाने का भी आतिथ्य प्रदान करना चाहिए। हत्या की जांच के दौरान मार्टिंगेल में जीवन कैसा होगा, इस बारे में डेबोरा ने अपने मन में जो भी कल्पनाएं की थीं, उनमें उसने कभी यह नहीं सोचा था कि शिष्टाचार या मर्यादा से जुड़े अपेक्षाकृत छोटे मामले कितनी अहम भूमिका निभाएंगे। यह अजीब बात थी कि उनके भविष्य को लेकर व्याप्त चिंता, कम से कम अस्थायी रूप से, इस चिंता से कम महत्वपूर्ण हो गई थी कि परिवार को अंतिम संस्कार में पुष्पांजलि भेजनी चाहिए या नहीं, और यदि भेजनी है, तो कार्ड पर उचित शोक संदेश क्या लिखा जाना चाहिए।
यहां भी इस सवाल ने श्रीमती मैक्सी को परेशान नहीं किया, उन्होंने केवल यह पूछा कि क्या वे मिलकर कुछ देना चाहते हैं या क्या देबोरा अपनी ओर से एक पुष्पमाला भेजेगी।
ऐसा प्रतीत होता था कि स्टीफन इन अंतिम संस्कारों से मुक्त था। पुलिस ने उसे पूछताछ के बाद अस्पताल लौटने की अनुमति दे दी थी और वह संक्षिप्त मुलाकातों को छोड़कर अगले शनिवार

की रात तक मार्टिंगेल में दोबारा नहीं आएगा। किसी को भी उससे गाँव की गपशपों के मनोरंजन के लिए पवित्र पुष्पांजलि अर्पित करने की उम्मीद नहीं थी। उसके पास लंदन लौटने और अपना काम जारी रखने का हर बहाना था। यहाँ तक कि डेलग्लिश भी उससे पुलिस की सुविधा के लिए अनिश्चित काल तक मार्टिंगेल में रहने की उम्मीद नहीं कर सकता था।

अगर कैथरीन के पास लंदन लौटने का इतना ही ठोस बहाना होता, तो भी उसने उसका इस्तेमाल नहीं किया। जाहिर तौर पर उसके पास अभी भी सात दिन की वार्षिक छुट्टी बची थी और वह मार्टिंगेल में रुकने के लिए तैयार और खुश थी। मैट्रन से बात की गई थी और उन्होंने सहानुभूति दिखाई। अगर वह श्रीमती मैक्सी की किसी भी तरह से मदद कर सकें तो कोई दिक्कत नहीं होगी।

निसंदेह वह ऐसा कर सकती थी। लेकिन साइमन मैक्सी की देखभाल का भारी बोझ अभी भी संभालना बाकी था, डेलग्लिश की जांच के कारण घर की दिनचर्या में लगातार व्यवधान आ रहा था, और सैली की अनुपस्थिति भी एक समस्या थी।

जब यह पक्का हो गया कि उसकी माँ अंतिम संस्कार में शामिल होना चाहती है, तो देबोरा ने इस विचार के प्रति अपनी स्वाभाविक अरुचि को दबाते हुए अचानक घोषणा कर दी कि वह भी वहाँ जाएगी। कैथरीन द्वारा भी ऐसा ही इरादा जताने पर उसे आश्चर्य नहीं हुआ, लेकिन फेलिक्स के भी उनके साथ जाने की बात जानकर उसे अप्रत्याशित और राहत दोनों मिली।

“इसकी ज़रा भी ज़रूरत नहीं है,” उसने गुस्से से कहा। (मुझे समझ नहीं आ रहा कि इतना हंगामा किस बात का है। व्यक्तिगत रूप से मुझे तो यह पूरा विचार ही घिनौना और अरुचिकर लगता है, लेकिन अगर तुम आकर लोगों की निगाहें अपनी ओर खींचना चाहते हो, तो ठीक है, यह मुफ़्त का तमाशा है।) वह जल्दी से ड्राइंग रूम से चली गई, लेकिन कुछ मिनट बाद लौटकर उसी असहज औपचारिकता के साथ बोली, जो उसे उसमें बेहद आकर्षक लगती थी, “मुझे माफ़ करना, फेलिक्स, मैं इतनी असभ्य थी।”

अगर आप आना चाहें तो जरूर आइएगा। आपने इसके बारे में सोचा, यह बहुत अच्छा लगा।

फेलिक्स को अचानक स्टीफन पर गुस्सा आ गया। यह सच था कि लड़के के पास काम पर लौटने का हर बहाना था, लेकिन फिर भी यह उसकी आदत थी और उसे बहुत गुस्सा आता था कि वह ज़िम्मेदारी और अप्रियता से बचने के लिए इतना आसान और सरल बहाना बना लेता था। ज़ाहिर है, न तो देबोरा और न ही उसकी माँ इसे इस तरह देखतीं और कैथरीन बोवर्स, बेचारी मूर्ख, स्टीफन को कुछ भी माफ करने को तैयार थी। कोई भी महिला अपनी परेशानियाँ या कठिनाइयाँ स्टीफन पर थोपना नहीं चाहती थी। लेकिन, फेलिक्स ने सोचा, अगर उस नौजवान ने अपनी अय्याशी पर काबू रखा होता तो यह सब कुछ नहीं होता। फेलिक्स ने ठंडे गुस्से में अंतिम संस्कार की तैयारी की और इस संदेह से दृढ़ता से जूझता रहा कि उसकी नाराज़गी का कुछ हिस्सा हताशा और कुछ ईर्ष्या थी।

यह एक और शानदार दिन था। भीड़ गर्मियों के परिधानों में सजी हुई थी, कुछ लड़कियाँ ऐसे कपड़े पहने हुए थीं जो कब्रिस्तान की बजाय किसी समुद्र तट पर ज़्यादा उपयुक्त होते। बड़ी संख्या में लोग स्पष्ट रूप से पिकनिक मनाकर आए थे और उन्हें कब्रिस्तान में होने वाले मनोरंजन

के बारे में संयोग से ही पता चला था।
वे अपने भोज के बचे हुए टुकड़ों से लदे हुए थे और कुछ लोग वास्तव में अभी भी अपने सैंडविच या संतरे खत्म करने में लगे हुए थे।
कब्र के पास पहुँचते ही उनका व्यवहार एकदम सलीकेदार हो गया। मृत्यु का असर लगभग सभी पर गहरा होता है और कुछ रूढ़िवादी लोगों की गुस्से भरी निगाहों के कारण उनकी हल्की-फुल्की हंसी दब गई। देबोरा को उनके व्यवहार से गुस्सा नहीं आया था, बल्कि इस बात से आया था कि वे वहाँ थे ही क्यों। उसके मन में घोर घृणा और तीव्र क्रोध भर गया था। बाद में उसे इस बात की खुशी हुई क्योंकि इससे शोक या शर्मिंदगी के लिए कोई जगह नहीं बची थी।
मैक्सिस, फेलिक्स हर्न और कैथरीन
बॉवर्स खुली कब्र के पास मिस लिडेल और सेंट मैरी की कुछ लड़कियों के साथ खड़ी थीं। उनके पीछे डेलग्लिश और मार्टिन खड़े थे। पुलिस और संदिग्ध खुली कब्र के पार आमने-सामने थे। थोड़ी दूर पर एक और अंतिम संस्कार हो रहा था, जिसे किसी दूसरे चर्च के एक अनजान पादरी द्वारा संपन्न कराया जा रहा था। शोक मनाने वालों का छोटा समूह काले वस्त्र पहने हुए था और कब्र के इतने करीब एक तंग घेरे में इकट्ठा था कि ऐसा लग रहा था मानो वे किसी गुप्त और रहस्यमय अनुष्ठान में लीन हों, जो दूसरों की नज़रों से छिपा हो। किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया और सैली की भीड़ की हल्की सरसराहट के कारण उनके पादरी की आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी। बाद में वे चुपचाप चले गए। देबोरा ने सोचा, कम से कम उन्होंने अपने मृतकों को कुछ गरिमा के साथ दफना दिया।
लेकिन अब श्री हिंक्स अपने संक्षिप्त शब्द बोल रहे थे। उन्होंने बुद्धिमानी से लड़की की मृत्यु की परिस्थितियों का उल्लेख नहीं किया, बल्कि विनम्रता से कहा कि ईश्वर की योजनाएँ विचित्र और रहस्यमय होती हैं, एक ऐसा कथन जिसे उनके कुछ श्रोता ही गलत साबित कर सकते थे, भले ही पुलिस की उपस्थिति से यह संकेत मिलता था कि इस रहस्य का कुछ हिस्सा मानवीय हस्तक्षेप का परिणाम था।
श्रीमती मैक्सी ने पूरी रस्म में गहरी दिलचस्पी दिखाई। हर प्रार्थना के अंत में उनके ज़ोरदार "आमीन" से उनकी सहमति स्पष्ट झलक रही थी। उन्होंने बड़ी कुशलता से प्रार्थना पुस्तिका को पढ़ा और सेंट मैरी की दो लड़कियों को उनकी प्रार्थनाओं की जगह ढूंढने में मदद की, जब वे दुख या शर्मिंदगी के कारण अपनी पुस्तिकाएँ खुद नहीं पढ़ पा रही थीं। प्रार्थना समाप्त होने पर वे कब्र के पास गईं और कुछ पल ताबूत को निहारती रहीं। देबोरा ने उनकी आह को महसूस किया, सुना नहीं। उनके शांत चेहरे को देखकर कोई नहीं समझ पाया कि आह का क्या मतलब था। उन्होंने अपने दस्ताने पहने और अपनी बेटी के पास जाने से पहले शोक संदेश वाले कार्डों में से एक को पढ़ने के लिए झुकीं।
"कितनी भयानक भीड़ है। कोई सोचेगा कि लोगों के पास करने के लिए इससे बेहतर काम तो होगा ही।"
फिर भी, अगर वह बेचारी बच्ची सैली उतनी ही प्रदर्शनकारी होती जितनी वह दिखती थी, तो उसे यह अंतिम संस्कार पसंद आता।

वो लड़का क्या कर रहा है? क्या ये तुम्हारी माँ है? खैर, तुम्हारा छोटा लड़का तो जानता ही होगा कि कब्रों पर उछल-कूद नहीं की जाती।

अगर आप उसे कब्रिस्तान में लाना चाहते हैं तो आपको उसे बेहतर ढंग से नियंत्रित करना होगा। यह पवित्र भूमि है, स्कूल का खेल का मैदान नहीं। वैसे भी, अंतिम संस्कार किसी बच्चे के मनोरंजन के लिए उपयुक्त जगह नहीं है।

माँ और बच्चा उन्हें हैरानी से देखते रह गए, दोनों के पीले, अचंभित चेहरे, एक जैसी नुकीली नाकें, एक जैसे पतले बाल। फिर महिला ने डर के मारे पीछे मुड़कर अपने बच्चे को खींच लिया। रंगों का वह चमकीला नजारा अब छंटने लगा था, चर्च के प्रांगण की दीवार के पास माइकलमास डेज़ी के बीच से साइकिलें हटाई जा रही थीं, फोटोग्राफर अपने कैमरे समेट रहे थे। एक-दो छोटे समूह अभी भी वहीं खड़े थे, आपस में फुसफुसाते हुए और फूलों की मालाओं के बीच झाँकने का मौका ढूंढ रहे थे। कब्रिस्तान का रखवाला संतरे के छिलके और कागज़ के थैलों का ढेर समेट रहा था, मन ही मन कुछ बुदबुदा रहा था। सैली की कब्र रंगों से लदी हुई थी। लाल, नीले और सुनहरे रंग घास के ढेरों और लकड़ी के तख्तों पर एक भड़कीले पैचवर्क रजाई की तरह फैले हुए थे और मिट्टी की खुशबू फूलों की खुशबू के साथ मिल रही थी।

"क्या वह सैली की चाची नहीं है?"

डेबोरा। दुबली-पतली, घबराई हुई सी दिखने वाली एक महिला, जिसके बाल शायद कभी लाल रहे होंगे, मिस लिडेल से बात कर रही थी। वे दोनों साथ-साथ कब्रिस्तान के गेट की ओर चल पड़ीं। "ज़रूर यह वही महिला है जिसने पूछताछ के दौरान सैली की पहचान की थी। अगर यह चाची है तो शायद हम उसे घर तक छोड़ सकते हैं।"

दिन के इस समय बसें बेहद कम चलती हैं।

"उससे बात करना शायद फायदेमंद रहेगा," फेलिक्स ने सोच-विचार करते हुए कहा।

देबोरा का सुझाव मूल रूप से साधारण दयालुता की भावना से प्रेरित था, किसी को चिलचिलाती धूप में लंबे इंतजार से बचाने की इच्छा से।

लेकिन अब उनके प्रस्ताव के व्यावहारिक लाभ स्पष्ट रूप से सामने आने लगे।

"फेलिक्स, मिस लिडेल से कहो कि वो तुम्हारा परिचय करा दें। मैं गाड़ी लेकर आती हूँ। तुम्हें शायद पता चल जाए कि सैली गर्भवती होने से पहले कहाँ काम करती थी, जिमी का पिता कौन है और क्या सैली के चाचा उसे सच में पसंद करते थे।"

"दो-तीन पल की सामान्य बातचीत में? मुझे तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगता।"

"हमें उसे पूरी ताकत से संतुष्ट करना चाहिए। कोशिश करो, फेलिक्स।"

देबोरा अपनी माँ और कैथरीन के पीछे जितनी तेज़ी से हो सकता था, भागी, और फेलिक्स को उसके काम पर छोड़ दिया। महिला और मिस लिडेल अब सड़क पर पहुँच चुकी थीं और अंतिम कुछ बातें करने के लिए रुकी हुई थीं। दूर से देखने पर दोनों आकृतियाँ किसी रस्मी नृत्य जैसी लग रही थीं। वे हाथ मिलाने के लिए एक साथ आतीं, फिर अलग हो जातीं। फिर मिस लिडेल, जो मुँह फेरे हुए थीं, कुछ नई बात कहने के लिए वापस मुड़ीं और दोनों आकृतियाँ फिर से एक साथ आ गईं।

जैसे ही फेलिक्स उनकी ओर बढ़ा, वे उसे देखने के लिए मुड़ गए और उसने मिस लिडेल के होंठों को हिलते हुए देखा। वह उनके साथ शामिल हो गया और अनिवार्य परिचय हो गया।

सस्ते काले रेयॉन के दस्ताने पहने एक पतले हाथ ने एक पल के लिए उसका हाथ धीरे से थामा और फिर छोड़ दिया। उस उदासीन और लगभग अगोचर स्पर्श में भी उसने महसूस किया कि वह कांप रही थी। जब वह बोल रहा था तो उसकी चिंतित भूरी आँखें उससे नज़रें हटाकर दूसरी ओर देखने लगीं।

"श्रीमती रिस्को और मैं सोच रहे थे कि क्या हम आपको घर तक छोड़ सकते हैं," उन्होंने नरमी से कहा।

"बस के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ेगा और हमें गाड़ी से जाना बहुत अच्छा लगेगा।" कम से कम यही सच था। वह हिचकिचाई। जैसे ही मिस लिडेल ने यह तय किया कि यह प्रस्ताव, हालांकि अप्रत्याशित था, लेकिन शालीनता से इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता था और शायद इसे स्वीकार भी किया जा सकता था, और इस रास्ते पर चलने के लिए ज़ोर देना शुरू किया, तभी देबोरा फेलिक्स की रेनॉल्ट में उनके बगल में आकर रुकी और बात तय हो गई। सैली की चाची का परिचय श्रीमती विक्टर प्रॉक्टर के रूप में कराया गया और किसी के बहस करने से पहले ही वह आराम से कार के आगे की सीट पर उनके बगल में बैठ गईं। फेलिक्स पीछे की सीट पर बैठ गया, उसे इस काम में थोड़ी अरुचि थी, लेकिन वह देबोरा को काम करते हुए देखने के लिए तैयार था। "बिना दर्द के प्रसव कराना तो आपकी खासियत है," उसने सोचा जैसे ही कार पहाड़ी से नीचे की ओर मुड़ी। उसने सोचा कि वे कितनी दूर जा रहे हैं और क्या देबोरा ने अपनी माँ को बताया है कि वे कितने दिन दूर रहेंगे। "मुझे लगता है कि मुझे अंदाज़ा है कि आप कहाँ रहते हैं," उसने उसे कहते सुना। "यह कैनिंगबरी के ठीक बाहर है, है ना?"

हम लंदन जाते समय इस रास्ते से गुजरते हैं।

लेकिन मुझे रास्ते के लिए आप पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। हमें आपको घर तक छोड़ने की अनुमति देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अंत्येष्टि समारोह बहुत ही भयावह होते हैं, इसलिए कुछ समय के लिए दूर रहना वाकई राहत की बात है।" इसका परिणाम अप्रत्याशित था। अचानक श्रीमती प्रॉक्टर रोने लगीं, ज़ोर-ज़ोर से नहीं, बल्कि लगभग बिना चेहरा हिलाए।

मानो उसके आँसुओं पर उसका कोई नियंत्रण न हो, वह उन्हें गालों से बहते हुए अपनी मुड़ी हुई हथेलियों पर गिरने देती रही। जब उसने बात की तो उसकी आवाज़ धीमी थी, लेकिन इंजन की आवाज़ के ऊपर भी सुनाई देने लायक स्पष्ट थी। और फिर भी आँसू चुपचाप और बिना किसी प्रयास के बहते रहे। “मुझे सच में नहीं आना चाहिए था। अगर मिस्टर प्रॉक्टर को पता चला कि मैं आई हूँ तो उन्हें अच्छा नहीं लगेगा। जब मैं घर पहुँचूँगी तब तक वह वापस नहीं आएँगे और बेरिल स्कूल में होगी, इसलिए उन्हें पता नहीं चलेगा।”

लेकिन उसे ये पसंद नहीं आएगा। उसने खुद ही ये मुसीबत मोल ली है, तो अब उसे भुगतना पड़ेगा। वो यही कहता है और आप उसे दोष नहीं दे सकते। खासकर उसके लिए उसने जो कुछ किया है उसके बाद तो बिलकुल नहीं। सैली और बेरिल में कभी कोई फर्क नहीं किया गया। कभी नहीं। मैं ये बात अपनी आखिरी सांस तक कहूँगा। मुझे नहीं पता कि हमारे साथ ऐसा क्यों हुआ।

दुर्भाग्य से पीड़ित लोगों की यह निरंतर पुकार फेलिक्स को अनुचित लगी। उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि प्रॉक्टर परिवार ने सैली की गर्भावस्था के बाद से उसकी कोई जिम्मेदारी ली थी और वे उसकी मृत्यु से खुद को पूरी तरह से अलग करने में सफल रहे थे। उसने और स्पष्ट रूप से सुनने के लिए आगे झुककर देखा।

वह निश्चित रूप से नहीं कह सकता था कि डेबोरा ने शायद किसी तरह की उत्साहवर्धक आवाज निकाली हो।

लेकिन इस गवाह से पूछताछ करने का तो सवाल ही नहीं उठता था। वह बहुत लंबे समय से अपने तक ही बातें छिपाए बैठी थी।

"हमने उसका पालन-पोषण अच्छे से किया। कोई यह नहीं कह सकता कि हमने ऐसा नहीं किया। यह हमेशा आसान नहीं रहा है।"

उसे छात्रवृत्ति तो मिल गई, लेकिन फिर भी हमें उसका पेट पालना पड़ता था। वह एक आसान बच्ची नहीं थी। मुझे लगता था कि यह बमबारी की वजह से हुआ, लेकिन मिस्टर प्रॉक्टर यह मानने को तैयार नहीं थे। आप जानते हैं, उस समय वे हमारे साथ ही थे। हमारा स्टोक न्यूइंगटन में एक घर था। तब तक ज्यादा हवाई हमले नहीं हुए थे और एंडरसन शेल्टर वगैरह की वजह से हम खुद को सुरक्षित महसूस करते थे। उन्हीं VI रॉकेटों में से एक ने लिल और जॉर्ज की जान ले ली। मुझे न तो इसके बारे में कुछ याद है और न ही हमें मलबे से बाहर निकालने के बारे में। इसके बाद एक हफ्ते तक उन्होंने मुझे लिल के बारे में कुछ नहीं बताया। वे हम सबको बाहर निकाल लाए, लेकिन लिल मर चुकी थी और जॉर्ज की अस्पताल में मौत हो गई। हम खुशकिस्मत थे। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है। मिस्टर प्रॉक्टर की तबीयत लंबे समय तक बहुत खराब रही और ज़ाहिर है, उन्हें विकलांगता भी है। लेकिन उन्होंने कहा कि हम खुशकिस्मत थे।

"मेरी तरह," फेलिक्स ने कड़वाहट से सोचा।

"भाग्यशाली लोगों में से एक।"

"और फिर तुमने सैली को लिया और उसका पालन-पोषण किया," देबोरा ने पूछा।

"वहाँ वास्तव में कोई और नहीं था।"

माँ उसे नहीं ले जा सकती थी। वह इसके लायक नहीं थी। मैंने यह सोचने की कोशिश की कि लिल को यह अच्छा लगता, लेकिन इस तरह के विचार किसी बच्चे से प्यार करने में मदद नहीं करते।

वह सचमुच प्यार करने वाली नहीं थी। बेरिल जैसी बिल्कुल नहीं।

लेकिन सैली दस साल की थी जब बेरिल आई और मुझे लगता है कि इतने लंबे समय तक अकेली रहने के बाद उसके लिए यह मुश्किल रहा होगा। लेकिन हमने कभी कोई बदलाव नहीं किया। उनकी हर चीज़ एक जैसी थी, पियानो की क्लास वगैरह। और अब यह। उसकी मौत के बाद पुलिस आई। वे वर्दी में नहीं थे, लेकिन आप उन्हें पहचान सकते थे। सबको इसके बारे में पता था। उन्होंने पूछा कि वह आदमी कौन था, लेकिन ज़ाहिर है, हम कुछ नहीं बता सकते थे।

"जिस आदमी ने उसकी हत्या की?" देबोरा ने अविश्वास भरे लहजे में कहा।

"अरे नहीं। बच्चे का पिता। सैली की गर्भावस्था से ही उसकी देखभाल की ज़िम्मेदारी उन्हीं पर थी

और वे उसकी मौत से खुद को अलग करने में पूरी तरह कामयाब हो गए थे।" वह और स्पष्ट रूप से सुनने के लिए आगे झुका।
वह निश्चित रूप से नहीं कह सकता था कि डेबोरा ने शायद किसी तरह की उत्साहवर्धक आवाज निकाली हो।
लेकिन इस गवाह से पूछताछ करने का तो सवाल ही नहीं उठता था। वह बहुत लंबे समय से अपने तक ही बातें छिपाए बैठी थी।
"हमने उसका पालन-पोषण अच्छे से किया। कोई यह नहीं कह सकता कि हमने ऐसा नहीं किया। यह हमेशा आसान नहीं रहा है।"
उसे छात्रवृत्ति तो मिल गई, लेकिन फिर भी हमें उसका पेट पालना पड़ता था। वह एक आसान बच्ची नहीं थी। मुझे लगता था कि यह बमबारी की वजह से हुआ, लेकिन मिस्टर प्रॉक्टर यह मानने को तैयार नहीं थे। आप जानते हैं, उस समय वे हमारे साथ ही थे। हमारा स्टोक न्यूइंगटन में एक घर था। तब तक ज्यादा हवाई हमले नहीं हुए थे और एंडरसन शेल्टर वगैरह की वजह से हम खुद को सुरक्षित महसूस करते थे। उन्हीं VI रॉकेटों में से एक ने लिल और जॉर्ज की जान ले ली। मुझे न तो इसके बारे में कुछ याद है और न ही हमें मलबे से बाहर निकालने के बारे में। इसके बाद एक हफ्ते तक उन्होंने मुझे लिल के बारे में कुछ नहीं बताया। वे हम सबको बाहर निकाल लाए, लेकिन लिल मर चुकी थी और जॉर्ज की अस्पताल में मौत हो गई। हम खुशकिस्मत थे। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है। मिस्टर प्रॉक्टर की तबीयत लंबे समय तक बहुत खराब रही और ज़ाहिर है, उन्हें विकलांगता भी है। लेकिन उन्होंने कहा कि हम खुशकिस्मत थे।
"मेरी तरह," फेलिक्स ने कड़वाहट से सोचा।
"भाग्यशाली लोगों में से एक।"
"और फिर तुमने सैली को लिया और उसका पालन-पोषण किया," देबोरा ने पूछा।
"वहाँ वास्तव में कोई और नहीं था।"
माँ उसे नहीं ले जा सकती थी। वह इसके लायक नहीं थी। मैंने यह सोचने की कोशिश की कि लिल को यह अच्छा लगता, लेकिन इस तरह के विचार किसी बच्चे से प्यार करने में मदद नहीं करते।
वह सचमुच प्यार करने वाली नहीं थी। बेरिल जैसी बिल्कुल नहीं।
लेकिन सैली दस साल की थी जब बेरिल आई और मुझे लगता है कि इतने लंबे समय तक अकेली रहने के बाद उसके लिए यह मुश्किल रहा होगा। लेकिन हमने कभी कोई बदलाव नहीं किया। उनकी पढ़ाई हमेशा एक जैसी रही, पियानो की क्लास और बाकी सब कुछ। और अब यह सब। उसकी मौत के बाद पुलिस आई। वे वर्दी में नहीं थे, लेकिन आप उन्हें पहचान सकते थे। सबको इसके बारे में पता था।
उन्होंने पूछा कि वह आदमी कौन था, लेकिन जाहिर है, हम बता नहीं सकते थे।
"जिस आदमी ने उसकी हत्या की?" देबोरा ने अविश्वास भरे लहजे में कहा।
"अरे नहीं। बच्चे का बाप। मुझे लगता है उन्हें लगा होगा कि उसने ही यह किया होगा। लेकिन हम उन्हें कुछ बता नहीं सके।"

"मुझे लगता है कि उन्होंने आपसे उस रात आप कहां थे, इसके बारे में बहुत सारे सवाल पूछे होंगे।"

पहली बार श्रीमती प्रॉक्टर को अपने आँसुओं का एहसास हुआ। उन्होंने अपने पर्स में हाथ डालकर उन्हें पोंछ लिया। उनकी कहानी में लोगों की दिलचस्पी ने उनके दुख को कुछ हद तक कम कर दिया था। फेलिक्स को लगा कि सैली के लिए उनका रोना मुमकिन नहीं था। क्या लिल, जॉर्ज और उस असहाय बच्चे की यादें ताज़ा हो गई थीं जिन्हें वे पीछे छोड़ आए थे, और यही उनके आँसुओं का कारण था, या फिर यह सिर्फ़ थकान और नाकामी का एहसास था? जैसे मानो उसे उसके सवाल का आभास हो गया हो, उसने कहा, "मुझे नहीं पता मैं क्यों रो रही हूँ। रोने से मरे हुए लोग वापस नहीं आ सकते। शायद यह अंतिम संस्कार की वजह से था। हमने लिल के लिए वह भजन गाया था, 'प्यार का राजा मेरा चरवाहा है'। यह उन दोनों के लिए ठीक नहीं लगता। आप पुलिस के बारे में पूछ रहे थे। मुझे लगता है कि आपका भी उनसे सामना हो चुका होगा। वे हमारे पास आए थे। मैंने उन्हें बताया कि मैं बेरिल के साथ घर पर हूँ। उन्होंने पूछा कि क्या हम चैडफ्लीट में मेले में गए थे। मैंने उन्हें बताया कि हमें इसके बारे में कुछ नहीं पता। वैसे भी हम जाते नहीं। हमने सैली को कभी नहीं देखा था और हम उसके काम करने की जगह पर ताक-झांक नहीं करना चाहते थे। मुझे वह दिन अच्छी तरह याद है। सच में अजीब था। मिस लिडेल ने सुबह मिस्टर प्रॉक्टर से बात करने के लिए फोन किया, जो उन्होंने सैली की नई नौकरी के बाद से नहीं किया था। बेरिल ने फोन उठाया और उसे बहुत अजीब लगा।"

उसे लगा कि मिस लिडेल के फोन करने का मतलब सैली के साथ कुछ हुआ होगा। लेकिन फोन सिर्फ यह बताने के लिए था कि सैली ठीक है। हालांकि यह मजेदार था।

उसे पता था कि हम सुनना नहीं चाहते।

देबोरा को भी यह बात अजीब लगी होगी, इसीलिए उसने पूछा, "क्या मिस लिडेल ने पहले फोन करके आपको बताया था कि सैली कैसी है?"

"नहीं। सैली के मार्टिंगेल जाने के बाद से नहीं। उसने हमें फोन करके यह बताया था।"

कम से कम मुझे तो यही लगता है कि उसने ऐसा किया होगा। हो सकता है उसने मिस्टर प्रॉक्टर को लिखा हो, लेकिन मैं पक्का नहीं कह सकती। मुझे लगता है कि उसने सोचा होगा कि हमें सैली के होम छोड़ने के बारे में पता होना चाहिए, क्योंकि मिस्टर प्रॉक्टर उसके गार्जियन थे। कम से कम पहले तो थे, लेकिन अब वह इक्कीस साल से ज़्यादा की हो गई है और अपने दम पर है, इसलिए हमें कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कहाँ जाती है। उसने कभी हमारी परवाह नहीं की, हममें से किसी की भी नहीं, यहाँ तक कि बेरिल की भी नहीं। मैंने सोचा कि आज आना बेहतर रहेगा क्योंकि अगर परिवार का कोई भी सदस्य वहाँ नहीं है तो यह अजीब लगता है, चाहे मिस्टर प्रॉक्टर कुछ भी कहें। लेकिन वह सच में सही थे। मरे हुए व्यक्ति के वहाँ मौजूद रहने से कोई मदद नहीं मिलती और यह केवल दुख को और बढ़ा देता है। उन सभी लोगों के साथ भी ऐसा ही है। उन्हें कुछ बेहतर काम करना चाहिए।

"तो क्या मिस्टर प्रॉक्टर ने सैली को आपके घर से जाने के बाद से नहीं देखा था?" डेबोरा ने आगे पूछा।

"अरे नहीं। इसका कोई मतलब ही नहीं होगा, है ना?"
"मुझे लगता है कि पुलिस ने उससे पूछा होगा कि जिस रात उसकी मौत हुई उस रात वह कहाँ था। वे हमेशा पूछते हैं। बेशक, यह सिर्फ एक औपचारिकता है।"
अगर देबोरा को किसी को नाराज करने का डर था तो वह बेवजह चिंता कर रही थी।
"जिस तरह से वे बातें करते हैं, वह अजीब है। उनकी बातों से तो ऐसा लगता था मानो हमें इसके बारे में कुछ पता हो। वे सैली के जीवन के बारे में सवाल पूछते थे, कि क्या उसकी कोई उम्मीदें थीं और उसके दोस्त कौन थे।"
कोई भी सोचेगा कि वह कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति थी। उन्होंने बेरील को मिस लिडेल के फोन कॉल के बारे में पूछताछ करने के लिए बुलाया। उन्होंने मिस्टर प्रॉक्टर से यह भी पूछा कि सैली की मृत्यु वाली रात वह क्या कर रहे थे। वैसे भी, हम उस रात को भूलने वाले नहीं थे। उसी रात उनका साइकिल एक्सीडेंट हुआ था। वह बारह बजे तक घर नहीं लौटे थे और उनकी हालत बहुत खराब थी, उनके होंठ सूजे हुए थे और साइकिल मुड़ी हुई थी। उनकी घड़ी भी खो गई थी, जो बहुत दुखद था क्योंकि उनके पिता ने उन्हें वह घड़ी विरासत में दी थी और वह असली सोने की थी। लोग हमेशा कहते थे कि वह बहुत कीमती थी। मैं आपको बता सकता हूँ, हम उस रात को इतनी जल्दी भूलने वाले नहीं हैं।
श्रीमती प्रॉक्टर अंतिम संस्कार के भावनात्मक आघात से पूरी तरह उबर चुकी थीं और बड़ी उत्सुकता से बातें कर रही थीं, मानो उन्हें सुनने की आदत हो, न कि अपनी बात सुनाने की। देबोरा बड़ी आसानी से गाड़ी चला रही थी। उसके हाथ स्टीयरिंग व्हील पर आराम से रखे थे और उसकी नीली आँखें सामने सड़क पर टिकी हुई थीं, लेकिन फेलिक्स को इसमें कोई संदेह नहीं था कि उसका ध्यान कहीं और था। श्रीमती प्रॉक्टर की कहानी सुनकर देबोरा ने सहानुभूति जताते हुए कहा, "आप दोनों के लिए कितना बड़ा सदमा था! जब वह इतनी देर से आए तो आप दोनों बहुत चिंतित हुए होंगे। आखिर हुआ कैसे?"
"वह फिंचवर्थी की तरफ कहीं पहाड़ी के नीचे गिर गया। मुझे ठीक से नहीं पता कहाँ। वह तेज़ी से नीचे आ रहा था और किसी ने सड़क पर टूटे हुए कांच के टुकड़े छोड़ दिए थे। ज़ाहिर है, उससे आगे का टायर फट गया और उसने नियंत्रण खो दिया और खाई में गिर गया। जैसा मैंने उसे बताया, उसकी मौत भी हो सकती थी या वह बुरी तरह घायल भी हो सकता था, और अगर ऐसा होता, तो भगवान ही जाने क्या होता क्योंकि वे सड़कें बहुत सुनसान हैं। आप घंटों वहाँ पड़े रह सकते हैं और कोई नहीं आएगा। श्री प्रॉक्टर को व्यस्त सड़कें साइकिल चलाने के लिए पसंद नहीं हैं और मुझे इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। अगर आप अकेले में समय नहीं बिताते, तो आपको शांति नहीं मिलती।"
"क्या उसे साइकिल चलाना पसंद है?" देबोरा ने पूछा।
"साइकिल चलाने का उन्हें बहुत शौक है। हमेशा से रहा है। बेशक, अब वे सड़क पर साइकिल चलाना नहीं पसंद करते। युद्ध और बमबारी के बाद से तो बिलकुल नहीं। हालांकि, जवानी में वे खूब साइकिल चलाते थे। लेकिन उन्हें अब भी घूमना-फिरना अच्छा लगता है और शनिवार की दोपहर को हम उन्हें अक्सर नहीं देख पाते।"

श्रीमती प्रॉक्टर की आवाज़ में राहत का भाव था, जो उनके दोनों श्रोताओं से छिपा नहीं रहा। फेलिक्स ने सोचा, एक साइकिल और एक दुर्घटना एक कारगर बहाना हो सकती है, लेकिन अगर वह बारह बजे तक घर के अंदर था, तो वह गंभीर संदिग्ध नहीं हो सकता। दुर्घटना चाहे मनगढ़ंत ही क्यों न हो, मार्टिंगेल से घर पहुँचने में उसे कम से कम एक घंटा लगेगा, और उसने पूरी यात्रा साइकिल से की थी। एक उचित मकसद की कल्पना करना भी मुश्किल था, क्योंकि प्रॉक्टर को सेंट मैरी में दाखिले से पहले अपनी भतीजी की हत्या करने का कोई कारण नहीं मिला था और जाहिर तौर पर उसके बाद से उसका उससे कोई संपर्क नहीं था। फेलिक्स के मन में सैली के लिए भविष्य में मिलने वाली विरासत की संभावना भी घूम रही थी, जो उसकी मृत्यु के बाद आसानी से बेरिल प्रॉक्टर को मिल जाएगी।

लेकिन मन ही मन वह जानता था कि वह सैली जुप्प के हत्यारे की तलाश नहीं कर रहा था, बल्कि ऐसे किसी व्यक्ति की तलाश कर रहा था जिसके पास पर्याप्त मकसद और मौका हो ताकि पुलिस की जांच को संभावित संदिग्धों से भटकाया जा सके। प्रॉक्टर परिवार के लिए तो यह एक फीकी सी उम्मीद लग रही थी, लेकिन देबोरा ने ठान लिया था कि उनसे कुछ न कुछ जरूर पता चलेगा। समय की कमी भी उसे परेशान कर रही थी।

"क्या आप अपने पति का इंतज़ार करती रहीं, श्रीमती प्रॉक्टर? आधी रात तक तो आप काफी बेचैन हो गई होंगी, जब तक कि वह आमतौर पर देर से न आते हों।"

"खैर, वो अक्सर थोड़ा देर से आते थे और हमेशा कहते थे कि उनका इंतज़ार मत करना, इसलिए मैं नहीं करती थी। मैं लगभग हर शनिवार को बेरिल के साथ सिनेमा जाती हूँ। हमारे पास वो फिल्म है, और हम कभी-कभी वो भी देखते हैं, लेकिन हफ्ते में एक बार घर से बाहर निकलना अच्छा लगता है।"

"तो जब आपके पति लौटे तो आप बिस्तर पर थीं?" देबोरा ने नरमी से पूछा।

"उनके पास अपनी चाबी थी, इसलिए जागते रहने का कोई मतलब नहीं था। अगर मुझे पता होता कि उन्हें इतनी देर हो जाएगी तो बात अलग होती। मैं आमतौर पर मिस्टर प्रॉक्टर के बाहर जाने पर रात दस बजे के आसपास सोने चली जाती हूँ।"

ध्यान रहे, रविवार की सुबह उतनी भीड़ नहीं होती, लेकिन मुझे देर रात तक जागना पसंद नहीं था। मैंने पुलिस को यही बताया था। (मैंने कहा था, 'मुझे देर रात तक जागना पसंद नहीं था।')

वे श्री प्रॉक्टर की दुर्घटना के बारे में भी पूछ रहे थे। इंस्पेक्टर बहुत सहानुभूति दिखा रहे थे। मैंने उन्हें बताया, 'वे लगभग बारह बजे तक घर नहीं आए थे।' वे समझ सकते थे कि सैली के इस तरह आत्महत्या करने के बिना भी वह रात चिंताजनक रही होगी। (मुझे लगता है कि श्री प्रॉक्टर ने घर पहुँचते ही आपको जगाया होगा। उन्हें उस हालत में देखना आपके लिए बहुत चिंताजनक रहा होगा।)

"ओह, हाँ! मैंने उसे बाथरूम में सुना और जब मैंने आवाज़ लगाई तो वह मेरे पास आ गया। उसका चेहरा भयानक लग रहा था, खून से सना हुआ हरा रंग, और वह बुरी तरह कांप रहा था। मुझे नहीं पता कि वह घर कैसे पहुँचा। जब वह नहा रहा था, मैं उसके लिए चाय बनाने उठी। मुझे समय याद है क्योंकि उसने मुझे नीचे बुलाकर पूछा था। दुर्घटना के बाद उसकी घड़ी खो गई थी,

और हमारे पास केवल रसोई की छोटी घड़ी और सामने वाले कमरे की घड़ी ही बची थी। उसमें आधी रात के दस मिनट बाद का समय था और रसोई वाली घड़ी में भी वही समय था। यह मेरे लिए एक बड़ा झटका था, मैं आपको बता सकती हूँ।"

साढ़े बारह बज चुके थे जब हम वापस बिस्तर पर गए और मुझे लगा ही नहीं था कि वो अगली सुबह उठने की हालत में होंगे। लेकिन वो उठ गए, हमेशा की तरह। वो हमेशा सबसे पहले नीचे जाते हैं और चाय बनाते हैं। उन्हें लगता है कि उनके जैसा चाय कोई नहीं बना सकता और वो वाकई अच्छी चाय बनाते हैं। लेकिन मुझे लगा ही नहीं था कि वो उस रविवार को जल्दी उठेंगे, पिछली रात उनकी हालत देखकर तो बिलकुल नहीं। वो अब भी उस घटना से सदमे में हैं। इसीलिए वो पूछताछ में नहीं गए। और फिर उसी सुबह पुलिस आकर हमें सैली के बारे में बताने लगी। हम उस रात को इतनी जल्दी नहीं भूलेंगे।

अब वे कैनिंगबरी पहुँच चुके थे और हाई रोड और ब्रॉडवे पर उमड़ते वाहनों को नियंत्रित करने वाले ट्रैफिक सिग्नल पर उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। पूर्वी लंदन के इस भीड़भाड़ वाले उपनगर में खरीदारी का यह एक लोकप्रिय दोपहर था। फुटपाथ गृहिणियों से भरे हुए थे, जो किसी आदिम प्रवृत्ति से प्रेरित होकर, बड़ी धीमी गति से वाहनों के रास्ते को पार कर रही थीं।

सड़क के दोनों ओर की दुकानें कभी मकानों की एक कतार हुआ करती थीं और उनकी भव्य खिड़कियाँ और अग्रभाग ऊपर की साधारण छतों और खिड़कियों के साथ बेमेल विरोधाभास पैदा करते थे। टाउन हॉल, जो ऐसा प्रतीत होता था मानो शराब के नशे में चूर मूर्खों की एक समिति द्वारा डिजाइन किया गया हो, दो बम से तबाह स्थलों से घिरा हुआ एकांत वैभव में खड़ा था, जहाँ पुनर्निर्माण अभी-अभी शुरू हुआ था।

गर्मी और शोर से बचने के लिए आँखें बंद करते हुए फेलिक्स ने खुद को दृढ़ता से याद दिलाया कि कैनिंगबरी एक अधिक प्रबुद्ध उपनगर है, जहाँ सार्वजनिक सेवाओं का उत्कृष्ट रिकॉर्ड है, और हर कोई ग्रीनविच में एक शांत जॉर्जियन घर में रहना नहीं चाहता, जहाँ नदी से कोहरा सफेद उंगलियों की तरह उठता है और केवल सबसे दृढ़ निश्चयी मित्र ही उसके दरवाजे तक पहुँच पाते हैं। ट्रैफिक लाइट बदलने पर उसे खुशी हुई और श्रीमती प्रॉक्टर के मार्गदर्शन में, वे धीरे-धीरे आगे बढ़े और मुख्य सड़क से बाईं ओर मुड़ गए।

यहां शॉपिंग सेंटर का शोरगुल था, औरतें अपने टोकरे लिए घर लौट रही थीं, कुछ छोटी-छोटी गाउन की दुकानें और हेयरड्रेसर थे जिनके सामने के कमरों की खिड़कियों पर नकली फ्रेंच नाम लिखे हुए थे। कुछ मिनटों बाद वे फिर एक शांत गली में मुड़ गईं जहाँ एक जैसी इमारतों की कतार दूर-दूर तक फैली हुई थी। हालाँकि उनकी बनावट एक जैसी थी, फिर भी वे दिखने में बहुत अलग थीं क्योंकि उनके छोटे-छोटे बगीचों में से शायद ही कोई दो एक जैसे थे।

सभी पौधों को बड़े ध्यान से बोया और संवारा गया था। कुछ गृहस्वामियों ने बंदर-पज़ल के पेड़, कुंडों से मछली पकड़ते हुए पत्थर के बौनों की आकर्षक मूर्तियाँ या नकली चट्टानी बगीचे बनाकर अपनी विशिष्टता प्रदर्शित की थी, लेकिन अधिकांश ने रंग और सुगंध का एक छोटा सा प्रदर्शन करके ही संतोष कर लिया था, जिसने घर की नीरसता को शर्मिंदा कर दिया था। पर्दों पर सावधानीपूर्वक, भले ही गलत चुनाव के, और बार-बार धोने के निशान थे, और उनके साथ जाली

या लेस के अतिरिक्त आधे पर्दे भी लगे थे, जिन्हें दुनिया की अशिष्टता से बचने के लिए सावधानीपूर्वक खींचा गया था।

विंडरमेयर क्रीसेंट एक ऐसी सड़क का प्रतिष्ठित रूप था जो अपने पड़ोसियों से कहीं बेहतर थी और जिसके निवासी उस श्रेष्ठता को बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित थे।

यह सैली जुप्प का घर हुआ करता था, जो इस घर के मानकों से बेहद बुरी तरह गिर चुकी थी। कार 17 नंबर के गेट के पास फुटपाथ पर आकर रुकी और श्रीमती प्रॉक्टर ने अपने काले, बेढंगे हैंडबैग को सीने से लगा लिया और दरवाजे को टटोलने लगीं।

"मुझे करने दो," देबोरा ने कहा और कुंडी खोलने के लिए उसके ऊपर झुक गई। श्रीमती प्रॉक्टर ने खुद को छुड़ाया और धन्यवाद देना शुरू किया, जिसे देबोरा ने बीच में ही रोक दिया।

"प्लीज़ ऐसा मत कीजिए। हमें यहाँ आकर बहुत खुशी हुई। मुझे लगता है कि जाने से पहले मैं आपसे एक गिलास पानी मांग लूँ तो अच्छा रहेगा। मुझे पता है ये अजीब है, लेकिन इस गर्मी में गाड़ी चलाते समय बहुत प्यास लगती है। सच में, सिर्फ पानी ही चाहिए। मैं शायद ही कभी कुछ और पीती हूँ।"

"भगवान की कसम, ऐसा मत करो!" फेलिक्स ने सोचा जैसे ही दोनों महिलाएं घर के अंदर गायब हो गईं।

वह सोच रहा था कि देबोरा अब क्या कर रही होगी और उम्मीद कर रहा था कि इंतज़ार ज़्यादा लंबा नहीं होगा। श्रीमती प्रॉक्टर के पास अपने उपकारक को घर में आमंत्रित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वह शायद कार तक पानी का गिलास भी नहीं ला सकती थीं।

फिर भी फेलिक्स को पूरा यकीन था कि उसे यह दखलंदाजी पसंद नहीं आई थी। अंदर जाने से पहले उसने घबराकर सड़क की ओर देखा था और फेलिक्स ने अनुमान लगाया कि काफी देर हो चुकी थी और वह बहुत चिंतित थी कि उसके पति के घर आने से पहले गाड़ी वहां से चली जाए।

जब वे पहली बार कब्रिस्तान में उससे मिले थे, तब उसने जो चिंता दिखाई थी, उसका कुछ अंश फिर से लौट आया था। उसे देबोरा पर क्षणिक झुंझलाहट महसूस हुई। यह अभ्यास शायद ही उपयोगी होता और उस बेचारी छोटी सी महिला को परेशान करना व्यर्थ था।

देबोरा, जो ऐसी कोमल भावनाओं से अछूती थी, को सामने वाले कमरे में ले जाया जा रहा था। एक स्कूली छात्रा पियानो पर अपना संगीत व्यवस्थित कर रही थी, मानो अभ्यास की तैयारी कर रही हो, लेकिन उसे कमरे से बाहर भेज दिया गया और जल्दी से कहा गया, 'एक गिलास पानी ले आओ,' यह बात माता-पिता द्वारा अजनबियों की उपस्थिति में अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले बनावटी उत्साह भरे लहजे में कही गई थी। देबोरा ने सोचा कि बच्ची बड़ी अनिच्छा से बाहर गई और उसे एक लंबी और जानबूझकर घूरने के बाद ही गई। वह एक असाधारण रूप से साधारण बच्ची थी, लेकिन उसकी अपने मृत चचेरे भाई से समानता स्पष्ट थी। श्रीमती प्रॉक्टर ने उसका परिचय नहीं कराया था और देबोरा सोच रही थी कि क्या यह घबराहट के कारण हुई चूक थी या जानबूझकर बच्ची को उसकी माँ की दोपहर की गतिविधियों से अनजान रखने की इच्छा थी। यदि ऐसा था, तो शायद इस मुलाकात को समझाने के लिए कोई कहानी गढ़ी जाएगी, हालाँकि श्रीमती प्रॉक्टर उसे ज्यादा कल्पनाशील नहीं लगी थीं।

वे आमने-सामने की कुर्सियों पर बैठ गईं, प्रत्येक कुर्सी की पीठ पर कढ़ाई की हुई थी जिसमें क्रिनोलिन और बोनट पहने एक महिला हॉलीहॉक के फूल तोड़ रही थी, और उसके गद्देदार, बेदाग थे। यह स्पष्ट रूप से सबसे अच्छा कमरा था, जिसका उपयोग केवल मेहमानों के मनोरंजन या पियानो अभ्यास के लिए किया जाता था। इसमें मोम पॉलिश, नए फर्नीचर और शायद ही कभी खुलने वाली खिड़कियों की हल्की सी सी गंध थी। पियानो पर बैले पोशाक पहने दो युवा लड़कियों की तस्वीरें थीं, उनके बेढंगे शरीर अप्राकृतिक और कोणीय मुद्राओं में झुके हुए थे और उनके चेहरे कृत्रिम गुलाबों के हार के नीचे दृढ़ मुस्कान में जमे हुए थे। उनमें से एक वह बच्ची थी जो अभी कमरे से निकली थी। दूसरी सैली थी। यह अजीब था कि उस उम्र में भी, एक ही परिवार के रंग और समान शारीरिक बनावट ने एक में एक विशिष्ट विशिष्टता पैदा कर दी थी और दूसरी में एक भारी सादगी, जो भविष्य के लिए बहुत कम उम्मीद जगाती थी। श्रीमती प्रॉक्टर ने उसकी नज़र की दिशा देखी।

"हाँ," उसने कहा, "हमने उसके लिए सब कुछ किया। सब कुछ। कभी कोई भेदभाव नहीं किया गया। उसने भी बेरिल की तरह पियानो सीखा, हालाँकि उसमें बेरिल जैसी प्रतिभा नहीं थी। लेकिन हमने हमेशा दोनों के साथ एक जैसा व्यवहार किया। यह बहुत दुखद है कि सब कुछ इस तरह खत्म हो गया। वह दूसरी तस्वीर बेरिल के नामकरण संस्कार के बाद ली गई हमारी सामूहिक तस्वीर है। उसमें मैं और मिस्टर प्रॉक्टर बच्ची और सैली के साथ हैं। तब वह बहुत प्यारी बच्ची थी, लेकिन यह सुंदरता ज्यादा समय तक नहीं रही।"

देबोरा तस्वीर के पास चली गई।

समूह को भारी नक्काशीदार कुर्सियों पर और कृत्रिम रूप से लगाए गए पर्दों की पृष्ठभूमि के सामने अकड़े हुए ढंग से बिठाया गया था, जिससे तस्वीर अपनी वास्तविक उम्र से अधिक पुरानी लग रही थी। श्रीमती प्रॉक्टर, जो युवा और अधिक सुडौल थीं, अपने बच्चे को अजीब तरह से पकड़े हुए थीं और अपने नए कपड़ों में असहज दिख रही थीं।

सैली रूठी हुई लग रही थी। पति उनके पीछे खड़ा था, दस्ताने पहने हुए उसके हाथ कुर्सी की पीठ पर अधिकारिक भाव से टिके हुए थे। उसकी मुद्रा में कुछ अस्वाभाविक सा था, लेकिन उसके चेहरे पर इसका कोई आभास नहीं था।

देबोरा ने उसे ध्यान से देखा।

उसे कहीं न कहीं यकीन था कि उसने वह चेहरा पहले भी देखा है, लेकिन पहचान धुंधली और अधूरी थी। आखिरकार, वह एक साधारण सा चेहरा था और तस्वीर दस साल से भी ज्यादा पुरानी थी।

वह निराशा के भाव से तस्वीर से मुंह फेर लिया। तस्वीर से उसे बहुत कम जानकारी मिली थी और उसे यह भी नहीं पता था कि इससे उसे और क्या उम्मीद थी।

बेरिल प्रॉक्टर पानी का गिलास लेकर लौटीं, जो एक छोटी सी पेपरमाशे ट्रे पर रखा हुआ सबसे बेहतरीन गिलासों में से एक था। कोई परिचय नहीं हुआ और पानी पीते हुए देबोरा को एहसास हुआ कि दोनों ही उसे यहाँ से भगाना चाहती हैं। अचानक, वह भी घर से बाहर निकलकर उनसे छुटकारा पाना चाहती थी। उसका यहाँ आना एक समझ से परे आवेग था। यह आंशिक रूप से

ऊब, आंशिक रूप से आशा और बहुत हद तक जिज्ञासा से प्रेरित था। मरी हुई सैली, जीवित सैली से ज़्यादा दिलचस्प हो गई थी और वह देखना चाहती थी कि सैली को किस तरह के घर से ठुकराया गया था।

अब वह जिज्ञासा अहंकार जैसी लग रही थी और घर में उसका प्रवेश एक अतिक्रमण प्रतीत हो रहा था जिसे वह लंबा नहीं खींचना चाहती थी।

उसने सबको अलविदा कहा और फेलिक्स के पास लौट गई। फेलिक्स ने गाड़ी की स्टीयरिंग संभाली और तब तक वे चुप रहे जब तक कि शहर पीछे छूटकर गाड़ी उपनगरीय इलाके से निकलकर ग्रामीण क्षेत्र में नहीं पहुंच गई।

अंत में फेलिक्स ने कहा, "तो क्या जासूसी का यह अभ्यास सार्थक था? क्या आप वाकई इसे जारी रखना चाहते हैं?"

"क्यों नहीं?"

"सिर्फ इसलिए कि आपको सच्चाई का पता चल सके। मुझे नहीं लगता कि वह व्यभिचारी थी।"

मैं सुरक्षा की कीमत पर उस बेचारी बच्ची की प्रतिष्ठा को और अधिक धूमिल नहीं करना चाहता, क्योंकि अब वह खुद का बचाव करने के लिए यहां नहीं है।"

"मुझे लगता है कि आप उसके बारे में सही कह रहे हैं," फेलिक्स ने कहा। "लेकिन मैं आपको सलाह नहीं दूंगा कि आप इंस्पेक्टर को अपनी राय बताएँ। उन्हें सैली का मनोवैज्ञानिक आकलन खुद करने दें। अगर हम चुप रहे और कुछ नहीं बोले तो पूरा मामला हाथ से निकल जाएगा। सोम्मेइल सबसे बड़ा खतरा है। उस बोतल को छिपाने से ये दोनों बातें जुड़ी हुई लगती हैं। फिर भी, दवा आपके पीने के मग में डाली गई थी। कोई भी डाल सकता था।"

"यहां तक कि मेरे द्वारा भी।"

"यहाँ तक कि तुम्हारे द्वारा भी नहीं। यह सैली ने वहाँ रखा हो सकता है। उसने तुम्हें चिढ़ाने के लिए मग लिया होगा। मुझे लगता है उसने ऐसा ही किया। लेकिन हो सकता है उसने महज़ अच्छी नींद के लिए तुम्हारे कोको में दवा मिला दी हो। यह कोई जानलेवा खुराक नहीं थी।"

"तो फिर बोतल को क्यों छिपाया गया था?"

"मान लीजिए कि इसे या तो किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा छिपाया गया था जिसने गलती से यह मान लिया था कि नशीली दवा देने और हत्या का आपस में संबंध है और जो उस तथ्य को छिपाना चाहता था, या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा छिपाया गया था जो जानता था कि उनका आपस में कोई संबंध नहीं है लेकिन जो परिवार को फंसाना चाहता था।"

चूंकि आपके द्वारा लगाए गए निशान से छिपने की जगह का पता चलता है, इसलिए हम यह मान सकते हैं कि उस व्यक्ति ने जानबूझकर आपको फंसाने की इच्छा रखी होगी। यह सोचकर आपको अच्छा लग रहा है।

अब वे लिटिल चैडफ्लीट के ऊपर पहाड़ी की चोटी पर पहुँच चुके थे। उनके नीचे गाँव बसा हुआ था और पेड़ों के ऊपर से मार्टिंगेल की ऊँची-ऊँची धूसर चिमनियों की एक झलक दिखाई दे रही थी।

घर लौटने के साथ ही, उस उत्पीड़न और भय का साया, जिससे अभियान ने केवल आंशिक रूप

से राहत दिलाई थी, एक काले बादल की तरह छा गया।
"अगर वे इस अपराध को कभी नहीं सुलझा पाए,"
डेबोरा, "क्या तुम सचमुच कल्पना कर सकती हो कि हम मार्टिंगेल में खुशी से रह रहे हैं? क्या तुम्हें कभी यह महसूस नहीं होता कि तुम्हें सच्चाई जाननी चाहिए? क्या तुम सचमुच कभी खुद को यह यकीन नहीं दिला पाती कि यह स्टीफन ने किया है, या मैंने?"
"तुम? उन हाथों और नाखूनों से तो नहीं। क्या तुमने ध्यान नहीं दिया कि काफी बल का प्रयोग किया गया था और उसकी गर्दन पर चोट के निशान थे, खरोंच नहीं आई थी?"
स्टीफन एक संभावना है। कैथरीन, तुम्हारी माँ और मार्था भी हो सकती हैं। मैं भी हो सकती हूँ। संदिग्धों की अधिकता ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा है। डेलग्लिश को चुनने दो। जहाँ तक मार्टिंगेल में एक अनसुलझे अपराध के साये में न रहने की बात है - मुझे लगता है कि इस घर ने पिछले तीन सौ वर्षों में हिंसा का सामना किया होगा। आपके सभी पूर्वजों ने इतना सुव्यवस्थित जीवन नहीं जिया, भले ही उनकी मृत्यु पादरियों की देखरेख में हुई हो। दो सौ वर्षों में सैली जुप्प की मृत्यु उन कहानियों में से एक होगी जो हैलोवीन पर आपके परपोतों को डराने के लिए सुनाई जाएंगी। और अगर आप सचमुच मार्टिंगेल को बर्दाश्त नहीं कर सकते, तो ग्रीनविच तो हमेशा रहेगा ही। मैं आपको फिर से इस बारे में बताकर बोर नहीं करूंगा, लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्या महसूस करता हूँ।
उनकी आवाज़ लगभग भावहीन थी। उनके हाथ स्टीयरिंग व्हील पर हल्के से टिके थे और उनकी आँखें अब भी सहज और तनावमुक्त एकाग्रता के साथ आगे सड़क पर टिकी हुई थीं। उन्हें अवश्य ही पता था कि वह क्या सोच रही है, क्योंकि उन्होंने कहा:
"चिंता मत करो। मैं मामले को और जटिल नहीं बनाऊंगा। मैं बस इतना चाहता हूं कि तुम्हारे साथ घूमने वाले उन हट्टे-कट्टे लोगों को मेरी रुचि के बारे में गलतफहमी न हो।"
"अगर मैं भाग जाऊं तो क्या तुम मुझे चाहोगे, फेलिक्स?"
"क्या ये कुछ ज़्यादा ही नाटकीय नहीं है? पिछले दस सालों में हममें से ज़्यादातर लोग और क्या कर रहे थे? लेकिन अगर आप मार्टिंगेल से बचने के लिए शादी करना चाहते हैं, तो शायद आपको ये त्याग अनावश्यक लगे। कैनिंगबरी से निकलते समय हमें डेलग्लिश और उसका एक साथी रास्ते में मिले। मेरा अंदाज़ा है कि वे भी उसी काम से जा रहे थे। प्रॉक्टर के बारे में आपका अनुमान शायद उतना गलत नहीं था।"
उन्होंने चुपचाप कार को गैराज में पार्क किया और हॉल की ठंडी हवा में प्रवेश किया।
कैथरीन बोवर्स सीढ़ियाँ चढ़ रही थीं।
वह लिनेन से ढकी ट्रे लिए हुए थी और सफेद नायलॉन का ओवरऑल, जिसे वह आमतौर पर साइमन मैक्सी की देखभाल करते समय पहनती थी, आकर्षक, कुशल और शालीन लग रहा था। किसी दूसरे व्यक्ति को कुशलतापूर्वक और सार्वजनिक रूप से उन कर्तव्यों का पालन करते देखना कभी भी सुखद नहीं होता, जिन्हें अंतरात्मा स्वयं का कर्तव्य मानती है, और देबोरा इतनी ईमानदार थी कि वह अपनी झुंझलाहट के कारण को पहचानती थी। उसने असामान्य आत्मविश्वास के साथ इसे छिपाने की कोशिश की।

"क्या अंतिम संस्कार भयानक नहीं था, कैथरीन?"
मुझे बेहद अफसोस है कि फेलिक्स और मैं इस तरह भाग गए। हमने श्रीमती प्रॉक्टर को घर तक छोड़ा। मुझे अचानक उस दुष्ट चाचा पर हत्या का आरोप लगाने की तीव्र इच्छा हुई।
कैथरीन प्रभावित नहीं हुई।
"जब इंस्पेक्टर ने मुझसे दूसरी बार पूछताछ की, तो मैंने उससे चाचा के बारे में पूछा। उसने कहा कि पुलिस इस बात से संतुष्ट है कि मिस्टर प्रॉक्टर ने सैली की हत्या नहीं की होगी। उसने इसका कारण नहीं बताया। मुझे यह काम उसे ही सौंप देना चाहिए। भगवान ही जानता है कि यहाँ पहले से ही बहुत काम है।"
वह अपने रास्ते चली गई। उसका ध्यान रखते हुए, डेबोरा ने कहा:
"हो सकता है मैं कठोर मानसिकता का होऊं, लेकिन अगर मार्टिंगेल में किसी ने सैली की हत्या की है तो मैं चाहूंगा कि यह कैथरीन ने की हो।"
"हालांकि, इसकी संभावना नहीं है, है ना?"
फेलिक्स। (मुझे नहीं लगता कि वह हत्या करने में सक्षम है।)
और हम बाकी लोग? यहां तक कि
माँ?"
"खासकर अगर उसे जरूरी लगे तो, मुझे लगता है कि वह ऐसा करेगी।"
"मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा," डेबोरा ने कहा। "लेकिन अगर यह सच भी है, तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि जब पुलिस मार्टिंगेल पर कब्जा कर लेगी और मिस लिडेल और डेरेक पुलेन जैसे लोगों पर संदेह किया जाएगा, तब वह चुप रहेगी?"
"नहीं," फेलिक्स ने उत्तर दिया। "नहीं, मैं वह नहीं देख सकता।"

अध्याय सात

नेसिंगफोर्ड रोड पर स्थित रोज़ कॉटेज अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में बने एक मज़दूर की कुटिया थी, जिसमें इतनी ऊपरी सुंदरता और प्राचीनता थी कि राहगीरों को यह विचार आ जाता था कि इसे कुछ नया रूप दिया जा सकता है। पुलेंस के हाथों में आकर यह सच हो गया - एक हज़ार शहरी परिषद के घरों की प्रतिकृति। सामने के कमरे की खिड़की की पूरी जगह पर एक अल्सेशियन कुत्ते का प्लास्टर का बड़ा मॉडल रखा था। उसके पीछे लेस के पर्दे करीने से लटके हुए थे और नीले रिबन से बंधे थे। सामने का दरवाज़ा सीधे बैठक कक्ष में खुलता था। यहाँ पुलेंस का आधुनिक सजावट के प्रति उत्साह विवेक पर हावी हो गया था और परिणाम विचित्र रूप से परेशान करने वाला था। एक दीवार पर नीले रंग की पृष्ठभूमि पर गुलाबी सितारों का डिज़ाइन वाला वॉलपेपर लगा था। सामने वाली दीवार पर उसी रंग का गुलाबी पेंट किया गया था। कुर्सियों पर नीली धारीदार चादर बिछी थी, जिसे स्पष्ट रूप से वॉलपेपर से मेल खाने के लिए सावधानीपूर्वक चुना गया था। हेयरकॉर्ड कालीन हल्के गुलाबी रंग का था और कीचड़ भरे पैरों के आने-जाने से खराब हो चुका था। कुछ भी साफ नहीं था, कुछ भी टिकाऊ नहीं था, कुछ भी सरल या ईमानदार नहीं था।

डेलग्लिश को यह सब बेहद निराशाजनक लगा।

डेरेक पुलेन और उसकी माँ घर पर थे। श्रीमती पुलेन ने हत्या की जाँच में लगे पुलिस अधिकारियों के आगमन पर कोई सामान्य प्रतिक्रिया नहीं दिखाई, बल्कि उनका स्वागत कई तरह की बातों से किया, मानो वह विशेष रूप से उनके स्वागत के लिए घर पर रुकी हों और लंबे समय से उनके आने का इंतज़ार कर रही हों। उनके शब्द एक-दूसरे से टकराते रहे। उन्हें देखकर प्रसन्नता हुई... उनका भाई एक पुलिस कांस्टेबल है... शायद उन्होंने उसके बारे में सुना होगा... बार्किंगवे में जो पुलेन... पुलिस को सच बताना हमेशा बेहतर होता है... वैसे तो बताने लायक कुछ है नहीं... बेचारी श्रीमती मैक्सी... जब मिस लिडेल ने उन्हें बताया तो उन्हें मुश्किल से विश्वास हुआ... घर आकर डेरेक को बताया और उसे भी विश्वास नहीं हुआ... ऐसी लड़की नहीं जिसे कोई सभ्य आदमी चाहेगा... मैक्सी परिवार बहुत स्वाभिमानी था... ऐसी लड़की मुसीबत को न्योता देती है। जैसे-जैसे वह बोल रही थीं, उनकी पीली आँखें डेलग्लिश के चेहरे पर घूमती रहीं, लेकिन उन्हें कुछ समझ नहीं आया। पृष्ठभूमि में उनका बेटा खड़ा था, अपरिहार्य के लिए तैयार।

इसलिए पुलन को शनिवार की देर रात सगाई के बारे में पता चल गया था, हालांकि, जैसा कि पुलिस पहले ही पता लगा चुकी थी, उन्होंने वह शाम अपने कार्यालय के एक दल के साथ स्ट्रैटफ़ोर्ड के थिएटर रॉयल में बिताई थी और वह उत्सव में मौजूद नहीं थे।

डेलग्लिश को बातूनी श्रीमती पुलेन को रसोई में वापस जाने और लड़के को खुद जवाब देने के लिए छोड़ने के लिए मनाना मुश्किल हो रहा था, लेकिन पुलेन की ज़िद और उन्हें अकेला छोड़ने की ज़िद ने डेलग्लिश की मदद की। ज़ाहिर है, वह इस मुलाक़ात की उम्मीद कर रहा था। जब डेलग्लिश और मार्टिन के आने की घोषणा हुई, तो वह अपनी कुर्सी से उठ खड़ा हुआ और एक

ऐसे व्यक्ति के दयनीय साहस के साथ उनका सामना किया, जिसकी कमज़ोर हिम्मत ने उसे इंतज़ार का समय भी मुश्किल से ही दिया था। डेलग्लिश ने उससे नरमी से बात की। मानो वह किसी बेटे से बात कर रहा हो। मार्टिन ने यह तरीका पहले भी देखा था। घबराए हुए, भावुक लोगों के साथ यह बहुत आसान होता है, खासकर अगर वे अपराधबोध से ग्रस्त हों। मार्टिन ने सोचा, अपराधबोध एक अजीब चीज़ है। इस लड़के ने शायद सैली जुप्प से थोड़ी देर के लिए मिलने और उसे चूमने-छिपाने के अलावा कुछ बुरा नहीं किया था, लेकिन जब तक वह किसी को सच नहीं बता देता, तब तक उसे चैन नहीं मिलेगा। दूसरी ओर, वह हत्यारा भी हो सकता है। अगर वह है, तो डर उसे कुछ समय के लिए चुप रखेगा। लेकिन अंत में वह टूट ही जाएगा। जल्द ही डेलग्लिश में, जो धैर्यवान, निर्भीक और सर्वशक्तिमान थे, उन्हें वह मार्गदर्शक दिखाई दिया जिसकी उनके अंतरात्मा को तलाश थी। तब उस संक्षिप्त लेखक के लिए आत्म-आरोप और अपराधबोध की बाढ़ को संभालना मुश्किल हो गया। अंत में, मनुष्य का अपना मन ही उसे धोखा देता है और डेलग्लिश यह बात दूसरों से बेहतर जानते थे। कई बार सार्जेंट मार्टिन, जो बहुत संवेदनशील व्यक्ति नहीं थे, को लगा कि जासूस का काम आसान नहीं होता।

लेकिन अब तक पुलन पूछताछ में डटकर खड़ा था। उसने स्वीकार किया कि वह शनिवार देर रात मार्टिंगेल के पास से गुजरा था। वह एक परीक्षा की तैयारी कर रहा था और सोने से पहले थोड़ी ताज़ी हवा लेना चाहता था। वह अक्सर देर रात टहलने जाता था। उसकी माँ इस बात की पुष्टि कर सकती थी।

उसने सैली के कमरे में मिला वेनेजुएला का लिफाफा उठाया, अपने मुड़े हुए चश्मे को माथे पर ऊपर की ओर धकेला और धुंधली दृष्टि से उस पर लिखी तारीखों को देखा।

दबे स्वर में उसने स्वीकार किया कि वह लिखावट उसी की थी। लिफाफा दक्षिण अमेरिका में रहने वाले उसके एक पत्र मित्र ने भेजा था। उसने उस पर सैली जुप्प से मिलने की तारीखें लिख रखी थीं। उसे याद नहीं था कि उसने यह लिफाफा उसे कब दिया था, लेकिन तारीखें पिछले महीने हुई उनकी मुलाकातों की थीं।

"वह अपना दरवाजा बंद करके फिर चिमनी के रास्ते तुम्हारे पास आती थी, है ना?" डेलग्लिश ने पूछा। "तुम्हें उसका भरोसा तोड़ने से डरने की ज़रूरत नहीं है। हमें चिमनी पर उसके हथेली के निशान मिले हैं। उन मुलाकातों के दौरान तुम क्या करते थे?"

"हम एक-दो बार बगीचे में टहलने गए। ज़्यादातर हम उसके कमरे के सामने वाले पुराने अस्तबल में बैठकर बातें करते थे।" उसे लगा होगा कि डेलग्लिश के चेहरे पर अविश्वास झलक रहा है, क्योंकि वह शर्म से लाल हो गया और बचाव करते हुए बोला:

"अगर आप यही सोच रहे हैं तो बता दूं कि हमने शारीरिक संबंध नहीं बनाए। मेरा मानना है कि सभी पुलिसवालों को गंदी मानसिकता विकसित करनी पड़ती है, लेकिन वह वैसी नहीं थी।"

"वह कैसी थी?" डेलग्लेश ने नरमी से पूछा। "तुम दोनों ने किस बारे में बात की?"

"कुछ भी। सच में सब कुछ। मुझे लगता है कि वह अपनी उम्र के किसी व्यक्ति के लिए अकेलापन महसूस कर रही थी।"

सेंट मैरी स्कूल में वह खुश नहीं थी, लेकिन वहाँ दूसरी लड़कियाँ थीं जिनके साथ वह खूब हँसती-

मज़ाक करती थी। वह कमाल की मिमिक्री करती थी। मुझे लगभग मिस लिडेल की आवाज़ सुनाई देती थी। वह अपने घर के बारे में भी बातें करती थी।

उसके माता-पिता युद्ध में मारे गए थे।

अगर वे जीवित होते तो उसकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती। उसके पिता विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे और उसका घर उसकी चाची के घर से बिल्कुल अलग होता।

सुसंस्कृत और... खैर, अलग।

डेलग्लिश का मानना था कि सैली जुप्प एक ऐसी युवती थी जिसे कल्पना का प्रयोग करना पसंद था और डेरेक पुलेन में उसे कम से कम एक भोला-भाला श्रोता तो मिल ही गया था।

लेकिन इन मुलाकातों में पुलन जितना कह रहा था, उससे कहीं ज़्यादा कुछ छिपा हुआ था। वह लड़की किसी चीज़ के लिए उसका इस्तेमाल कर रही थी। लेकिन किसलिए?

"जब वह मरने से पहले वाले गुरुवार को लंदन गई थी, तब आपने उसके बच्चे की देखभाल की थी, है ना?"

यह पूरी तरह से एक अनिश्चित अनुमान था, लेकिन पुलन को यह जानकर जरा भी आश्चर्य नहीं हुआ कि वह जानता था।

"हां, मैंने की थी। मैं स्थानीय सरकारी कार्यालय में काम करती हूं और मैं कभी-कभी एक दिन की छुट्टी ले सकती हूं। सैली ने कहा कि वह शहर जाना चाहती है और मुझे नहीं लगता कि उसे ऐसा करने से मना करना चाहिए। मुझे लगता है कि वह कोई फिल्म देखना या खरीदारी करना चाहती थी। दूसरी माताएं भी ऐसा कर सकती हैं।"

"यह अजीब लगता है कि अगर सैली लंदन जाना चाहती थी तो उसने अपने बच्चे को मार्टिंगेल में क्यों नहीं छोड़ा। श्रीमती बुल्टिटाफ्ट शायद कभी-कभार उसकी देखभाल करने को तैयार हो जातीं। यह सारी गोपनीयता निश्चित रूप से अनावश्यक थी।"

"सैली को यही अच्छा लगता था। उसे छुपकर बातें करना पसंद था। मुझे लगता है कि रात में चुपके से बाहर निकलने का आधा आकर्षण यही था। मुझे कभी-कभी ऐसा लगता था कि वह सच में इसका आनंद नहीं ले रही थी। वह बच्चे को लेकर चिंतित थी या बस उसे नींद आ रही थी। लेकिन उसे आना ही पड़ता था। अगले दिन यह जानकर उसे खुशी होती थी कि उसने यह कर दिखाया और बच निकली।"

"क्या आपने यह नहीं बताया था कि अगर इसका पता चल गया तो आप दोनों के लिए मुसीबत खड़ी हो जाएगी?"

"मुझे नहीं लगता कि इससे मुझ पर कोई असर पड़ेगा," पुलन ने रूठते हुए कहा। (मुझे लगता है कि तुम ज़रूरत से ज़्यादा सरल होने का दिखावा कर रहे हो। मैं यह मानने को तैयार हूँ कि तुम और मिस जुप्प प्रेमी नहीं थे, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं लोगों के सच बोलने का अंदाज़ा लगा सकता हूँ और यह तुम दोनों के बारे में अब तक जो मैंने जाना है, उससे मेल खाता है। लेकिन तुम ईमानदारी से यह नहीं मान सकते कि दूसरे लोग इतने सहज होंगे। तथ्यों का एक ही स्पष्ट अर्थ निकलता है और वह यह है कि ज़्यादातर लोग, खासकर इन परिस्थितियों में, यही मानेंगे।)

"बिल्कुल सही। सिर्फ इसलिए कि उस लड़की का एक नाजायज बच्चा है, इसका मतलब यह

नहीं कि वह कामुक है।" लड़के ने यह आखिरी शब्द संकोच से कहा, मानो यह शब्द उसने अभी-अभी जाना हो और पहले कभी इस्तेमाल न किया हो।
"मुझे संदेह है कि वे उस शब्द का अर्थ समझ पाएंगे या नहीं।"
शायद लोगों की सोच काफी संकीर्ण होती है, लेकिन यह देखकर हैरानी होती है कि कितनी बार उनकी संकीर्ण सोच जायज़ भी होती है। मुझे नहीं लगता कि सैली जुप्प ने आपके साथ न्याय किया जब उन्होंने मार्टिंगेल से बचने के लिए इन अस्तबलों का इस्तेमाल किया। यकीनन आपने भी यही सोचा होगा।
"हाँ, मुझे लगता है ऐसा ही है," लड़के ने नाखुशी से नज़रें फेर लीं और डेलग्लिश इंतज़ार करता रहा। उसे लगा कि अभी भी कुछ स्पष्टीकरण देना बाकी है, लेकिन पुलन अपनी ही अस्पष्टता में उलझा हुआ था और उस लड़की के बारे में, जिसे वह जानता था - जीवित, समलैंगिक और बेपरवाह - उन दो पुलिस अधिकारियों को समझाने की कठिनाई से निराश था, जो उससे कभी मिले भी नहीं थे। यह कठिनाई आसानी से समझ में आ गई। उसे कोई संदेह नहीं था कि पुलन की कहानी जूरी को कैसी लगेगी और उसे खुशी थी कि बारह भले और सच्चे लोगों को यह विश्वास दिलाना उसका काम नहीं होगा कि युवा, सुंदर और पहले से ही बदनामी झेल चुकी सैली जुप्प रात में चुपके से अपने कमरे से निकल जाती थी और अपने बच्चे को कुछ समय के लिए ही सही, केवल डेरेक पुलन के साथ बौद्धिक चर्चा के आनंद के लिए अकेला छोड़ देती थी।
"क्या मिस जुप्प ने कभी आपको यह बताया था कि वह किसी से डरती थीं या उनका कोई दुश्मन था?" उन्होंने पूछा।
"नहीं। वह इतनी महत्वपूर्ण नहीं थी कि उसके दुश्मन हों।"
"शायद शनिवार रात तक नहीं," डेलग्लिश ने सोचा।
"क्या उसने कभी अपने बच्चे के बारे में, जैसे कि उसके पिता कौन थे, आपसे कुछ नहीं बताया?"
"नहीं।" लड़के ने अपने डर पर कुछ हद तक काबू पा लिया था और उसकी आवाज उदास थी।
"क्या उसने आपको बताया कि वह पिछले गुरुवार दोपहर को लंदन क्यों जाना चाहती थी?"
नहीं। उसने मुझसे जिम्मी की देखभाल करने को कहा क्योंकि वह उसे जंगल में इधर-उधर ले जाने से तंग आ चुकी थी और गाँव से दूर जाना चाहती थी। हमने तय किया कि उसे लिवरपूल स्ट्रीट स्टेशन पर जिम्मी को सौंपना है। वह फोल्डिंग प्रैम लेकर आई और मैं उसे सेंट जेम्स पार्क ले गया। शाम को मैंने उसे वापस जिम्मी को सौंप दिया और हम अलग-अलग घर लौट आए। हम गाँव की बिल्लियों को गपशप करने का कोई और मौका नहीं देना चाहते थे।
"क्या तुमने कभी नहीं सोचा था कि वह तुमसे प्यार करने लगेगी?"
"मुझे अच्छी तरह पता था कि वह ऐसा नहीं थी।" उसने डेलग्लिश पर एक त्वरित सीधी नज़र डाली और फिर कहा, मानो उसका आत्मविश्वास उसे आश्चर्यचकित कर गया हो:
"उसने मुझे छूने तक नहीं दिया।"
डेलग्लिश ने एक पल इंतजार किया और फिर धीरे से कहा,
"ये आपके सामान्य चश्मे नहीं हैं, है ना? आपके रोज़ाना पहने जाने वाले चश्मे कहाँ गए?"
लड़के ने लगभग अपनी नाक से चश्मे को खींच लिया और लेंस पर हाथ रख लिए, जो देखने में

बेहद दयनीय और व्यर्थ लग रहा था। फिर, उस सहज भाव के महत्व को समझते हुए, उसने अपनी जेब से एक रुमाल निकाला और दिखावटी तौर पर लेंस साफ करने लगा।
उसके हाथ कांप रहे थे जब उसने चश्मे को वापस अपनी नाक पर धकेला, जो टेढ़ा-मेढ़ा टिका हुआ था, उसकी आवाज डर से लड़खड़ा रही थी:
"मैंने उन्हें खो दिया। मतलब, मैंने उन्हें तोड़ दिया। मैं उन्हें ठीक करवा रहा हूँ।"
"क्या आपकी आंख के ऊपर चोट लगने के साथ ही आपकी हड्डियां भी टूट गईं?"
"हां। मैं एक पेड़ से टकरा गया था।"
"बिल्कुल सही। यहाँ के पेड़ अजीब तरह से खतरनाक लगते हैं। मुझे बताया गया है कि डॉ. मैक्सी की उंगली एक पेड़ की छाल से छिल गई थी।"
क्या यह वही पेड़ हो सकता था?
"डॉ. मैक्सी की परेशानियों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाह रहे हैं।"
"मुझे लगता है कि आप ऐसा करते हैं," डेलग्लिश ने धीरे से कहा।
"मैं आपसे हमारी कही बातों पर विचार करने के लिए कहूँगा और बाद में मैं चाहूँगा कि आप एक बयान दें और उस पर हस्ताक्षर करें। कोई बहुत जल्दी नहीं है। अगर हमें आपकी ज़रूरत होगी तो हम जानते हैं कि आपको कहाँ ढूँढना है। जब आपके पिता आएँ तो उनसे इस बारे में बात कर लेना। अगर आप दोनों में से कोई मुझसे मिलना चाहे तो मुझे बता देना। और यह याद रखना: किसी ने सैली की हत्या की है। अगर यह आपने नहीं किया है, तो आपको डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। चाहे कुछ भी हो, मुझे उम्मीद है कि आप हमें वह सब बताने का साहस जुटा लेंगे जो आप जानते हैं।" वह एक पल रुका, लेकिन उसकी नज़रें केवल भय और दृढ़ संकल्प की धुंधली निगाहों से मिलीं।
एक मिनट बाद वह मुड़ गया और मार्टिन को अपने पीछे आने का इशारा किया।
आधे घंटे बाद मार्टिंगेल में टेलीफोन की घंटी बजी। अपने पिता की ट्रे लेकर हॉल से गुज़र रही देबोरा रुकी, ट्रे को अपनी कमर पर टिकाया और रिसीवर उठाया। एक मिनट बाद उसने ड्राइंग रूम के दरवाजे से अंदर झाँका।
"यह तुम्हारे लिए है, स्टीफन। यह फोन है।"
डेरेक पुलेन, भला कौन होगा?
स्टीफन, जो कुछ घंटों के लिए ही अप्रत्याशित रूप से घर आया था, ने अपनी किताब से नज़र नहीं उठाई, लेकिन डेबोरा ने उसकी गति में अचानक ठहराव और उसकी पीठ में हल्का तनाव देखा।
हे प्रभु, वह क्या चाहता है?
"वह तुम्हें चाहता है। वह काफी चिंतित लग रहा है।"
"उसे बता देना कि मैं व्यस्त हूँ, डेब।"
देबोरा ने इस संदेश का शालीनतापूर्ण ढंग से अनुवाद किया। फोन के दूसरे छोर से आ रही आवाज अस्पष्ट हो गई।

रिसीवर को कान से दूर रखते हुए देबोरा ने मधुर स्वर निकाले और अपने अंदर उमड़ रही उस बेकाबू हंसी को महसूस किया, जो आजकल कभी दबती नहीं थी। वह वापस ड्राइंग रूम में चली गई।

"स्टीफन, तुम्हें आना ही होगा। उसकी हालत वाकई बहुत खराब है। तुम इतने दिनों से क्या कर रहे थे? वो कह रहा है कि पुलिस उसके साथ थी।"

"बस इतना ही? वो अकेला नहीं है। उसे बताओ कि वे सब मिलकर करीब छह घंटे से मेरे साथ हैं और अभी तक उनका काम खत्म नहीं हुआ है। उसे कहो कि अपना मुंह बंद रखे और बकवास करना बंद करे।"

"क्या बेहतर नहीं होगा कि तुम उसे खुद ही बता दो?" देबोरा ने मीठी आवाज़ में सुझाव दिया। "मैं तुम्हारी विश्वासपात्र नहीं हूँ और निश्चित रूप से उसकी भी नहीं।"

स्टीफन ने धीरे से कुछ अपशब्द कहे और टेलीफोन की ओर बढ़ गया। हॉल में अपनी ट्रे को संभालने के लिए रुकते हुए, देबोरा उसकी तेज़ और अधीरता भरी बातें सुन सकती थी।

ठीक है। ठीक है। अगर आप बताना चाहते हैं तो बता दीजिए। मैं आपको रोक नहीं रहा हूँ। वे शायद हमारी बातचीत सुन ही रहे होंगे... नहीं, असल में मैंने नहीं सुना, लेकिन इस बात से प्रभावित मत होना... बड़े ही सज्जन हैं आप... मेरे प्यारे, मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप उन्हें क्या बताते हैं, कब और कैसे, बस भगवान के लिए इतना उबाऊ मत बनिए। अलविदा।

गैलरी में दूर हटते हुए, देबोरा ने उदास मन से सोचा, "स्टीफन और मैं इतने अलग हो गए हैं कि मैं उससे सीधे-सीधे पूछ सकती हूँ कि क्या उसने सैली को मारा था, और मुझे यह भी नहीं पता कि मुझे क्या जवाब मिलेगा।"

डेलग्लिश और मार्टिन द मूनरेकर्स आर्म्स के छोटे से बैठक कक्ष में उस तृप्ति की स्थिति में बैठे थे, जिसमें आमतौर पर खराब भोजन के बाद संतुष्टि का कोई संकेत नहीं मिलता।

उन्हें यकीन दिलाया गया था कि श्रीमती पिगॉट, जो अपने पति के साथ सराय चलाती थीं, अपने अच्छे और सादे भोजन के लिए मशहूर थीं, और वह भी भरपूर मात्रा में। यह बात उन लोगों के कानों में बुरी तरह चुभी, जो यात्राओं के कारण अच्छे और सादे अंग्रेज़ी भोजन की अधिकांश अनियमितताओं के आदी हो चुके थे। संभवतः मार्टिन को सबसे ज़्यादा तकलीफ़ हुई। फ़्रांस और इटली में युद्ध सेवा के दौरान उन्हें महाद्वीपीय भोजन का स्वाद लग गया था, जिसका आनंद वे तब से ही विदेश में छुट्टियों के दौरान लेते आ रहे थे। उनका अधिकांश खाली समय और सारा पैसा इसी तरह खर्च होता था। वे और उनकी हंसमुख और उद्यमी पत्नी उत्साही और सरल स्वभाव के यात्री थे, जिन्हें यूरोप के लगभग हर कोने में समझे जाने, सहन किए जाने और भरपेट भोजन मिलने का पूरा भरोसा था। हैरानी की बात यह है कि अब तक उन्हें कभी निराशा नहीं हुई थी।

पेट में गहरी तकलीफ से जूझते हुए मार्टिन का मन टूलूज़ के कैसोलेट के बारे में सोचने लगा और उसे अर्देचे के एक साधारण से होटल में पहली बार खाए गए पौलार्ड एन वेस्सु की याद सताने लगी।

डेलग्लिश की ज़रूरतें एक साथ सरल और अधिक सटीक थीं। उन्हें बस सही ढंग से पका हुआ

सादा अंग्रेजी खाना चाहिए था।
श्रीमती पिगॉट अपनी सूप बनाने में बहुत मेहनत करती थीं। यह बात इस मायने में सच थी कि पैकेटबंद सामग्री को इतनी अच्छी तरह से मिलाया जाता था कि उसमें गांठें न पड़ें।
उसने स्वादों के साथ भी प्रयोग किए थे और आज टमाटर (नारंगी) और बैल की पूंछ (लाल-भूरा) का मिश्रण, जो इतना गाढ़ा था कि चम्मच को बिना सहारे के संभाले रखा जा सकता था, स्वाद और देखने में दोनों ही तरह से अद्भुत था। सूप के बाद, आलू के ढेर पर कलात्मक ढंग से सजे हुए मटन चॉप्स के दो टुकड़े परोसे गए थे, जिनके साथ डिब्बाबंद मटर थे जो अब तक के किसी भी मटर से बड़े और चमकदार थे। उनका स्वाद सोया आटे जैसा था।
एक हरा रंग, जो किसी भी ज्ञात सब्जी के रंग से बहुत कम मिलता-जुलता था, उनसे रिसकर ग्रेवी में अप्रिय रूप से मिल गया। इसके बाद सेब और काले करंट की पाई परोसी गई, जिसमें न तो फल आपस में मिले थे और न ही पेस्ट्री, जब तक कि श्रीमती पिगॉट ने उन्हें बड़ी सावधानी से प्लेट पर सजाकर कृत्रिम कस्टर्ड से अच्छी तरह ढक नहीं दिया था।
मार्टिन ने पाक कला की इन भयावहताओं के बारे में सोचने के विचार से अपना ध्यान हटाकर सामने मौजूद मुद्दे पर केंद्रित किया।
"यह अजीब बात है, महोदय, कि डॉ. मैक्सी ने सीढ़ी उठाने में मदद के लिए श्री हर्न को बुलाया। यह ऐसी सीढ़ी है जिसे एक मजबूत आदमी अकेले ही उठा सकता है। पुराने अस्तबल तक पहुँचने का सबसे तेज़ रास्ता पीछे की सीढ़ियों से नीचे जाना था। इसके बजाय, मैक्सी हर्न को ढूंढने चला गया। ऐसा लगता है कि वह शव मिलने के समय किसी को गवाह के रूप में रखना चाहता था।"
"हाँ, ऐसा मुमकिन है। भले ही उसने लड़की की हत्या न की हो, लेकिन हो सकता है कि वह उस कमरे में मिलने वाली किसी भी चीज़ का गवाह चाहता हो। इसके अलावा, वह पायजामा और ड्रेसिंग गाउन पहने हुए था। सीढ़ियों पर चढ़ने और खिड़कियों से निकलने के लिए ये कपड़े बिल्कुल भी सुविधाजनक नहीं होते।"
"सैम बोकॉक ने डॉ. मैक्सी की कहानी की कुछ हद तक पुष्टि की। हालांकि, मृत्यु का समय निर्धारित होने तक इसका कोई खास महत्व नहीं है। फिर भी, इससे यह साबित होता है कि वह एक बात पर सच कह रहे थे।"
"सैम बोकॉक मैक्सियों की कही हर बात की पुष्टि कर देंगे। वह बचाव पक्ष के वकील के लिए किसी वरदान से कम नहीं होंगे। कम शब्दों में बेदाग और स्पष्ट सत्यता का आभास कराने की उनकी स्वाभाविक क्षमता के अलावा, वह ईमानदारी से मानते हैं कि मैक्सी निर्दोष हैं। आपने उन्हें सुना होगा।"
वे सदन में अच्छे लोग हैं।' सत्य का एक सरल कथन। वह न्यायपीठ पर सर्वशक्तिमान ईश्वर के साक्ष्य के समक्ष भी इसे कायम रखेगा। ओल्ड बेली उसे डराने वाला नहीं है। 'मैंने उसे एक ईमानदार गवाह समझा, महोदय।'
"बेशक तुमने किया, मार्टिन। अगर उसने मुझे उस अजीब से भाव से न देखा होता, जो आधा मनोरंजक और आधा दयापूर्ण था, और जो मैंने पहले भी बूढ़े देहाती लोगों के चेहरों पर देखा है, तो मुझे वह और भी अच्छा लगता।"

आप स्वयं भी एक स्थानीय निवासी हैं। निःसंदेह आप इसे समझा सकते हैं।
इसमें कोई शक नहीं कि मार्टिन ऐसा कर सकता था, लेकिन उसका स्वभाव ऐसा था जिसमें विवेक ने लंबे समय से वीरता को प्राथमिकता दी थी।
"वह एक बहुत ही संगीत प्रेमी बुजुर्ग सज्जन प्रतीत होते थे। उनके पास एक बढ़िया रिकॉर्ड प्लेयर था। उस तरह की झोपड़ी में हाई-फाई उपकरण देखना हास्यास्पद लग रहा था।"
लंबे समय तक बजने वाले रिकॉर्डों से भरे रैकों के साथ वह प्लेयर, कॉटेज के बैठक कक्ष में सचमुच बेमेल लग रहा था, जहाँ लगभग हर दूसरी वस्तु अतीत की धरोहर थी। बोकॉक स्पष्ट रूप से एक आम देहाती की तरह ताजी हवा का सम्मान करते थे। दोनों छोटी खिड़कियाँ बंद थीं; ऐसा लगता था मानो उन्हें कभी खोला ही न गया हो। वॉलपेपर पर पुराने ज़माने के आपस में गुंथे हुए और मुरझाए हुए गुलाब बने थे। प्रथम विश्व युद्ध की ट्राफियाँ और यादगार वस्तुएँ बेतरतीब ढंग से टंगी थीं, जिनमें घुड़सवार सैनिकों की एक तस्वीर, पदकों का एक छोटा सा कांच का फ्रेम, और राजा जॉर्ज पंचम और उनकी रानी की भड़कीली रंगीन प्रतिकृति शामिल थी। वहाँ पारिवारिक तस्वीरें भी थीं, जिनमें उन रिश्तेदारों को दिखाया गया था जिन्हें कोई भी आम आदमी पहचान नहीं सकता था।
क्या दाढ़ी वाले गंभीर युवक, जो अपनी एडवर्डियन दुल्हन के साथ थे, बोकॉक के पिता या दादा थे? क्या उन्हें सचमुच इन धुंधली तस्वीरों में अपने परिवार की वफादारी की कोई निजी याद हो सकती है, जिनमें टोपी पहने, संडे के सबसे अच्छे कपड़ों में, अपनी सुडौल, आकर्षक पत्नियों और बेटियों के साथ दिख रहे थे? मेंटलपीस के ऊपर नई तस्वीरें लगी थीं। स्टीफन मैक्सी, अपने पहले रोएंदार टट्टू पर गर्व से बैठे हुए, उनके बगल में एक स्पष्ट रूप से पहचाने जाने वाले लेकिन युवा बोकॉक थे। चोटी वाली डेबोरा मैक्सी काठी से झुककर अपना रोसेट ग्रहण कर रही थीं। पुराने और नए के इस मिश्रण के बावजूद, कमरा एक पुराने सैनिक द्वारा अपनी निजी संपत्ति की अनुशासित देखभाल का प्रमाण दे रहा था।
बोकॉक ने बड़ी सहजता और गरिमा के साथ उनका स्वागत किया। वह चाय पी रहे थे।
हालांकि वह अकेले रहता था, लेकिन उसमें महिलाओं की तरह खाने-पीने की हर चीज एक साथ मेज पर रखने की आदत थी, शायद किसी भी अचानक मन में आने वाले स्वाद की इच्छा को पूरा करने के लिए।
वहाँ एक कुरकुरी रोटी, चम्मच के साथ रखा हुआ जैम का एक डिब्बा, कटे हुए चुकंदर और हरे प्याज से भरा एक सजावटी कांच का जार, और एक खीरा एक छोटे से जग में बड़ी मुश्किल से रखा हुआ था। मेज के बीचोंबीच सलाद का एक कटोरा, घर में बने एक बड़े केक के साथ जगह के लिए होड़ कर रहा था।
डेलग्लिश को याद आया कि बोकॉक की बेटी की शादी नेसिंगफोर्ड के एक किसान से हुई थी और वह अपने पिता पर नज़र रखती थी। केक शायद हाल ही में पुत्री के कर्तव्य के रूप में दिया गया था। इस भेंट के अलावा, देखने और सूंघने से यह भी स्पष्ट था कि बोकॉक ने अभी-अभी तली हुई मछली और आलू के टुकड़े खाए थे।
डेलग्लिश और मार्टिन चिमनी के दोनों ओर रखी भारी-भरकम आरामकुर्सियों में आराम से बैठे थे

- उस गर्म जुलाई के दिन भी वहाँ एक छोटी सी आग जल रही थी, जिसकी हल्की चमकती लौ पश्चिमी खिड़की से आती सूरज की रोशनी में मुश्किल से दिखाई दे रही थी, और उन्हें चाय के प्याले पेश किए गए।

यह सब हो जाने के बाद, बोकॉक को स्पष्ट रूप से लगा कि उसने आतिथ्य सत्कार की ज़िम्मेदारियाँ पूरी कर ली हैं और अब मेहमानों का यह कर्तव्य है कि वे अपने काम के बारे में बताएँ। वह अपनी चाय पीता रहा, अपने पतले भूरे हाथों से रोटी के टुकड़े तोड़ता और लगभग अनमने ढंग से उन्हें मुँह में डालता, जहाँ वह उन्हें चुपचाप चबाता और पलटता रहा। उसने स्वयं कोई टिप्पणी नहीं की, डेलग्लिश के प्रश्नों का उत्तर उसने इस तरह सोच-समझकर दिया जिससे ऐसा लगा मानो उसे कोई रुचि नहीं है, न कि सहयोग करने की अनिच्छा। उसने दोनों पुलिसकर्मियों को उसी स्पष्ट और मनोरंजक नज़र से देखा, जिसे डेलग्लिश, जिसकी जांघों पर घोड़े के बालों से चुभन हो रही थी और चेहरा गर्मी से पसीने से तर था, थोड़ा असहज और काफी हद तक चिड़चिड़ा पाया।

धीमी गति से चल रही धार्मिक शिक्षा से कुछ भी नया या अप्रत्याशित नहीं निकला। स्टीफन मैक्सि पिछली शाम को कॉटेज में थे। वे नौ बजे के समाचार के दौरान आए थे। बोकॉक यह नहीं बता सकते थे कि वे कब गए थे। काफी देर हो चुकी थी। श्री स्टीफन को पता होगा। बहुत देर हो चुकी थी? "हाँ।"

ग्यारह बजे के बाद। शायद बाद में। शायद काफी देर बाद।" डेलग्लिश ने रूखेपन से कहा कि श्री बोकॉक को शायद तब ज़्यादा ठीक से याद होगा जब उन्हें इस बारे में सोचने का समय मिलेगा। बोकॉक ने इस संभावना को स्वीकार किया। उन्होंने किस बारे में बात की थी? "ज़्यादातर बीथोवेन का संगीत सुना। श्री स्टीफन ज़्यादा बात करने वाले नहीं थे।" बोकॉक ऐसे बोल रहे थे मानो अपनी वाचालता और दुनिया की, खासकर पुलिसवालों की, परेशान करने वाली बकबक पर अफ़सोस जता रहे हों। इसके अलावा कुछ और नहीं निकला। उन्होंने मेले में सैली को सिर्फ़ दोपहर के बाद ही देखा था, जब वह अपने बच्चे को गोद में लेकर एक घोड़े पर घुमा रही थी, और लगभग छह बजे जब संडे स्कूल के बच्चों का एक गुब्बारा एक एल्म के पेड़ में फंस गया था और श्री स्टीफन उसे नीचे उतारने के लिए सीढ़ी लाए थे। उस समय सैली अपने बच्चे को प्रैम में लेकर उनके साथ थी।

बोकॉक को याद था कि वह सीढ़ी का निचला हिस्सा पकड़े खड़ी थी। इसके अलावा उसने उसे कहीं देखा नहीं था। हाँ, उसने युवा जॉनी विलकॉक्स को देखा था। लगभग पौने चार बजे के आसपास। चाय के तंबू से चुपके से निकलते हुए उसके पास एक संदिग्ध सा बंडल था, जैसा बोकॉक ने पहले कभी नहीं देखा था। नहीं, उसने लड़के को नहीं रोका था। युवा विलकॉक्स एक अच्छा लड़का था। कोई भी लड़का चाय बनाने में मदद करना पसंद नहीं करता था। बोकॉक को भी अपने बचपन में इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। अगर विलकॉक्स ने कहा कि वह साढ़े चार बजे तंबू से निकला था, तो वह थोड़ा गलत था, बस। उस लड़के ने ज़्यादा से ज़्यादा तीस मिनट से ज़्यादा काम नहीं किया था। अगर बूढ़े आदमी को यह आश्चर्य हुआ भी कि पुलिस को जॉनी विलकॉक्स और उसकी हरकतों में दिलचस्पी क्यों होनी चाहिए, तो उसने कोई संकेत नहीं

दिया। डेलग्लिश के सभी सवालों का जवाब उसने समान शांति और स्पष्टवादिता के साथ दिया। उन्हें मिस्टर मैक्सी की सगाई के बारे में कुछ भी पता नहीं था और उन्होंने हत्या से पहले या बाद में गांव में इसके बारे में कोई चर्चा नहीं सुनी थी। "कुछ लोग कुछ भी कह देते हैं।"

आपको गांव की भाषा याद नहीं आती।

घर पर रहने वाले लोग बहुत अच्छे हैं।

यही उनका आखिरी शब्द था। निस्संदेह, अगर उन्होंने स्टीफन मैक्सी से बात की होती और उन्हें पता होता कि मैक्सी क्या चाहता है, तो उन्हें पिछली रात मैक्सी के उन्हें छोड़कर जाने का समय और भी स्पष्ट रूप से याद होता। इस समय वे सतर्क थे। लेकिन उनकी निष्ठा स्पष्ट थी। वे उन्हें खाना खाते हुए, अपने संगीत और यादों के बीच एकांत और प्रभावशाली अवस्था में बैठे छोड़कर चले गए थे।

"नहीं," डेलग्लिश ने कहा। "बोकॉक से मैक्सियों के बारे में हमें कोई मददगार जानकारी मिलने की संभावना नहीं है। अगर युवा मैक्सी किसी सहयोगी की तलाश में होता, तो उसे पता होता कि कहाँ जाना है।"

लेकिन हमें कुछ जानकारी तो मिली है। अगर बोकॉक समय के बारे में सही हैं, और उनके सटीक होने की संभावना जॉनी विलकॉक्स से कहीं अधिक है, तो मचान में हुई मुलाकात संभवतः साढ़े चार बजे से पहले हुई होगी। यह जुप्प की बाद की गतिविधियों के बारे में हमें जो जानकारी है, उससे मेल खाता है, जिसमें चाय के तंबू में वह दृश्य भी शामिल है जब वह श्रीमती रिस्को की पोशाक की नकल पहनकर दिखाई दीं। जुप्प को शाम चार बजकर पैंतालीस मिनट से पहले उस पोशाक में नहीं देखा गया था, इसलिए उन्होंने अस्तबल के मचान में हुई मुलाकात के बाद कपड़े बदले होंगे।

"यह एक अजीब काम था, महोदय। और तब तक इंतजार क्यों किया?"

"हो सकता है उसने किसी अवसर पर सार्वजनिक रूप से पहनने के इरादे से वह पोशाक खरीदी हो। शायद उस साक्षात्कार में कुछ ऐसा हुआ हो जिससे वह मार्टिंगेल पर भविष्य में किसी भी तरह की निर्भरता से मुक्त हो गई हो। वह एक आखिरी इशारा कर सकती थी। दूसरी ओर, अगर उसे पिछले शनिवार से पहले ही पता था कि वह मैक्सी से शादी करने वाली है, तो संभवतः वह जब चाहे तब अपना इशारा करने के लिए स्वतंत्र थी। उस विवाह प्रस्ताव के बारे में सबूतों में एक अजीब विरोधाभास है। अगर हम श्री हिंक्स पर विश्वास करें - और क्यों नहीं? - तो सैली जुप्प को निश्चित रूप से पता था कि जब वह पिछले गुरुवार को उससे मिली थी तो उसे किसी से शादी करनी थी। मुझे यह मानना मुश्किल लगता है कि उसके दो संभावित दूल्हे थे और स्पष्ट उम्मीदवारों की कोई कमी नहीं थी। और जब हम युवा मैक्सी के प्रेम जीवन पर विचार कर रहे हैं, तो यहाँ कुछ ऐसा है जो आपने नहीं देखा है।"

उसने आधिकारिक तौर पर लिखे जाने वाले कागज की एक पतली सी शीट सौंपी। उस पर एक छोटे से तटीय होटल का नाम लिखा हुआ था।

प्रिय महोदय,

हालांकि मुझे अपनी प्रतिष्ठा का ख्याल रखना है और मैं पुलिस मामलों में उलझना नहीं चाहती, फिर भी मैं आपको सूचित करना अपना कर्तव्य समझती हूं कि श्री मैक्सि नाम का एक व्यक्ति पिछले साल 24 मई को इस होटल में एक महिला के साथ रुका था, जिसके लिए उन्होंने अपनी पत्नी के रूप में हस्ताक्षर किए थे। मैंने इवनिंग क्लेरियन में डॉ. मैक्सि की एक तस्वीर देखी है, जिनका नाम चैडफ्लीट हत्याकांड में आया है और अखबारों के अनुसार वे अविवाहित हैं, और यह वही व्यक्ति हैं। मैंने मृत लड़की की कोई तस्वीर नहीं देखी है, इसलिए मैं उसकी पहचान की पुष्टि नहीं कर सकती, लेकिन मैंने उपरोक्त जानकारी को आपके ध्यान में लाना अपना कर्तव्य समझा। बेशक, इसका कोई महत्व नहीं है और मैं किसी भी अप्रिय मामले में नहीं फंसना चाहती, इसलिए मैं आभारी रहूंगी यदि मेरा नाम इस मामले से अलग रखा जाए। साथ ही, मेरे होटल का नाम भी बता दें, जो हमेशा से ही उच्च वर्ग के लोगों की सेवा करता आया है। श्री मैक्सि केवल एक रात के लिए रुके थे और वे बहुत ही शांत स्वभाव के दंपति थे, लेकिन मेरे पति को लगता है कि यह जानकारी आपके ध्यान में लाना हमारा कर्तव्य है।
यह बिल्कुल पूर्वाग्रह रहित है।
आपका विश्वासी,
लिली बरवुड (श्रीमती)

डेलग्लिश ने कहा, "महिला अपने कर्तव्य को लेकर कुछ ज़्यादा ही चिंतित लग रही हैं, और यह समझना थोड़ा मुश्किल है कि 'बिना किसी पूर्वाग्रह के' कहने का उनका क्या मतलब है। मुझे लगता है कि इस पत्र में उनके पति का बहुत बड़ा हाथ है, यहाँ तक कि इसके शब्दों में भी, हालाँकि वे इस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हो पाए। खैर, मैंने उस उत्साही युवा पत्रकार रॉबसन को जाँच के लिए भेजा और मुझे पूरा यकीन है कि उन्होंने खूब आनंद लिया। वे उन्हें यह समझाने में कामयाब रहे कि उस रात का हत्या से कोई लेना-देना नहीं है और इस पूरे मामले को भुला देने से होटल का भला होगा। हालाँकि, बात इतनी भी सरल नहीं है। रॉबसन अपने साथ कुछ तस्वीरें ले गए थे, जिनमें से एक-दो मेले में ली गई थीं, और उनसे एक दिलचस्प सिद्धांत की पुष्टि हुई।"
क्या आपको पता है कि युवा मैक्सी का पाप में साथी कौन था?
"क्या यह मिस बोवर्स होंगी, महोदय?"
"ऐसा होगा। मुझे उम्मीद थी कि इससे आपको आश्चर्य होगा।"
"जी महोदय, अगर यहाँ से किसी को होना ही था तो वो अकेली ही थीं। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि डॉ. मैक्सी और सैली जुप्प के बीच कोई संबंध था। और यह बात लगभग एक साल पहले की है।"
तो आप इस पर ज्यादा ध्यान देने के इच्छुक नहीं हैं?
"खैर, आज के युवा इसे उतना महत्व नहीं देते जितना मुझे सिखाया गया था।"
"ऐसा नहीं है कि वे कम पाप करते हैं, बल्कि वे अपने पापों को हल्के में लेते हैं। लेकिन हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मिस बोवर्स भी ऐसा ही महसूस करती हैं। जो कुछ हुआ

उससे उन्हें बहुत दुख हुआ होगा। वह मुझे कोई अपरंपरागत व्यक्ति नहीं लगतीं और वह बहुत प्यार में हैं और इस बात को छुपाने में माहिर भी नहीं हैं। मुझे लगता है कि वह डॉ. मैक्सी से शादी करने के लिए बेताब हैं और शनिवार रात के बाद से उनकी संभावनाएं बढ़ गई हैं। वह ड्राइंग रूम में उस घटना के समय मौजूद थीं। उन्हें पता था कि उन्हें क्या खोना पड़ सकता है।"

"क्या आपको लगता है कि यह अभी भी जारी है, महोदय?"

सार्जेंट मार्टिन कभी भी शारीरिक वासनाओं के इन पापों के बारे में खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। तीस साल के पुलिस करियर में उन्होंने इतना कुछ देखा और सुना था कि अधिकांश पुरुषों के भ्रम टूट चुके थे, लेकिन उनका स्वभाव कठोर होते हुए भी कोमल था और वे कभी यह विश्वास नहीं कर पाए कि पुरुष उतने दुष्ट या उतने कमजोर हो सकते हैं जितना कि सबूत लगातार साबित करते थे। "मुझे तो यह बहुत ही असंभव लगता है। वह सप्ताहांत शायद वासना का एकमात्र अनुभव था। शायद यह खास सफल नहीं रहा। शायद, जैसा कि आप कुछ हद तक निर्दयता से कहते हैं, यह महज़ एक छोटी सी बात थी। लेकिन यह एक पेचीदगी है। प्यार, उस तरह का प्यार, हमेशा एक पेचीदगी होता है। कैथरीन बोवर्स उस तरह की महिला है जो अपने पति से कहती है कि वह उसके लिए कुछ भी करेगी, और कभी-कभी करती भी है।"

"क्या उसे गोलियों के बारे में पता हो सकता था, महोदय?"

"किसी ने भी उसे बताने की बात स्वीकार नहीं की है और मुझे लगता है कि जब उसने कहा कि उसे कुछ नहीं पता, तो वह सच कह रही थी। सैली जुप्प ने शायद उसे बताया हो, लेकिन उनके बीच अच्छे संबंध नहीं थे, वास्तव में जहाँ तक मुझे पता है, उनके बीच कोई संबंध ही नहीं थे, और यह असंभव लगता है। लेकिन इससे कुछ साबित नहीं होता। मिस बोवर्स को पता होना चाहिए था कि घर में किसी तरह की नींद की गोलियां थीं और उन्हें कहाँ रखा जा सकता था, और यही बात हर्न पर भी लागू होती है।"

"यह अजीब लगता है कि वह अभी भी यहाँ रह पा रहा है।"

"शायद इसका मतलब यह है कि उसे लगता है कि परिवार के किसी सदस्य ने यह किया है और वह मौके पर मौजूद रहकर यह सुनिश्चित करना चाहता है कि हम भी ऐसा ही न सोचें। हो सकता है कि वह वास्तव में जानता हो कि यह किसने किया है। अगर ऐसा है, तो मुझे डर है कि वह शायद ही कोई गलती करेगा। मैंने रॉबसन को भी उसके पीछे लगा दिया है। उसकी रिपोर्ट, जिसमें उसने जिन लोगों का साक्षात्कार लिया था, उनके बारे में बहुत सारी मनोवैज्ञानिक शब्दावली हटा दी गई है, लगभग वैसी ही है जैसी मुझे उम्मीद थी। लीजिए, फेलिक्स जॉर्जेस मोर्टिमर हर्न के बारे में सारी जानकारी। बेशक, उसका युद्ध रिकॉर्ड शानदार है। भगवान जाने उसने यह कैसे किया या इसका उस पर क्या असर हुआ। 1945 से वह इधर-उधर भटकता रहा है, थोड़ा-बहुत लेखन करता रहा है और कुछ खास नहीं। वह हर्न एंड इलिंगवर्थ प्रकाशन कंपनी में भागीदार है। उसके परदादा पुराने मोर्टिमर हर्न थे जिन्होंने फर्म की स्थापना की थी। उसके पिता ने 1919 में एक फ्रांसीसी महिला माइल एनेट डी'एप्रियस से शादी की थी। इस शादी से परिवार में धन आया। फेलिक्स का जन्म 1921 में हुआ था। उसने आम और महंगे संस्थानों में शिक्षा प्राप्त की।" डेबोरा रिस्को से मुलाकात उनके पति के माध्यम से हुई, जो उनके साथ स्कूल में पढ़ते थे,

हालांकि रॉबसन उनसे काफी छोटे थे। रॉबसन के अनुसार, उन्होंने सैली जुप्प को इस घर में मिलने से पहले कभी नहीं देखा था। ग्रीनविच में उनका एक छोटा सा प्यारा घर है, जो उनके पुराने घर की तरह ही है, और उनकी देखभाल के लिए एक पूर्व बैटमैन भी हैं।

अफवाह है कि वह और श्रीमती रिस्को प्रेमी हैं, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है, और रॉबसन का कहना है कि नौकर से कुछ भी पता नहीं चलेगा। मुझे शक है कि कुछ पता चलेगा भी या नहीं। श्रीमती रिस्को ने जब कहा कि उन्होंने पूरी शनिवार रात साथ बिताई, तो वह निश्चित रूप से झूठ बोल रही थीं। मुझे लगता है कि फेलिक्स हर्न ने डेबोरा रिस्को को शर्मिंदगी से बचाने के लिए सैली जुप्प की हत्या कर दी होगी, लेकिन जूरी इस पर विश्वास नहीं करेगी और न ही मैं करूंगा।

"क्या उसके पास नशीली दवा होने का कोई ज़िक्र नहीं है?" 1 "बिल्कुल नहीं। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह है कि सैली जुप्प को नशीली दवा देने के लिए इस्तेमाल की गई सोम्मेल उसी बोतल से आई थी जो मिस्टर मैक्सी की अलमारी से ली गई थी। फिर भी, अन्य लोगों के पास वह पदार्थ था। मार्टिंगेल की बोतल को उस नाटकीय तरीके से एक बहाने के रूप में छिपाया जा सकता था।"

डॉ. एप्स के अनुसार, उन्होंने मिस्टर मैक्सी, सर रेनॉल्ड प्राइस और सेंट मैरी की मिस पोलैक को सोम्मेल दवा दी थी। इनमें से कोई भी अनिद्रा का शिकार व्यक्ति सही खुराक नहीं बता सकता। मुझे इस बात पर आश्चर्य नहीं है।

लोग दवाओं के प्रति बहुत लापरवाह हैं।

वह रिपोर्ट कहाँ है? जी हाँ, यहाँ है।

हम श्री मैक्सी के बारे में सब जानते हैं। सर रेनॉल्ड प्राइस। उनकी सोम्मेल दवा इस साल जनवरी में लिखी गई थी और 14 जनवरी को सिटी के गुडलिफ्स द्वारा दी गई थी। उन्हें 23 ग्राम की गोलियां दी गई थीं और उनका कहना है कि उन्होंने लगभग आधी गोलियां लीं और बाकी भूल गए। जाहिर है, उनकी अनिद्रा जल्दी ही दूर हो गई।

सामान्य समझ के हिसाब से देखें तो नौ गोलियों की बोतल उन्हीं की थी जो उनके ओवरकोट की जेब में पड़ी थी और जिसे डॉ. एप्स ने पाया था। सर रेनॉल्ड उन्हें अपनी जेब में रखने की बात याद न होने के बावजूद उन पर अपना दावा करने को तैयार हैं। नींद की गोलियां जेब में रखना कोई आम बात नहीं है, लेकिन वे अक्सर घर से दूर रातें बिताते हैं और कहते हैं कि शायद उन्होंने जल्दबाजी में उन्हें उठा लिया होगा। हम सर रेनॉल्ड प्राइस के बारे में सब जानते हैं, जो हमारे इलाके के व्यापारी और किसान हैं, और अपने पहले व्यवसाय से होने वाले मुनाफे की भरपाई के लिए दूसरे व्यवसाय में जानबूझकर नुकसान उठाते हैं। वे चाडफ्लीट न्यू टाउन को एक विक्टोरियन शैली के नकली महल से अपवित्र किए जाने पर बहुत गुस्सा करते हैं, जो इतना बदसूरत है कि मुझे आश्चर्य है कि किसी ने इसे संरक्षित करने के लिए कोई ट्रस्ट क्यों नहीं बनाया। सर रेनॉल्ड बेशक कला-विरोधी हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे हत्यारे हैं। हालांकि उनके पास पिछली शनिवार रात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है और उनके कर्मचारियों से हमें बस इतना पता चला है कि वे रात करीब दस बजे अपनी कार से घर से निकले और रविवार सुबह तक वापस नहीं लौटे। सर रेनॉल्ड इस अनुपस्थिति से इतने दोषी और शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं, इतनी

स्पष्ट रूप से एक सज्जन व्यक्ति की तरह चुप रहने की कोशिश कर रहे हैं, कि मुझे लगता है कि हम यह मान सकते हैं कि इस मामले में कोई 'छोटी महिला' शामिल है। जब हम उन पर दबाव डालेंगे और उन्हें पता चलेगा कि इसमें हत्या का आरोप भी शामिल है, तो मुझे लगता है कि हमें उस महिला का नाम पता चल जाएगा। इस तरह की एक रात की यात्राएँ उनके लिए काफी नियमित हैं और मुझे नहीं लगता कि इनका जुप्प से कोई लेना-देना था।

वह अपनी डेमलर कार को चुपके से मार्टिंगेल ले जाकर खुद को शायद ही सुर्खियों में लाएगा।

"हम मिस पोलैक के बारे में जानते हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने गोलियों को उसी तरह देखा होगा जैसे कोकीन का आदी व्यक्ति कोकीन को देखता है, लेकिन ऐसा बहुत कम ही होता है। उन्होंने प्रलोभन और अनिद्रा की दोहरी बुराइयों से लंबे समय तक संघर्ष किया और अंत में सोम्मेल को शौचालय में फेंकने की कोशिश की। मिस लिडेल ने उन्हें रोका और गोलियां डॉ. एप्स को लौटा दीं। रॉबसन के अनुसार, डॉ. एप्स को लगता है कि उन्हें गोलियां वापस मिल गई होंगी, लेकिन वे निश्चित नहीं हैं। गोलियां इतनी कम थीं कि कोई खतरनाक खुराक हो और उन पर लेबल लगा हुआ था। मुझे लगता है कि यह किसी की चौंकाने वाली लापरवाही थी, लेकिन लोग लापरवाह तो होते ही हैं। और सोम्मेल, ज़ाहिर है, डी.डी.ए. की सूची में नहीं है। इसके अलावा, सैली जुप्प को नशा कराने के लिए केवल तीन गोलियां ही काफी थीं और सामान्य ज्ञान के हिसाब से, वे गोलियां मार्टिंगेल की बोतल से ही आई होंगी।"

"जो हमें वापस मैक्सियों और उनके मेहमानों की ओर ले जाता है।"

"बिल्कुल। और यह उतना मूर्खतापूर्ण अपराध नहीं है जितना देखने में लगता है।"

जब तक हमें वो गोलियां नहीं मिल जातीं और इस बात का कोई सबूत नहीं मिल जाता कि मैक्सियों में से किसी ने उन्हें खिलाया था, तब तक सज़ा मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। आप समझ सकते हैं कि मामला कैसे आगे बढ़ेगा। सैली जुप्प को गोलियों के बारे में पता था। हो सकता है उसने खुद ही उन्हें खा लिया हो। उन्हें श्रीमती रिस्को के मग में रखा गया था। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि वे गोलियां सैली जुप्प के लिए थीं। मेले के दौरान कोई भी घर में घुसकर लड़की का इंतज़ार कर सकता था। कोई ठोस मकसद नहीं है।

अन्य लोगों की भी सोममेल तक पहुंच थी। और जहां तक मुझे अभी पता है, वह सही हो सकता है।"

"लेकिन अगर हत्यारे ने अधिक गोलियों का इस्तेमाल किया होता और उस तरह से लड़की की हत्या की होती तो शायद हत्या का कोई संदेह ही नहीं होता।"

"ऐसा नहीं हो सकता था। अगर किसी को मारना हो तो ये बार्बिट्यूरेट्स बहुत धीरे-धीरे असर करते हैं। लड़की कई दिनों तक कोमा में रही होगी और फिर ठीक हुई होगी।"

कोई भी डॉक्टर यह बात जानता होगा। दूसरी ओर, किसी स्वस्थ और मजबूत लड़की का गला घोंटना या उसके शयनकक्ष में बिना किसी की नज़र में आए घुसना मुश्किल होगा, जब तक कि उसे नशा न दिया गया हो। हत्यारे के लिए यह संयोजन जोखिम भरा था, लेकिन अकेले एक तरीके से उतना जोखिम भरा नहीं था।

इसके अलावा, मुझे शक है कि कोई भी बिना शक किए इतनी घातक खुराक निगल लेगा।

सोममेल इन नींद की गोलियों की तुलना में कम कड़वी होती है, लेकिन यह बेस्वाद नहीं होती। शायद इसीलिए सैली जुप्प ने ज़्यादातर कोको छोड़ दिया। इतनी कम मात्रा में कोको पीने से उन्हें नींद तो आई ही नहीं होगी, फिर भी उनकी मृत्यु बिना किसी संघर्ष के हो गई। यही सबसे अजीब बात है। जो भी उस कमरे में आया होगा, जुप्प को या तो उसकी उम्मीद रही होगी या कम से कम उसे उससे डर नहीं लगा होगा। और अगर ऐसा था, तो फिर उसे नशीली दवा क्यों दी गई? ये घटनाएँ भले ही आपस में जुड़ी हुई न हों, लेकिन यह बहुत बड़ा संयोग है कि कोई उसी रात उसके पेय में बार्बिट्यूरेट की खतरनाक खुराक मिला दे, जिस रात कोई और उसका गला घोंट दे। फिर उंगलियों के निशानों का अजीब वितरण भी है। कोई उस चिमनी से नीचे गया होगा, लेकिन वहाँ केवल जुप्प के ही निशान मिले हैं और वे शायद हाल के नहीं हैं। कोको का डिब्बा कूड़ेदान में खाली मिला, और उसका कागज़ का अस्तर गायब था।

टिन पर जुप्प और बुल्टिटाफ्ट के प्रिंट थे। बेडरूम के ताले पर सिर्फ जुप्प का प्रिंट है, हालांकि वह बुरी तरह धुंधला हो चुका है। हर्न का कहना है कि दरवाजा खोलते समय उन्होंने अपने रूमाल से ताले को सुरक्षित किया, जो परिस्थितियों को देखते हुए उनकी सूझबूझ को दर्शाता है। शायद कुछ ज़्यादा ही सूझबूझ। इन सभी लोगों में से हर्न ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिनके आपात स्थिति में अपना आपा खोने या किसी भी महत्वपूर्ण बात को नज़रअंदाज़ करने की संभावना सबसे कम है।

"हालांकि, जब उससे पूछताछ की गई, तब तक वह बुरी तरह से घबरा चुका था।"

"जी हां, सार्जेंट। अगर मुझे पता न होता कि यह सिर्फ दिखावा था, तो शायद मैंने उसकी बदतमीज़ी पर ज़्यादा सकारात्मक प्रतिक्रिया दी होती। कुछ लोग ऐसे ही होते हैं। बेचारा तो लगभग दयनीय था।"

उनकी तरफ से यह प्रदर्शन चौंकाने वाला था। प्रॉक्टर ने भी इससे बेहतर प्रदर्शन किया था और भगवान ही जानता है कि वह कितना डरा हुआ था।

"हम जानते हैं कि प्रॉक्टर ऐसा नहीं कर सकता था।"

"शायद प्रॉक्टर भी ऐसा ही सोचता है। लेकिन वह कई बातों पर झूठ बोल रहा था और सही समय आने पर हम उसका पर्दाफाश कर देंगे।"

मुझे लगता है कि उस टेलीफोन कॉल के बारे में वह सच कह रहा था, या कम से कम आंशिक रूप से सच। उसके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि उसकी बेटी ने कॉल उठा ली। अगर उसने फोन उठाया होता तो मुझे संदेह है कि हमें इसके बारे में पता चलता। वह अब भी यही कहता है कि कॉल मिस लिडेल ने की थी और बेरिल प्रॉक्टर ने भी पुष्टि की है कि कॉल करने वाले ने यही नाम बताया था। सबसे पहले तो प्रॉक्टर ने अपनी पत्नी और हमें बताया कि वह केवल सैली के बारे में खबर देने के लिए फोन कर रही थी। जब हमने उससे दोबारा पूछताछ की और उसे बताया कि लिडेल ने कॉल करने से इनकार किया है, तब भी वह यही कहता रहा कि कॉल या तो उसने की थी या किसी और ने उसकी पहचान का इस्तेमाल किया था, लेकिन उसने यह स्वीकार किया कि लिडेल ने उसे बताया था कि सैली की सगाई स्टीफन मैक्सी से हो गई है। यह निश्चित रूप से कॉल करने का एक अधिक तर्कसंगत कारण हो सकता है, बजाय इसके कि वह अपनी भतीजी

की प्रगति के बारे में सामान्य जानकारी दे।
"यह दिलचस्प है कि कितने लोग दावा करते हैं कि उन्हें इस सगाई के बारे में इसके होने से पहले ही पता था।"
या फिर मैक्सि के यह स्वीकार करने से पहले कि ऐसा हुआ था। वह अब भी यही कहता है कि शनिवार रात करीब सात बजकर चालीस मिनट पर बगीचे में हुई मुलाक़ात के दौरान उसने आवेग में आकर ही उसे शादी का प्रस्ताव दिया था और इससे पहले उसने कभी उससे शादी के लिए पूछने के बारे में सोचा भी नहीं था। इसका मतलब यह नहीं है कि उसने इस बारे में सोचा ही नहीं था। हो सकता है कि उसे इसकी उम्मीद भी रही हो। लेकिन खुशखबरी पहले से फैलाना तो मुसीबत मोल लेना ही था। और अपने चाचा को बताने के पीछे उसका क्या मकसद हो सकता था, सिवाय इसके कि वह उन पर गर्व करना चाहती थी या उन्हें परेशान करना चाहती थी?
फिर भी, मिस होने का नाटक क्यों करें?
लिडेल?"
"क्या आप इस बात से संतुष्ट हैं कि वह कॉल सैली जुप्प ने की थी, महोदय?"
"खैर - हमें बताया गया है ना, कि वह कितनी अच्छी मिमिक्री करती थी? मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि जुप्प ने ही वह कॉल किया था और यह महत्वपूर्ण है कि प्रॉक्टर अभी तक इस बात को मानने को तैयार नहीं है। एक और छोटा सा रहस्य, जिसे हम शायद कभी सुलझा नहीं पाएंगे, यह है कि सैली जुप्प ने शनिवार रात अपने बच्चे को सुलाने और मार्टिंगेल की मुख्य सीढ़ियों पर अपनी आखिरी उपस्थिति के बीच के घंटे कहाँ बिताए। किसी ने भी उसे देखने की बात स्वीकार नहीं की है।"
"क्या इससे यह संभावना नहीं बनती कि वह जिमी के साथ अपने कमरे में रुकी और फिर अपनी आखिरी रात का पेय लेने गई, जब उसे पता था कि मार्था सो गई होगी और आसपास कोई नहीं होगा?"
"यह निश्चित रूप से सबसे संभावित स्पष्टीकरण है। ड्राइंग रूम या रसोई में उसका शायद ही स्वागत होता।"
शायद वह अकेले रहना चाहती थी। भगवान जाने, उसके पास सोचने के लिए बहुत कुछ रहा होगा!
वे कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे।
डेलग्लिश उन सुरागों की विचित्र विविधता पर विचार कर रहा था जो उसे इस मामले में महत्वपूर्ण लग रहे थे। इनमें सैली की एक खामी पर मार्था की उल्लेखनीय अनिच्छा शामिल थी। साथ ही, सोम्मेल की बोतल को जल्दबाजी में जमीन में दबा दिया गया था।
वहाँ एक खाली कोको का डिब्बा था, एक सुनहरे बालों वाली लड़की स्टीफन मैक्सी पर हंस रही थी जब वह मार्टिंगेल एल्म के पेड़ से एक बच्चे का गुब्बारा निकाल रहा था, एक अज्ञात टेलीफोन कॉल और एक दस्ताने वाला हाथ जो बोकॉक के अटारी में जाने वाले गुप्त दरवाजे को बंद करते हुए क्षण भर के लिए दिखाई दिया।
और इस रहस्य के केंद्र में, वह सुराग जो सब कुछ स्पष्ट कर सकता था, सैली जुप्प का जटिल

व्यक्तित्व निहित था।

अध्याय आठ

सेंट ल्यूक चर्च में गुरुवार की सुबह की हाजिरी लंबी थी और स्टीफन मैक्सी को सैली की याद तब आई जब वह दोपहर के भोजन के लिए बैठा। फिर, हमेशा की तरह, याद एक चाकू की तरह भूख को चीरती हुई आई और उसे रोजमर्रा की जिंदगी के लापरवाह और सरल सुख से अलग कर दिया। मेज पर बातचीत बनावटी लग रही थी; तुच्छ बातों का अंबार जो उसके सहकर्मियों की उसकी उपस्थिति से हो रही शर्मिंदगी को छुपाने के लिए लगाया गया था। अखबारों को इतनी सफाई से मोड़ कर रख दिया गया था कि कहीं कोई खबर उनके बीच एक संदिग्ध हत्यारे की उपस्थिति की ओर ध्यान न खींच ले।

उन्होंने उसे अपनी बातचीत में बहुत सावधानी से शामिल किया। इतना भी नहीं कि उसे लगे कि वे उस पर तरस खा रहे हैं। इतना भी कम नहीं कि उसे लगे कि वे उससे बच रहे हैं। उसकी थाली में रखा मांस बिल्कुल बेस्वाद था। उसने कुछ और निवाले जबरदस्ती निगल लिए - अगर संदिग्ध का खाना-पीना ही बंद हो जाए तो यह ठीक नहीं होगा - और पुडिंग को नापसंद करने का दिखावा किया। उसे कुछ करने की ज़रूरत महसूस हो रही थी। अगर पुलिस इस मामले को सुलझा नहीं सकती, तो शायद वह खुद सुलझा ले। धीमी आवाज़ में माफी मांगते हुए वह निवासियों को उनके अनुमानों के लिए छोड़कर चला गया। और क्यों नहीं? क्या यह इतना आश्चर्य की बात थी कि वे उससे एक अहम सवाल पूछना चाहते थे? उसकी माँ, फोन पर उसका हाथ पकड़े, हताश चेहरे से उसकी ओर देखते हुए, यही सवाल पूछना चाहती थी। और उसने जवाब दिया, "आपको पूछने की ज़रूरत नहीं है।"

मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। मैं कसम खाता हूँ।

उसके पास एक घंटा खाली था और वह जानता था कि उसे क्या करना है। सैली की मौत का रहस्य उसके जीवन में, और शायद मार्टिंगेल आने से पहले के उसके जीवन में ही छिपा होना चाहिए।

स्टीफन को पूरा यकीन था कि अगर बच्चे का पिता मिल जाए तो वही सारी समस्या का हल निकाल सकता है। उसने अपने इरादों का विश्लेषण नहीं किया कि किसी अनजान आदमी को ढूंढने की उसकी यह तीव्र इच्छा तर्क, जिज्ञासा या ईर्ष्या से प्रेरित थी। उसे बस इतना ही काफी था कि वह कुछ कर दिखाए, चाहे परिणाम कितना भी व्यर्थ क्यों न हो।

उन्हें सैली के चाचा का नाम तो याद था, लेकिन पूरा पता नहीं। कैनिंगबरी का नंबर ढूंढने के लिए उन्हें प्रॉक्टर परिवार के घरों में काफी मशक्कत करनी पड़ी। एक महिला ने फोन उठाया, जिसकी आवाज़ बनावटी और बनावटी थी, मानो वह टेलीफोन पर बात करने की आदी न हो।

जब उसने अपना परिचय दिया तो इतनी देर तक सन्नाटा छाया रहा कि उसे लगा जैसे फोन कट गया हो। उसने उसके अविश्वास को एक शारीरिक आवेग की तरह महसूस किया और उसे शांत करने की कोशिश की। जब वह फिर भी हिचकिचाई तो उसने सुझाव दिया कि शायद वह बाद में फोन करके उसके पति से बात करना पसंद करे। यह प्रस्ताव धमकी के रूप में नहीं था। उसने

बस कल्पना की थी कि वह उन महिलाओं में से एक है जो सबसे सरल स्वतंत्र कार्य करने में भी असमर्थ होती हैं। लेकिन उसके सुझाव का परिणाम आश्चर्यजनक था। उसने झट से कहा, "अरे नहीं!"

नहीं! इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। श्री प्रॉक्टर सैली के बारे में बात नहीं करना चाहते थे। श्री प्रॉक्टर को फ़ोन करना ठीक नहीं होता।

आखिरकार, मिस्टर मैक्सी को वह बात बताने में कोई नुकसान तो नहीं था जो वह जानना चाहते थे।

"अच्छा होता अगर मिस्टर प्रॉक्टर को पता ही न चलता कि उसने फोन किया था।" फिर उसने स्टीफन द्वारा मांगा गया पता बताया।

जब सैली गर्भवती हुई, तब वह शहर के फाल्कनर्स यार्ड में स्थित सेले बुक क्लब के लिए काम कर रही थी।

सेलेक्ट बुक क्लब का कार्यालय सेंट पैटीज़ कैथेड्रल के पास एक आंगन में स्थित है। वहां तक पहुंचने का रास्ता संकरा, अंधेरा और ढूंढने में मुश्किल था, लेकिन आंगन रोशनी से जगमगाता हुआ और किसी प्रांतीय कैथेड्रल के पास की तरह शांत था। दिन के यातायात का शोरगुल दूर से आती समुद्र की हल्की सी गूंज में सिमट गया था। हवा में नदी की महक फैली हुई थी। सही घर ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई। आंगन के धूप से रोशन हिस्से में एक छोटी सी खिड़की थी, जिस पर सेलेक्ट बुक क्लब की चुनिंदा पुस्तकें बैंगनी मखमली पर्दे पर बड़ी ही सजी-धजी और सहज ढंग से रखी हुई थीं। क्लब का नाम सोच-समझकर रखा गया था। सेलेक्ट बुक्स उन पाठकों के लिए था जो बिना लेखक की परवाह किए एक जीवंत कहानी पसंद करते हैं, व्यक्तिगत पसंद की उबाऊ प्रक्रिया से बचना चाहते हैं, और मानते हैं कि एक ही आकार और रंग में बंधी किताबों से भरा बुककेस किसी भी कमरे को एक अलग ही रंगत देता है। सेलेक्ट बुक्स का मानना था कि सद्गुणों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए और दुर्गुणों को उचित दंड दिया जाना चाहिए। वे अश्लीलता से दूर रहते थे, विवादों से बचते थे और नए लेखकों के साथ कोई जोखिम नहीं लेते थे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्हें अक्सर वर्तमान चयन के लिए प्रकाशकों की सूचियों में काफी पीछे तक देखना पड़ता था। स्टीफन ने देखा कि चयनित पुस्तकों में से केवल कुछ ही मूल रूप से हर्न और इलिंगवर्थ के नाम से छपी थीं। उन्हें आश्चर्य हुआ कि ऐसी कोई पुस्तक भी थी।

सामने के दरवाजे की सीढ़ियाँ एकदम सफ़ेद चमकीली थीं और खुला दरवाजा एक छोटे से दफ्तर में खुलता था, जो स्पष्ट रूप से उन ग्राहकों की सुविधा के लिए सजाया गया था जो अपनी मासिक पुस्तक स्वयं आकर लेना पसंद करते थे। जैसे ही स्टीफन अंदर दाखिल हुआ, एक बुज़ुर्ग पादरी प्रभारी महिला की लंबी और जोशीली विदाई का सामना कर रहे थे, जो इस बात पर अड़ी थी कि जब तक उन्हें वर्तमान पुस्तक के गुण-दोष, जिसमें कथानक का विवरण और आश्चर्यजनक अंत शामिल था, विस्तार से न समझा दिए जाएँ, तब तक उन्हें जाने न दिया जाए। यह सब हो जाने के बाद, उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ करनी थी और पिछले महीने की पुस्तक के बारे में उनकी राय जाननी थी। स्टीफन धैर्यपूर्वक तब तक इंतजार करता रहा जब तक यह सब

समाप्त नहीं हो गया और महिला ने अपनी दृढ़ और चमकदार दृष्टि उस पर डाली। मेज पर रखे एक छोटे से फ्रेम वाले कार्ड पर उनका नाम मिस टाइटली लिखा था।

मुझे बहुत खेद है कि मैंने आपको इतना इंतजार करवाया। आप नए ग्राहक हैं, है ना? मुझे नहीं लगता कि इससे पहले मुझे आपसे मिलने का सौभाग्य मिला है? समय के साथ मैं सबको जान जाता हूँ और सब मुझे जानते हैं। ये थे कैनन टैटलॉक। एक बहुत प्रिय ग्राहक। लेकिन उन्हें जल्दी नहीं है, आप जानते हैं। उन्हें जल्दी नहीं है।

स्टीफन ने अपने सारे आकर्षण का इस्तेमाल करते हुए समझाया कि वह प्रभारी व्यक्ति से मिलना चाहता है। मामला निजी और बेहद महत्वपूर्ण था। वह कुछ बेचने की कोशिश नहीं कर रहा था और सच में इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। उसे खेद था कि वह और स्पष्ट रूप से नहीं बता सका, लेकिन यह वास्तव में महत्वपूर्ण था।

"कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

मुस्कान कारगर रही। हमेशा की तरह। मिस टाइटल, असामान्य स्थिति से घबराकर सामान्य स्थिति में आ गईं, अपने कार्यालय के पिछले हिस्से में गईं और चुपके से एक फोन किया। यह थोड़ा लंबा चला। बातचीत के दौरान उन्होंने कई बार उनकी ओर देखा, मानो उनकी प्रतिष्ठा के बारे में खुद को आश्वस्त कर रही हों। आखिरकार उन्होंने रिसीवर रखा और यह खबर लेकर लौटीं कि मिस मोलपास उनसे मिलने के लिए तैयार हैं।

मिस मोलपास का दफ्तर तीसरी मंजिल पर था। झाड़ियों से ढकी सीढ़ियाँ खड़ी और संकरी थीं, और स्टीफन और मिस टाइटली को महिला क्लर्कों के आने-जाने के दौरान हर लैंडिंग पर एक तरफ खड़ा होना पड़ता था। वहाँ कोई पुरुष नज़र नहीं आता था। जब आखिरकार उन्हें मिस मोलपास के कमरे में ले जाया गया, तो उन्होंने देखा कि उन्होंने सही जगह चुनी थी। शहर की छतों के इस नज़ारे, वेस्टमिंस्टर से नीचे आती हुई चांदी की पट्टी जैसी इमारत की इस झलक के लिए तीन खड़ी सीढ़ियाँ चढ़ना कोई बड़ी बात नहीं थी। मिस टाइटली ने एक परिचय दिया जो जितना आदरपूर्ण था उतना ही अस्पष्ट भी था और फिर गायब हो गया। अपनी डेस्क के पीछे से मिस मोलपास अकड़कर खड़ी हुईं और उन्हें कुर्सी पर बैठने का इशारा किया। वह कद में छोटी, सांवली और बेहद सादी महिला थीं। उनका चेहरा गोल और बड़ा था और उनके बाल भौंहों के ऊपर घनी सीधी लटों में कटे हुए थे। उन्होंने सींग के फ्रेम वाला इतना बड़ा और भारी चश्मा पहना हुआ था कि वह किसी कार्टून का हिस्सा लग रहा था। उसने एक छोटी ट्वीड स्कर्ट और पुरुषों की सफेद कमीज पहनी हुई थी, साथ ही पीले और हरे रंग की बुनी हुई टाई भी थी, जो स्टीफन को कुचली हुई गोभी के कीड़े की याद दिला रही थी, जो देखने में अप्रिय लग रहा था। लेकिन उसकी आवाज़ इतनी मधुर थी कि उसने किसी महिला की आवाज़ पहले कभी नहीं सुनी थी, और जो हाथ उसने उसकी ओर बढ़ाया था, वह ठंडा और दृढ़ था।

"आप स्टीफन मैक्सी हैं, है ना?"

मैंने 'इको' में आपकी तस्वीर देखी। लोग कह रहे हैं कि आपने सैली जुप्प की हत्या की है। क्या आपने सच में की है?

“नहीं,” स्टीफन ने कहा। “और मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं पता था। मैं इस बारे में

बहस करने नहीं आया हूँ। लोग जो चाहें मान सकते हैं। मैं सैली के बारे में कुछ और जानना चाहता था। मुझे लगा कि शायद आप मदद कर सकें। मुझे असल में बच्चे की चिंता है। अब जब उसकी माँ नहीं है, तो उसके पिता को ढूँढ़ने की कोशिश करना ज़रूरी लगता है। कोई सामने नहीं आया है, लेकिन मुझे लगता है कि उस आदमी को शायद पता न हो। सैली जिमी के बारे में बहुत स्वतंत्र थी - खैर, मुझे लगता है कि उसे मौका दिया जाना चाहिए।"

मिस मोलपास ने सिगरेट का एक पैकेट उसकी ओर बढ़ाते हुए कहा, "क्या तुम सिगरेट पीते हो? नहीं? ठीक है, मैं पीऊँगी। तुम कुछ ज़्यादा ही दखल दे रहे हो, है ना? अपने इरादे ठीक कर लो। तुम्हें विश्वास नहीं हो रहा कि उस आदमी को पता नहीं था। उसे क्यों नहीं पता होगा? अब तो उसे पता चल ही गया होगा।"

"इस मामले को काफी प्रचारित किया जा चुका है। पुलिस भी इसी दिशा में काम कर रही है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्हें बच्चे की भलाई में कोई दिलचस्पी है। वे शायद मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। वे बहुत बारीकी से जांच करते हैं। बेहतर होगा कि आप उन्हें ही यह काम करने दें।"

तो पुलिस वहाँ थी। इसके विपरीत सोचना मूर्खतापूर्ण और तर्कहीन था, लेकिन उसे यह खबर निराशाजनक लगी। पुलिस हमेशा एक कदम आगे रहती है। यह सोचना सरासर गलत था कि सैली के बारे में पुलिस को, जो अनुभवी, दृढ़ और असीम धैर्यवान है, कुछ भी ऐसा महत्वपूर्ण पता नहीं चल पाया होगा। उसकी निराशा उसके चेहरे पर साफ झलक रही थी, क्योंकि मिस मोलपास जोर से हंस पड़ीं।

"हिम्मत रखो! हो सकता है तुम उनसे पहले ही यह काम कर लो। वैसे मैं तुम्हारी ज्यादा मदद नहीं कर सकता। मैंने पुलिस को सब कुछ बता दिया जो मुझे पता था और उन्होंने इसे पूरी ईमानदारी से लिख लिया, लेकिन मुझे दिख रहा था कि इससे उन्हें कोई फायदा नहीं हो रहा था।"

"सिर्फ इसलिए कि वे उस दोष को और भी मजबूती से वहीं स्थापित कर दें जहां वे पहले से ही मानते हैं कि वह दोष मेरे परिवार के किसी सदस्य पर है।"

"खैर, इसमें किसी की कोई गलती नहीं है। मैं तो बच्चे के संभावित पिता का नाम भी नहीं बता सकता। हमारे परिसर में कोई पुरुष मौजूद ही नहीं है। उसने यहाँ काम करते हुए ही गर्भधारण किया है, लेकिन मुझसे यह मत पूछो कि कैसे।"

"वह असल में कैसी थीं, मिस मोलपास?" स्टीफन ने पूछा। सवाल की बेतुकीपन को समझते हुए भी उसने जबरदस्ती यह सवाल पूछा। वे सब एक ही सवाल पूछ रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो सबूतों और संदेहों के इस भंवर में कहीं न कहीं कोई ऐसा व्यक्ति मिल ही जाएगा जो कह सके, "यह सैली थीं।"

मिस मोलपास ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।

आपको पता होना चाहिए कि वह कैसी थी।

तुम उससे प्यार करते थे।

"अगर मैं होता तो मुझे सबसे आखिर में पता चलता।"

"लेकिन तुम नहीं थे।" यह एक बयान था, कोई अभद्र सवाल नहीं, और स्टीफन ने इसका जवाब

इतनी स्पष्टता से दिया कि वह खुद हैरान रह गया। "मैं उसकी प्रशंसा करता था और उसके साथ बिस्तर पर जाना चाहता था। मुझे लगता है कि आप इसे प्यार नहीं कहेंगे। किसी भी महिला के लिए इससे ज़्यादा कुछ महसूस न करने के कारण, मैं नहीं जानता।"

मिस मोलपास ने उससे नज़रें हटाकर नदी की ओर देखा। (मुझे इसी से संतोष करना चाहिए। मुझे संदेह है कि तुम कभी इससे ज़्यादा महसूस करोगे। तुम्हारे जैसे लोग नहीं करते।) वह फिर उसकी ओर मुड़ी और तेज़ी से बोली:

"लेकिन आप मुझसे उसके बारे में मेरी राय पूछ रहे थे। पुलिस भी यही पूछ रही थी। जवाब एक ही है। सैली जुप्प खूबसूरत, बुद्धिमान, महत्वाकांक्षी, धूर्त और असुरक्षित थी।"

"ऐसा लगता है कि आप उसे बहुत अच्छी तरह से जानते थे," स्टीफन ने धीमी आवाज़ में कहा।

"सच में नहीं। उसे जानना आसान नहीं था।"

उसने यहाँ तीन साल काम किया और जब उसने नौकरी छोड़ी, तब भी मुझे उसके घर की परिस्थितियों के बारे में उतनी ही जानकारी थी जितनी उसे काम पर रखने के दिन थी। उसे काम पर रखना एक प्रयोग था। आपने शायद गौर किया होगा कि हमारे यहाँ कोई युवा कर्मचारी नहीं हैं। उन्हें पाना मुश्किल है, सिवाय उनकी काबिलियत से दुगनी तनख्वाह देने पर ही, और वे काम पर ध्यान नहीं देते। मैं उन्हें दोष नहीं देता।

उनके पास पति ढूंढने के लिए बस कुछ ही साल बचे हैं और यह कोई अच्छी जगह नहीं है। अगर उन्हें किसी बूढ़ी औरत के साथ काम पर लगा दिया जाए तो वे क्रूर भी हो सकती हैं। क्या आपने कभी जवान मुर्गियों को किसी घायल पक्षी को चोंच मारते देखा है? खैर, हम यहाँ सिर्फ बूढ़ी मुर्गियों को ही रखते हैं। वे थोड़ी धीमी हो सकती हैं, लेकिन वे व्यवस्थित और भरोसेमंद होती हैं। इस काम में ज्यादा बुद्धि की जरूरत नहीं होती। सैली इस काम के लिए बहुत अच्छी थी। मुझे कभी समझ नहीं आया कि वह यहाँ क्यों रुकी रही।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने एक सेक्रेटेरियल एजेंसी में काम किया और फ्लू महामारी के दौरान जब हमारे यहाँ कर्मचारियों की कमी थी, तब वे अस्थायी रूप से हमारे यहाँ काम करने आईं। उन्हें काम पसंद आया और उन्होंने स्थायी रूप से काम करने की इच्छा जताई। क्लब का विस्तार हो रहा था और व्यवसाय को देखते हुए एक और टाइपिस्ट की आवश्यकता थी। इसलिए मैंने उन्हें काम पर रख लिया। जैसा कि मैंने कहा, यह एक प्रयोग था। वे कर्मचारियों में एकमात्र ऐसी सदस्य थीं जिनकी उम्र पैंतालीस वर्ष से कम थी।

"इस नौकरी में बने रहना मुझे महत्वाकांक्षा का संकेत नहीं देता," स्टीफन ने कहा। "तुम्हें ऐसा क्यों लगा कि वह चालाक है?" वह उसे देखता और सुनता रहा।

"हम सब यहाँ पुराने जमाने के लोग हैं और वह यह बात जानती होगी। लेकिन हमारी सैली बहुत होशियार थी।"

"जी हां, मिस टाइटली। बिल्कुल, मिस क्रूम। क्या मैं आपके लिए ला सकती हूं, मिस मेल्टिंग?" एक नन की तरह शांत और विक्टोरियन युग की नौकरानी की तरह सम्मानजनक।

ज़ाहिर है, उसने उन बेचारे मूर्खों को अपने इशारों पर नचा रखा था। वे कहते थे कि दफ्तर में एक युवा लड़की का होना कितना अच्छा है। वे उसे जन्मदिन और क्रिसमस के तोहफे देते थे। वे उससे

उसके करियर के बारे में बातें करते थे। यहाँ तक कि वह अपने कपड़ों के बारे में भी सलाह माँगती थी! मानो उसे इस बात की ज़रा भी परवाह हो कि हम क्या पहनते हैं या क्या सोचते हैं! अगर उसे परवाह होती तो मैं उसे मूर्ख ही समझती।

यह अभिनय का एक बेहद शानदार नमूना था। सैली के कुछ महीनों बाद हमारे यहाँ कार्यालय जैसा माहौल बन जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। शायद आपने कभी ऐसा अनुभव न किया हो।

आप यकीन मानिए, यह माहौल आरामदायक नहीं है। तनाव है, दबी आवाज़ में बातें होती हैं, चुभने वाली टिप्पणियाँ होती हैं, अनसुलझे झगड़े होते हैं। पुराने दोस्त अब एक-दूसरे से बात नहीं करते। बेमेल दोस्तियाँ पनपने लगती हैं। ज़ाहिर है, इन सबका काम पर बुरा असर पड़ता है, हालाँकि कुछ लोग इसमें खूब फलते-फूलते नज़र आते हैं। मैं नहीं। मैं समझ सकता हूँ कि यहाँ परेशानी क्या है।

उसने सबको ईर्ष्या से पागल कर दिया था और बेचारे मूर्ख इसे देख नहीं पा रहे थे। वे सब उससे बहुत प्यार करते थे। मुझे लगता है मिस मेलिंग भी उससे बहुत प्यार करती थीं। अगर सैली ने अपनी गर्भावस्था के बारे में किसी को बताया होता, तो वह बीट्रिस मेलिंग ही होती।

"क्या मैं मिस मेलिंग से बात कर सकता हूँ?" स्टीफन ने पूछा।

"ऐसा तभी होगा जब आप भविष्य देख सकते हों। सैली के जाने के एक हफ्ते बाद ही एपेंडिसाइटिस के एक साधारण ऑपरेशन के बाद बीट्रिस की मृत्यु हो गई।"

संयोगवश, वह उसे अलविदा कहे बिना ही चला गया। क्या आप टूटे दिल से होने वाली मौत में विश्वास करते हैं, डॉ. मैक्सी? नहीं, बिल्कुल नहीं।

"जब सैली गर्भवती हुई तो क्या हुआ?"

कुछ नहीं। किसी को पता नहीं था। हम तो इस तरह की परेशानी को पहचानने वाले सबसे संभावित समुदाय भी नहीं हैं। और सैली! सीधी-सादी, नेक, शांत छोटी सैली! मैंने देखा कि कुछ हफ्तों से वह मुरझाई हुई और पहले से भी ज़्यादा पतली लग रही थी। फिर वह पहले से भी ज़्यादा खूबसूरत हो गई। उसके चेहरे पर एक अलग ही चमक थी। जब वह गई थी तब वह लगभग चार महीने की गर्भवती रही होगी। उसने मुझे एक हफ्ते पहले सूचना दी और कहा कि मैं किसी को न बताऊं। उसने मुझे कोई कारण नहीं बताया और मैंने भी नहीं पूछा।

सच कहूँ तो, मुझे राहत मिली। उसे निकालने का मेरे पास कोई ठोस बहाना नहीं था, लेकिन मुझे काफी समय से पता था कि यह प्रयोग असफल रहा है। वह एक शुक्रवार को घर चली गई और सोमवार को मैंने बाकी स्टाफ को बताया कि वह चली गई है। उन्होंने अपने-अपने निष्कर्ष निकाले, लेकिन जहाँ तक मुझे पता है, किसी ने भी सही निष्कर्ष नहीं निकाला। हमारी एक ज़बरदस्त बहस हुई। मिस क्रूम ने मिस मेलिंग पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी अत्यधिक अधिकार भावना और बनावटी स्नेह से लड़की को भगा दिया है। मिस क्रूम के साथ न्याय करने के लिए, मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा इससे ज़्यादा कुछ बुरा था कि जुप्प को मेलिंग के साथ दोपहर के भोजन के सैंडविच खाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि वह क्रूम के साथ पास के लायंस में जाना चाहती थी।

"तो आपको इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि वह आदमी कौन था या वह उससे कहाँ मिली होगी?"

"बिल्कुल नहीं। सिवाय इसके कि वे मिले थे..."

शनिवार की सुबह। यह जानकारी मुझे पुलिस से मिली। हम यहाँ पाँच दिन काम करते हैं और दफ्तर शनिवार को कभी नहीं खुलता।

सैली ने अपने चाचा और चाची को यही बताया था। वह लगभग हर शनिवार सुबह काम के बहाने शहर आती थी। यह एक चालाकी भरा धोखा था। जाहिर तौर पर उन्हें उसके काम में कोई दिलचस्पी नहीं थी और अगर वे शनिवार सुबह उसे फोन करने की कोशिश भी करते, तो यही माना जाता कि फोन खाली रह गया है। सैली बड़ी चालाक झूठी थी।

उसकी आवाज़ में जो नाराज़गी थी, वह इतनी कड़वी थी कि किसी निजी दुख के अलावा और कुछ नहीं हो सकती थी। स्टीफन सोच रहा था कि सैली के दफ्तर के जीवन के बारे में और क्या-क्या बताया जा सकता था। "क्या आपको उसकी मौत की खबर सुनकर हैरानी हुई?" उसने पूछा।

"जब हत्या जैसी कोई भयानक और अवास्तविक घटना किसी के जीवन को छूती है, तो आमतौर पर इंसान जितना आश्चर्यचकित और स्तब्ध होता है, उतना ही मैं भी था। लेकिन जब मैंने इस बारे में सोचा, तो मेरी हैरानी कम हो गई। वह कुछ मायनों में जन्मजात हत्यारी लग रही थी। लेकिन जिस बात ने मुझे चौंका दिया, वह यह थी कि वह अविवाहित माँ थी। मुझे लगा कि वह इस तरह की मुसीबत के लिए बहुत सावधान और चालाक थी। मैं यह भी कह सकता था कि वह यौन इच्छा से वंचित थी, न कि इसके विपरीत। जब वह यहाँ कुछ हफ़्ते रही, तब एक अजीब घटना घटी। उस समय सामान की पैकिंग तहखाने में होती थी और हमारे पास एक पुरुष पैकिंग करने वाला था।"

वह शांत स्वभाव के, अधेड़ उम्र के, कद में छोटे कद के व्यक्ति थे, जिनके लगभग छह बच्चे थे। हम उन्हें ज़्यादा नहीं देख पाते थे, लेकिन सैली को एक संदेश लेकर पैकिंग रूम में भेजा गया था। ऐसा लगता है कि उसने उसके साथ किसी तरह का यौन दुर्व्यवहार करने की कोशिश की। यह गंभीर मामला नहीं रहा होगा।

उस आदमी को नौकरी से निकाले जाने पर सचमुच हैरानी हुई। हो सकता है उसने सिर्फ उसे चूमने की कोशिश की हो। मुझे पूरी कहानी कभी पता नहीं चली। लेकिन उसने जिस तरह का हंगामा किया, उसे देखकर ऐसा लगा जैसे उसे नंगा करके बलात्कार किया गया हो। उसका इतना सदमे में होना वाकई सराहनीय था, लेकिन आजकल की ज़्यादातर लड़कियाँ इस तरह की स्थिति का सामना बिना हिस्टीरिया के कर लेती हैं। और उस समय वह नाटक नहीं कर रही थी। यह सचमुच हुआ था। असली डर और घृणा को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। मुझे जेल्क्स पर तरस आया। सौभाग्य से मेरा एक भाई है जिसका ग्लासगो में कारोबार है, जो उस आदमी का गृह नगर था, और मैं उसे वहाँ नौकरी दिलवाने में कामयाब रहा। वह अच्छा कर रहा है और निस्संदेह उसने सबक सीख लिया है। लेकिन, मेरा विश्वास करो, सैली जुप्प कोई कामुक औरत नहीं थी।

इतना तो स्टीफन को खुद पता था। मिस मोलपास से अब और कुछ सीखने को नहीं था। वह

अस्पताल से निकले हुए एक घंटे से ज़्यादा हो गया था और स्टैंडन अधीर हो रहा होगा। उसने सबको अलविदा कहा और भूतल पर स्थित अपने कार्यालय की ओर चल पड़ा। मिस टाइटली अभी भी वहीं मौजूद थीं और उन्होंने अभी-अभी एक नाराज़ ग्राहक को शांत किया था, जिसकी पिछली तीन किताबें उसे संतुष्ट नहीं कर पाई थीं।

स्टीफन ने उनकी बातचीत खत्म होने तक कुछ पल इंतजार किया। गहरे लाल रंग की जिल्द वाली किताबों की करीने से सजी कतारों ने उसकी यादों को ताजा कर दिया। उसका कोई परिचित 'सेलेक्ट बुक्स लिमिटेड' का सब्सक्राइबर था। अस्पताल में तो वह कोई नहीं था। उसने धीरे-धीरे अपने दोस्तों और परिचितों की किताबों की अलमारियों को याद किया और समय बीतने के साथ ही उसे जवाब मिल गया।

उन्होंने मिस टाइटली से कहा, "मुझे अफसोस है कि मेरे पास पढ़ने के लिए ज्यादा समय नहीं है। लेकिन किताबें बहुत ही बढ़िया लग रही हैं। मुझे लगता है कि मेरा एक दोस्त इसका सदस्य है। क्या आप कभी सर रेनॉल्ड प्राइस से मिलती हैं?"

मिस टाइटली ने वास्तव में सर रेनॉल्ड को देखा था।

सर रेनॉल्ड एक प्रिय सदस्य थे। वे स्वयं अपनी मासिक पुस्तकें लेने आते थे और दोनों के बीच बहुत ही रोचक बातें होती थीं। सर रेनॉल्ड प्राइस हर तरह से एक आकर्षक व्यक्ति थे।

मुझे आश्चर्य है कि क्या वह कभी मिस सैली से मिले थे।

"जप्प यहाँ?" स्टीफन ने संकोच से पूछा। उसे उम्मीद थी कि इससे कुछ हैरानी होगी, लेकिन मिस टाइटली की प्रतिक्रिया अप्रत्याशित थी। उन्हें बुरा लगा। उन्होंने अत्यंत विनम्रता लेकिन दृढ़ता से समझाया कि मिस जप्प की मुलाकात सर रेनॉल्ड से सिलेक्ट बुक्स लिमिटेड में नहीं हो सकती थी।

मिस टाइटली सार्वजनिक कार्यालय की प्रभारी थीं। वे दस वर्षों से अधिक समय से इस पद पर थीं। सभी ग्राहक मिस टाइटली को जानते थे और मिस टाइटली भी उन्हें जानती थीं। सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करना एक कुशल और अनुभवी कार्य था। मिस मोलपास को मिस टाइटली पर पूरा भरोसा था और वे कभी सपने में भी किसी और को इस पद पर नियुक्त करने की नहीं सोचती थीं। मिस टाइटली ने निष्कर्ष निकाला कि मिस जुप्प तो केवल कार्यालय में कनिष्ठ अधिकारी थीं। वे अनुभवहीन थीं।

और इस व्यंग्यात्मक विदाई संदेश के साथ स्टीफन को संतुष्ट होना पड़ा।

जब स्टीफन अस्पताल लौटा तो लगभग चार बज रहे थे। जैसे ही वह चौकीदार के कमरे के पास से गुजरा, कॉली ने उसे आवाज़ दी और एक षड्यंत्रकारी की तरह सतर्क होकर काउंटर पर झुक गया। उसकी दयालु बूढ़ी आँखों में चिंता झलक रही थी। स्टीफन को याद आया कि पुलिस अस्पताल आई थी। उन्होंने कॉली से ही बात की होगी। उसने सोचा कि अगर वह कुछ भी न बताने के अपने अत्यधिक वफादार इरादे से ऐसा करता तो कितना नुकसान कर सकता था। और बताने के लिए कुछ था भी नहीं। सैली केवल एक बार ही अस्पताल आई थी। कॉली केवल वही बात पुष्ट कर सकता था जो पुलिस पहले से जानती थी। लेकिन चौकीदार बोल रहा था।

"आपके लिए एक फोन आया है, महोदय। यह मार्टिंगेल से था। मिस बोवर्स ने कहा कि कृपया

अंदर आते ही फोन करें। यह बहुत जरूरी है, महोदय।"
स्टीफन ने घबराहट पर काबू पाया और जवाब देने से पहले खुद को चिट्ठियों के रैक को ऐसे देखने के लिए मजबूर किया जैसे कि उसे किसी अपेक्षित चिट्ठी की तलाश हो।
"क्या मिस बोवर्स ने कोई संदेश छोड़ा था, कॉली?"
"जी नहीं, महोदय। कोई संदेश नहीं है।"
उसने हॉल में स्थित सार्वजनिक कॉल बॉक्स से फोन करने का फैसला किया। वहाँ गोपनीयता की संभावना अधिक थी, भले ही इसका मतलब यह था कि वह कॉली की पूरी नज़र में था।
उसने नोटखाने में प्रवेश करने से पहले जानबूझकर आवश्यक सिक्के गिने। हमेशा की तरह चैडफ्लीट एक्सचेंज मिलने में थोड़ी देरी हुई, लेकिन मार्टिंगेल में कैथरीन शायद टेलीफोन के पास बैठी थी। उसने घंटी बजने से पहले ही फोन उठा लिया।
"स्टीफन? शुक्र है तुम वापस आ गए।"
देखो, क्या तुम तुरंत घर आ सकते हो?
किसी ने देबोरा को जान से मारने की कोशिश की है।"
इसी बीच, 17 विंडरमेयर क्रिसेंट के छोटे से सामने वाले कमरे में, इंस्पेक्टर डेलग्लिश ने अपने आरोपी का सामना किया और सच्चाई के क्षण की ओर लगातार आगे बढ़ते रहे।
विक्टर प्रॉक्टर के चेहरे पर एक फंसे हुए जानवर का भाव था, जिसे पता है कि बचने का आखिरी रास्ता भी बंद है, लेकिन फिर भी वह अंत का सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। उसकी छोटी-छोटी काली आँखें बेचैनी से इधर-उधर घूम रही थीं। उसकी विनम्र आवाज़ और मुस्कान गायब हो चुकी थी। अब उसके चेहरे पर सिर्फ़ डर ही बचा था। पिछले कुछ मिनटों में नाक से मुँह तक की झुर्रियाँ और गहरी होती जा रही थीं।
उसकी लाल गर्दन, जो मुर्गी की तरह दुबली-पतली थी, में कंठस्थता से कंठस्थता थी।
डेलग्लिश ने निर्दयतापूर्वक अपनी बात जारी रखी। "तो आप स्वीकार करते हैं कि 'हेल्प देम नाउ एसोसिएशन' को आपने जो रिटर्न दिया था, जिसमें आपने दावा किया था कि आपकी भतीजी एक युद्ध अनाथ और बेसहारा थी, वह असत्य था?" "मुझे लगता है कि मुझे 2,000 के बारे में बताना चाहिए था, लेकिन वह पूंजी थी, आय नहीं।"
"वह पूंजी जो आपने खर्च की थी?"
"मुझे उसका पालन-पोषण करना पड़ा। भले ही यह संपत्ति मुझे विरासत में मिली थी, लेकिन मुझे उसे खाना खिलाना तो था ही, है ना? हमारे पास कभी भी पर्याप्त धन-संपत्ति नहीं रही। उसे छात्रवृत्ति तो मिल गई, लेकिन फिर भी हमें उसके कपड़ों का ही ख्याल रखना पड़ा। सच कहूं तो यह आसान नहीं रहा।"
"और आप अब भी यही कह रहे हैं कि मिस जुप्प को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनके पिता ने यह पैसा छोड़ा था?"
"उस समय वह सिर्फ एक बच्ची थी।"
बाद में उसे यह बात बताने का कोई फायदा नहीं लगा।
"क्योंकि तब तक ट्रस्ट की धनराशि आपके निजी उपयोग में लाई जा चुकी थी?"

"मैंने इसका इस्तेमाल उसे अपने पास रखने में मदद करने के लिए किया, मैं आपको बता रहा हूँ।"
मुझे इसका इस्तेमाल करने का अधिकार था। मुझे और मेरी पत्नी को ट्रस्टी बनाया गया था और हमने उस लड़की के लिए अपनी पूरी कोशिश की। अगर उसे यह इक्कीस साल की उम्र में मिल जाता तो यह कितने समय तक चलता? हमने इतने सालों तक बिना एक पैसा खर्च किए उसका पेट पाला।
"हेल्प देम नाउ एसोसिएशन द्वारा दिए गए तीन अनुदानों को छोड़कर।"
"खैर, वह युद्ध अनाथ थी, है ना? उन्हें ज्यादा कुछ नहीं मिला। बस स्कूल की वर्दी के लिए थोड़ा बहुत पैसा मिल गया, बस इतना ही।"
"और आप अब भी इस बात से इनकार करते हैं कि आप पिछले शनिवार को मार्टिंगेल हाउस के परिसर में मौजूद थे?"
मैंने तुम्हें बता दिया है। तुम बार-बार क्यों परेशान कर रहे हो? मैं मेले में नहीं गया था। मुझे क्यों जाना चाहिए था?
"आप शायद अपनी भतीजी को उसकी सगाई पर बधाई देना चाहते होंगे। आपने कहा था कि मिस लिडेल ने शनिवार की सुबह जल्दी फोन करके आपको इसके बारे में बताया था।"
मिस लिडेल अब भी इस बात से इनकार करती हैं कि उन्होंने ऐसा कुछ किया था। "मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती। अगर वह लिडेल महिला नहीं थी, तो कोई और था जो उसके होने का नाटक कर रहा था। मुझे कैसे पता चलेगा कि वह कौन थी?"
"क्या आपको पूरा यकीन है कि वह आपकी भतीजी नहीं थी?"
"मैं आपको बता दूं, वह मिस लिडेल थीं।"
"क्या उस टेलीफोन पर हुई बातचीत के परिणामस्वरूप आप मार्टिंगेल में मिस जुप्प से मिलने गए थे?"
"नहीं। नहीं। मैं तुम्हें बार-बार बता रहा हूँ। मैं पूरे दिन साइकिल चला रहा था।"
डेलग्लिश ने जानबूझकर अपने बटुए से दो तस्वीरें निकालीं और उन्हें मेज पर फैला दिया। प्रत्येक तस्वीर में बच्चों का एक समूह मार्टिंगेल के विशाल लोहे के फाटकों से प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा था, उनके चेहरे विकृत भावों से भरे हुए थे, मानो वे छिपे हुए फोटोग्राफर को यह विश्वास दिलाना चाहते हों कि यही "मेले में प्रवेश करने वाला सबसे खुश दिखने वाला बच्चा" है।
उनके पीछे कुछ वयस्क लोग कम नाटकीय ढंग से प्रवेश कर रहे थे। जेब में हाथ डाले, चुपके से भुगतान तालिका की ओर देख रहा रेनकोट पहने वह व्यक्ति स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन फिर भी उसे पहचानना आसान था। प्रॉक्टर ने अपना बायां हाथ आधा आगे बढ़ाया मानो तस्वीर को दो टुकड़ों में फाड़ना चाहता हो, और फिर अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया।
"ठीक है," उसने कहा। "मुझे आपको बता देना चाहिए, मैं वहाँ था।"
अपने काम को कवर करवाने में थोड़ा समय लग गया था। ऐसा पहले भी कई बार हो चुका था। स्टीफन उन लोगों से ईर्ष्या करता था जिनकी निजी समस्याएं उनके पेशे की मांगों के आगे गौण नहीं होती थीं। जब तक सारी व्यवस्थाएं पूरी हुईं और उसने एक कार उधार ली, तब तक उसे

अस्पताल और उसके हर मांग करने वाले, अतृप्त मरीज़ से नफरत सी महसूस होने लगी थी। अगर वह खुलकर जो हुआ था, बता पाता तो चीजें आसान होतीं, लेकिन कुछ उसे रोक रहा था। शायद उन्हें लगा होगा कि पुलिस ने उसे बुलाया है, कि गिरफ्तारी होने वाली है। खैर, उन्हें सोचने दो। उन्हें जो सोचना है सोचने दो। भगवान, वह उस जगह से दूर होकर कितना खुश था जहाँ अधमरे लोगों को ज़िंदा रखने के लिए ज़िंदा लोगों की बलि दी जाती थी!

बाद में उसे घर वापसी की यात्रा के बारे में कुछ भी याद नहीं रहा। कैथरीन ने कहा था कि देबोरा ठीक है, प्रयास विफल हो गया था, लेकिन कैथरीन मूर्ख थी।

ये सब लोग ऐसा होने देने के लिए क्या कर रहे थे? कैथरीन फोन पर बिल्कुल शांत थी, लेकिन उसने जो जानकारी दी, वह स्पष्ट होने के बावजूद कुछ भी स्पष्ट नहीं कर पाई। आज सुबह तड़के कोई देबोरा के कमरे में घुस गया था और उसका गला घोंटने की कोशिश की थी। देबोरा ने खुद को छुड़ा लिया और मदद के लिए चीखी। मार्था सबसे पहले उसके पास पहुंची और फेलिक्स उसके एक सेकंड बाद। तब तक देबोरा इतनी संभल चुकी थी कि उसने यह जताने का नाटक किया कि वह किसी बुरे सपने से जागी है। लेकिन वह स्पष्ट रूप से बहुत डरी हुई थी और उसने बाकी रात मार्था के कमरे में आग के पास बैठकर बिताई, दरवाजे और खिड़कियां बंद थीं और उसने अपने ड्रेसिंग गाउन का कॉलर गले तक कसकर पकड़ रखा था। वह नाश्ते के लिए गले में शिफॉन का स्कार्फ लपेटकर नीचे आई थी, लेकिन पीली और थकी हुई दिखने के अलावा, वह पूरी तरह से शांत थी। दोपहर के भोजन के समय देबोरा के बगल में बैठे फेलिक्स हर्न ने ही स्कार्फ के ऊपर चोट के निशान को देखा था और बाद में उससे सच्चाई निकलवाई थी। उसने कैथरीन से सलाह ली थी। देबोरा ने उनसे विनती की थी कि वे उसकी माँ को परेशान न करें और फेलिक्स मान भी गया था, लेकिन कैथरीन ने पुलिस को बुलाने पर ज़ोर दिया। डेलग्लिश गाँव में नहीं था। एक कांस्टेबल को लगा कि वह और सार्जेंट मार्टिन कैनिंगबरी में हैं। फेलिक्स ने कोई संदेश नहीं छोड़ा था, बस इतना कहा था कि डेलग्लिश को सुविधा होते ही मार्टिंगेल आना चाहिए। उन्होंने श्रीमती मैक्सी को कुछ नहीं बताया था। श्री मैक्सी अब इतने बीमार थे कि उन्हें ज़्यादा देर तक अकेला नहीं छोड़ा जा सकता था और उन्हें उम्मीद थी कि देबोरा की गर्दन पर लगा निशान उसकी माँ को शक होने से पहले ही मिट जाएगा। कैथरीन ने बताया कि देबोरा को दूसरी बार हमला होने से ज़्यादा अपनी माँ को परेशान करने का डर था। वे अब डेलग्लिश का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन कैथरीन को लगा कि स्टीफन को पता होना चाहिए कि क्या हुआ है। उसने फ़ोन करने से पहले फेलिक्स से सलाह नहीं ली थी। शायद फेलिक्स को स्टीफन को बुलाने का उसका फ़ैसला मंज़ूर नहीं होता। लेकिन अब किसी को सख़्त रुख़ अपनाना ज़रूरी था। मार्था को कुछ नहीं पता था। डेबोरा को डर था कि अगर सच सामने आ गया तो वह मार्टिंगेल में रहने से इनकार कर देगी। कैथरीन को उसके इस रवैये से कोई हमदर्दी नहीं थी। हत्यारा खुलेआम घूम रहा था, इसलिए मार्था को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार था। डेबोरा का यह सोचना बेवकूफी थी कि हमले को ज़्यादा समय तक छुपाया जा सकता है। लेकिन उसने धमकी दी थी कि अगर पुलिस ने मार्था या उसकी माँ को बताया तो वह सब कुछ नकार देगी। इसलिए स्टीफन तुरंत आकर देखें कि वह क्या कर सकते हैं। कैथरीन अब और ज़िम्मेदारी नहीं उठा सकती थी।

स्टीफन को इस बात पर हैरानी नहीं हुई। हर्न और कैथरीन ने मिलकर पहले ही बहुत ज़िम्मेदारी उठा ली थी। डेबोरा ऐसी बात छुपाने की कोशिश कर रही है तो वह पागल ही होगी। जब तक कि उसके अपने कोई कारण न हों।

जब तक कि दूसरी कोशिश का डर भी सच्चाई जानने से बेहतर न हो। उसके पैर और हाथ ब्रेक और थ्रॉटल, स्टीयरिंग व्हील और गियर लीवर पर स्वचालित तालमेल से काम कर रहे थे, वहीं आशंका से तेज हुआ उसका दिमाग सवाल पूछ रहा था। देबोरा की चीख के बाद मार्था और फेलिक्स के आने में कितना समय लगा था?

मार्था बगल वाले कमरे में सो रही थी। यह स्वाभाविक था कि वह सबसे पहले जागती। लेकिन फेलिक्स? उसने इस मामले को दबाने के लिए क्यों सहमति दी?

यह सोचना मूर्खता थी कि हत्या और हत्या के प्रयास को उसके युद्धकालीन कारनामों की तरह माना जा सकता है। सब जानते थे कि फेलिक्स एक बहादुर योद्धा था, लेकिन गाँव में उसकी इस तरह की वीरता स्वीकार्य नहीं थी। एक कांस्टेबल को लगा कि वह और सार्जेंट मार्टिन कैनिंगबरी में हैं। फेलिक्स ने कोई संदेश नहीं छोड़ा था, बस इतना कहा था कि डेलग्लिश को सुविधा होते ही मार्टिंगेल आना चाहिए। उन्होंने श्रीमती मैक्सी को कुछ नहीं बताया था। श्री मैक्सी अब इतने बीमार थे कि उन्हें ज़्यादा देर तक अकेला नहीं छोड़ा जा सकता था और उन्हें उम्मीद थी कि देबोरा की गर्दन पर लगा निशान उसकी माँ के शक करने से पहले ही मिट जाएगा। कैथरीन ने बताया कि देबोरा को दूसरी बार हमला होने से ज़्यादा अपनी माँ को नाराज़ करने का डर था। वे अब डेलग्लिश का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन कैथरीन को लगा कि स्टीफन को पता होना चाहिए कि क्या हुआ है। उसने फोन करने से पहले फेलिक्स से सलाह नहीं ली थी। शायद फेलिक्स को स्टीफन को बुलाने का उसका फैसला मंज़ूर नहीं होता। लेकिन अब किसी को कड़ा कदम उठाना ज़रूरी था। मार्था को कुछ नहीं पता था। डेबोरा को डर था कि अगर सच सामने आ गया तो वह मार्टिंगेल में रहने से इनकार कर देगी। कैथरीन को उसके इस रवैये से कोई हमदर्दी नहीं थी। हत्यारा खुलेआम घूम रहा था, इसलिए मार्था को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार था। डेबोरा का यह सोचना बेवकूफी थी कि हमले को ज़्यादा समय तक छुपाया जा सकता है। लेकिन उसने धमकी दी थी कि अगर पुलिस ने मार्था या उसकी माँ को बताया तो वह सब कुछ नकार देगी। इसलिए स्टीफन तुरंत आकर देखें कि वह क्या कर सकते हैं। कैथरीन अब और ज़िम्मेदारी नहीं उठा सकती थी। स्टीफन को इस बात पर हैरानी नहीं हुई। हर्न और कैथरीन ने मिलकर पहले ही बहुत ज़िम्मेदारी उठा ली थी। डेबोरा ऐसी बात छुपाने की कोशिश कर रही है तो वह पागल ही होगी। जब तक कि उसके अपने कोई कारण न हों।

जब तक कि दूसरी कोशिश का डर भी सच्चाई जानने से बेहतर न हो। उसके पैर और हाथ ब्रेक और थ्रॉटल, स्टीयरिंग व्हील और गियर लीवर पर स्वचालित तालमेल से काम कर रहे थे, वहीं आशंका से तेज हुआ उसका दिमाग सवाल पूछ रहा था। देबोरा की चीख के बाद मार्था और फेलिक्स के आने में कितना समय लगा था?

मार्था बगल वाले कमरे में सो रही थी। यह स्वाभाविक था कि वह सबसे पहले जागती। लेकिन फेलिक्स? उसने इस मामले को दबाने के लिए क्यों सहमति दी?

यह सोचना मूर्खता थी कि हत्या और हत्या के प्रयास को उसके युद्धकालीन कारनामों में से एक माना जा सकता है। वे सब जानते थे कि फेलिक्स एक बहादुर योद्धा था, लेकिन मार्टिंगेल में उसके जैसे वीरतापूर्ण कारनामों की ज़रूरत नहीं थी। वैसे भी वे उसके बारे में कितना जानते थे? देबोरा का व्यवहार अजीब था। वह जिस देबोरा को जानता था, उसका मदद के लिए चिल्लाना उसके स्वभाव के विपरीत था। एक समय था जब वह डर से ज़्यादा गुस्से से लड़ती थी। लेकिन उसे याद था जब सैली का शव मिला था, उसका चेहरा कितना उदास था, अचानक उल्टी आना, और लड़खड़ाते हुए दरवाज़े की ओर भागना।

तनाव की स्थिति में लोग कैसा व्यवहार करेंगे, इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल था। कैथरीन ने अच्छा व्यवहार किया, देबोरा ने बुरा। लेकिन कैथरीन को हिंसक मौत का ज़्यादा अनुभव था। और क्या उसका विवेक भी बेहतर था?

मार्टिंगेल का भारी सामने का दरवाज़ा खुला था। घर में अजीब सी खामोशी छाई हुई थी। उसे ड्राइंग रूम से बस हल्की फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी। जैसे ही वह अंदर दाखिल हुआ, चार जोड़ी निगाहें उसकी ओर उठीं और उसने कैथरीन की राहत भरी आह सुनी।

देबोरा चिमनी के सामने पंखों वाली कुर्सियों में से एक पर बैठी थी। कैथरीन और फेलिक्स उसके पीछे खड़े थे, फेलिक्स सीधा और सतर्क था, जबकि कैथरीन ने अपनी बाहें कुर्सी की पीठ पर फैला रखी थीं और उसके हाथ देबोरा के कंधों पर इस तरह रखे थे जैसे वह उसे आधा सुरक्षात्मक और आधा सांत्वना दे रही हो। देबोरा को इससे कोई आपत्ति नहीं थी। उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था। उसकी ऊँची गर्दन वाली कमीज़ खुली हुई थी और उसके हाथ से एक पीला शिफॉन स्कार्फ़ लटक रहा था। दरवाजे से भी स्टीफन पतले कंधों के ऊपर बैंगनी रंग का निशान देख सकता था।

डैगलेश उसके सामने कुर्सी के किनारे पर आराम से बैठा था, लेकिन उसकी निगाहें चौकस थीं। वह और फेलिक्स हर्न एक-दूसरे के सामने ऐसे खड़े थे जैसे कमरे में बिल्लियाँ हों। पृष्ठभूमि में कहीं स्टीफन को हर जगह मौजूद सार्जेंट मार्टिन अपनी नोटबुक के साथ दिखाई दे रहे थे। किसी के बोलने या हिलने से ठीक एक पल पहले, छोटी सुनहरी घड़ी ने पौने तीन बजने की आवाज़ निकाली, हर सुंदर स्वर खामोशी में ऐसे घुल गया जैसे कोई क्रिस्टल का कंकड़।

स्टीफन तेज़ी से अपनी बहन के पास गया और उसे चूमने के लिए अपना सिर झुकाया। उसका चिकना गाल उसके होठों पर बर्फ़ की तरह ठंडा लगा। जैसे ही वह पीछे हटा, उसकी नज़रें उससे मिलीं, एक ऐसी नज़र से जिसे समझना मुश्किल था। क्या यह विनती थी - या चेतावनी? उसने फेलिक्स की ओर देखा।

"क्या हुआ?" उसने पूछा। "मेरी माँ कहाँ है?"

"वह ऊपर मिस्टर मैक्सी के साथ है। आजकल वह अपना ज़्यादातर समय उनके साथ ही बिताती है। हमने उसे बताया था कि इंस्पेक्टर डेलग्लिश नियमित दौरे पर आ रहे हैं। उसकी चिंता बढ़ाने की कोई ज़रूरत नहीं है। न ही मार्था की। अगर मार्था डरकर चली जाती है तो हमें एक और प्रशिक्षित नर्स बुलानी पड़ेगी और अभी हमारे पास इतना समय नहीं है। भले ही हमें कोई ऐसी नर्स मिल जाए जो आने को तैयार हो।"

“क्या तुम कुछ भूल तो नहीं रहे?” स्टीफन ने रूखेपन से कहा। “डेबोरा का क्या? क्या हम सब चुपचाप बैठे रहेंगे और एक और कोशिश का इंतज़ार करेंगे?” उसे फेलिक्स के परिवार की ज़िम्मेदारी को शांति से संभालने और इस बात से चिढ़ थी कि घर का बेटा अपने पेशेवर दायित्वों को परिवार से ऊपर रख रहा है, जबकि किसी को तो इन मामलों को संभालना ही पड़ेगा।
डेलग्लिश ने जवाब दिया: “डॉक्टर साहब, मैं श्रीमती रिस्को की सुरक्षा का ध्यान रख रहा हूँ। क्या आप कृपया उनके गले की जाँच करके मुझे बताएँगे कि आपको क्या लगता है?”
स्टीफन उसकी ओर मुड़ा। "मैं ऐसा नहीं करना चाहता। डॉ. एप्स मेरे परिवार का इलाज करते हैं। क्यों न मैं उन्हें ही बुला लूँ?"
मैं आपसे गले की जांच करने के लिए कह रहा हूं, उसका इलाज करने के लिए नहीं। यह झूठे पेशेवर सिद्धांतों में उलझने का समय नहीं है। कृपया मेरी बात मानें।
स्टीफन ने अपना सिर फिर झुकाया। एक क्षण बाद वह सीधा हुआ और बोला, "उसने कंधे के ठीक ऊपर और पीछे गर्दन को दोनों हाथों से पकड़ लिया।"
शरीर पर काफी गहरे निशान हैं, लेकिन नाखूनों से खरोंच या अंगूठे के निशान नहीं हैं। संभवतः पकड़ अंगूठे के निचले हिस्से को आगे और उंगलियों को पीछे रखकर बनाई गई थी।
स्वरयंत्र लगभग निश्चित रूप से अप्रभावित है।
मुझे उम्मीद है कि एक-दो दिन में चोट के निशान मिट जाएंगे। कोई खास नुकसान नहीं हुआ है," उन्होंने आगे कहा, "कम से कम शारीरिक रूप से तो नहीं।"
डेलग्लिश ने कहा, "दूसरे शब्दों में कहें तो, यह एक तरह का शौकिया प्रयास था?"
"अगर आप इसे इस तरह कहना चाहें तो।"
"मुझे परवाह है। क्या इससे आपको यह संकेत नहीं मिलता कि हमलावर अपना काम बखूबी जानता था? जानता था कि कहाँ और कितना दबाव डालना है ताकि कोई नुकसान न हो?"
क्या हमसे यह उम्मीद की जाती है कि जिस व्यक्ति ने मिस जुप्प की इतनी कुशलता से हत्या की, वह इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकता था? श्रीमती रिस्को, आपका क्या विचार है?
डेबोरा अपनी कमीज के बटन लगा रही थी।
उसने कैथरीन की अधिकारपूर्ण पकड़ से खुद को छुड़ाया और शिफॉन के स्कार्फ को अपने गले में फिर से लपेट लिया।
"मुझे खेद है कि आप निराश हैं, इंस्पेक्टर। शायद अगली बार वह बेहतर काम करेगा। मेरे लिए वह काफी कुशल था, धन्यवाद।" "मुझे कहना होगा कि आप इसे बहुत हल्के में ले रहे हैं," कैथरीन ने गुस्से से कहा। "अगर श्रीमती रिस्को खुद को छुड़ाकर चीख न मारतीं तो वह आज जिंदा नहीं होतीं। जाहिर है उसने अंधेरे में जितना हो सके उतनी पकड़ बनाई, लेकिन उनके चिल्लाने पर वह डरकर भाग गया। और यह पहला प्रयास नहीं हो सकता। यह मत भूलिए कि नींद की दवा डेबोरा के मग में डाली गई थी।"
"मैं वह बात भूली नहीं हूँ, मिस बोवर्स।"
और न ही यह कि गुम हुई बोतल उसके नाम के खंभे के नीचे मिली थी। तुम कल रात कहाँ थी?
"श्रीमान मैक्सी की देखभाल में मदद कर रही थी। श्रीमती मैक्सी और मैं पूरी रात साथ थे,

सिवाय उस समय के जब हम बाथरूम गए थे। हम आधी रात से निश्चित रूप से साथ थे।"
"और डॉ. मैक्सी लंदन में थे। यह हमला निश्चित रूप से आप सभी के लिए सुविधाजनक समय पर हुआ है। क्या आपने इस रहस्यमय गला घोंटने वाले को देखा, श्रीमती रिस्को? या उसे पहचाना?"
नहीं। मैं गहरी नींद में नहीं सो रही थी। मुझे लगता है कि मैं कोई बुरा सपना देख रही थी। जब मैंने अपने गले पर उसके हाथों का पहला स्पर्श महसूस किया तो मैं जाग गई। मैं अपने चेहरे पर उसकी सांस महसूस कर सकती थी लेकिन मैं उसे पहचान नहीं पाई। जब मैं चीखी और लाइट स्विच ढूंढने लगी तो वह दरवाजे से बाहर निकल गया। मैंने लाइट जलाई और चीखी। मैं बहुत डरी हुई थी। यह कोई तर्कसंगत डर भी नहीं था। किसी तरह मेरा सपना और हमला आपस में मिल गए थे।
मुझे यह पता नहीं चल पा रहा था कि एक भयावह घटना कहाँ खत्म होती है और दूसरी कहाँ शुरू होती है।
"और फिर भी जब श्रीमती बुल्टिटाफ्ट आईं तो आपने कुछ नहीं कहा?"
"मैं उसे डराना नहीं चाहता था। हम सब जानते हैं कि एक गला घोंटने वाला घूम रहा है, लेकिन हमें अपना काम करना है। उसे यह जानकर कोई फायदा नहीं होगा।"
"यह उसकी मानसिक शांति के लिए सराहनीय चिंता दर्शाता है, लेकिन उसकी सुरक्षा के लिए कम। इस हत्यारे पागल के सामने आप सभी की बेफिक्री के लिए मैं आपको बधाई देता हूँ। क्योंकि स्पष्ट रूप से वह एक हत्यारा ही है।"
आप निश्चित रूप से मुझे यह बताने की कोशिश तो नहीं कर रहे हैं कि मिस जुप्प की हत्या गलती से हुई थी, कि उन्हें श्रीमती रिस्को समझ लिया गया था?
फेलिक्स ने पहली बार बात की। "हम आपको कुछ भी बताने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। यह आपको हमें बताना होगा। हमें केवल वही पता है जो हुआ है। मैं मिस बोवर्स से सहमत हूँ कि श्रीमती रिस्को खतरे में हैं। संभवतः आप उन्हें वह सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयार हैं जिसकी वे हकदार हैं।"
डेलग्लिश ने उसकी ओर देखा।
"आज सुबह आप श्रीमती रिस्को के कमरे में कितने बजे पहुँचे?"
"श्रीमती बुल्टिटाफ्ट के लगभग आधे मिनट बाद, मुझे लगता है। श्रीमती रिस्को के बुलाते ही मैं बिस्तर से उठ गई।"
"और न तो आपने और न ही श्रीमती बुल्टिटाफ्ट ने घुसपैठिए को देखा?"
नहीं। मेरा अनुमान है कि हमारे कमरे से बाहर आने से पहले ही वह सीढ़ियों से नीचे उतर चुका था।
स्वाभाविक रूप से मैंने कोई खोजबीन नहीं की क्योंकि मुझे आज दोपहर तक पता ही नहीं चला था कि क्या हुआ था। मैंने तब से तलाश की है, लेकिन किसी का कोई सुराग नहीं मिला है।
"क्या आपको पता है कि यह व्यक्ति अंदर कैसे आया, श्रीमती रिस्को?"
"शायद ड्राइंग रूम की किसी खिड़की से ऐसा हुआ होगा। हम कल रात बगीचे में गए थे और

शायद ताला लगाना भूल गए थे। मार्था ने बताया कि आज सुबह उसे खिड़की खुली मिली।"
"'हम' से आपका तात्पर्य आपसे और श्री हर्न से है?"
"हाँ।"
"जब आपकी नौकरानी आपके कमरे में पहुंची, तब तक क्या आपने अपना ड्रेसिंग गाउन पहन रखा था?"
"हां। मैंने इसे अभी-अभी पहना था।"
"और श्रीमती बुल्टिटाफ्ट ने आपके बुरे सपने की कहानी पर विश्वास कर लिया और सुझाव दिया कि आपको रात का शेष समय उनके कमरे में बिजली के हीटर के पास बिताना चाहिए?"
"हां। वह खुद बिस्तर पर वापस नहीं जाना चाहती थी, लेकिन मैंने उसे मजबूर किया। सबसे पहले हमने उसकी आग के पास बैठकर एक साथ चाय पी।"
"तो बात यहाँ तक आ गई है," डेलग्लिश ने कहा।
"आप और मिस्टर हर्न एक ऐसे घर के बगीचे में शाम की सैर पर जाते हैं जहाँ हाल ही में एक हत्या हुई है और अंदर आते समय आप एक फ्रेंच खिड़की खुली छोड़ देते हैं। रात में कोई अज्ञात व्यक्ति आपके कमरे में आता है, बिना किसी मकसद के, जिसका आप या कोई और अनुमान लगा सके, आपका गला घोंटने की नाकाम कोशिश करता है और फिर बिना कोई सुराग छोड़े गायब हो जाता है। आपके गले पर इतनी मामूली चोट आई है कि आप इतनी ज़ोर से चीख सकती हैं कि आस-पास के कमरों में सो रहे लोग भी जाग उठें, लेकिन कुछ ही मिनटों में जब वे आते हैं, तब तक आप अपने डर से इतना उबर चुकी होती हैं कि जो कुछ हुआ है उसके बारे में झूठ बोल देती हैं, और यह झूठ इसलिए और भी असरदार हो जाता है क्योंकि आप बिस्तर से उठकर अपने कॉलर वाले ड्रेसिंग गाउन को पहन चुकी होती हैं। क्या यह आपको तर्कसंगत व्यवहार लगता है, श्रीमती रिस्को?"
"बिल्कुल नहीं," फेलिक्स ने रूखेपन से कहा। "पिछले शनिवार से इस घर में जो कुछ भी हुआ है, वह तर्कसंगत नहीं है। लेकिन आप भी यह नहीं मान सकते कि श्रीमती रिस्को ने खुद को गला घोंटकर मारने की कोशिश की होगी।"
ये चोटें खुद से नहीं लगी होंगी, और अगर नहीं लगी हैं, तो किसने लगाई हैं? क्या आपको सच में लगता है कि जूरी इन दोनों अपराधों को आपस में जुड़ा हुआ नहीं मानेगी?
"मुझे नहीं लगता कि जूरी से इस संभावना पर विचार करने के लिए कहा जाएगा," डेलग्लिश ने शांत भाव से कहा। "मैंने मिस जुप्प की मौत की जांच लगभग पूरी कर ली है। कल रात जो हुआ, उससे मेरे निष्कर्षों पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। इससे सिर्फ एक फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि अब इस मामले को सुलझाने का समय आ गया है और मैं एक शॉर्टकट अपनाना चाहता हूं।"
अगर श्रीमती मैक्सी को कोई आपत्ति नहीं है तो मैं आप सभी को आज रात आठ बजे इस घर में एक साथ देखना चाहता हूँ।
"क्या आपको मुझसे कुछ चाहिए, इंस्पेक्टर?" वे दरवाजे की ओर मुड़े। एलेनर मैक्सी इतनी खामोशी से अंदर आई थी कि केवल डेलग्लिश ने ही उसे देखा था। उसने उसके जवाब का

इंतजार नहीं किया बल्कि तेजी से अपने बेटे की ओर बढ़ी।
"स्टीफन, मुझे खुशी है कि तुम यहाँ हो। क्या देबोरा ने फोन किया था? मैंने मन ही मन सोचा था कि अगर उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो... कहना मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि कुछ बदलाव आया है। क्या तुम मिस्टर हिंक्स से बात करवा सकते हो? और चार्ल्स से भी, बिल्कुल।"
स्टीफन ने सोचा कि डॉक्टर से पहले पुजारी को बुलाना उसका स्वाभाविक ही था।
उन्होंने कहा, "मैं पहले खुद आऊंगा।"
"यानी, अगर इंस्पेक्टर मुझे अनुमति दें तो। मुझे नहीं लगता कि हम इससे ज्यादा किसी और उपयोगी बात पर चर्चा कर सकते हैं।"
"आज रात आठ बजे तक नहीं, डॉक्टर।"
उसके लहजे से आहत होकर स्टीफन ने, कई बार एक बार फिर, यह बताना चाहा कि सर्जनों को "मिस्टर" कहकर संबोधित किया जाता है। लेकिन निरर्थक बहस और अपनी माँ की ज़रूरत को समझते हुए वह इस तुच्छ बात से बच गया। कई दिनों से उसने अपने पिता के बारे में सोचा ही नहीं था। अब उसे अपने पिता की गलती सुधारनी थी। एक पल के लिए डेलग्लिश और उसकी जाँच, सैली की हत्या की पूरी भयावहता इस नई और अधिक तात्कालिक ज़रूरत के आगे फीकी पड़ गई।
कम से कम इस मामले में तो वह बेटे की तरह व्यवहार कर सकता था।
लेकिन अचानक मार्था दरवाजे के सामने खड़ी हो गई। वह वहीं खड़ी रही, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह कांप रही थी, उसका मुंह चुपचाप खुलता और बंद होता रहा। उसके पीछे खड़ा लंबा युवक उसे पार करके कमरे में चला गया। अपनी मालकिन की ओर एक भयभीत निगाह डालते हुए और अपने हाथ को एक छोटे से सख्त इशारे से हिलाते हुए, जो अजनबी को अंदर बुलाने से ज़्यादा उसे बाकी लोगों के भरोसे छोड़ने जैसा था, मार्था ने एक जानवर जैसी कराह निकाली और गायब हो गई।
उस आदमी ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और फिर उनकी तरफ मुड़ गया।
वह बहुत लंबा था, छह फीट से भी अधिक, और उसके सुनहरे बाल, जो सिर पर छोटे-छोटे कटे हुए थे, धूप से फीके पड़ गए थे। उसने भूरे रंग की कॉरडरॉय पैंट और चमड़े की जैकेट पहनी हुई थी। जैकेट की खुली गर्दन से धूप से झुलसा हुआ मोटा गला निकला हुआ था, जो उसके तंदुरुस्त और पौरुषमय सिर को सहारा दे रहा था। उसके पैर लंबे और बाहें भी लंबी थीं।
एक कंधे पर एक बड़ा बैग लटका हुआ था। उसके दाहिने हाथ में एक एयरलाइन का नया, सुनहरे पंखों वाला बैग था। वह उसके बड़े भूरे मुट्ठी में किसी औरत के खिलौने की तरह बेमेल लग रहा था।
उसके सामने स्टीफन की खूबसूरती फीकी पड़ गई और उसकी सादगी में एक साधारण सी शालीनता झलकने लगी। पंद्रह वर्षों से फेलिक्स ने जिस उदासी और निरर्थकता का अनुभव किया था, वह सब उसके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। जब वह बोलता था, तो उसकी आवाज खुशी से भरी आत्मविश्वास से भरी होती थी, उसमें जरा भी संकोच नहीं होता था। उसकी

आवाज थोड़ी अमेरिकी लहजे वाली थी, फिर भी उसके अंग्रेज होने में कोई संदेह नहीं था।
"लगता है मैंने आपकी नौकरानी को थोड़ा चौंका दिया है। मुझे माफ़ करना कि मैं इस तरह बीच में दखल दे रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है सैली ने आपको मेरे बारे में नहीं बताया। मेरा नाम जेम्स रिची है। वह मेरा इंतज़ार कर रही होगी। मैं उसका पति हूँ।" वह श्रीमती मैक्सी की ओर मुड़ा। "उसने मुझे ठीक से नहीं बताया कि उसे यहाँ क्या काम मिला है और मैं आपको असुविधा नहीं पहुँचाना चाहता, लेकिन मैं उसे अपने साथ ले जाने आया हूँ।"
उसके बाद के वर्षों में जब एलेनोर मैक्सी अपने ड्राइंग रूम में चुपचाप बैठी रहतीं, तो अक्सर उनकी आँखों के सामने अतीत का वह दुबला-पतला और आत्मविश्वासी भूत फिर से प्रकट हो जाता, जो दरवाजे से उन्हें घूरता रहता था, और वह उसके शब्दों के बाद छाई सन्नाटे को फिर से महसूस कर सकती थीं। वह सन्नाटा शायद कुछ ही सेकंड का रहा होगा, लेकिन अब पीछे मुड़कर देखने पर ऐसा लगता है मानो कई मिनट बीत गए हों, जब वह आत्मविश्वास से भरे सहज भाव से उनकी ओर देखता रहा और वे अविश्वास और भय से उसे घूरते रहे। श्रीमती मैक्सी के पास यह सोचने का समय था कि यह दृश्य कितना अद्भुत था, आश्चर्य का साक्षात रूप। उन्हें स्वयं कोई आश्चर्य नहीं हुआ। पिछले कुछ दिनों ने उनकी भावनाओं को इतना निचोड़ दिया था कि यह अंतिम रहस्योद्घाटन ऊन पर हथौड़े की तरह लगा। सैली जुप्प के बारे में अब ऐसा कुछ भी नहीं बचा था जो उन्हें चौंका सके। यह आश्चर्यजनक था कि सैली मर चुकी थी, आश्चर्यजनक था कि उसकी सगाई स्टीफन से हुई थी, आश्चर्यजनक था यह जानकर कि इतने सारे लोग उसके जीवन और मृत्यु में शामिल थे। अब यह जानना कि सैली एक पत्नी होने के साथ-साथ एक माँ भी थी, रोचक था, लेकिन चौंकाने वाला नहीं। उनकी आम भावनाओं से अलग होकर, उसने फेलिक्स हर्न की डेबोरा पर पड़ी त्वरित नज़र को नज़रअंदाज़ नहीं किया। वह बेशक हिल गया था, लेकिन उस त्वरित अवलोकन में कुछ मनोरंजन और विजय का भाव भी था। स्टीफन बस अचंभित लग रहा था। कैथरीन बोवर्स का चेहरा एकदम लाल हो गया था और वह सचमुच अचंभित होकर मुँह खोले खड़ी थी। फिर वह स्टीफन की ओर मुड़ी, मानो उन सबका प्रवक्ता बनने का भार उस पर डाल रही हो। अंत में, श्रीमती मैक्सी ने डेलग्लिश की ओर देखा और एक पल के लिए उनकी नज़रें मिलीं।
उनमें उसे क्षणिक, लेकिन स्पष्ट करुणा दिखाई दी। वह अनजाने में सोच रही थी, "सैली रिची। जिमी रिची। इसीलिए उसने बच्चे का नाम उसके पिता के नाम पर जिमी रखा। मुझे कभी समझ नहीं आया कि उसका नाम जिमी जुप्प ही क्यों होना था। वे उसे इस तरह क्यों घूर रहे हैं? किसी को तो कुछ कहना चाहिए।" और किसी ने कहा भी। डेबोरा, जिसका चेहरा पीला पड़ गया था, किसी सपने में खोई हुई सी बोली: "सैली मर गई। क्या उन्होंने तुम्हें नहीं बताया? वह मर चुकी है और दफना दी गई है। वे कहते हैं कि हममें से किसी ने उसे मारा है।" फिर वह बेकाबू होकर कांपने लगी और कैथरीन, स्टीफन से पहले उसके पास पहुँचकर, उसे गिरने से पहले ही पकड़ लिया और कुर्सी पर बिठा दिया। दृश्य टूट गया। अचानक शब्दों की बौछार हो गई। स्टीफन और डेलग्लिश रिची के पास चले गए। "कामकाजी कमरे में बेहतर है" की फुसफुसाहट सुनाई दी और वे तीनों अचानक गायब हो गए।

देबोरा अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुककर लेट गई, उसकी आँखें बंद थीं। श्रीमती मैक्सी उसकी परेशानी को देख सकती थीं, लेकिन उन्हें हल्की झुंझलाहट और इस बात को लेकर थोड़ी सी जिज्ञासा ही हुई कि आखिर इसके पीछे क्या कारण है। उनकी अपनी चिंताएँ कहीं अधिक महत्वपूर्ण थीं।

उसने कैथरीन से बात की।

मुझे अब अपने पति के पास वापस जाना होगा।

शायद आप मदद करने आएँगे। श्रीमान।

हिंक्स जल्द ही यहाँ आ जाएगा और मुझे नहीं लगता कि मार्था इस समय ज्यादा काम आएगी। ऐसा लगता है कि उसके आने से वह घबरा गई है।

कैथरीन शायद यह कह सकती थी कि मार्था ही अकेली नहीं थी जो घबराई हुई थी, लेकिन उसने सहमति जताते हुए धीरे से कहा और तुरंत आ गई। बीमार के प्रति उसकी वास्तविक उपयोगिता और सच्ची देखभाल ने श्रीमती मैक्सी को अपनी मेहमान की उस भूमिका से अनजान नहीं होने दिया, जिसमें वह हर आपात स्थिति से निपटने में सक्षम एक हंसमुख सहायक की भूमिका निभा रही थी। यह आखिरी आपात स्थिति शायद बहुत ज़्यादा हो, लेकिन कैथरीन में भरपूर सहनशक्ति थी और देबोरा जितनी कमज़ोर होती गई, कैथरीन उतनी ही मज़बूत होती गई। दरवाज़े पर श्रीमती मैक्सी ने फेलिक्स हर्न की ओर रुख किया।

"जब स्टीफन रिची से बात करना खत्म कर ले, तो मुझे लगता है कि उसे अपने पिता के पास आना चाहिए। बेशक, वह गहरी बेहोशी की हालत में हैं, लेकिन मुझे लगता है कि स्टीफन को वहां होना चाहिए।"

देबोरा को भी ठीक होने के बाद आना चाहिए। शायद आप उसे बता देंगे। उसके अनकहे जवाब का उत्तर देते हुए उसने कहा, "डालग्लिश को बताने की कोई ज़रूरत नहीं है। आज रात के लिए उसकी योजनाएँ वैसी ही रहेंगी।"

"आठ बजे से पहले सब कुछ खत्म हो जाएगा।" देबोरा अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुकी हुई थी, उसकी आँखें बंद थीं। उसके गले में लिपटा शिफॉन का स्कार्फ ढीला हो गया था।

"देबोरा के गले में क्या खराबी है?" श्रीमती मैक्सी ने नाममात्र की रुचि दिखाई।

"मुझे लगता है कि यह कुछ बचकाना मज़ाक था," फेलिक्स ने जवाब दिया। "यह उतना ही असफल रहा जितना कि होना चाहिए था।"

अपनी बेटी की ओर एक और नजर डाले बिना,

एलेनोर मैक्सी उन्हें एक साथ छोड़कर चली गई।

आधे घंटे बाद साइमन मैक्सी की मृत्यु हो गई।

जीवन के वे लंबे वर्ष अंततः समाप्त हो गए। भावनात्मक और बौद्धिक रूप से वे तीन वर्षों से मृत थे। उनकी अंतिम साँस वह औपचारिकता थी जिसने अंततः और आधिकारिक रूप से उन्हें उस दुनिया से अलग कर दिया जिसे वे कभी जानते और प्यार करते थे। अब उनके बस में साहस या गरिमा के साथ मरना नहीं था, फिर भी वे बिना किसी शोर-शराबे के मर गए।

उनकी पत्नी और बच्चे उनके साथ थे और उनके पादरी ने निर्धारित प्रार्थनाएँ इस प्रकार पढ़ीं मानो

वे बिस्तर पर लेटे उस अकड़े हुए, विकृत शरीर को सुनाई और समझ में आ रही हों। मार्था वहाँ नहीं थी। बाद में परिवार ने कहा कि उससे पूछने का कोई फायदा नहीं था। उस समय वे जानते थे कि उसका भावुक रोना उनके लिए असहनीय होता। यह मृत्यु-शय्या तो बस मृत्यु की एक धीमी प्रक्रिया की पराकाष्ठा थी। हालाँकि वे बिस्तर के चारों ओर पीले पड़े चेहरे के साथ खड़े थे और स्मरण और शोक की कुछ भावनाएँ जगाने की कोशिश कर रहे थे, उनके विचार उस दूसरी मृत्यु के साथ थे और उनका मन रात के आठ बजे की ओर बढ़ रहा था।

इसके बाद श्रीमती मैक्सी को छोड़कर बाकी सभी लोग ड्राइंग रूम में मिले। श्रीमती मैक्सी या तो सैली के पति के बारे में कुछ जानने को उत्सुक नहीं थीं, या उन्होंने कुछ समय के लिए हत्या और उसके सभी परिणामों से खुद को अलग करने का फैसला कर लिया था। उन्होंने बस परिवार को निर्देश दिया कि डेलग्लिश को उनके पति की मृत्यु के बारे में न बताएं, और फिर श्री हिंक्स के साथ विकरेज (पादरी का निवास स्थान) वापस चली गईं।

ड्राइंग रूम में स्टीफन ने ड्रिंक्स परोसी और अपनी कहानी सुनाई:

"यह काफी सरल है। बेशक, मेरे पास केवल संक्षिप्त जानकारी देने का ही समय था। मैं पिताजी से मिलना चाहता था। मेरे जाने के बाद डेलग्लिश रिची के साथ ही रहे और मुझे लगता है कि उन्हें सारी जानकारी मिल गई जो वे चाहते थे। उनकी शादी हो चुकी थी। उनकी मुलाकात तब हुई जब सैली लंदन में काम कर रही थी और उन्होंने वेनेजुएला में निर्माण कार्य के लिए जाने से लगभग एक महीने पहले वहीं गुपचुप तरीके से शादी कर ली।"

"लेकिन उसने क्यों नहीं बताया?"

कैथरीन। "इतना रहस्य क्यों?"

"ऐसा लगता है कि अगर कंपनी को पता होता तो उसे विदेश में नौकरी नहीं मिलती। उन्हें एक अविवाहित पुरुष चाहिए था। वेतन अच्छा था और इससे उन्हें घर बसाने का मौका मिल जाता। सैली उसके जाने से पहले शादी करने के लिए बेताब थी। रिची को लगता है कि वह अपने चाचा-चाची को धोखा देने के लिए ऐसा कर रही थी। वह उनसे कभी खुश नहीं रहती थी। उसका इरादा था कि वह उनके साथ ही रहेगी और अपनी नौकरी भी करती रहेगी। उसने रिची के वापस आने से पहले 50 येन बचाने की योजना बनाई थी। फिर, जब उसे पता चला कि बच्चा होने वाला है, तो उसने अपने वादे पर अड़े रहने का फैसला किया। पता नहीं क्यों। लेकिन इस बात से रिची को हैरानी नहीं हुई। उसने कहा कि सैली ऐसा ही कुछ कर सकती है।"

"यह अफसोस की बात है कि उसने उसे छोड़ने से पहले यह सुनिश्चित नहीं किया कि वह गर्भवती तो नहीं थी," फेलिक्स ने रूखेपन से कहा।

"शायद उसने किया हो," स्टीफन ने संक्षेप में कहा।

"शायद उसने उससे पूछा होगा और उसने झूठ बोला होगा। मैंने उससे उसके यौन संबंध के बारे में सवाल नहीं किया। इससे मेरा क्या लेना-देना? मैं एक ऐसे पति के सामने थी जो घर लौटकर अपनी पत्नी को मृत पाया, और एक ऐसे बच्चे को छोड़ गया जिसके अस्तित्व के बारे में उसे कभी पता भी नहीं था। मैं दोबारा ऐसा आधा घंटा नहीं बिताना चाहती। यह सुझाव देने का समय बिल्कुल नहीं था कि वह अधिक सावधान रह सकता था। भगवान की कसम, हम भी सावधान

रह सकते थे!"
उसने अपनी व्हिस्की गटक ली। गिलास पकड़े हुए उसका हाथ कांप रहा था। उनके बोलने का इंतजार किए बिना ही वह आगे बोला:
"डाल्गलिश का उसके साथ व्यवहार बहुत अच्छा था। अगर वह किसी और भूमिका में यहाँ होता, तो आज रात के बाद मैं उसे पसंद कर सकता था। वह रिची को अपने साथ ले गया है। वे बच्चे को देखने के लिए सेंट मैरी अस्पताल जा रहे हैं और फिर उन्हें उम्मीद है कि मूनरेकर आर्म्स में रिची के लिए एक कमरा मिल जाएगा।"
जाहिर है, उसके पास जाने के लिए कोई परिवार नहीं है।"
उसने अपना गिलास फिर से भरने के लिए थोड़ी देर रुककर कहा:
"इससे बहुत कुछ स्पष्ट हो जाता है, बेशक। गुरुवार को पादरी के साथ सैली की बातचीत, जिसमें उसने पादरी को बताया था कि जिमी को एक पिता मिलने वाला है।"
"लेकिन उसकी सगाई तो तुमसे हुई थी!" कैथरीन चिल्लाई। "उसने तुम्हें स्वीकार कर लिया था।"
"उसने मुझसे शादी करने की बात कभी कही ही नहीं। सैली को रहस्य बहुत पसंद थे और यह रहस्य मेरे बारे में था। मुझे नहीं लगता कि उसने कभी किसी को बताया होगा कि उसकी मुझसे सगाई हो गई है। हम सबने यही मान लिया था। वह हमेशा रिची से प्यार करती थी। उसे पता था कि वह जल्द ही घर लौटने वाला है। रिची मुझे यह बताने के लिए बहुत बेचैन था कि वे दोनों एक-दूसरे से कितना प्यार करते हैं। वह रोता रहता था और जबरदस्ती मुझे उसके कुछ पत्र देने की कोशिश करता था। मैं उन्हें पढ़ना नहीं चाहता था। भगवान जानता है कि मैं पहले से ही खुद से इतनी नफरत कर रहा था। हे भगवान, यह कितना भयानक था! लेकिन एक बार जब मैंने पढ़ना शुरू कर दिया तो मुझे पढ़ना ही पड़ा। वह बार-बार अपने थैले से पत्र निकालता और मेरे हाथ में थमाता रहता, उसकी आँखों से आंसू बहते रहते।"
वे दयनीय, भावुक और भोले-भाले थे।
लेकिन वे वास्तविक थे, भावना सच्ची थी।"
फेलिक्स ने सोचा, "तो फिर तुम्हारा परेशान होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। तुमने अपनी जिंदगी में कभी कोई सच्ची भावना महसूस नहीं की।"
कैथरीन बोवर्स ने तर्कसंगत रूप से कहा, "आपको खुद को दोष नहीं देना चाहिए। अगर सैली ने अपनी शादी के बारे में सच बताया होता तो इनमें से कुछ भी नहीं होता। इस तरह की बात का झूठ बोलना मुसीबत को न्योता देना है।"
मुझे लगता है कि उसने किसी मध्यस्थ के माध्यम से उसे पत्र लिखा होगा।
"हां। उन्होंने डेरेक पुलेन के माध्यम से लिखा था।"
ये पत्र एक लिफाफे में भेजे गए थे, जिसके अंदर एक और लिफाफा था जिस पर पुलन का पता लिखा था। पुलन ने पूर्वनिर्धारित मुलाकातों में ये पत्र सैली को सौंप दिए। सैली ने उसे कभी नहीं बताया कि ये पत्र उसके पति की ओर से हैं। मुझे नहीं पता उसने क्या कहानी गढ़ी होगी, लेकिन वह ज़रूर कोई अच्छी कहानी रही होगी। पुलन ने गोपनीयता की शपथ ली थी और जहाँ तक मुझे पता है, उसने कभी सैली का भेद नहीं खोला। सैली जानती थी कि किसे अपना शिकार बनाना

है।
"उसे लोगों के साथ मज़ाक करना अच्छा लगता था," फेलिक्स ने कहा। "लोग खतरनाक खिलौने हो सकते हैं। ज़ाहिर है, उसके शिकार हुए लोगों में से किसी एक को लगा कि मज़ाक हद से ज़्यादा हो गया है। कहीं तुम तो नहीं थे, मैक्सी?"
उसका लहजा जानबूझकर अपमानजनक था और स्टीफन तेजी से उसकी ओर बढ़ा।
लेकिन इससे पहले कि वह जवाब दे पाता, उन्होंने सामने के दरवाजे की घंटी की आवाज सुनी और मेंटलपीस पर रखी घड़ी में आठ बज गए।

अध्याय नौ

आम सहमति से वे व्यापारिक कक्ष में मिले। किसी ने भारी मेज के चारों ओर कुर्सियों को अर्धवृत्ताकार रूप में व्यवस्थित किया था, किसी ने पानी का जग भरकर डेलग्लिश के दाहिने हाथ की ओर रख दिया था।

मार्टिन के पीछे अकेले मेज पर बैठे डेलग्लिश ने अंदर आते हुए अपने संदिग्धों पर नजर रखी। एलेनोर मैक्सी सबसे शांत थीं। उन्होंने रोशनी की ओर मुंह करके एक कुर्सी ली और शांति से बैठकर लॉन और दूर के पेड़ों को निहारने लगीं।

ऐसा लग रहा था मानो उसकी पीड़ा पहले ही समाप्त हो चुकी हो।

स्टीफन मैक्सि अंदर आया, डेलग्लिश को तिरस्कार और अवज्ञा से भरी निगाहों से देखा और अपनी माँ के पास बैठ गया। फेलिक्स हर्न और डेबोरा रिस्को एक साथ आए लेकिन एक-दूसरे की ओर देखे बिना अलग-अलग बैठ गए।

डेलग्लिश को लगा कि पिछली रात के असफल नाटक के बाद से उनके रिश्ते में कुछ बदलाव आ गया है। उसे आश्चर्य हुआ कि हर्न ने इतना स्पष्ट छल क्यों किया। लड़की की गर्दन पर गहरे होते निशान को देखकर, जो बंधे हुए स्कार्फ से आधा ही ढका था, उसे और भी आश्चर्य हुआ कि हर्न ने किस बल का प्रयोग करना आवश्यक समझा होगा। कैथरीन बोवर्स सबसे आखिर में आई। जैसे ही उसने देखा कि सब उसे देख रहे हैं, वह शर्म से लाल हो गई और एक चिंतित प्रशिक्षु की तरह खाली कुर्सी पर बैठ गई, जैसे कोई प्रशिक्षु व्याख्यान के लिए देर से आया हो। जैसे ही डेलग्लिश ने अपनी फाइल खोली, उसे चर्च की घंटी की पहली धीमी आवाज सुनाई दी। जब वह पहली बार मार्टिंगेल पहुंचा था, तब घंटियाँ बज रही थीं। वे अक्सर उसकी जांच के दौरान पृष्ठभूमि में बजती थीं, हत्या के माहौल का संगीत। अब वे किसी अंतिम संस्कार की घंटी की तरह बज रही थीं और वह सोच रहा था कि गाँव में किसकी मृत्यु हुई होगी; कोई ऐसा जिसके लिए घंटियाँ बज रही थीं, जैसे सैली के लिए नहीं बजी थीं।

उन्होंने अपने कागजों से नजरें ऊपर उठाईं और अपनी शांत, गहरी आवाज में बोलना शुरू किया। "इस अपराध की सबसे असामान्य विशेषताओं में से एक स्पष्ट पूर्वचिंता और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच का विरोधाभास था। सभी चिकित्सीय साक्ष्य आवेग में किए गए अपराध की ओर इशारा करते थे। यह धीमी गति से गला घोंटना नहीं था। घुटन के विशिष्ट लक्षण बहुत कम थे।"

काफी बल का प्रयोग किया गया था और थाइरॉइड ग्रंथि के ऊपरी कॉर्नू में उसके आधार पर फ्रैक्चर हो गया था। फिर भी, मृत्यु वेगस तंत्रिका के अवरोध के कारण हुई और बहुत अचानक हुई। अगर गला घोंटने वाले ने काफी कम बल का प्रयोग किया होता, तब भी शायद मृत्यु हो जाती। देखने में तो यह एक अनियोजित हमले का मामला लगता है। हाथों के प्रयोग से भी यह बात स्पष्ट होती है। यदि कोई हत्यारा गला घोंटकर हत्या करना चाहता है, तो वह आमतौर पर

रस्सी, स्कार्फ या मोजे का इस्तेमाल करता है। यह हमेशा ऐसा नहीं होता, लेकिन इसका कारण स्पष्ट है। बहुत कम लोग निहत्थे हाथों से हत्या करने की अपनी क्षमता पर भरोसा कर सकते हैं। इस कमरे में एक व्यक्ति ऐसा है जिसे शायद ऐसा भरोसा हो, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह इस तरीके का इस्तेमाल करता। बिना हथियार के हत्या करने के और भी प्रभावी तरीके हैं और वह उन्हें जानता होगा।

फेलिक्स हर्न ने धीमी आवाज़ में कहा, "लेकिन वह तो दूसरे देश में हुआ था और वैसे भी, वह लड़की मर चुकी है।" अगर डेलग्लिश ने यह कथन सुना या अपने दर्शकों के हर्न की ओर देखने की इच्छा को नियंत्रित करने के दौरान मांसपेशियों में आए हल्के तनाव को महसूस किया, तो भी उन्होंने कोई संकेत नहीं दिया और चुपचाप अपनी बात जारी रखी:

"इस कृत्य में दिखाई देने वाली तात्कालिकता के विपरीत, हमारे सामने पीड़िता को जानबूझकर और आंशिक रूप से नशीली दवा देने के सबूत थे, जो निश्चित रूप से लड़की को बेहोश करने के इरादे को दर्शाते थे। यह उसके बेडरूम में आसानी से और उसे जगाए बिना घुसने या सोते समय उसकी हत्या करने के उद्देश्य से किया गया हो सकता है। मैंने एक ही रात में उसकी जान लेने के दो अलग-अलग प्रयासों के सिद्धांत को खारिज कर दिया। इस कमरे में किसी के पास सैली को पसंद करने का कोई कारण नहीं था और आप में से कुछ लोगों के पास उससे नफरत करने का कारण भी हो सकता है। लेकिन यह मानना कि दो लोगों ने हत्या का प्रयास करने के लिए एक ही रात को चुना, अविश्वास की हद से ज्यादा कोशिश थी।"

देबोरा ने धीमी आवाज़ में कहा, "अगर हम उससे नफरत करते थे, तो हम अकेले नहीं थे।"

"वो पुलन नाम का लड़का था," कैथरीन ने कहा। "तुम मुझे ये नहीं कह सकती कि उन दोनों के बीच कुछ नहीं था।" उसने देखा कि देबोरा को इस शब्द के गलत अर्थ पर थोड़ी परेशानी हुई और वह आक्रामक ढंग से अपनी बात जारी रखी।

"और मिस लिडेल का क्या? पूरे गाँव में यही चर्चा है कि सैली को उनके बारे में कुछ शर्मनाक बात पता चली है और वह सबको बताने की धमकी दे रही है। अगर वह एक को ब्लैकमेल कर सकती है तो दूसरे को भी कर सकती है।"

स्टीफन मैक्सी ने थके हुए स्वर में कहा: "मुझे तो लगता ही नहीं कि बेचारी लिडेल चिमनियों पर चढ़कर या पिछले दरवाजे से चुपके से अंदर घुसकर सैली का अकेले सामना कर पाएगी। उसमें इतनी हिम्मत नहीं होगी। और आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि वह सचमुच अपने हाथों से सैली को जान से मारने की ठान लेगी।"

"हो सकता है," कैथरीन ने कहा, "अगर उसे पता चले कि सैली को नशा दिया गया था।"

"लेकिन उसे पता नहीं चल सकता था," डेबोरा ने बताया। "और वह सैली के बीकर में दवा भी नहीं डाल सकती थी।"

जब सैली बीकर लेकर बिस्तर पर गई, तब वो और एप्पी घर से निकल रहे थे। और याद है, ये मेरा ही बीकर था जो वो ले गई थी। इससे पहले वे दोनों मम्मी के साथ इसी कमरे में थे।

"उसने तुम्हारा बीकर उसी तरह लिया जैसे उसने तुम्हारी पोशाक की नकल की थी," कैथरीन ने कहा। "लेकिन सोम्मेइल उसमें बाद में डाला गया होगा। कोई तुम्हें नशा देने की सोच भी नहीं

सकता।"
देबोरा ने संक्षिप्त में कहा, "इसे बाद में तो डाला ही नहीं जा सकता था। इसकी क्या संभावना थी? मुझे लगता है कि हममें से कोई चुपके से पिताजी की गोलियों की बोतल लेकर अंदर गया होगा, सैली से कहा होगा कि यह बस एक अनौपचारिक मुलाकात है, और फिर जब वह बच्चे के ऊपर झुकी हुई थी तब उसके कोको में एक-दो गोलियां मिला दी होंगी। यह बात समझ में नहीं आती।"
डेलग्लिश की शांत आवाज बीच में ही रुक गई:
"अगर नशा देना और गला घोंटना आपस में जुड़े हुए हैं, तो इनमें से कुछ भी समझ में नहीं आता। फिर भी, जैसा कि मैंने कहा, यह बहुत बड़ा संयोग है कि किसी ने सैली जुप्प का गला घोंटने का फैसला उसी रात किया, जिस रात किसी और ने उसे जहर देने की योजना बनाई। लेकिन इसका एक और स्पष्टीकरण हो सकता है। क्या होगा अगर नशा देने की यह घटना कोई अलग-थलग घटना न हो?"
मान लीजिए कि कोई नियमित रूप से सैली के शाम के पेय में नशीला पदार्थ मिला रहा था। कोई ऐसा व्यक्ति जो जानता था कि केवल सैली ही कोको पीती है, ताकि सोम्मेइल को कोको के डिब्बे में सुरक्षित रूप से डाला जा सके। कोई ऐसा व्यक्ति जो जानता था कि नशीला पदार्थ कहाँ रखा जाता है और सही मात्रा का उपयोग करने में माहिर था। कोई ऐसा व्यक्ति जो सैली को बदनाम करके घर से निकालना चाहता था और अगर वह लगातार देर तक सोती रहती तो शिकायत कर सकता था। कोई ऐसा व्यक्ति जिसने शायद घर के बाकी सदस्यों की सोच से कहीं ज़्यादा सैली से कष्ट झेला था और किसी भी कार्रवाई से खुश था, चाहे वह कितनी भी बेअसर क्यों न हो, जिससे उसे लड़की पर अपना दबदबा कायम करने का एहसास होता। एक तरह से, आप समझ रहे हैं, यह हत्या का विकल्प था।
"मार्था," कैथरीन ने अनजाने में कहा।
मैक्सी चुपचाप बैठे रहे। अगर उन्हें कुछ पता भी होता या वे कुछ अनुमान भी लगाते, तो उनमें से किसी ने भी कोई संकेत नहीं दिया।
एलेनोर मैक्सी ने उस महिला के बारे में बड़े दुख से सोचा जिसे वह अपने मृत स्वामी के लिए रसोई में रोते हुए छोड़कर आई थी। मार्था उसके प्रवेश करते ही खड़ी हो गई थी, उसके मोटे, खुरदुरे हाथ उसके एप्रन पर लिपटे हुए थे। श्रीमती मैक्सी के कहने पर उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आँसुओं की खामोशी और भी पीड़ादायक थी। जब उसने बात की तो उसकी आवाज़ पूरी तरह नियंत्रित थी, हालाँकि आँसू अब भी उसके चेहरे से बह रहे थे और शांत हाथों पर टपक रहे थे। बिना किसी झंझट और बिना किसी स्पष्टीकरण के उसने अपना इस्तीफा दे दिया था। वह सप्ताह के अंत तक जाना चाहती थी। हियरफोर्डशायर में उसकी एक दोस्त थी जिसके पास वह कुछ समय के लिए जा सकती थी। श्रीमती मैक्सी ने न तो बहस की और न ही मनाने की कोशिश की। यह उनका तरीका नहीं था। लेकिन, अब डेलग्लिश पर विनम्र और ध्यानपूर्वक नज़र डालते हुए, उनके ईमानदार मन ने उन कारणों का पता लगाने की कोशिश की जिनके कारण उन्होंने मार्था को मृत्युशय्या से दूर रखा था और इस बात पर ध्यान दिया कि जिस वफादारी को

परिवार ने स्वाभाविक मान लिया था, वह कहीं अधिक जटिल, कहीं कम सहज थी जितना किसी ने सोचा था और अंततः उस पर बहुत अधिक दबाव पड़ गया था।

कैथरीन बोल रही थी। वह स्पष्ट रूप से निश्चिंत थी और डेलग्लिश की व्याख्या को ऐसे सुन रही थी मानो वह किसी रोचक और असामान्य मामले का विवरण दे रहे हों।

"मार्था सोममेल को तो ला ही सकती थी। परिवार मिस्टर मैक्सी की दवाओं को लेकर बेहद लापरवाह था। लेकिन उस खास रात को वह सैली को दवा क्यों देना चाहती थी? रात के खाने पर हुए हंगामे के बाद मिसेज मैक्सी के पास सैली के देर से उठने से कहीं ज़्यादा चिंता करने को था। उसे इस तरह से छुटकारा दिलाना अब बहुत देर हो चुकी थी। और मार्था ने बोतल को देबोरा के नाम के खूंटी के नीचे क्यों छिपाया?"

मुझे हमेशा से लगता था कि वह परिवार के प्रति समर्पित थी।

"परिवार ने भी ऐसा ही किया," डेबोरा ने रूखेपन से कहा।

डेलग्लिश ने कहा, "उस रात उसने फिर से कोको में नशीली दवा मिला दी क्योंकि उसे कथित सगाई के बारे में पता नहीं था।"

"वह उस समय भोजन कक्ष में नहीं थी और किसी ने उसे बताया भी नहीं। वह श्री मैक्सी के कमरे में गई और सोम्मेल की बोतल लेकर घबराहट में उसे छिपा दिया क्योंकि उसे लगा कि उसने सैली को उसी दवा से मार डाला है। अगर आप याद करें तो आपको एहसास होगा कि श्रीमती बुल्टिटाफ्ट ही घर की एकमात्र सदस्य थीं जो वास्तव में सैली के कमरे में नहीं गईं। जब आप सब बिस्तर के चारों ओर खड़े थे, तब उसका एकमात्र विचार बोतल को छिपाना था। यह करना समझदारी भरा नहीं था, लेकिन वह समझदारी से काम लेने की स्थिति से परे थी। वह बोतल लेकर बगीचे में भागी और उसे सबसे पहले मिली नरम मिट्टी में छिपा दिया।"

मुझे लगता है कि यह एक अस्थायी छिपने की जगह थी। इसीलिए उसने जल्दी से इसे पास के खूंटी से चिह्नित कर दिया। संयोग से यह आपकी थी, श्रीमती रिस्को। फिर वह रसोई में वापस गई, बचा हुआ कोको पाउडर और अस्तर का कागज चूल्हे में डाल दिया, टिन को धोकर कूड़ेदान में डाल दिया। ये सब करने का मौका सिर्फ उसे ही मिला था। फिर श्री हर्न रसोई में आए यह देखने के लिए कि श्रीमती बुल्टिटाफ्ट ठीक हैं या नहीं और अपनी मदद की पेशकश करने के लिए। श्री हर्न ने मुझे यही बताया। डेलग्लिश ने अपनी फाइल का एक पन्ना पलटा और पढ़ा:

"वह स्तब्ध लग रही थी और बार-बार कह रही थी कि सैली ने आत्महत्या की होगी। मैंने बताया कि शारीरिक रूप से यह असंभव है और इससे वह और भी परेशान हो गई। उसने मुझे एक अजीब सी नज़र से देखा... और फूट-फूटकर रोने लगी।"

डेलग्लिश ने अपने श्रोताओं की ओर देखा। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हम यह मान सकते हैं कि श्रीमती बुल्टिटाफ्ट की भावना राहत की प्रतिक्रिया थी। मुझे यह भी संदेह है कि मिस बोवर्स के बच्चे को दूध पिलाने के लिए आने से पहले, श्री हर्न ने श्रीमती बुल्टिटाफ्ट को पुलिस की अनिवार्य पूछताछ के लिए तैयार किया था। श्रीमती बुल्टिटाफ्ट ने मुझे बताया कि उन्होंने न तो श्री हर्न के सामने और न ही आप में से किसी के सामने यह स्वीकार किया कि सैली को नशीली दवा देने की ज़िम्मेदारी उन्हीं की थी। यह सच हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि श्री हर्न को

अंदाज़ा नहीं था। वह पूरी तरह से तैयार थे, जैसा कि वह इस पूरे मामले में रहे हैं, अगर इससे पुलिस को गुमराह करने की संभावना होती तो वह मामले को दबा देते। इस जांच के अंत में, श्रीमती रिस्को पर हुए नकली हमले के साथ, उन्होंने धोखा देने के प्रयास में अधिक सकारात्मक रुख अपनाया।"

"यह मेरा ही विचार था," देबोरा ने धीमी आवाज़ में कहा। "मैंने उससे कहा था। मैंने ही उससे यह करवाया था।"

हीन ने बीच में हुई रुकावट को अनसुना कर दिया और बस इतना कहा: "शायद मैंने मार्था के बारे में कुछ अनुमान लगाया था। लेकिन वह पूरी तरह सच बोल रही थी। उसने मुझे नहीं बताया और मैंने पूछा भी नहीं। यह मेरा मामला नहीं था।"

"नहीं," डेलग्लिश ने कड़वाहट से कहा। "यह तुम्हारा मामला नहीं था।" उसकी आवाज़ में संयमित तटस्थता गायब हो गई थी और वे उसकी अचानक उग्रता से चौंककर उसकी ओर देखने लगे।

"शुरू से आपका यही रवैया रहा है, है ना? एक-दूसरे के मामलों में दखलंदाजी न करें। बेवजह दिलचस्पी न दिखाएं। अगर हत्या होनी ही है तो उसे शालीनता से निपटाएं। पुलिस को रोकने की आपकी कोशिशें भी ज़्यादा कारगर होतीं अगर आप दोनों ने एक-दूसरे से थोड़ी और जानकारी हासिल करने की कोशिश की होती। श्रीमती रिस्को को श्री हर्न को अपने भाई पर हमला करवाने के लिए राजी करने की ज़रूरत नहीं पड़ती, जबकि उनका भाई लंदन में सुरक्षित था, अगर उनके भाई ने उन्हें बता दिया होता कि सैली जुप्प की मौत के समय उनके पास पुख्ता सबूत था कि वह वहां मौजूद नहीं थे। डेरेक पुलेन को इस बात को लेकर परेशान होने की ज़रूरत नहीं पड़ती कि क्या उसे एक हत्यारे को बचाना चाहिए, अगर श्री स्टीफन मैक्सी ने यह बताने की ज़हमत उठाई होती कि शनिवार रात को वह बगीचे में सीढ़ी के साथ क्या कर रहे थे। आखिरकार हमें पुलेन से सच पता चला, लेकिन यह आसान नहीं था।"

"पुलन को मेरी रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी," स्टीफन ने बेपरवाही से कहा। "वह बस एक सभ्य व्यक्ति की तरह व्यवहार किए बिना नहीं रह सकता था! आपको सुनना चाहिए था कि वह फोन पर कैसे समझा रहा था कि वह कितना पुराने ख्यालों वाला रवैया अपनाने वाला है। मैक्सी, तुम्हारा राज़ मेरे पास सुरक्षित है, लेकिन क्यों न तुम सही काम करो? धिक्कार है उसकी बदतमीज़ी पर!"

"मुझे लगता है कि हमें यह जानने में कोई आपत्ति नहीं है कि आप सीढ़ी के साथ क्या कर रहे थे," डेबोरा ने पूछा।

"ऐसा क्यों होना चाहिए? मैं इसे बोकॉक की कुटिया के बाहर से ला रहा था। हमने दोपहर में इसका इस्तेमाल उसके पेड़ में फंसे एक गुब्बारे को निकालने के लिए किया था। आप जानते ही हैं बोकॉक कैसा आदमी है। वह तो सुबह उठते ही इसे खींचकर ले आता और यह उसके लिए बहुत भारी है। मुझे लगता है कि मैं थोड़ा सा खुद को तकलीफ देने के मूड में था, इसलिए मैंने इसे अपने कंधे पर टांग लिया।"

मुझे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि पुलन पुराने अस्तबलों में छुपकर घूमता हुआ मिलेगा। लगता है उसने इसे आदत बना लिया था। मुझे यह भी नहीं पता था कि सैली की हत्या कर दी

जाएगी और पुलन अपने तेज दिमाग से सारी बात समझ जाएगा और यह मान लेगा कि मैंने सीढ़ी का इस्तेमाल करके उसके कमरे में घुसकर उसे मार डाला। वैसे भी अंदर चढ़ने की क्या ज़रूरत थी? मैं दरवाज़े से अंदर जा सकता था। और मैं सीढ़ी को सही दिशा से भी नहीं ले जा रहा था।

"शायद उसने सोचा होगा कि आप किसी बाहरी व्यक्ति पर संदेह पैदा करने की कोशिश कर रही हैं," देबोरा ने सुझाव दिया। "उदाहरण के लिए, खुद पर।"

फेलिक्स की सुस्त आवाज बीच में ही रुक गई:

"मैक्सी, क्या तुम्हें यह ख्याल नहीं आया कि लड़का सचमुच संकट और दुविधा में हो सकता है?"

स्टीफन अपनी कुर्सी पर बेचैनी से हिलने लगा।

मुझे उसकी वजह से ज़रा भी नींद नहीं आई। हमारी ज़मीन पर उसका कोई हक़ नहीं था और मैंने उसे यही कहा था। मुझे नहीं पता वो कितनी देर से वहाँ इंतज़ार कर रहा था, लेकिन सीढ़ी नीचे रखते समय उसने मुझे ज़रूर देखा होगा। फिर वो बदले की आग में जलते हुए अंधेरे से बाहर आया और मुझ पर सैली को धोखा देने का आरोप लगाया। लगता है वर्ग भेद को लेकर उसके विचार अजीब हैं। कोई भी सोचेगा कि मैं ज़मींदारी का इस्तेमाल कर रहा था। मैंने उसे कम शब्दों में कहा कि वो अपने काम से मतलब रखे, और वो मुझ पर झपटा। तब तक मेरा सब्र टूट चुका था, इसलिए मैंने भी उस पर हमला किया और उसकी आँख पर वार किया, जिससे उसका चश्मा गिर गया। ये सब बहुत ही भद्दा और बेवकूफी भरा था। हम घर के बहुत पास थे, इसलिए ज़्यादा शोर मचाने की हिम्मत नहीं हुई। हम वहाँ खड़े होकर एक-दूसरे को फुसफुसाते हुए गालियाँ दे रहे थे और धूल में लोट-पोट होकर उसका चश्मा ढूँढ रहे थे। वो बिना चश्मे के लगभग अंधा है, इसलिए मैंने सोचा कि बेहतर होगा कि मैं उसे नेसिंगफोर्ड रोड के कोने तक देख लूँ। उसने इसे गलत समझा। हम उसे परिसर से बाहर ले जा रहे थे, लेकिन उसकी इज़्ज़त को ठेस तो पहुँचती ही, इसलिए कोई खास फ़र्क नहीं पड़ा। जब हम उसे अलविदा कहने आए, तब तक उसने खुद को उस स्थिति में ढाल लिया था जिसे वह उचित समझता था। वह तो हाथ भी मिलाना चाहता था! मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं ज़ोर से हँस दूँ या उसे फिर से धक्का दे दूँ। मुझे माफ़ करना, डेब, लेकिन वह इसी तरह का इंसान है।

एलेनोर मैक्सी ने पहली बार बात की:

"यह बहुत दुख की बात है कि आपने हमें इसके बारे में पहले नहीं बताया। उस बेचारे लड़के को निश्चित रूप से बहुत सारी चिंताओं से बचाया जा सकता था।"

वे डेलग्लिश की उपस्थिति को मानो भूल ही गए थे, लेकिन अब वह बोला:

श्री मैक्सी के चुप रहने का एक कारण था। उन्हें एहसास था कि आप सभी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि पुलिस यह सोचे कि सैली की खिड़की के पास ही सीढ़ी मौजूद थी। उन्हें मृत्यु का अनुमानित समय पता था और वे नहीं चाहते थे कि पुलिस को पता चले कि सीढ़ी बारह बजकर बीस मिनट से पहले पुराने अस्तबल में वापस नहीं रखी गई थी। अगर किस्मत अच्छी रही तो हम मान सकते हैं कि वह पूरी रात वहीं पड़ी रही होगी। इसी कारण से उन्होंने बोकॉक की कुटिया से निकलने के समय के बारे में अस्पष्टता बरती और बिस्तर पर जाने के समय के बारे में

झूठ बोला। अगर सैली की हत्या आधी रात को इसी छत के नीचे किसी ने की थी, तो उन्हें चिंता थी कि संदिग्धों की कमी न हो। उन्हें एहसास था कि अधिकांश अपराध एक-एक करके संदिग्धों को हटाकर सुलझाए जाते हैं। दूसरी ओर, मुझे लगता है कि उन्होंने दक्षिणी दरवाजा बंद करने के समय के बारे में सच कहा था। यह लगभग बारह बजकर तैंतीस मिनट का समय था और अब हम जानते हैं कि बारह बजकर तैंतीस मिनट तक सैली जुप्प की मृत्यु को आधा घंटे से अधिक समय हो चुका था। उनकी मृत्यु श्री मैक्सी के बोकॉक की कुटिया छोड़ने से पहले हुई थी और लगभग उसी समय जब गांव की दुकान के श्री विल्सन एक चरमराती हुई दरवाजा बंद करने के लिए बिस्तर से उठे थे। खिड़की से मैंने देखा कि डेरेक पुलेन सिर झुकाए तेजी से मार्टिंगेल की ओर जा रहा था। शायद पुलेन को उम्मीद थी कि उसे सैली मिल जाएगी और वह अपनी बात समझा देगी। लेकिन वह पुराने अस्तबल की आड़ में ही पहुँच पाया था कि मिस्टर मैक्सि सीढ़ी लेकर वहाँ पहुँच गए। और तब तक सैली जुप्प की मौत हो चुकी थी।

"तो यह पुलन नहीं था?" कैथरीन ने कहा।

"ऐसा कैसे हो सकता था?"

स्टीफन ने गुस्से में कहा, "जब उसने मुझसे बात की थी तब तो उसने उसे मारा नहीं था, और मेरे जाने के बाद वह वापस आकर उसे मारने की हालत में भी नहीं था। वह तो अपने घर के गेट तक का रास्ता भी मुश्किल से देख पा रहा था।"

"और अगर स्टीफन के बोकॉक से लौटने से पहले ही सैली की मौत हो गई थी, तो यह भी स्टीफन का काम नहीं हो सकता," कैथरीन ने बताया। डेलग्लिश ने गौर किया कि यह पहली बार था जब उनमें से किसी ने परिवार के किसी सदस्य के संभावित अपराध या निर्दोषता का ज़िक्र किया था।

स्टीफन मैक्सी ने कहा:

"आपको कैसे पता चला कि वह उस समय मर चुकी थी? वह रात साढ़े दस बजे तक जीवित थी और सुबह तक मर चुकी थी। बस इतना ही किसी को पता है।"

"ऐसा नहीं है," डेलग्लिश ने जवाब दिया। "दो लोग मौत के समय का इससे सटीक अनुमान लगा सकते हैं। एक हत्यारा है, लेकिन कोई और भी है जो मदद कर सकता है।"

दरवाजे पर दस्तक हुई और मार्था टोपी और एप्रन पहने, हमेशा की तरह गंभीर खड़ी थी। उसके बाल उसकी अजीब सी ऊँची पुरानी शैली की टोपी के नीचे पीछे की ओर खिंचे हुए थे, और उसके टखने काले जूतों के ऊपर उभरे हुए थे। मानो मैक्सियों के मन में एक हताश महिला की छवि बन रही हो, जो उस आपत्तिजनक बोतल को पकड़े हुए, किसी डरे हुए जानवर की तरह अपने परिचित रसोईघर की ओर जा रही हो। वह वैसी ही दिख रही थी जैसी हमेशा दिखती थी, और अगर वह अजनबी बन गई थी, तो भी वह उन दोनों के बीच के अंतर से कम अजनबी थी। उसने अपनी उपस्थिति का कोई कारण नहीं बताया, बस इतना कहा, "इंस्पेक्टर के लिए श्री प्रॉक्टर।" फिर वह गायब हो गई और उसके पीछे की धुंधली आकृति रोशनी में आगे बढ़ी। प्रॉक्टर इतना गुस्से में था कि उसे इस तरह अचानक लोगों से भरे कमरे में लाए जाने पर कोई हैरानी नहीं हुई,

जहाँ लोग स्पष्ट रूप से अपने निजी मामलों में व्यस्त थे। ऐसा लग रहा था कि उसने डेलग्लिश के अलावा किसी और पर ध्यान नहीं दिया और आक्रामक ढंग से उसकी ओर बढ़ा।
"देखिए इंस्पेक्टर साहब, मुझे सुरक्षा चाहिए। ये काफी नहीं है। मैं थाने में आपसे मिलने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने मुझे ये नहीं बताया कि आप कहां हैं, लेकिन मैं उस थाने के सार्जेंट से बचने वाला नहीं था। मुझे लगा था कि आप यहीं मिलेंगे। कुछ तो करना ही पड़ेगा।"
डेलग्लिश ने एक मिनट तक चुपचाप उसे देखा।
"क्या बात काफी अच्छी नहीं है, मिस्टर प्रॉक्टर?" उन्होंने पूछा।
"वो युवक। सैली का पति।"
वो घर आकर मुझे धमका रहा था। मेरे हिसाब से वो नशे में था। अगर उसकी हत्या हो गई और मैंने उसे ये बात बताई भी, तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। मैं उसे अपनी पत्नी को परेशान नहीं करने दूंगा।
और ये रहे पड़ोसी। उसकी गालियां गली के उस पार तक सुनाई दे रही थीं। मेरी बेटी भी वहीं थी। बच्चे के सामने ऐसा करना ठीक नहीं है। जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, मैं इस हत्या का निर्दोष हूं, और मुझे सुरक्षा चाहिए।"
वह देखने में ऐसा लग रहा था मानो उसे जेम्स रिची से भी ज़्यादा सुरक्षा की ज़रूरत हो। वह दुबला-पतला, लाल चेहरे वाला छोटा आदमी था, जिसकी नज़रें किसी गुस्सैल मुर्गी जैसी थीं और बात करते समय वह अपना सिर झटकता रहता था। उसने साफ़-सुथरे कपड़े पहने थे, लेकिन सस्ते लग रहे थे।
ग्रे रंग का रेनकोट साफ था और दस्ताने पहने हाथों में मजबूती से पकड़ी हुई ट्रिलबी टोपी पर हाल ही में एक नया पट्टा लगाया गया था। कैथरीन ने अचानक कहा, "हत्या वाले दिन आप इसी घर में थे, है ना? हमने आपको सीढ़ियों पर देखा था। आप सैली के कमरे से आ रहे होंगे।"
स्टीफन ने अपनी माँ की ओर देखा और कहा:
"श्रीमान प्रॉक्टर, बेहतर होगा कि आप अंदर आकर प्रार्थना सभा में शामिल हो जाएं। सार्वजनिक रूप से पाप स्वीकार करना आत्मा के लिए अच्छा होता है। दरअसल, आपने सही समय पर प्रवेश किया है। मेरा मानना है कि आप यह जानने में रुचि रखते हैं कि आपकी भतीजी की हत्या किसने की?"
"नहीं!" हर्न ने अचानक और गुस्से से कहा। "मूर्ख मत बनो, मैक्सी। उसे इसमें शामिल मत करो।"
उसकी आवाज़ ने प्रॉक्टर को अपने आस-पास के माहौल का एहसास दिलाया। उसने अपना ध्यान फेलिक्स पर केंद्रित किया और जो कुछ उसने देखा, वह उसे नापसंद आया। "तो मुझे यहाँ नहीं रुकना है! मान लो मैं रुकने का फैसला करता हूँ। मुझे यह जानने का अधिकार है कि क्या हो रहा है।" उसने चारों ओर चौकस, अप्रिय चेहरों को घूरकर देखा। "तुम चाहोगे कि यह मैं होता, है ना? तुम सब।"
मुझे पता है, ऐसा मत सोचो। अगर तुम कर सकते, तो सारा इल्ज़ाम मुझ पर लगा देते। अगर उसे ज़हर दिया गया होता या उसके सिर पर चोट मारी गई होती, तो मेरी हालत बहुत खराब हो जाती। अफ़सोस की बात है कि तुममें से एक भी उससे दूर नहीं रह सका, है ना? लेकिन एक

चीज़ है जिसका इल्ज़ाम तुम मुझ पर नहीं लगा सकते, और वो है गला घोंटना।
और क्यों? इसीलिए!
अचानक एक झटके से उसकी कृत्रिम दाहिनी हथेली डेलग्लिश के सामने मेज पर धड़ाम से गिर पड़ी, जिससे एक अजीब सी हास्यास्पद स्थिति पैदा हो गई। दोनों उसे देखते रह गए, मानो वह किसी भद्दी वस्तु की तरह पड़ी हो, उसकी रबर की उंगलियां बेबस होकर विनती कर रही हों। भारी साँसें लेते हुए, प्रॉक्टर ने अपने बाएँ हाथ को कुशलता से घुमाकर अपने नीचे एक कुर्सी खींची और विजयी भाव से बैठ गया, जबकि कैथरीन ने अपनी पीली आँखों से उसे तिरस्कार भरी निगाहों से देखा, मानो वह कोई जिद्दी मरीज हो जिसने सामान्य से अधिक चिड़चिड़ापन दिखाया हो।
डेलग्लिश ने हाथ उठाया।
"हमें इसके बारे में पता था, बेशक, हालांकि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मेरा ध्यान इस ओर सबसे पहले इतने नाटकीय ढंग से नहीं गया। श्री प्रॉक्टर ने एक बम विस्फोट में अपना दाहिना हाथ खो दिया था। यह अनोखा वैकल्पिक हाथ ढाले हुए लिनन और गोंद से बना है। यह हल्का और मजबूत है और इसमें असली हाथ की तरह तीन मुड़ने वाली उंगलियां और जोड़ हैं। अपने बाएं कंधे को झुकाकर और अपनी बांह को शरीर से थोड़ा दूर करके, पहनने वाला कंधे से अंगूठे तक जाने वाली एक नियंत्रण डोरी को कस सकता है। इससे अंगूठा एक स्प्रिंग के दबाव के विरुद्ध खुलता है। कंधे पर तनाव कम होते ही स्प्रिंग अपने आप अंगूठे को मजबूती से स्थिर तर्जनी उंगली के विरुद्ध बंद कर देती है। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह एक चतुर यंत्र है, और श्री प्रॉक्टर इसका भरपूर उपयोग कर सकते हैं।"
वह अपना काम कर सकता है, साइकिल चला सकता है और दुनिया के सामने लगभग सामान्य दिख सकता है। लेकिन एक चीज़ है जो वह नहीं कर सकता, और वह है गला घोंटकर हत्या करना।' 'वह बाएं हाथ का हो सकता है।'
"वह हो सकता था, मिस बोवर्स, लेकिन वह नहीं है, और सबूत यही दिखाते हैं कि सैली की हत्या एक मजबूत दाहिने हाथ की पकड़ से हुई थी।" उसने हाथ को पलटकर मेज के उस पार प्रॉक्टर की ओर बढ़ा दिया।
"यह वही हाथ था जिसे एक छोटे लड़के ने बोकॉक के अस्तबल का गुप्त दरवाजा खोलते हुए देखा था। इस मामले से जुड़ा केवल एक ही व्यक्ति हो सकता है जो गर्मी के दिन और एक बगीचे के मेले में चमड़े के दस्ताने पहने हुए हो।"
यह उसकी पहचान का एक सुराग था और भी सुराग थे। मिस बोवर्स बिल्कुल सही हैं।
उस दोपहर श्री प्रॉक्टर मार्टिंगेल में थे।
"अगर मैं होती तो क्या होता? सैली ने मुझे आने के लिए कहा था। वह मेरी भतीजी थी, है ना?"
"अरे, प्रॉक्टर," फेलिक्स ने कहा। "क्या आप हमें यह बताने वाले हैं कि यह औरत सिर्फ एक औपचारिक सामाजिक मुलाकात थी, कि आप बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में पूछने के लिए आए थे! वह इसके लिए कितने पैसे मांग रही थी?"
"तीस पाउंड," प्रॉक्टर ने कहा। "उसे तीस पाउंड चाहिए थे और अब उससे उसे क्या फायदा

होगा।"
"और तीस पाउंड की ज़रूरत होने के कारण," फेलिक्स ने निर्दयता से आगे कहा, "उसने स्वाभाविक रूप से अपने निकटतम रिश्तेदारों की ओर रुख किया जिनसे मदद की उम्मीद की जा सकती थी। यह एक मार्मिक कहानी है।"
इससे पहले कि प्रॉक्टर जवाब दे पाता, डेलग्लेश बीच में बोल पड़ा:
वह तीस पाउंड मांग रही थी क्योंकि वह अपने पति के लौटने पर कुछ पैसे बचाकर रखना चाहती थी। यह तय हुआ था कि वह काम करती रहेगी और जितना हो सके बचाएगी। सैली इस वादे को आखिरी पाउंड तक निभाना चाहती थी, चाहे बच्चा हो या न हो। वह अपने चाचा से यह पैसा एक आम तरीके से लेना चाहती थी। उसने उनसे कहा कि उसकी जल्द ही शादी होने वाली है, उसने यह नहीं बताया कि किससे, और अगर वह उसे चुप नहीं कराता है तो वह और उसका पति उसके साथ किए गए दुर्व्यवहार को सबके सामने उजागर कर देंगे। उसने धमकी दी कि वह उसे उसके मालिकों और कैनिंगबरी के सम्मानित पड़ोसियों के सामने बेनकाब कर देगी। उसने अपने अधिकारों के हनन की बात कही। दूसरी ओर, अगर वह पैसे दे देता है, तो न तो वह और न ही उसका पति फिर कभी प्रॉक्टर परिवार को देखेंगे या परेशान करेंगे।
“लेकिन यह तो ब्लैकमेल था,” कैथरीन चिल्लाई। “उसे कह देना चाहिए था कि वह जो चाहे कह दे। कोई उस पर विश्वास नहीं करता। उसे मुझसे एक पैसा भी नहीं मिलता!” प्रॉक्टर चुपचाप बैठा रहा। बाकी लोग मानो उसकी मौजूदगी को भूल चुके थे। डेलग्लिश ने बोलना जारी रखा। “मुझे लगता है कि श्री प्रॉक्टर आपकी सलाह मानने को तैयार होते, मिस बोवर्स, अगर उनकी भतीजी ने एक खास वाक्यांश का इस्तेमाल न किया होता। उसने अपने अधिकारों से वंचित किए जाने की बात कही। शायद उसका मतलब सिर्फ इतना था कि उसके और उसकी चचेरी बहन के साथ हुए व्यवहार में अंतर था, हालांकि श्रीमती प्रॉक्टर इस बात से इनकार करेंगी। हो सकता है कि वह हमारी सोच से कहीं ज्यादा जानती हो। लेकिन कुछ कारणों से, जिन पर हमें यहां चर्चा करने की जरूरत नहीं है, वह वाक्यांश उसके चाचा के कानों को चुभ गया। उनकी प्रतिक्रिया दिलचस्प रही होगी और सैली इतनी समझदार थी कि उसने इशारा समझ लिया। श्री प्रॉक्टर कोई अभिनेता नहीं हैं। उन्होंने यह पता लगाने की कोशिश की कि उनकी भतीजी कितना जानती है और जितना ज्यादा उन्होंने पूछताछ की, उतना ही ज्यादा उसने राज़ खोल दिए।” जब वे अलग हुए तब तक सैली को पता चल चुका था कि वे तीस पाउंड, और शायद उससे भी अधिक, उसकी पहुँच में थे।
प्रॉक्टर की कर्कश आवाज बीच में ही रुक गई: "मैंने कहा था कि मुझे उससे रसीद चाहिए, ध्यान रहे। मुझे पता था कि वह क्या कर रही है। मैंने कहा था कि मैं उसकी इस बार मदद करने को तैयार हूँ क्योंकि उसकी शादी हो रही थी और खर्च तो होना ही था। लेकिन बात यहीं खत्म। अगर उसने दोबारा ऐसा करने की कोशिश की तो मैं पुलिस के पास जाऊँगा, और मेरे पास रसीद सबूत के तौर पर होगी।"
"वो दोबारा ऐसा करने की कोशिश नहीं करती," देबोरा ने धीरे से कहा। सभी आदमियों की निगाहें उसकी तरफ घूम गईं। "सैली ऐसा नहीं करती। वो तो बस तुम्हारे साथ खेल रही थी, तुम्हें

नाचते हुए देखने के मजे के लिए तुम्हें नचा रही थी। अगर उसे अपने मजे के साथ-साथ तीस पाउंड भी मिल जाते तो और भी अच्छा होता, लेकिन असली आकर्षण तो तुम्हें पसीना बहाते देखना था। पर वो इसे आगे बढ़ाने की जहमत नहीं उठाती।"

कुछ समय बाद मनोरंजन फीका पड़ने लगा। सैली को अपने शिकार को ताजा खाना पसंद था।

"अरे नहीं, नहीं।" एलेनोर मैक्सी ने विरोध के छोटे से इशारे में अपने हाथ खोले।

"वह असल में ऐसी नहीं थी। हम उसे ठीक से जानते ही नहीं थे।" प्रॉक्टर ने उसकी बात अनसुनी कर दी और अचानक, आश्चर्यजनक रूप से, डेबोरा की ओर मुस्कुराई, मानो किसी सहयोगी को स्वीकार कर रही हो।

'यह बात बिल्कुल सही है। तुम जानते थे कि वह कैसी थी। मैं पूरी तरह से उसके इशारों पर चल रहा था।'

उसने सब कुछ तय कर लिया था। मुझे उसी रात तीस पाउंड लाकर उसे देने थे।

उसने मुझे अपने पीछे घर में और अपने कमरे तक आने को मजबूर किया। छुप-छुप कर अंदर आना-जाना ही काफी बुरा था। तभी सीढ़ियों पर मेरी तुमसे मुलाकात हुई। उसने मुझे पीछे का दरवाजा दिखाया और कहा कि वह आधी रात को मेरे लिए दरवाजा खोलेगी। मुझे लॉन के पीछे पेड़ों में तब तक छिपकर रहना था जब तक वह अपने बेडरूम की लाइट चालू और बंद न कर दे। यही संकेत होना था।

फेलिक्स जोर से हंस पड़ा।

"बेचारी सैली। कितनी दिखावा करने वाली थी! उसे ड्रामा करना ही था, चाहे इसके लिए उसे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े।"

"आखिरकार ऐसा ही हुआ," डेलग्लिश ने कहा। "अगर वह लोगों के साथ नहीं खेलती तो सैली आज जीवित होती।"

"उस दिन उसका मूड कुछ अजीब सा था," देबोरा ने याद करते हुए कहा। "उसमें एक तरह का पागलपन था। मेरा मतलब सिर्फ मेरी ड्रेस की नकल करना या स्टीफन को स्वीकार करने का नाटक करना नहीं है। वह एक बच्चे की तरह शरारतों से भरी हुई थी। मुझे लगता है कि यही उसकी खुशी का तरीका था।"

"वह खुश होकर सो गई," स्टीफन ने कहा।

और अचानक वे सब चुप हो गए, यादों में खो गए। कहीं घड़ी की मधुर और स्पष्ट बूँदें सुनाई दीं, लेकिन डेलग्लिश के पन्ने पलटने की हल्की सरसराहट के अलावा कोई और आवाज़ नहीं थी। बाहर, ठंडक और सन्नाटे में ऊपर उठती हुई सीढ़ियाँ थीं, जिन पर सैली सोने से पहले का आखिरी पेय लेकर आई थी। जब वे सुन रहे थे, तो ऐसा लग रहा था मानो किसी के कदमों की आहट, सीढ़ियों पर ऊन की सरसराहट, या हँसी की गूँज सुनाई दे रही हो। बाहर अँधेरे में लॉन का किनारा धुंधला सा दिख रहा था और डेस्क की रोशनी उसके ऊपर ऐसे चमक रही थी जैसे सुगंधित रात में चीनी लालटेन की कतार लटकी हो। क्या उनके बीच किसी सफेद पोशाक के तैरने का, बालों के लहराने का आभास था? कहीं उनके ऊपर नर्सरी थी, जो अब खाली थी, मुर्दाघर की तरह सफेद और कीटाणुरहित। क्या उनमें से कोई भी उस सीढ़ी का सामना कर

सकता था और नर्सरी का दरवाजा खोल सकता था, इस डर के बिना कि बिस्तर खाली न हो? देबोरा काँप उठी और उन सबकी ओर से बोली, "कृपया," उसने कहा। "कृपया हमें बताइए कि क्या हुआ!"

डेलग्लिश ने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और उसकी ओर देखा। फिर गहरी, शांत आवाज़ जारी रही। मुझे लगता है कि हत्यारा मिस जुप्प के कमरे में एक अनियंत्रित आवेग से प्रेरित होकर गया था, ताकि वह जान सके कि लड़की वास्तव में क्या महसूस करती है, उसका इरादा क्या है और उससे कितना खतरा है। शायद उसके मन में उससे विनती करने का भी विचार था - हालाँकि मुझे नहीं लगता कि यह बहुत संभव है। यह अधिक संभावना है कि उसका इरादा किसी तरह का सौदा करने का था। आगंतुक सैली के कमरे में गया और या तो अंदर चला गया या दरवाजा खटखटाया और उसे अंदर जाने दिया गया। आप जानते हैं, वह एक ऐसी व्यक्ति थी जिससे किसी को डर नहीं था।

सैली कपड़े उतारकर बिस्तर पर लेटी हुई थी। उसे नींद आ रही होगी, लेकिन उसने कोको का थोड़ा सा ही सेवन किया था, न कि उसे नशा कराया गया था; वह इतनी थकी हुई थी कि शिष्टाचार या तर्क-वितर्क में पड़ने की उसे कोई परवाह नहीं थी। उसने बिस्तर से उठने या ड्रेसिंग गाउन पहनने की भी जहमत नहीं उठाई। उसके चरित्र के बारे में जो कुछ हमने जाना है, उसे देखते हुए आप सोच सकते हैं कि अगर उसका आगंतुक कोई पुरुष होता तो वह ऐसा कर लेती। लेकिन इस तरह का सबूत कोई खास मायने नहीं रखता।

"हमें अभी तक यह नहीं पता कि सैली और उसके आगंतुक के बीच क्या हुआ। हम केवल इतना जानते हैं कि जब वह आगंतुक चला गया और उसने दरवाजा बंद कर दिया, तब तक सैली की मृत्यु हो चुकी थी। अगर हम यह मान लें कि यह एक अनियोजित हत्या थी, तो हम अनुमान लगा सकते हैं कि क्या हुआ होगा। अब हम जानते हैं कि सैली विवाहित थी, अपने पति से प्यार करती थी, उसका इंतज़ार कर रही थी कि वह उसे लेने आए, यहाँ तक कि वह रोज़ाना उससे मिलने की उम्मीद करती थी। डेरेक पुलेन के प्रति उसके रवैये और जिस सावधानी से उसने अपना रहस्य छिपाए रखा, उससे हम अनुमान लगा सकते हैं कि उसे इस छिपे हुए ज्ञान से मिलने वाली शक्ति का एहसास अच्छा लगता था। पुलेन ने कहा है, 'उसे बातें गुप्त रखना पसंद था।' एक महिला जिसका मैंने साक्षात्कार लिया था और जिसके लिए सैली ने काम किया था, उसने कहा, 'वह बहुत ही रहस्यमयी थी। वह मेरे साथ तीन साल रही और तीन साल बीतने पर भी मुझे उसके बारे में उतना ही पता था जितना कि उसके आने से पहले पता था।' सैली जुप्प ने बेहद मुश्किल हालातों में भी अपनी शादी की खबर गुप्त रखी। उसका व्यवहार तर्कसंगत नहीं था। उसका पति विदेश में था और खूब तरक्की कर रहा था। कंपनी उसे घर क्यों भेजती? कंपनी को तो पता भी नहीं चलता। अगर सैली ने सच बताया होता तो उसकी मदद के लिए कोई न कोई मिल ही जाता। मुझे लगता है कि उसने अपना राज़ इसलिए छिपाया क्योंकि वह अपनी वफादारी और भरोसेमंदता साबित करना चाहती थी और इसलिए भी क्योंकि वह ऐसी इंसान थी जिसे राज़ रखना अच्छा लगता था। इससे उसे अपने चाचा-चाची को दुख पहुँचाने का मौका मिला, जिनसे उसे कोई लगाव नहीं था, और साथ ही इससे उसका मनोरंजन भी हुआ। इसके अलावा, उसे सात

महीने तक मुफ्त में रहने की जगह भी मिल गई।
उनके पति ने मुझे बताया,* सैली हमेशा कहती थी कि अविवाहित माताओं की ही सबसे अच्छी स्थिति होती है।' मुझे नहीं लगता कि यहाँ कोई इससे सहमत होगा, लेकिन सैली रिची का स्पष्ट रूप से मानना था कि हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जो नीरस योग्य लोगों की मदद करने की बजाय दिलचस्प रूप से दुर्भाग्यशाली लोगों की मदद करके अपने अंतरात्मा को अधिक संतुष्ट करता है और वह अपने इस सिद्धांत को परखने की स्थिति में थी। मुझे लगता है कि उन्होंने सेंट मैरी शरणार्थी केंद्र में खूब आनंद लिया। मुझे लगता है कि उन्होंने इस ज्ञान से खुद को सहारा दिया कि वह दूसरों से अलग थीं। मैं कल्पना करती हूँ कि उन्होंने मिस लिडेल के चेहरे के हावभाव का पहले से ही आनंद लिया होगा जब उन्हें सच्चाई पता चलेगी और सेंट मैरी के निवासियों की नकल करके अपने पति को कितना मज़ा आएगा। आप जानते ही हैं, किस तरह की बातें। 'सैल आपको उस समय के बारे में बताए जब वह एक अविवाहित माँ थी।' मुझे यह भी लगता है कि उन्होंने उस शक्ति की अनुभूति का आनंद लिया जो उनके छिपे हुए ज्ञान ने उन्हें दी थी। उन्होंने मैक्सियों की उस खतरे से घबराहट को देखकर आनंद लिया जिसके बारे में केवल वही जानती थीं कि वह वास्तविकता में नहीं था।
देबोरा अपनी कुर्सी पर असहज होकर हिलने लगी।
"ऐसा लगता है कि आप उसके बारे में बहुत कुछ जानते हैं। अगर उसे पता था कि सगाई का कोई अस्तित्व नहीं है तो उसने इसके लिए सहमति क्यों दी? अगर वह स्टीफन को सच बता देती तो वह सभी को बहुत सारी परेशानियों से बचा सकती थी।"
डेलग्लिश ने उसकी ओर देखा।
वह अपनी जान बचा सकती थी।
लेकिन क्या उसके लिए यह बात बताना उसके स्वभाव के अनुरूप था?
अब ज़्यादा इंतज़ार नहीं करना था। उनके पति शायद अगले एक-दो दिन में घर लौट रहे थे। डॉ. मैक्सी का प्रस्ताव महज़ एक और पेचीदगी थी, जिसने पूरी स्थिति में रोमांच और मनोरंजन का अपना ही तड़का लगा दिया था।
याद रखिए, उसने कभी खुलकर प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। नहीं, मुझे उससे यही उम्मीद थी कि वह ऐसा ही व्यवहार करेगी। जाहिर है, वह श्रीमती को नापसंद करती थी।
रिस्को के साथ संबंध रखते हुए, जैसे-जैसे उसके पति के लौटने का समय नजदीक आता गया, वह इसे खुलकर दिखाने लगी। इस प्रस्ताव ने उसे निजी मनोरंजन के नए अवसर प्रदान किए। मुझे लगता है कि जब उसका आगंतुक उससे मिलने आया, तो वह नींद में डूबी, खुश और आत्मविश्वास से भरी हुई अपने बिस्तर पर लेटी हुई थी, शायद यह महसूस कर रही थी कि मैक्सी परिवार, पूरी स्थिति, पूरी दुनिया उसकी मुट्ठी में है। मैंने जिन दर्जनों लोगों का साक्षात्कार लिया है, उनमें से किसी ने भी उसे दयालु नहीं बताया। मुझे नहीं लगता कि वह अपने आगंतुक के प्रति दयालु थी। उसने अपने सामने आने वाले क्रोध और हताशा की तीव्रता को कम करके आंका। शायद वह हँसी। और जब वह हँसी, तो मजबूत उंगलियों ने उसका गला जकड़ लिया।
सन्नाटा छा गया। फेलिक्स हर्न ने बीच में दखल देते हुए कर्कश स्वर में कहा:

"आपने अपने पेशे को गलत समझा है, इंस्पेक्टर। वह नाटकीय प्रस्तुति एक बड़े दर्शक वर्ग के लिए उपयुक्त थी।"

"मूर्ख मत बनो, हर्न।" स्टीफन मैक्सी ने अपना पीला पड़ा और थकावट से भरा चेहरा ऊपर उठाया। "क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि वह हमारी प्रतिक्रियाओं से काफी संतुष्ट है?" वह अचानक गुस्से में डेलग्लिश की ओर मुड़ा। "किसके हाथ?" उसने पूछा। "इस तमाशे को क्यों जारी रखना है? किसके हाथ?"

डेलग्लिश ने उसे नजरअंदाज कर दिया।

"हमारा हत्यारा दरवाजे पर जाता है और बत्ती बुझा देता है। यही भागने का क्षण है। और फिर, शायद, एक संदेह उत्पन्न होता है। शायद यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता हो कि सैली जुप्प मर चुकी है। शायद बच्चा नींद में करवट बदलता है और उसे अपनी मृत माँ के साथ रोता हुआ अकेला न छोड़ने की स्वाभाविक और मानवीय इच्छा होती है। शायद यह अधिक स्वार्थी चिंता हो कि उसके रोने से घरवाले जाग जाएँगे और हत्यारा भाग न सके।"

कारण चाहे जो भी हो, बत्ती क्षण भर के लिए फिर से जल उठती है। जलती है और फिर बुझ जाती है। लॉन के किनारे और पेड़ों की छांव में इंतजार कर रहे सिडनी प्रॉक्टर को वह संकेत दिखाई देता है जिसका उन्हें इंतजार था। उनके पास घड़ी नहीं है। उन्हें चमकती बत्ती पर ही निर्भर रहना होगा। वह पेड़ों और झाड़ियों की छाया में रहते हुए लॉन के किनारे-किनारे पीछे के दरवाजे की ओर बढ़ते हैं।

डेलग्लिश के रुकते ही श्रोताओं ने प्रॉक्टर की ओर देखा। अब वह अधिक संयमित लग रहा था और ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो उसने अपनी पहले वाली घबराहट और रक्षात्मक उग्रता दोनों को त्याग दिया हो। उसने सरलता और शांति से कहानी सुनाना शुरू किया, मानो उस भयानक रात की याद और श्रोताओं की गहन रुचि ने उसे आत्म-चेतना और अपराधबोध से मुक्त कर दिया हो। अब जब वह शोर-शराबे वाले आत्म-समर्थन से परे था, तो श्रोताओं को उसे सहन करना आसान लग रहा था। उनकी ही तरह वह भी किसी न किसी रूप में सैली का शिकार था। सुनते हुए, उन्होंने उस हताशा और भय को महसूस किया जिसने उसे सैली के दरवाजे तक पहुँचाया था।

मुझे लगा कि शायद मैंने पहली झलक देखने से चूक गया। उसने दो झलकियाँ बताई थीं, इसलिए मैंने थोड़ी देर इंतज़ार किया और देखा। फिर मैंने सोचा कि मुझे एक मौका लेना चाहिए। अब इधर-उधर की बातें करने का कोई मतलब नहीं था। मैं इतनी दूर आ चुका था, तो अब आगे बढ़ना ही बेहतर था। वैसे भी, वह देख लेगी कि मैं ऐसा करूँ। तीस पाउंड जुटाना आसान नहीं था। मैंने अपने डाकघर खाते से जितना हो सका उतना निकाला, लेकिन उससे सिर्फ दस पाउंड ही मिले। घर पर मेरे पास ज़्यादा पैसे नहीं थे, बस उतने ही थे जो मैंने टीवी की किश्तों के लिए बचाए थे। मैंने उन पैसों से कैनिंगबरी की एक दुकान में अपनी घड़ी गिरवी रख दी। मुझे लगता है कि दुकानदार समझ गया था कि मैं बहुत परेशान हूँ, और उसने मुझे उसकी सही कीमत नहीं दी। फिर भी, मेरे पास उसे चुप कराने के लिए काफी पैसे थे। मैंने उसके हस्ताक्षर के लिए एक रसीद भी लिख दी थी। अस्तबल में उस घटना के बाद मैं उसके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था। मैंने सोचा कि मैं बस उसे पैसे दे दूँ, उससे रसीद पर हस्ताक्षर करवा लूँ और घर चला जाऊँ।

अगर उसने कोई और गड़बड़ करने की कोशिश की, तो मैं उसे धमकी दे सकता हूँ। उस पर ब्लैकमेल का आरोप लगाने के लिए। अगर ऐसी नौबत आई तो रसीद काम आ सकती है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा।

उसे बस पैसे चाहिए थे और उसके बाद वो मुझे चैन से रहने देती। खैर, दोबारा कोशिश करने का कोई मतलब नहीं था, है ना? मेरे पास ऑर्डर करने के लिए पैसे नहीं थे और सैली यह बात अच्छी तरह जानती थी। हमारी सैली कोई बेवकूफ नहीं थी।

"बाहर का भारी दरवाजा ठीक वैसे ही खुला था जैसा उसने कहा था। मेरे पास टॉर्च थी और सीढ़ियाँ ढूँढना और उसके कमरे तक पहुँचना आसान था।"

उस दोपहर उसने मुझे रास्ता दिखाया था। यह बहुत आसान था। घर एकदम शांत था। ऐसा लग रहा था जैसे घर खाली हो।

सैली का दरवाजा बंद था और न तो चाबी के छेद से और न ही दरवाजे के नीचे से कोई रोशनी आ रही थी। यह मुझे अजीब लगा। मैंने सोचा कि क्या दस्तक दूं, लेकिन मैं कोई आवाज़ नहीं करना चाहता था। पूरा घर इतना शांत था कि डरावना लग रहा था। अंत में मैंने दरवाजा खोला और धीरे से उसे आवाज़ दी।

उसने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने टॉर्च की रोशनी कमरे में और बिस्तर पर डाली।

वह वहाँ लेटी हुई थी। पहले तो मुझे लगा कि वह सो रही है और - खैर, यह एक राहत की तरह था। मैं सोच रही थी कि क्या मुझे उसके तकिए पर पैसे छोड़ देने चाहिए, फिर मैंने सोचा, 'मैं ऐसा क्यों करूँ?' उसने मुझे बुलाया था। जागते रहना उसकी ज़िम्मेदारी थी। इसके अलावा, मैं घर से बाहर निकलना चाहती थी। मुझे नहीं पता कि मुझे पहली बार कब एहसास हुआ कि वह सो नहीं रही थी। मैं बिस्तर के पास गई। तभी मुझे पता चला कि वह मर चुकी है। अजीब बात है कि इसमें कोई गलती नहीं हो सकती। मुझे पता था कि वह बीमार या बेहोश नहीं थी।

सैली मर चुकी थी। उसकी एक आँख बंद थी, लेकिन दूसरी आधी खुली थी। ऐसा लग रहा था जैसे वो मुझे देख रही हो, इसलिए मैंने अपना बायाँ हाथ आगे बढ़ाया और उसकी पलकें नीचे खींच दीं। पता नहीं मैंने उसे क्यों छुआ। सच में, ये बहुत बेवकूफी भरा काम था। बस मुझे उसकी घूरती हुई आँख बंद करनी थी। चादर उसकी ठुड्डी के नीचे ऐसे मुड़ी हुई थी जैसे किसी ने उसे आराम से लिटाया हो। मैंने उसे नीचे खींचा और फिर मैंने उसकी गर्दन पर चोट का निशान देखा। तब तक मुझे नहीं लगता कि 'हत्या' शब्द मेरे दिमाग में आया था। जब आया, तो शायद मैं अपना आपा खो बैठा। मुझे पता होना चाहिए था कि ये दाहिने हाथ से करने वाला काम है और कोई मुझ पर शक नहीं कर सकता, लेकिन डर के मारे आप ऐसे नहीं सोच पाते। मेरे हाथ में टॉर्च थी और मैं इतना काँप रहा था कि टॉर्च से उसके सिर के चारों ओर रोशनी के छोटे-छोटे गोले बन रहे थे। मैं टॉर्च को स्थिर नहीं रख पा रहा था। मैं सोचने की कोशिश कर रहा था, समझ नहीं पा रहा था कि क्या करूँ। तभी मुझे याद आया कि वो मर चुकी है और मैं उसके कमरे में हूँ और मेरे पास पैसे भी हैं। आप समझ सकते हैं कि लोग क्या सोचेंगे। मुझे पता था कि मुझे यहाँ से भागना होगा। मुझे याद नहीं कि मैं दरवाजे तक कब पहुँची, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। मुझे गलियारे में कदमों की आहट सुनाई दे रही थी। आवाज़ बहुत धीमी थी। शायद आम तौर पर मैं उन्हें सुन

नहीं पाती। लेकिन मैं इतनी सतर्क थी कि मुझे अपने दिल की धड़कन भी सुनाई दे रही थी। एक पल में मैंने दरवाजे पर कुंडी लगा दी और सांस रोककर उस पर पीछे झुक गई। दरवाजे के दूसरी तरफ एक महिला थी। उसने बहुत धीरे से दस्तक दी और पुकारा, 'सैली। क्या तुम सो रही हो? सैली?' उसने बहुत धीमी आवाज़ में पुकारा।

मुझे समझ नहीं आता कि उसे अपनी बात सुने जाने की उम्मीद कैसे थी।

शायद उसे सच में कोई परवाह नहीं थी। मैंने तब से इस बारे में बहुत सोचा है, लेकिन उस समय मैंने यह देखने का इंतज़ार नहीं किया कि वह क्या करेगी। हो सकता है वह और ज़ोर से दस्तक देती और बच्चे को रुला देती या हो सकता है उसे कुछ गड़बड़ का एहसास हो जाता और वह परिवार को बुला लेती। मुझे वहाँ से निकलना था। सौभाग्य से मैं खुद को फिट रखता हूँ और ऊँचाई से मुझे डर नहीं लगता। वैसे भी इसमें कोई खास फ़ायदा नहीं था। मैं बगल वाली खिड़की से बाहर निकला, जो पेड़ों की ओट में थी, और चिमनी का पाइप काफ़ी काम आया। मेरे हाथों को चोट नहीं लग सकती थी और मेरे मुलायम साइकिलिंग जूतों ने मुझे अच्छी पकड़ दी। मैं आखिरी कुछ फीट गिर गया और मेरा टखना मुड़ गया, लेकिन उस समय मुझे इसका एहसास नहीं हुआ। पीछे मुड़े बिना ही मैं पेड़ों की ओट में भाग गया।

सैली के कमरे में अभी भी अंधेरा था और मुझे सुरक्षित महसूस होने लगा।

मैंने अपनी साइकिल गली के किनारे झाड़ियों में छिपा दी थी और उसे दोबारा देखकर मुझे बहुत खुशी हुई, मैं आपको बता सकता हूँ। साइकिल पर बैठने के बाद ही मुझे अपने पैर का एहसास हुआ। मैं उससे पैडल नहीं पकड़ पा रहा था। फिर भी, मैं किसी तरह साइकिल पर बैठ गया। मैं एक योजना भी बनाने लगा था। मुझे एक बहाना चाहिए था। फिंचवर्थी पहुँचकर मैंने दुर्घटना का नाटक रचा। यह मुश्किल नहीं था। यह एक शांत सड़क है और इसके बाईं ओर एक ऊँची दीवार है। मैंने साइकिल को दीवार से इतनी जोर से टकराया कि अगला पहिया मुड़ गया। फिर मैंने अपनी जेब वाली चाकू से अगले टायर को काट दिया। मुझे अपनी जान की चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी। मैं दिखने में बिल्कुल सही लग रहा था।

अब तक मेरे टखने में सूजन आ चुकी थी और मुझे बहुत खराब लग रहा था। रात में किसी समय बारिश शुरू हो गई होगी क्योंकि मैं भीग चुका था और ठंड लग रही थी, हालांकि मुझे बारिश याद नहीं है। खुद को और साइकिल को कैनिंगबरी तक घसीटकर लाना बड़ी मुश्किल थी और घर पहुँचने में एक बजने से काफी देर हो चुकी थी। मुझे चुपचाप रहना था इसलिए मैंने साइकिल को सामने वाले बगीचे में छोड़ दिया और खुद अंदर चला गया। श्रीमती प्रॉक्टर को जगाए बिना नीचे की दो घड़ियों में समय बदलना ज़रूरी था। हमारे बेडरूम में कोई घड़ी नहीं है। मैं सोने की घड़ी में हर रात चाबी भरता था और उसे बिस्तर के पास रखता था। अगर मैं पत्नी को जगाए बिना अंदर चला जाऊं तो मुझे लगा कि सब ठीक हो जाएगा। मुझे लगा कि मेरी किस्मत खराब है। वह जाग रही होंगी और दरवाजे की आहट सुन रही होंगी क्योंकि वह सीढ़ियों के ऊपर आईं और मुझे आवाज़ दी। तब तक मेरा सब्र टूट चुका था, इसलिए मैंने उन पर चिल्लाकर कहा कि वापस बिस्तर पर चली जाओ, मैं उठ जाता हूँ। उन्होंने वही किया जो उन्हें कहा गया था - वह अक्सर करती हैं - लेकिन मुझे पता था कि वह थोड़ी देर में नीचे आ जाएँगी। फिर भी, इससे मुझे मौका

मिल गया। जब तक वह अपना ड्रेसिंग गाउन पहनकर दबे पांव नीचे आई, तब तक मैंने घड़ियों को आधी रात पर सेट कर दिया था। वह मेरे लिए चाय लाने को लेकर नखरे कर रही थी। मैं उसे वापस बिस्तर पर ले जाने के लिए हड़बड़ी में था, इससे पहले कि शहर की किसी भी घड़ी में दो बज जाएं। यह ऐसी बात थी जिस पर वह शायद ध्यान दे देती। खैर, आखिरकार मैं उसे ऊपर ले गया और वह जल्दी ही सो गई। मेरे साथ तो बात ही अलग थी, मैं आपको बता सकता हूँ। हे भगवान, मैं फिर कभी वैसी रात नहीं गुजारना चाहता! आप हमारे बारे में और सैली के साथ हमारे बर्ताव के बारे में जो चाहें कह सकते हैं। मेरे हिसाब से उसने हमारे साथ कुछ बुरा नहीं किया। लेकिन अगर उसे बुरा लगा, तो उस कमीनी ने उस रात अपना बदला ले लिया।

उसने उन पर वह चौंकाने वाला शब्द थूका और फिर, सन्नाटे में, कुछ बुदबुदाया जो शायद माफी थी और अपने उस विकृत दाहिने हाथ से अपना चेहरा ढक लिया। एक पल के लिए कोई नहीं बोला और फिर कैथरीन ने कहा:

"आप पूछताछ में नहीं आए थे, है ना? उस समय हमें इस बात का संदेह था, लेकिन ऐसी चर्चा थी कि आप बीमार थे।"

क्या ऐसा इसलिए था क्योंकि आपको पहचाने जाने का डर था? लेकिन तब तक तो आपको पता चल ही गया होगा कि सैली की मौत कैसे हुई और कोई भी आप पर शक नहीं कर सकता था।

भावनात्मक तनाव के बावजूद प्रॉक्टर ने अपनी कहानी सहजता और संकोच के साथ सुनाई थी। अब आत्म-समर्थन की आवश्यकता फिर से हावी हो गई और इसके परिणामस्वरूप उनका पूर्व जैसा उग्र स्वभाव लौट आया।

"मैं क्यों जाऊं? वैसे भी मेरी हालत ठीक नहीं थी। मुझे पता था कि उसकी मौत कैसे हुई थी। पुलिस ने रविवार सुबह जब किसी को भेजा था, तब हमें यही बताया था।"

उन्होंने मुझसे तुरंत पूछ लिया कि मैंने उसे आखिरी बार कब देखा था, लेकिन मेरी कहानी तैयार थी। मुझे लगता है आप सब सोचते होंगे कि मुझे उन्हें सब कुछ बता देना चाहिए था। लेकिन मैंने नहीं बताया! सैली ने अपने जीवनकाल में ही काफी मुसीबतें खड़ी कर दी थीं और अगर मैं कुछ कर सकती थी तो अब उसकी मौत के बाद वह और मुसीबतें नहीं बढ़ाना चाहती थी। मुझे समझ नहीं आता था कि मेरे निजी मामले अदालत में क्यों सामने आएं। इन बातों को समझाना आसान नहीं होता। लोग गलतफहमी पाल सकते हैं।

"इससे भी बुरी बात यह है कि वे इसे बहुत अच्छी तरह समझ सकते हैं," फेलिक्स ने रूखेपन से कहा।

प्रॉक्टर का पतला चेहरा लाल हो गया। उठकर उसने जानबूझकर फेलिक्स की ओर पीठ कर ली और एलेनोर मैक्सी से बात करने लगा।

"अगर आप मुझे अब जाने की अनुमति दें तो मैं चलता हूँ। मेरा इरादा दखल देने का नहीं था। बस मुझे इंस्पेक्टर से मिलना था। मुझे पूरी उम्मीद है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन आप मुझे यहाँ नहीं चाहते।"

"वह ऐसे बात कर रहा है जैसे हम अभी बच्चे को जन्म देने वाले हों," स्टीफन ने सोचा। डेलग्लिश की स्वतंत्रता को साबित करने और यह दिखाने की इच्छा कि परिवार का कम से कम एक सदस्य

अभी भी खुद को स्वतंत्र मानता है, ने उसे यह पूछने पर मजबूर किया:
"क्या मैं आपको घर तक छोड़ दूं? आखिरी बस आठ बजे जाती है।"
प्रॉक्टर ने इनकार का इशारा किया लेकिन उसकी तरफ नहीं देखा।
"नहीं। धन्यवाद। मेरी साइकिल बाहर खड़ी है। उन्होंने इसे ठीक से रखा है। कृपया मुझे बाहर तक छोड़ने की ज़हमत न करें।"
वह वहाँ खड़ा था, उसके दस्ताने पहने हाथ ढीले लटके हुए थे, एक अप्रिय और दयनीय आकृति, लेकिन गरिमा से रहित नहीं।
"कम से कम," फेलिक्स ने सोचा। "उसके पास है..."
यह जानने की क्षमता होना कि उसे कब नहीं चाहा जा रहा है।"
अचानक, और एक छोटे से कड़े इशारे के साथ, प्रॉक्टर ने अपना बायां हाथ एलेनोर मैक्सी की ओर बढ़ाया और उसने उसे पकड़ लिया।
स्टीफन उसके साथ दरवाजे तक गया।
उसके अनुपस्थित रहने के दौरान किसी ने कुछ नहीं कहा। फेलिक्स ने तनाव को बढ़ते हुए महसूस किया और भय की याद आने वाली गंध से उसकी नाक फड़कने लगी।
अब उन्हें पता चल ही गया होगा। उन्हें असली नाम को छोड़कर सब कुछ बता दिया गया था। लेकिन वे सच्चाई को कितना स्वीकार कर रहे थे? झुकी हुई पलकों के नीचे से वह उन्हें देख रहा था। देबोरा अजीब तरह से शांत थी, मानो झूठ और छल के अंत ने उन्हें शांति दे दी हो। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि देबोरा को आने वाली घटनाओं का पता था। एलेनोर मैक्सी का चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन उसके हाथ आराम से उसकी गोद में रखे थे। उसे लगभग यकीन हो रहा था कि उसके विचार कहीं और थे। कैथरीन बोवर्स अकड़ी हुई बैठी थी, उसके होंठ ऐसे सिकुड़े हुए थे मानो वह असहमति जता रही हो। पहले फेलिक्स को लगा था कि वह आनंद ले रही है। अब उसे इतना यकीन नहीं था। उसने व्यंग्यपूर्ण संतुष्टि के साथ उसके हाथों की जकड़न और आँखों के कोनों पर घबराहट भरी फड़कन देखी। अचानक स्टीफन उनके पास वापस आ गया और फेलिक्स बोला।
"क्या यह बहुत लंबे समय से नहीं चल रहा है?"
हमने सबूत सुन लिए हैं। वह पिछला दरवाज़ा खुला था, जब तक कि मैक्सि ने उसे सुबह बारह बजकर तैंतीस मिनट पर बंद नहीं कर दिया। उससे कुछ समय पहले कोई अंदर घुसा और सैली की हत्या कर दी। पुलिस को अभी तक पता नहीं चला है कि किसने किया और शायद उन्हें पता भी नहीं चलेगा। कोई भी हो सकता था। मेरा सुझाव है कि हममें से कोई भी इस बारे में और कुछ न कहे। उसने उनकी ओर देखा।
चेतावनी स्पष्ट थी। डेलग्लिश ने नरमी से कहा:
"'आप यह सुझाव दे रहे हैं कि एक बिल्कुल अजनबी घर में घुसा, चोरी करने का कोई प्रयास नहीं किया, सीधे मिस जुप्प के कमरे में गया और उनका गला घोंट दिया, जबकि वह बिना किसी शोर मचाने की कोशिश किए, आराम से बिस्तर पर लेटी रहीं?'"
"वह उसे आने के लिए आमंत्रित कर सकती थी, चाहे वह कोई भी हो," कैथरीन ने कहा।

डेलग्लिश उसकी ओर मुड़ी।
"लेकिन वह प्रॉक्टर की उम्मीद कर रही थी। हम सोच भी नहीं सकते कि वह इस छोटे से सौदे को पार्टी बनाना चाहती होगी। और वह किसे आमंत्रित करती? हमने उसके सभी परिचितों से पूछताछ कर ली है।"
"भगवान के लिए, इस बारे में बात करना बंद करो," फेलिक्स चिल्लाया। "क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि वह यही चाहता है कि तुम ऐसा करो! कोई सबूत नहीं है!"
"क्या ऐसा नहीं है?" डेलग्लिश ने धीरे से कहा। "मुझे आश्चर्य है।"
"वैसे भी, हम जानते हैं कि यह किसने नहीं किया," कैथरीन ने कहा। "यह स्टीफन या डेरेक पुलेन नहीं थे क्योंकि उनके पास पुख्ता सबूत हैं और यह मिस्टर प्रॉक्टर भी नहीं थे क्योंकि उनके हाथ पर निशान हैं। सैली की हत्या उसके चाचा नहीं कर सकते थे।"
"नहीं," डेलग्लिश ने कहा। "और न ही मार्था के हाथों से।"
बुल्टिटाफ्ट, जिसे तब तक पता नहीं था कि लड़की की मौत कैसे हुई, जब तक कि मिस्टर हर्न ने उसे नहीं बताया। न ही आप, मिस बोवर्स, जिन्होंने उसकी मृत्यु के बाद उसके दरवाजे पर दस्तक दी और उससे बात करने की कोशिश की। न ही श्रीमती रिस्को, जिनके नाखूनों से खरोंचें पड़ना तय था।
किसी के नाखून रातोंरात इतने लंबे नहीं हो सकते और हत्यारे ने दस्ताने नहीं पहने थे। न ही मिस्टर हर्न ने, चाहे वह मुझे कुछ भी सोचने पर मजबूर करना चाहें। मिस्टर हर्न को पता नहीं था कि सैली किस कमरे में सोती है। उन्हें मिस्टर मैक्सी से पूछना पड़ा कि सीढ़ी कहाँ ले जानी है।
"केवल एक मूर्ख ही यह दिखाता कि उसे पता है। मैं तो बस दिखावा कर सकता था।"
"सिर्फ तुम ही दिखावा नहीं कर रहे थे," उसने कहा।
स्टीफन ने गुस्से में कहा, "अपनी ये घटिया चापलूसी अपने पास ही रखो। सैली की मौत चाहने वाले तुम आखिरी इंसान थे। सैली के यहाँ बसने के बाद देबोरा तुमसे शादी कर सकती थी। यकीन मानो, किसी और शर्त पर तो तुम उसे पा ही नहीं सकते थे। अब वो तुमसे कभी शादी नहीं करेगी और तुम ये बात जानते हो।"
एलेनोर मैक्सी ने ऊपर देखा और धीरे से कहा:
मैं उससे बात करने उसके कमरे में गया। ऐसा लग रहा था कि अगर वह सचमुच मेरे बेटे को पसंद करती है, तो शायद यह शादी इतनी बुरी बात नहीं होगी। मैं जानना चाहता था कि वह क्या सोचती है। मैं थका हुआ था और मुझे सुबह तक इंतजार करना चाहिए था। वह अपने बिस्तर पर लेटी हुई थी और खुद ही गाना गा रही थी। सब ठीक होता अगर उसने दो बातें न की होतीं। उसने मुझ पर हँसा। और उसने मुझे बताया, स्टीफन, कि वह तुम्हारे बच्चे को जन्म देने वाली है। यह सब बहुत जल्दी हुआ। एक पल पहले वह ज़िंदा थी और हँस रही थी। अगले ही पल वह मेरे हाथों में एक बेजान चीज़ थी।
"तो फिर ये तुम ही थे!" कैथरीन ने फुसफुसाते हुए कहा। "ये तुम ही थे।"
"बिल्कुल," एलेनोर मैक्सी ने धीरे से कहा।
"खुद ही सोच लो। और कौन हो सकता था?"

मैक्सी परिवार का मानना था कि जेल जाना अस्पताल जाने जैसा ही होता है, बस फर्क इतना है कि यह उससे भी ज़्यादा अनैच्छिक होता है। दोनों ही असामान्य और डरावने अनुभव होते हैं, जिन पर पीड़ित व्यक्ति तटस्थ भाव से प्रतिक्रिया करता है और दर्शक दृढ़ता से प्रसन्नता का भाव दिखाते हैं, जिसका उद्देश्य संवेदनहीनता का संदेह पैदा किए बिना विश्वास जगाना होता है।

एलेनोर मैक्सी, एक शांत और कुशल महिला पुलिस सार्जेंट के साथ, अपने घर में आखिरी स्नान का आनंद लेने गई। उसने इस पर ज़ोर दिया था और अस्पताल जाने की अंतिम तैयारियों की तरह, कोई भी यह बताना नहीं चाहता था कि भर्ती होने पर सबसे पहले उसे स्नान करना पड़ता है। या शायद हिरासत में लिए गए कैदियों और दोषी ठहराए गए लोगों में कोई अंतर था?

फेलिक्स को शायद पता था, लेकिन किसी ने पूछने की जहमत नहीं उठाई। पुलिस कार का चालक पीछे खड़ा था, एम्बुलेंस अटेंडेंट की तरह सतर्क और चुपचाप। आखिरी निर्देश दिए जा रहे थे, दोस्तों के लिए संदेश थे, फोन कॉल किए जा रहे थे और जल्दबाजी में सामान पैक किया जा रहा था।

श्री हिंक्स हांफते हुए और अचंभित हुए विकारेज से पहुंचे, उन्होंने सलाह और सांत्वना देने के लिए खुद को तैयार किया, लेकिन ऐसा लग रहा था कि उन्हें खुद इसकी इतनी सख्त जरूरत थी कि फेलिक्स ने उनका हाथ मजबूती से पकड़ा और उन्हें वापस विकारेज ले गए।

खिड़की से देबोरा उन्हें बातें करते हुए देखती रही जब तक वे नज़रों से ओझल नहीं हो गए और कुछ पल के लिए सोचने लगी कि वे क्या कह रहे होंगे। जब वह अपनी माँ के कमरे की सीढ़ियाँ चढ़ रही थी, तभी हॉल से डेलग्लिश का फ़ोन आया। उनकी नज़रें मिलीं और ठहर गईं। एक पल के लिए उसे लगा कि वह कुछ बोलने वाला है, लेकिन उसका सिर फिर से रिसीवर की ओर झुक गया और वह अपने रास्ते चली गई, अचानक और बिना किसी हैरानी के यह पहचानते हुए कि अगर हालात अलग होते, तो यही वह आदमी था जिससे वह सहज रूप से आश्वासन और सलाह के लिए संपर्क करती।

अकेले रह जाने पर स्टीफन ने अपने दुख को पहचाना - एक असहनीय पीड़ा, जिसका उस असंतोष और ऊब से कोई लेना-देना नहीं था जिसे वह पहले दुख समझता था। उसने दो पैग पी लिए थे, लेकिन समय रहते समझ गया कि शराब पीने से कोई फायदा नहीं हो रहा। उसे किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत थी जो उसके दुख को कम कर सके और उसे उसकी असल अन्यायपूर्णता का एहसास दिला सके। वह कैथरीन की तलाश में निकल पड़ा।

उसने उसे अपनी माँ के कमरे में एक छोटे से बक्से के सामने घुटनों के बल बैठे हुए, जार और बोतलों को टिशू पेपर में लपेटते हुए पाया। जब उसने ऊपर उसकी ओर देखा तो उसने पाया कि वह रो रही थी। वह हैरान और चिढ़ गया।

घर में इससे छोटे दुख के लिए कोई जगह नहीं थी। कैथरीन कभी भी भावुक होकर रोने की कला में निपुण नहीं थी। शायद यही एक कारण था कि उसने बचपन से ही दुख में और अन्य चीजों में भी संयमी रहना सीख लिया था।

स्टीफन ने अपनी पीड़ा में इस तरह की दखलंदाजी को नजरअंदाज करने का फैसला किया।

"कैथी," उसने कहा। "आखिर उसने कबूलनामा क्यों किया? हर्न बिल्कुल सही था।"

अगर वह चुप रहती तो वे इसे कभी साबित नहीं कर पाते।
इससे पहले उसने उसे सिर्फ एक बार कैथी कहकर पुकारा था, और तब भी वह उससे कुछ चाहता था। शारीरिक प्रेम के उस क्षण में भी उसे यह बनावटी लगा था। उसने ऊपर उसकी ओर देखा। "तुम उसे अच्छी तरह नहीं जानते, है ना? वह तो तुम्हारे पिता की मृत्यु का इंतज़ार कर रही थी, ताकि वह सब कुछ कबूल कर सके। वह उन्हें छोड़ना नहीं चाहती थी और उसने उनसे वादा किया था कि उन्हें दूर नहीं भेजा जाएगा। यही एकमात्र कारण था कि वह चुप रही। आज रात जब वह उनके साथ पादरी के घर वापस जा रही थी, तब उसने मिस्टर हिंक्स को सैली के बारे में बताया था।"
लेकिन वह सारी जानकारियों के दौरान इतनी शांति से बैठी रही!
"मुझे लगता है कि वह जानना चाहती थी कि आखिर हुआ क्या था। आपमें से किसी ने भी उसे कुछ नहीं बताया। मुझे लगता है कि वह सबसे ज्यादा इस बात से चिंतित थी कि शायद आप ही लोग सैली से मिलने गए थे और दरवाजा बंद कर दिया था।"
"मुझे पता है। उसने मुझसे पूछने की कोशिश की। मुझे लगा कि वह मुझसे पूछ रही है कि क्या मैं हत्यारा हूँ। उन्हें आरोप कम करना होगा। आखिरकार, यह पूर्व नियोजित हत्या नहीं थी। जेफसन जल्दी क्यों नहीं आ जाता? हमने उसे फोन कर दिया है।"
कैथरीन बेडसाइड टेबल से ली गई कुछ किताबों को छाँट रही थी, यह सोच रही थी कि उन्हें पैक करना है या नहीं। स्टीफन ने आगे कहा:
"वे उसे हर हाल में जेल भेजेंगे। माँ जेल में! कैथी, मुझे नहीं लगता कि मैं यह बर्दाश्त कर पाऊँगी!"
और कैथरीन, जो एलेनोर मैक्सी को बहुत पसंद करने लगी थी और उनका बहुत सम्मान करती थी, उसे भी यकीन नहीं था कि वह इसे सहन कर पाएगी और उसने अपना धैर्य खो दिया।
"तुम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते! मुझे यह पसंद है! तुम्हें इसे बर्दाश्त करने की ज़रूरत नहीं है। उसे करना पड़ता है। और याद रखो, तुमने ही उसे वहाँ पहुँचाया है।"
कैथरीन को एक बार शुरू करने के बाद रुकना मुश्किल लगा और उसकी झुंझलाहट अधिक व्यक्तिगत रूप से व्यक्त होने लगी।
और एक बात और, स्टीफन। मुझे नहीं पता कि तुम हमारे बारे में क्या सोचते हो... मेरे बारे में, अगर तुम चाहो तो। मैं इस बारे में दोबारा बात नहीं करना चाहती, इसलिए अभी कह रही हूँ कि सब खत्म हो गया है। अरे, भगवान के लिए, अपने पैर उस टिशू पेपर से बाहर निकालो! मैं सामान पैक करने की कोशिश कर रही हूँ।
वह अब किसी जानवर या बच्चे की तरह ज़ोर-ज़ोर से रो रही थी। उसके शब्द इतने भारी हो गए थे कि वह उन्हें मुश्किल से ही सुन पा रहा था।
"मैं तुमसे प्यार करता था, लेकिन अब नहीं। मुझे नहीं पता कि अब तुम मुझसे क्या उम्मीद करते हो, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। सब कुछ खत्म हो गया है।"
और स्टीफन, जिसका कभी भी एक पल के लिए भी ऐसा करने का इरादा नहीं था, ने उस धब्बेदार चेहरे, सूजी हुई उभरी हुई आँखों को देखा और अकारण ही, निराशा और खेद की एक

लहर महसूस की।
एलेनोर मैक्सी को हत्या के कम गंभीर आरोप में दोषी पाए जाने के एक महीने बाद, डेलग्लिश, अपनी दुर्लभ छुट्टी के दिनों में से एक दिन, एसेक्स के मुहाने से लंदन लौटते समय चैडफ्लीट से गुज़रा, जहाँ उसने अपनी 30 फुट लंबी नौका खड़ी की थी। यह उसके रास्ते से ज़्यादा दूर नहीं था, लेकिन उसने उन कारणों का ज़्यादा विश्लेषण नहीं करना चाहा, जिनके कारण उसे पेड़ों की छाया से घिरी घुमावदार सड़कों पर तीन अतिरिक्त मील का सफर तय करना पड़ा था। वह पुलेंस की कुटिया के पास से गुज़रा। सामने के कमरे में एक बत्ती जल रही थी और प्लास्टर से बना अल्सेशियन कुत्ता पर्दों के पीछे धुंधली आकृति में खड़ा था।
और अब सेंट मैरीज़ रिफ्यूज की बारी आई। घर खाली-खाली लग रहा था, बस दरवाजे की सीढ़ियों पर एक अकेली प्रैम रखी थी, जो अंदर की हलचल का हल्का सा संकेत दे रही थी। पूरा गाँव सुनसान था, शाम के पाँच बजे की शांति में डूबा हुआ।
विल्सन जनरल स्टोर्स के पास से गुजरते हुए, सामने के दरवाजे के पर्दे खींचे जा रहे थे और आखिरी ग्राहक जा रही थी। वह देबोरा रिस्को थी। उसके हाथ में एक भारी-भरकम खरीदारी की टोकरी थी और उसने सहज ही कार रोक दी। दुविधा या असहजता के लिए समय नहीं था, उसने उससे टोकरी ले ली और वह उसके बगल वाली सीट पर बैठ गई, इससे पहले कि उसे अपनी हिम्मत या उसकी आज्ञाकारिता पर आश्चर्य होता। उसके शांत, आत्मविश्वास से भरे चेहरे पर एक नज़र डालते हुए, उसने देखा कि तनाव का भाव गायब हो गया था। उसकी सुंदरता में कोई कमी नहीं आई थी, बल्कि उसके चेहरे पर एक शांति थी जिसने उसे उसकी माँ की याद दिला दी।
जैसे ही कार मार्टिंगेल के रास्ते में मुड़ी, वह थोड़ा हिचकिचाया, लेकिन उसने लगभग न के बराबर सिर हिलाया और वह आगे बढ़ गया। बीच के पेड़ अब सुनहरे हो गए थे, लेकिन शाम ढलने के साथ उनका रंग फीका पड़ रहा था। टायरों के नीचे गिरे पहले पत्ते चटक कर धूल बन गए। घर फिर से दिखाई देने लगा, जैसा उसने पहली बार देखा था, लेकिन अब वह थोड़ा धूसर और ढलती रोशनी में थोड़ा भयावह लग रहा था।
हॉल में डेबोरा ने अपनी चमड़े की जैकेट उतार दी और अपना स्कार्फ खोल दिया।
"धन्यवाद। मुझे खुशी हुई। इस हफ्ते स्टीफन के पास गाड़ी है और विल्सन की डिलीवरी सिर्फ बुधवार को ही होती है। मैं अक्सर भूली हुई चीज़ें खत्म हो जाती हैं। क्या आप कुछ पीना चाहेंगे, चाय या कुछ और?" उसने उसे एक व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। "अभी आपकी ड्यूटी नहीं है।"
या आप हैं?
"नहीं," उसने कहा। "मैं अभी ड्यूटी पर नहीं हूँ।"
मैं बस खुद को थोड़ा लाड़-प्यार दे रहा हूँ।
उसने कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा और वह उसके पीछे-पीछे ड्राइंग रूम में चला गया। कमरा उसकी याद से कहीं अधिक धूल भरा था, और कुछ हद तक खाली-खाली सा लग रहा था, लेकिन उसकी पारखी नज़र ने देखा कि कोई खास बदलाव नहीं हुआ था, बस एक ऐसे कमरे का खालीपन सा दिख रहा था जिसमें रहने-सहने से जुड़े छोटे-मोटे व्यक्तिगत बदलाव समेट दिए गए थे।

जैसे कि उसे पहले से ही पता था कि वह क्या सोच रहा है, उसने कहा:
"ज्यादातर समय यहां सिर्फ मैं ही होता हूं।"
मार्था चली गई है और मैंने उसकी जगह नए शहर के कुछ अखबारों को रख लिया है। कम से कम, वे खुद को अखबार तो कहते हैं, लेकिन मुझे कभी यकीन नहीं होता कि वे आएंगे। इससे हमारे रिश्ते में रोमांच आ गया है। स्टीफन ज़्यादातर सप्ताहांत घर पर रहता है, और इससे मदद मिलती है। मम्मी के आने से पहले अच्छी तरह से साफ-सफाई करने के लिए काफी समय होगा। फिलहाल तो ज़्यादातर कागज़ी काम, पापा की वसीयत, मृत्यु संबंधी कर्ज़ और वकीलों की झंझटें ही चल रही हैं।
"क्या आपको यहां अकेले होना चाहिए?" डेलग्लिश ने पूछा।
"ओह, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। परिवार के किसी न किसी सदस्य को तो रुकना ही होगा। सर रेनॉल्ड ने मुझे अपने कुत्तों में से एक देने की पेशकश की थी, लेकिन वे मेरे लिए थोड़े ज्यादा काटने वाले हैं। इसके अलावा, उन्हें भूत भगाने का प्रशिक्षण नहीं दिया गया है।"
डेलग्लिश ने उसके द्वारा दिया गया पेय लिया और कैथरीन बोवर्स के बारे में पूछा। उसका ज़िक्र करना सबसे सुरक्षित लगा। उसे स्टीफन मैक्सी में ज़रा भी दिलचस्पी नहीं थी, जबकि फेलिक्स हर्न में बहुत ज़्यादा दिलचस्पी थी। उस बच्ची के बारे में पूछना उस सुनहरे बालों वाली प्रेतात्मा को याद करने जैसा था, जिसकी छाया पहले से ही उन दोनों के बीच मंडरा रही थी।
"मैं कैथरीन से कभी-कभी मिलती हूँ। जिम्मी अभी भी सेंट मैरी स्कूल में है और कैथरीन अक्सर उसके पिता के साथ उसे बाहर ले जाने आती है। मुझे लगता है कि वह और जेम्स रिची शादी कर लेंगे।"
"यह तो काफी अचानक हो गया, है ना?"
वह हंसी।
"ओह, मुझे नहीं लगता कि रिची को अभी तक इसके बारे में पता है।"
यह तो वाकई अच्छी बात होगी। वह बच्चे से बहुत प्यार करती है, उसकी बहुत परवाह करती है, और मुझे लगता है कि रिची खुशकिस्मत होगा। मुझे नहीं लगता कि आपको बताने के लिए कोई और है।
मम्मी बिल्कुल ठीक हैं और ज्यादा परेशान नहीं हैं। फेलिक्स हर्न कनाडा में हैं। मेरा भाई ज्यादातर समय अस्पताल में रहता है और बहुत व्यस्त रहता है। हालांकि, सब लोग बहुत दयालु हैं, वह कहता है।
"वे होंगे," डेलग्लिश ने सोचा।
उसकी माँ अपनी सज़ा काट रही थी और उसकी बहन अकेले ही मृत्यु के कर्तव्यों, घर के कामों और गाँव की शत्रुता या - और उसे यह सबसे बुरा लगता - सहानुभूति का सामना कर रही थी। लेकिन स्टीफन मैक्सी अस्पताल में वापस आ गया था और सभी लोग उसके प्रति बहुत दयालु थे। उसके चेहरे पर शायद उसकी भावनाओं की झलक दिख रही थी, क्योंकि उसने जल्दी से कहा:
"मुझे खुशी है कि वह व्यस्त है। मेरे मुकाबले उसके लिए स्थिति ज्यादा खराब थी।"

वे कुछ देर चुपचाप साथ बैठे रहे। उनकी सहज संगति के बावजूद, डेलग्लिश हर शब्द को लेकर बेहद संवेदनशील था। वह सांत्वना या आश्वासन देने वाली कोई बात कहना चाहता था, लेकिन अपने होठों तक पहुँचने से पहले ही अधूरे वाक्यों को नकार देता था। "मुझे खेद है कि मुझे ऐसा करना पड़ा।" लेकिन उसे वास्तव में खेद नहीं था और वह इतनी समझदार और ईमानदार थी कि यह जानती थी। उसने अपने काम के लिए कभी माफी नहीं मांगी थी और अब भी ऐसा दिखावा करके उसका अपमान नहीं करना चाहता था। "मुझे पता है कि जो मुझे करना पड़ा, उसके लिए तुम मुझे नापसंद करती होगी।"

भावुक, संवेदनहीन, बनावटी और इस घमंडी धारणा के साथ कि वह उसके बारे में कुछ भी सोच सकती है। वे चुपचाप दरवाजे तक गए और वह उसे ओझल होते देखने के लिए खड़ी रही। जैसे ही उसने अपना सिर घुमाया और हॉल की रोशनी में क्षण भर के लिए धुंधली सी दिखाई देने वाली उस अकेली आकृति को देखा, उसे अचानक और दिल को सुकून देने वाले यकीन के साथ यह विश्वास हो गया कि वे फिर मिलेंगे। और जब ऐसा हुआ, तो सही शब्द मिल जाएंगे।

***** समाप्त *****

sjeet

विंडसर सिलेक्शन में भी उपलब्ध है

पी. डी. जेम्स

हत्या की मंशा: उच्च वर्ग के मानसिक विकारों के लिए विशेष रूप से समर्पित, शानदार स्टीन मनोरोग क्लिनिक में, एडिथ बोलम का शव पड़ा था - उसके दिल में एक छेनी गड़ी हुई थी। यह सीआईडी के अधीक्षक एडम डेलग्लिश के लिए एक और मामला था।

पी. डी. जेम्स

मौत का स्वाद
सेंट मैथ्यू चर्च के एक छोटे से प्रार्थना कक्ष में,
पैडिंगटन में, दो शव खून से लथपथ पड़े हैं, उनके गले बड़ी सटीकता से काटे गए हैं, और एडम डेलग्लेश खुद को अपने करियर के सबसे उलझे हुए और पेचीदा मामले का सामना करते हुए पाता है।

ब्रायन फोर्ब्स

अंतहीन खेल: वृद्धाश्रम में निष्क्रिय अवस्था में रह रही एक दुर्बल और मूक महिला की रहस्यमय और क्रूर हत्या एक ऐसे लेखक के रोमांचक थ्रिलर की शुरुआत है, जिसे 'असाधारण रूप से प्रतिभाशाली' बताया गया है।

विंडसर लार्ज प्रिंट पुस्तकें अधिकांश पुस्तकालयों में उपलब्ध हैं। यदि आप इस श्रेणी की अन्य पुस्तकों की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, तो कृपया निम्नलिखित पते पर लिखें:
विभाग सीडी,
चिवर्स प्रेस,
विंडसर ब्रिज रोड,
बाथ बीए2 सैक्स।